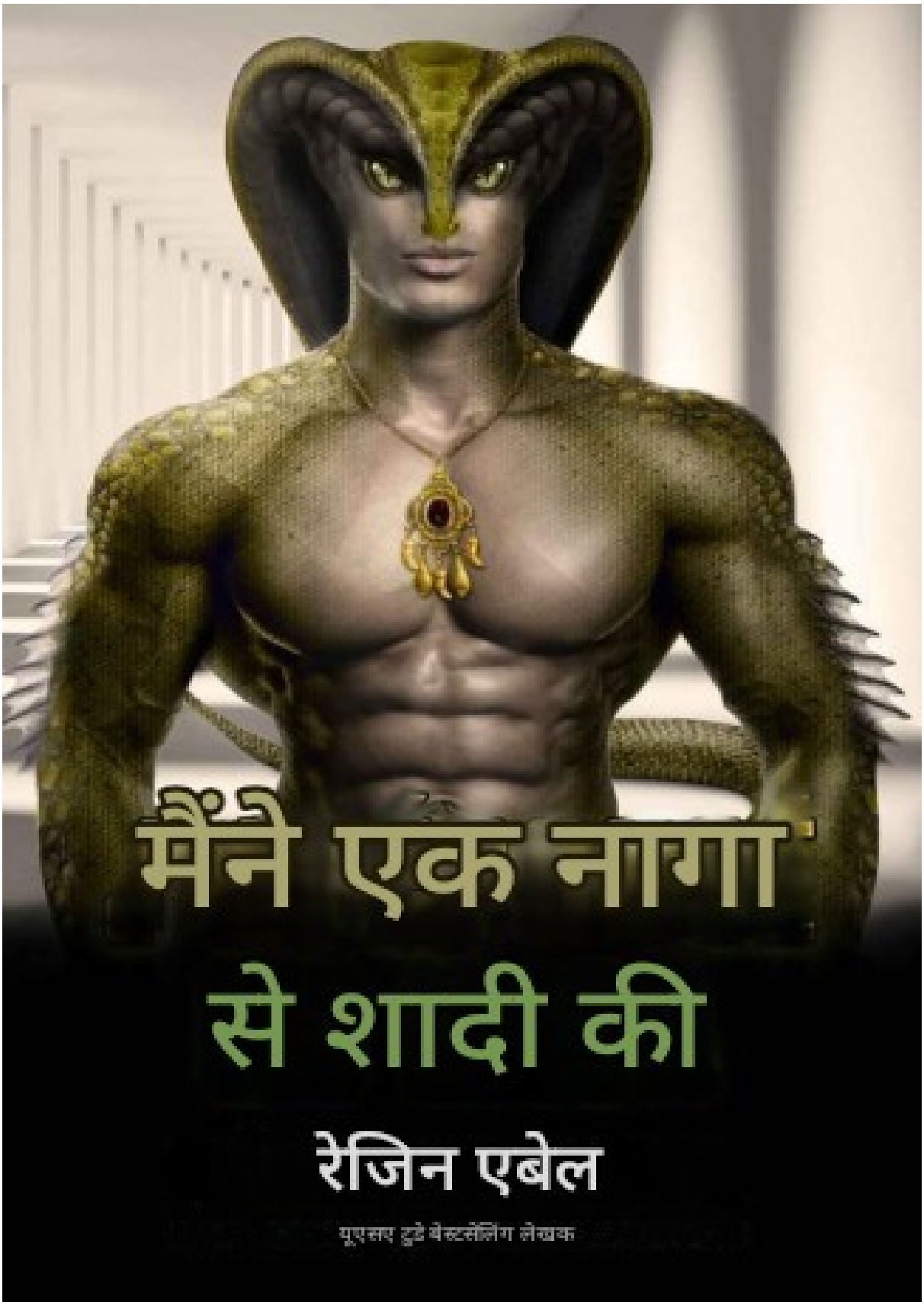
मैंने एक नागा
से शादी की
रेजिन एबेल
यूएसए टुडे बेस्टसेलिंग लेखक

मैंने एक नाग से शादी की

एजेंसी प्राइम

रेगिने एबेल

रेगिने एबेल

चित्र
सैम ग्रिफिन

सर्वाधिकार सुरक्षित
कॉपीराइट © 2021
इस पुस्तक का अनधिकृत पुनरुत्पादन या वितरण अवैध है और इस पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। लेखक की अनुमति के बिना, किसी भी माध्यम से – इलेक्ट्रॉनिक या मुद्रित – इसका पूर्ण या आंशिक पुनरुत्पादन या प्रस्तुतिकरण निषिद्ध है, सिवाय पत्रिका में प्रकाशित संक्षिप्त अंशों के।

इस पुस्तक में व्यंग्यपूर्ण भाषा का प्रयोग किया गया है और इसमें स्पष्ट यौन दृश्य शामिल हैं। यह 18 वर्ष से कम आयु के पाठकों के लिए उपयुक्त नहीं है।

यह पुस्तक एक काल्पनिक रचना है। पात्रों, स्थानों और घटनाओं के नाम या तो लेखक की कल्पना की उपज हैं या काल्पनिक रूप से प्रयुक्त किए गए हैं। किसी जीवित या मृत व्यक्ति, या वास्तविक घटनाओं या स्थानों से कोई भी समानता केवल संयोगवश है।

विषयसूची

अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
उपसंहार
उसी लेखक द्वारा
रेगिन के बारे में

कुछ भी योजना के अनुरूप नहीं हुआ।

जब सेरेना पहले शिकार में भाग लेने के लिए ट्रांगोर आती है, तो उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं होता कि उसे एक ऑर्डोसियन से शादी करने के लिए मजबूर किया जाएगा... या फिर उसे मौत की सज़ा दी जाएगी। वह उसके लोगों के बारे में कुछ नहीं जानती, उसके बारे में भी कुछ नहीं जानती, सिवाय इसके कि उसके नुकीले दांत, शल्क और एक बहुत लंबी पूंछ है। सेरेना को सिर्फ़ छह महीने के लिए पत्नी की भूमिका निभानी है, और फिर वह जाने के लिए आज़ाद होगी। लेकिन ज़ारो की योजनाएँ कुछ और ही लगती हैं। वह लंबा, डरावना और बिल्कुल भी इंसान नहीं है। फिर भी, जब वह उसे खुश करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है, तो सेरेना कैसे उदासीन रह सकती है?

सेरेना पर नज़र पड़ते ही स्ज़ारो उस कोमल स्त्री पर मोहित हो जाता है। अपनी नाज़ुक सूरत के बावजूद, वह एक निडर और कुशल शिकारी है। उसकी खुशबू का हल्का सा एहसास उसकी ज़बान पर मदहोश कर देता है। उसे अपनी जान बचाने के लिए मनाना उसके लिए मुश्किल नहीं है। अपने मतभेदों को भुलाकर उसे अपने साथ रहने के लिए राजी करना एक चुनौती है जिसे वह खुशी-खुशी स्वीकार करता है। लेकिन क्या यह चुनौती उन दोनों के बस से बाहर साबित होगी?

समर्पण

उन सभी को सलाम जिन्होंने आवश्यक कार्य करने का साहस दिखाया, भले ही इसके लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी हो। देर-सवेर, और आमतौर पर जब आप इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं करते, कर्म का फल अवश्य मिलेगा।

अध्याय 1

बेचैनी से इधर-उधर घूमते हुए, मैंने परिवहन शटल में सवार होने का इंतज़ार करते हुए पहले शिकार में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक नज़र डाली। सभी बड़े नाम भाग लेने आए थे। इसमें कोई आश्चर्य नहीं, क्योंकि इनाम बहुत बड़े थे। हालाँकि मैं खुद एक बेहतरीन शिकारी था, लेकिन मुझे भव्य पुरस्कार जीतने की अपनी क्षमता पर कोई संदेह नहीं था। पाँच मिलियन क्रेडिट का वह इनाम बहुत बड़ा था। हालाँकि, अधिकांश अन्य शिकारों के विपरीत, इसमें यह गारंटी थी कि हर कोई अपने प्रदर्शन के आधार पर विजेता बनेगा। इसलिए, इसमें भाग लेना केवल आमंत्रण द्वारा था, जो गैलेक्टिक हंटर फेडरेशन के सुस्थापित शिकारियों को भेजा जाता था।

फेडरेशन बेस कैंप के विशाल हैंगर में बीस शटल खड़ी थीं—यह ट्रांगोर पर मौजूद कुछ गिनी-चुनी गैर-स्थानीय इमारतों में से एक थी। हममें से किसी ने भी इस "आदिम" ग्रह पर कभी कदम नहीं रखा था। हाल तक हम सभी इसे एक जंगली दुनिया मानते थे, जहाँ केवल खूंखार जानवर ही रहते थे। लेकिन ठीक पृथ्वी की तरह, यहाँ भी एक बुद्धिमान प्रजाति का दबदबा था: ऑर्डोसियन नामक साँप जैसे जीव। उनके बारे में बहुत कम जानकारी थी। उन्हें बाहरी लोगों से घुलने-मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं थी और वे निश्चित रूप से नहीं चाहते थे कि हम उनके ग्रह पर इधर-उधर घूमें। फेडरेशन का इस शिकार को आयोजित करने के लिए उनकी अनुमति प्राप्त करना किसी चमत्कार से कम नहीं था।

विशाल हॉल में एक घंटी बजी, जिससे शिकारियों की बातचीत शांत हो गई। फेडरेशन के मास्टर हंटर ब्रॉन क्फ्लन, जहाज पर चढ़ने से पहले हमें अंतिम बार संबोधित करने के लिए एक छोटे से चबूतरे पर खड़े हुए। नर एडोसिट—एक प्रकार की अप्सरा—अपने युवा दिनों में एक किंवदंती थी।

“शिकारियों, पहले ट्रांगोर शिकार में आपका स्वागत है,” ब्रॉन ने गरजते हुए कहा। “आप यहाँ इसलिए हैं क्योंकि आप सर्वश्रेष्ठ हैं। हम एक कुशल शिकार चाहते हैं, जिसमें साफ-सुथरे और मानवीय तरीके से शिकार किया जाए। अपने शिकार के अंगों को कम से कम नुकसान पहुँचाएँ, क्योंकि उनका उपयोग महत्वपूर्ण चिकित्सा अनुसंधान के लिए किया जाएगा। इसीलिए, मारे गए प्रत्येक प्राणी के लिए दी जाने वाली एकमुश्त राशि के अलावा, हम साफ-सुथरे शिकार के लिए इनाम भी देंगे, जिससे आपको भव्य पुरस्कार के लिए अतिरिक्त अंक मिलेंगे। इसलिए, दिए गए बीकन का उपयोग करके अपने शिकार का दावा करना सुनिश्चित करें ताकि हमारी बचाव टीमें उन्हें जल्दी से प्राप्त कर सकें।”

भीड़ में उत्साह की लहर दौड़ गई। इस तरह का शिकार दुर्लभ था। कुछ शिकारी खूब पैसा कमा रहे थे, जबकि अन्य मुश्किल से अपना गुजारा कर पाते थे, अपने उपकरण का रखरखाव और अपग्रेड कर पाते थे, या आम आयोजनों में प्रवेश शुल्क दे पाते थे। यह कम आय वालों के लिए एक बड़ी राहत थी। मैं अमीर तो नहीं था, लेकिन मेरी ज़रूरतें पूरी करने में कोई दिक्कत नहीं थी। इससे मेरी बचत में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी।

“हमने आपके स्पीडर या ग्लाइडर को उन शटलों पर लोड कर दिया है जो आपको उस सेक्टर तक ले जाएंगी जहाँ आपने शिकार करने का चुनाव किया है,” ब्रॉन ने आगे कहा। “याद रखें कि आपको केवल स्किनर्स का

ही शिकार करना है। किसी और का नहीं! ऑर्डोसियनों ने इन शिकारों को केवल उनकी आबादी को नियंत्रित करने के लिए अधिकृत किया है।"

ऐसा प्रतीत होता है कि ये जीव बहुत तेज़ी से प्रजनन करते थे। हर साल, प्रजनन के मौसम में, सभी अविवाहित, बीमार या बूढ़े वयस्क जीवों को उनके क्षेत्र से भगा दिया जाता था ताकि नवजात शिशुओं के लिए जगह बन सके। ये बहिष्कृत जीव क्षेत्र में घूमते रहते थे और रास्ते में आने वाली कमजोर प्रजातियों में तबाही मचाते थे। हमारा काम इस घूमते-फिरते खतरे को खत्म करना था।

जाने से पहले, सुनिश्चित करें कि आपका नक्शा ठीक से सिंक्रनाइज़ है और उसमें अनुमत शिकार क्षेत्र स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। कृपया, मैं दोहराता हूँ, अनुमत सीमाओं से बाहर बिल्कुल भी प्रवेश न करें। ओर्डोसियन इन अन्य क्षेत्रों को पवित्र भूमि मानते हैं। यदि आप निषिद्ध क्षेत्रों में पकड़े गए तो वे आपको मृत्युदंड दे देंगे।

मेरी तरह, कमरे में मौजूद लगभग सौ शिकारियों में से अधिकांश ने यह जांच की कि हमारे आर्मबैंड में एकीकृत नक्शा सही ढंग से काम कर रहा है या नहीं।

"अगर आप सीमा के बहुत करीब जाते हैं, तो एक ट्रैकर आपको चेतावनी देगा, और सीमा पार करने पर तो और भी ज़्यादा। अगर ऐसा होता है, तो तुरंत वापस मुड़ जाएं और प्रार्थना करें कि आपको किसी ने न देखा हो," ब्रॉन ने सख्ती से कहा। "अगर आप अतिक्रमण करते हुए या स्थानीय वन्यजीवों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाते हुए पकड़े जाते हैं, तो ऑर्डोसियन लोगों की जवाबी कार्रवाई होने पर भी हम कुछ नहीं करेंगे। इस आयोजन को आयोजित करने की अनुमति लेने में हमें बहुत समय लगा है। कृपया इसे सबके लिए खराब न करें। और एक-दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार करें। अगर आप में से कोई भी जानबूझकर दूसरे प्रतियोगियों को खतरे में डालते हुए पकड़ा जाता है, चाहे जानवरों को उनकी ओर लुभाकर या किसी अन्य गलत तरीके से, तो आपको प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और आपकी जीती हुई कोई भी राशि जब्त कर ली जाएगी।"

कुछ शिकारियों के मुंह बनाने पर मेरे होठों पर एक व्यंग्यात्मक मुस्कान फैल गई। इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में, कुछ लोग बढ़त हासिल करने की कोशिश में जरा भी संकोच नहीं करते।

"लेकिन बहुत हो गई बातें और चेतावनियाँ। कुछ ही सेकंड में, आपकी शटल संख्या आपके आर्मबैंड पर प्रदर्शित हो जाएगी। शुभकामनाएँ और शिकार में सफलता मिले!" ब्रॉन ने अपनी बात समाप्त की।

कमरे में उत्साह भरी चीखें गूंज उठीं, और जैसे ही हर व्यक्ति को अपना नंबर मिला, दबी हुई क्लिक की आवाज़ें सुनाई दीं। मेरा नंबर तेरह था, जो मेरे लिए भाग्यशाली नंबर था। मैंने अपने पैरों के पास ज़मीन पर पड़ा अपना बैग उठाया, उसे अपने कंधे पर टांगा और अपने और चार अन्य पुरुषों के लिए निर्धारित शटल की ओर चल पड़ा। हालांकि उपस्थित शिकारियों में केवल पांचवां हिस्सा महिलाएं थीं, लेकिन हर मौसम में हमारी संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी।

मेरे आगे एक जाना-पहचाना चेहरा देखकर मेरा दिल बैठ गया। बैरन, जिसका असली नाम बायरोन्ज़ियिक था, एक नंबर का बदमाश था। ज़ाहिर है, ज़मोरा प्रजाति का यह पुरुष मेरे ही सेक्टर की ओर जा रहा था। वह

जितना लंबा और विशालकाय था, उतना ही क्रूर और निर्दयी भी था, और अपने प्रतिद्वंद्वियों को धोखा देने और चोट पहुँचाने में माहिर था। अपनी प्रजाति के सभी सदस्यों की तरह, वह भी कुछ-कुछ भूरे रंग की त्वचा वाले ओर्का व्हेल जैसा दिखता था, जिसके चार हाथ, चार आँखें और एक लंबी, चिकनी गर्दन के बाल एक चोटी में बंधे हुए थे। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसे एक ऐसे आयोजन में आमंत्रित किया गया था जिसे साफ-सुथरा और नैतिक होना चाहिए था। ज़ाहिर है, शिकारी के रूप में उसके ऊँचे पद ने चयन समिति को आँखें मूंद लेने के लिए मना लिया था।

मुझे उस बेवकूफ से दूर रहना ही था। कम से कम वो तो सबसे बड़े शिकार यानी वयस्क नर स्किनर का पीछा करता। उन्हें मारना मुश्किल था, लेकिन उनसे ज़्यादा क्रेडिट और पॉइंट्स मिलते थे। मैंने मध्यम आकार के स्किनर पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई थी। मैं उन्हें तेज़ी से और कम गंभीर चोट के जोखिम के साथ मार सकता था। मेरे लिए, यह शिकार अमीर बनने के बारे में नहीं था। मैं बस अपने बैंक खाते को भरना चाहता था, एक नए जानवर के खिलाफ इस अनोखे अनुभव में भाग लेना चाहता था, और एक ऐसी दुनिया की खोज करना चाहता था जहाँ कुछ ही लोग कदम रखने का दावा कर सकते हैं।

जैसे ही हम शटल की यात्री सीटों पर बैठे, वह उत्तर-पूर्व दिशा की ओर चल पड़ी। बड़ी खिड़कियों से मुझे ट्रांगोर का पहला मनमोहक दृश्य दिखाई दिया। साफ नीले आसमान में हल्की हरी आभा थी। नीचे, अजीबोगरीब, प्रागैतिहासिक दिखने वाले पेड़ों के घने जंगल दूर-दूर तक फैले हुए थे। कुछ पेड़ ड्रैगन ट्री जैसे लग रहे थे, कुछ मंकी पज़ल ट्री जैसे, और कुछ बाओबाब के पेड़ जैसे, जिनके तनों को सावधानीपूर्वक बुनी हुई छाल से लपेटा गया हो।

अपेक्षाकृत कम दूरी की यात्रा के बाद, शटल एक विशाल खुले मैदान में उतरी। फेडरेशन द्वारा उपलब्ध कराए गए स्कैन डेटा के अनुसार, यद्यपि इस क्षेत्र में क्रोधित डेथक्लॉज़ के कई झुंड मौजूद थे, फिर भी उनकी संख्या किसी एक मानव शिकारी के लिए पर्याप्त नहीं थी। मेरे अधिकांश प्रतिद्वंद्वी दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम की ओर चले गए, जहाँ ये जानवर अधिक संख्या में थे। मुझे उम्मीद थी कि बैरन भी उसी रास्ते से जाएगा ताकि उसे उनमें से अधिक को मार गिराने का मौका मिल सके।

अपने प्रतिद्वंद्वियों को शुभकामनाएँ देने के बाद, मैंने अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी को कार्गो बे से बाहर निकाला और यह सुनिश्चित करने के लिए दोबारा जाँच की कि मेरी थोड़ी-बहुत ज़रूरी सामान सीट के नीचे बने स्टोरेज कंपार्टमेंट में सुरक्षित रूप से रखा हुआ है। उत्साहित होकर, मैं उत्तर की ओर तेज़ी से बढ़ा जबकि बाकी लोग अलग-अलग दिशाओं में बिखर गए। मैंने अपना लॉन्ग-रेंज स्कैनर चालू किया और अपना शिकार शुरू किया।

मुझे बेहद खुशी हुई कि दस मिनट से भी कम समय में मेरे स्कैनर पर पहले बिंदु दिखाई दिए, जिनसे आस-पास के स्किनर सांपों का पता चला। मैं उस सांप की ओर बढ़ा जो बाकियों से थोड़ा अलग-थलग लग रहा था। सौभाग्य से, हालांकि वह काफी बड़ा था, लेकिन वह उन विशालकाय, परिपक्व नर सांपों में से नहीं था जो

पलक झपकते ही हमें टुकड़े-टुकड़े कर देते। कठिन शिकार को निशाना बनाने से पहले यह एक अच्छा अभ्यास साबित हुआ।

स्किनर सचमुच भयानक थे। उनके शरीर का निचला हिस्सा छोटे कनखजूरे जैसा था, जिसमें हर तरफ सिर्फ चार पैर थे। इसके साथ एक लंबा धड़ जुड़ा हुआ था, जो किसी मोटे-ताज़े इंसान का लग सकता था। उनके पास कीड़ों जैसी भुजाएँ थीं, जिनमें दरांती जैसे अंग लगे थे जो एक ही वार में किसी व्यक्ति को दो टुकड़ों में काट सकते थे। उनकी गर्दन, जो लगभग एक मीटर लंबी थी, एक गोल सिर पर खत्म होती थी जो खंजर जैसे नुकीले दाँतों से भरा एक विशाल मुँह था। इस मुँह के चारों ओर और गर्दन के किनारों पर कम से कम दो दर्जन आँखें थीं, जिनसे उन्हें अपने आसपास का 360 डिग्री का दृश्य दिखाई देता था।

सौभाग्य से, उनकी सुनने की क्षमता कमज़ोर और दृष्टि सीमित थी। हालांकि, वे अपने आसपास की ज़मीन और हवा में होने वाले कंपन के प्रति बेहद संवेदनशील थे। मैंने अपने स्पीडर को उस जानवर से सुरक्षित दूरी पर रोक दिया और अपना स्टील्थ शील्ड सक्रिय कर दिया। इन जीवों पर सीधा हमला करना आत्मघाती होता। वे न केवल अविश्वसनीय रूप से तेज़ थे, बल्कि एक बार जब वे आपको अपनी नज़र में ले लेते, तो वे तब तक निर्दयी होते रहते जब तक आप उनके पेट में न घुस जाएं। और इस समय, मेरा लक्ष्य कुछ खाने की तलाश में था।

स्किनफ्लेयर की कभी-कभार सुनाई देने वाली गुर्राहट और पत्तों में हवा की सरसराहट के अलावा, हमारे चारों ओर फैली भयानक खामोशी इस बात की पुष्टि कर रही थी कि बाकी वन्यजीव—यहाँ तक कि पक्षी भी—इन राक्षसों के हमले के दौरान शरण ले चुके थे। हालांकि, इस इलाके में ऐसा कोई हमला नहीं हुआ था, और यही वजह थी कि मैंने इस जगह को चुना था। लेकिन पश्चिम की ओर, स्किनफ्लेयर्स के बड़े-बड़े झुंड टिड्डियों के झुंड की तरह अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को चट कर जाते थे। जाहिर है, ट्रांगोर पर यह घटना साल में एक बार होती है, इसलिए कमजोर प्रजातियों को खत्म होने से बचाने के लिए इनकी संख्या कम करना जरूरी है।

चाल यह थी कि उन्हें ज़मीन पर गिरा दिया जाए। तब वे पीठ के बल पड़े कछुए की तरह असहाय हो जाते। सौभाग्य से, हवा उत्तर-पूर्व से चल रही थी, जिससे मेरी गंध मेरे शिकार से दूर जा रही थी। स्किनर्स की संवेदनशील नाक उनकी दृष्टि और श्रवण शक्ति की कमी को पूरा कर देती थी। मैंने अपना धनुष उठाया और उसमें तीर भर लिए। इस उन्नत हथियार में निशाना साधने की सुविधा थी, जिससे मैं लक्ष्य पर पहले से ही निशाना लगा सकता था; उसके अगले पैरों के घुटनों को ढकने वाले सुरक्षात्मक कवच के नीचे एक छोटा सा बिंदु। एक बार तीर चलाने के बाद, मेरे पास उसे साफ-सुथरा मारने के लिए बहुत कम समय होता। अगर मैं चूक जाता, तो हालात बहुत अराजक हो सकते थे।

मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, नसों में एड्रेनालाईन दौड़ रहा था, मैं चुपचाप अपने शिकार की ओर बढ़ा। दस मीटर से कुछ ज़्यादा दूरी पर रुककर, मैंने गहरी साँस ली, ध्यान केंद्रित किया और फिर अपने तीर छोड़ दिए। तीर मेरे पास से गुज़रे, एक पल के अंश के अंतराल पर, मैंने उस जीव के चेहरे पर निशाना साधा, अपने

आस-पास की हर चीज़ को नज़रअंदाज़ करते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। जैसे ही मेरे तीर निशाने पर लगे, मानो समय धीमा हो गया हो, वे स्किनर के घुटनों के नीचे के कोमल ऊतकों में धंस गए। उसके दोनों अगले पैर अंदर की ओर मुड़ गए और वह जानवर आगे की ओर झपटा। जैसे ही उसका धड़ झुका, उसने चीखने के लिए अपनी गर्दन आगे बढ़ाई और अपने दाँतों से भरा मुँह चौड़ा खोल दिया।

मेरे पास जो कुछ ही पल थे, उनमें मैंने ज़ूम करके उसके गले के पिछले हिस्से में मौजूद बैंगनी उभार के ठीक ऊपर निशाना साधा—जो इंसानी तालु के बराबर था—और तीर चला दिया। तीर निकलते ही मैंने मन ही मन खुद को कोसा, क्योंकि मुझे पता था कि निशाना चूक गया है, क्योंकि उस जीव ने अपना सिर एक तरफ झुका लिया था। बिना हिचकिचाए, मैंने अपना निशाना ठीक किया और दोबारा तीर चलाया, और तीर निकलते ही मैं दौड़ पड़ा। जैसे ही मैं उस जानवर पर झपटा, ज़ोरदार धमाके की आवाज़ से पुष्टि हो गई कि मेरा दूसरा निशाना सही जगह लगा था।

जैसे ही उस प्राणी का ऊपरी शरीर ज़मीन पर तड़पने लगा और उसके पिछले पैर दर्द से बचने के लिए बेताब होकर पीछे हटने लगे, मैंने विजय की चीख मारी। बिना गति धीमी किए, मैं उसकी पीठ पर कूद पड़ी और अपना खंजर निकाल लिया। उसकी लंबी गर्दन पर बैठकर, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी रोडियो में चरवाहा हूँ, जबकि स्किनर दर्द से कराहते हुए मुझे गिराने की कोशिश कर रहा था। मैंने अपने तीर की नोक को पकड़ा जो उसकी खोपड़ी के पिछले हिस्से से बाहर निकली हुई थी, जहाँ उसने उसके एकमात्र कमज़ोर बिंदु को भेदा था। मैंने उसे उठाया और अपना खंजर नीचे की ओर घोंप दिया, उसकी रीढ़ की हड्डी को काट दिया और उसके मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह पूरी तरह रोक दिया। प्राणी एक ज़ोरदार झटके से काँपा, फिर शांत हो गया।

मैंने खंजर वापस खींच लिया और जानवर से नीचे कूद गया। एक पल भी बर्बाद किए बिना, मैंने अपनी बीकन पिस्टल उठाई और स्किनर की खोपड़ी के पिछले हिस्से में बने छेद में एक गोली दाग दी। उसके चारों ओर एक नीली चमक फैल गई और बीकन हल्की फ्लोरोसेंट रोशनी से जगमगाने लगी। इससे न केवल यह पुष्टि हुई कि यह वास्तव में मेरा शिकार था, बल्कि बीकन ने बचाव दल को एक संकेत भी भेजा। इसके अलावा, इससे बने चमकदार गुंबद ने शिकार को अचेत अवस्था में रखा, जिससे उसे निकाले जाने से पहले उसके अंगों को सड़ने से बचाया जा सका। यह गुंबद जंगली जानवरों को भी दूर रखने का काम करता था जो मुफ्त भोजन का फायदा उठाना चाहते थे।

इस आशाजनक शुरुआत से उत्साहित होकर, मैंने अपना खंजर साफ किया और अपने अगले शिकार की तलाश में अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी में वापस लौट आया। अगले कुछ घंटों तक, मैंने अपने प्रयास जारी रखे और अनुमान से कहीं अधिक जानवरों का सफाया किया। यह सच है कि कुछ बार मैं बाल-बाल बचा, लेकिन कुछ डरावने पलों के बिना शिकार कैसा?

जैसे ही सूरज क्षितिज में डूबने लगा, मैंने बेस पर लौटने के बजाय कैंप लगाने का फैसला किया। मैं उत्तर में बहुत दूर आ चुका था, इसलिए वापस जाना उचित नहीं था। पास में ही सरोयान पर्वत श्रृंखला थी, इसलिए मुझे

शायद कोई गुफा या किसी प्रकार की चट्टानी छाया मिल जाती जो रात के लिए ठीक-ठाक आश्रय प्रदान कर देती। मैं उत्तर-पूर्व की ओर, ओर्डोसियन क्षेत्र के करीब चला गया। वहाँ रहना अधिक सुरक्षित होगा, क्योंकि वहाँ के निवासी उन्हें खत्म करने में अथक प्रयास करते हैं, इसलिए वहाँ घूमने वाले जीव-जंतु बहुत कम होंगे। सचमुच, मुझे सुनसान इलाके में एक छोटी सी, मनमोहक प्राकृतिक गुफा मिल गई। फिर भी, मैंने गुफा के चारों ओर एक बड़े दायरे में मोशन डिटेक्टर लगा दिए, ताकि सोते समय कोई भला-बुरा न आ जाए। मैंने अपनी गाड़ी से एयर मैट्रेस निकाल लिया। हालाँकि मैं खुले में भी आराम से रह सकता था, लेकिन मुझे आराम बहुत पसंद था। इस अनोखे डिज़ाइन की वजह से यह मैट्रेस सिकुड़कर एक मोटी किताब जैसा बन जाता था। लेकिन खोलने पर यह फूलकर डबल मैट्रेस बन जाता था। यह बहुत आलीशान तो नहीं था, लेकिन पत्थरों और कंकड़ों पर सोने से कहीं बेहतर था।

मैंने बस कुछ एनर्जी बार खाए और पानी पी लिया। ट्रेकिंग के दौरान मेरी आदत थी कि मैं ठीक से खाना नहीं खाता था। आग जलाकर शिकार पकाना अक्सर लोगों का ध्यान खींच लेता था। लेकिन शिकार खत्म होने के बाद, मैं घर लौटते समय किसी आलीशान रेस्टोरेंट में जाकर खुद को बढ़िया खाना खिलाता था। रात को सोने से पहले, मैंने अपने डेटा टैबलेट पर आज की रेस के नतीजे देखे। मुझे हैरानी हुई कि मेरी रैंक 22 वीं थी, जो मेरे प्रतिद्वंद्वियों के स्तर को देखते हुए मेरी उम्मीद से कहीं बेहतर थी।

बैरन को न सिर्फ पहले स्थान पर, बल्कि बाकी सभी से बेहद आगे देखकर मैं दंग रह गया। किसी एक व्यक्ति के लिए अकेले इतना उच्च स्कोर हासिल करना असंभव था। और फिर भी, इसमें धोखा देने का कोई तरीका नहीं था। स्कोर केवल किसी को मारकर ही हासिल किया जा सकता था। आखिर उसने इतनी जल्दी इतने सारे परिपक्व नर डेथक्लॉज़ को कैसे मार गिराया? मुझे एक पल के लिए भी शक नहीं था कि उसने सिस्टम को चकमा देने का कोई तरीका ढूंढ लिया होगा। मुझे बस इस बात से घृणा हो रही थी कि उसने ग्रैंड प्राइज जीत लिया, जबकि मैं जानता था कि वह इसके लायक नहीं था।

मैंने कंधे उचकाए और रात को सोने चला गया।

अध्याय दो

सुबह जल्दी आ गई। हालाँकि मुझे कुछ और घंटे सोने का मन था, मैंने जल्दी उठने का फैसला किया। मेरे अनुमान के अनुसार, मैंने पहले दिन 25,000 से 35,000 क्रेडिट अर्जित किए थे। मैं आज उस स्कोर के बराबर—और शायद उससे भी आगे—बढ़ाना चाहता था। मैं यहाँ इस उम्मीद से आया था कि इस इवेंट के दौरान 50,000 से 70,000 क्रेडिट अर्जित करूँगा। लेकिन इस रफ्तार से, मैं उस संख्या को दोगुना भी कर सकता हूँ। यह कितना शानदार होगा!

जैसे ही मैं अपने स्पीडर पर चढ़ा, मैंने अपना लॉन्ग-रेंज स्कैनर चालू कर दिया और उत्तर की ओर रहते हुए पश्चिम की ओर जाने की योजना बनाई। लेकिन यह योजना तुरंत बदल गई जब, मुझे आश्चर्य हुआ, मेरे स्कैनर पर बड़ी संख्या में स्किनर्स दिखाई दिए। वे ऑर्डोसियन क्षेत्र की सीमा के साथ, उत्तर की ओर थोड़ी दूरी पर फैले हुए प्रतीत हो रहे थे। वे इतने बिखरे हुए थे कि मुझे उन्हें हराने में सक्षम होना चाहिए था। छुपकर हमला करने पर, इन भयानक जीवों को मारना बच्चों का खेल था। लेकिन एक बार अचानक हमला करने का मौका हाथ से निकल जाने पर, हमारे बचने की संभावना आधी हो जाती।

मैं पहले प्राणी के स्थान की ओर तेज़ी से बढ़ा। मेरी हैरानी की बात यह थी कि जंगल के सामने एक विशाल, खुला मैदान फैला हुआ था, जो निषिद्ध क्षेत्र की शुरुआत का प्रतीक था। अगर वहाँ स्किनर्स का कोई समूह इकट्ठा होता, तो मामला गंभीर रूप से बिगड़ सकता था। लेकिन जैसे ही मैं अपने शिकार के करीब पहुँचा, सामने का नज़ारा देखकर मेरा मुँह खुला का खुला रह गया।

एक विशालकाय स्किनर एक तरफ मृत पड़ा था, उस पर कोई निशान नहीं था, और उसे लेने के लिए दूर-दूर तक कोई नज़र नहीं आ रहा था। अपनी किस्मत पर यकीन न करते हुए, मैंने सावधानी से अपने स्टील्थ शील्ड को एक्टिवेट करके उसके पास जाने का फैसला किया। मैं उसके बगल में रुका, फिर भी आसपास कोई नहीं दिखा। मैंने उस जीव का जल्दी से निरीक्षण किया और पुष्टि की कि उसकी मृत्यु हाल ही में हुई थी। मुझे अंगों को हुए नुकसान की सीमा का पता नहीं था, लेकिन यह जीव फिर भी अच्छी कीमत का था। मैं अपने स्पीडर से उतरा और उस जानवर के सामने झुक गया। शिकार अद्भुत था। शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे, बस गर्दन की नस के ठीक नीचे रीढ़ की हड्डी में चाकू का एक घाव था। अगर शरीर का अपघटन बहुत आगे नहीं बढ़ा था, तो इसके लिए पूरे अंक मिलने चाहिए थे।

बिना किसी और झिझक के, मैंने अपनी बीकन गन उठाई और उस जानवर पर अपना दावा ठोक दिया।

मैं अपनी स्पीडर पर वापस चढ़ा और अपने स्कैनर पर दिख रहे अगले रिपर की ओर तेज़ी से बढ़ा। वही दिव्य इनाम मेरा इंतज़ार कर रहा था। मैंने अनुमान लगाया कि ऑर्डोसियन उन जीवों को मार रहे थे जो उनके इलाके के बहुत करीब आ जाते थे, और इनाम आपके विनम्र सेवक के लिए छोड़ रहे थे। और मैंने खुशी-खुशी उसे स्वीकार कर लिया और आगे बढ़ गया। दुर्भाग्य से, मुझे पाँचवें जीव को छोड़ना पड़ा, क्योंकि वह ऑर्डोसियन इलाके में कुछ ही मीटर अंदर गिर गया था। हालाँकि मुझे आस-पास कोई स्थानीय निवासी नहीं दिख रहा था, लेकिन लालच में आकर मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था। आठवें मारे गए जीव तक पहुँचते

ही मेरे अंदर बेचैनी घर कर गई। ये शिकार अभी हाल ही में हुए थे। लेकिन इस इलाके में इतने सारे परिपक्व—लगभग बूढ़े—रिपर नहीं होने चाहिए थे। वे कहाँ से आ रहे थे?

जैसे ही मैं उस जानवर को पकड़ने के लिए झुका, किसी के देखने के एहसास ने मुझे गर्दन घुमाने पर मजबूर कर दिया। मुझे उस प्राणी को देखने में कुछ पल लगे जो मुझ पर नज़र रख रहा था। मेरा खून जम गया, और पेड़ों के किनारे एक विशाल ऑर्डोसियन की आकृति को पहचानते ही मेरे अंदर उठने वाले सहज भय को मैंने दबा लिया। हालाँकि मुझे पता था कि मैं अभी भी निर्धारित शिकार क्षेत्र में ही हूँ, फिर भी मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी बाजूबंद दोबारा जाँची कि मैंने उनके नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया है। मेरी बाजूबंद मेरी कलाई के आसपास नियमित स्पंदन भेज रही थी, जो मुझे चेतावनी दे रही थी कि मैं निषिद्ध क्षेत्र के बहुत करीब पहुँच रहा हूँ।

मैंने ऑर्डोसियन की ओर मुड़कर देखा तो पाया कि दो और लोग उसके साथ आ गए थे। जैसे ही मैं घबराने ही वाला था कि उनमें से पहले वाले ने—जो उनका नेता लग रहा था—बाकी लोगों को अपने पीछे आने का इशारा किया और वे मुझे अनदेखा करते हुए उत्तर की ओर बढ़ते चले गए। उनका व्यवहार धमकी भरा नहीं था, लेकिन मुझे लगा कि शायद मुझे वहाँ से निकल जाना चाहिए।

तकनीकी रूप से देखा जाए तो, लावारिस मृत स्किनर शवों को प्राप्त करना वैध है।

सच कहूँ तो, मैं कोई नियम नहीं तोड़ रहा था। अगर वे मुझे कहीं और भेजना चाहते, तो मुझे पूरा यकीन था कि वे मुझे बता देते। अपनी आदत के मुताबिक लापरवाही से मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया। सुबह मुझे धनवान बनाने वाले योद्धाओं से मिलने से पहले मैंने तीन और मरे हुए स्किनर ढूंढे और उन पर अपना दावा जमा लिया। वे छह थे, जिनमें वे तीन भी शामिल थे जिनसे मैं पहले मिला था। उत्सुकतावश, मैं सुरक्षित दूरी पर खड़ा होकर उस जीव से उनकी लड़ाई देखता रहा। दुर्भाग्य से, वह जीव उनका पीछा करते हुए वर्जित क्षेत्र में पहुँच गया था, जो मेरे लालच भरे दावे की पहुँच से बाहर था।

उनका तरीका मेरी उम्मीदों से बिलकुल अलग था। मुझे पूरा यकीन था कि इतनी सफाई से मारने के लिए उन्होंने किसी तरह के लकवाग्रस्त करने वाले हथियार का इस्तेमाल किया होगा। लेकिन ऑर्डोसियनों ने अपने नंगे हाथों से हमला किया, लेकिन ज़्यादातर अपनी पूंछ से। मैंने इन नाग जैसे जीवों की तस्वीरें देखी थीं। उनके चेहरे की बनावट और सिर के चारों ओर फन को छोड़कर, उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा इंसानों जैसा था, और उनके शरीर का निचला हिस्सा सांप की पूंछ जैसा था। वे बेहद शानदार थे।

जहां मैं खड़ा था, वहां से वे लगभग दो मीटर ऊंचे लग रहे थे, और उनके पीछे लहराती उनकी पूंछें कम से कम तीन मीटर लंबी थीं। दो ऑर्डोसियन चारा बनकर स्किनर को अलग-अलग दिशाओं में लुभाने की कोशिश कर रहे थे, जिससे वह लगभग भ्रमित होकर लकवाग्रस्त हो गया था। बाकी चार ने अपने शल्कों का रंग बदलकर प्रभावी ढंग से छलावरण कर लिया और जानवर पर झपटे, दोनों तरफ से दो-दो। या कम से कम मुझे ऐसा ही लगा। जैसा कि मैंने शुरू में सोचा था कि वे अपने हाथों से उसके पैर पकड़ने की बेताब कोशिश कर रहे हैं, उसके बजाय उन्होंने जमीन पर अपनी हथेलियों को धुरी की तरह इस्तेमाल किया और फिर

अपनी पूंछों को अपने शिकार के पैरों की ओर झपटा। उन्होंने न केवल जानवर के पैरों को मोड़ा, बल्कि अपनी पूंछों को उसके दो पैरों के चारों ओर लपेट लिया।

जमीन पर असहाय पड़ा हुआ वह जानवर अपना सिर उठाकर अपनी लंबी गर्दन से उसे पकड़े हुए ऑर्डोसियनों में से एक पर हमला करने की कोशिश करने लगा। लेकिन उन दो पुरुषों में से एक, जिन्होंने जानवर को फंसाया था—जिसे मैंने उनका नेता समझा—मुड़ा और स्किनर का सिर पकड़ लिया। उसने अपनी मजबूत बांह उसके जबड़े के ठीक नीचे सरकाई और अपनी पूंछ उसकी गर्दन के चारों ओर लपेटकर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। जानवर को तब तक पता नहीं चला कि उनके नेता ने उसकी गर्दन की नस के नीचे नाजुक जगह पर चाकू घोंप दिया है, जब तक कि वह उसके गले के पिछले हिस्से तक नहीं पहुंच गया। फिर उसने खंजर को ऊपर की ओर झुकाकर सुरक्षात्मक हड्डी की छोटी सी तह में घुसा दिया और उसकी रीढ़ की हड्डी काट दी। वह प्राणी कांप उठा और फिर बेजान होकर गिर पड़ा।

एक और त्रुटिहीन प्रदर्शन।

स्किनर को मार गिराने में उन्हें शुरू से अंत तक मुश्किल से एक मिनट लगा, उनके सभी कार्य पूरी तरह से समन्वित थे। अगर आप सीधे हमला करने के लिए काफी मजबूत होते, तो गर्दन काटकर मारना सबसे अच्छा तरीका होता। दुर्भाग्य से, मैं अपने तीरों से ऐसा नहीं कर सका—वे सुरक्षात्मक हड्डी पर लगे और रीढ़ की हड्डी को नहीं काट पाए। आपको पहले 30 डिग्री के ऊपर की ओर वार करना था, फिर 45 डिग्री के नीचे की ओर वार करना था।

लेकिन जैसे ही उन्होंने मरे हुए जीव को छोड़ा, ऑर्डोसियनों ने तुरंत मेरी ओर सिर घुमा लिया और उनकी काँटेदार छिपकली जैसी जीभें मेरी ओर फड़फड़ाने लगीं। यह देखकर मेरा खून जम गया कि उन्होंने मेरी उपस्थिति को भांप लिया था या पहचान लिया था। हमें चेतावनी दी गई थी कि हमारी गुप्त तकनीक ऑर्डोसियनों को धोखा नहीं दे पाएगी, हालांकि हमें यह विस्तार से नहीं बताया गया था कि यह प्रजाति हमारे छलावरण को कैसे भेदने में कामयाब रही।

मैं एक पल के लिए झिझक गया, सोच रहा था कि भाग जाऊं या खुद को प्रकट कर दूं। आखिरकार, मैंने खुद को प्रकट करने और अपनी गुप्त सुरक्षा कवच को निष्क्रिय करने का फैसला किया। देखने में कोई बुराई नहीं थी, और भागने से संदेह पैदा हो सकता था। गहरी सांस लेते हुए, मैं थोड़ा और करीब गया, लेकिन फिर भी उनसे और उनकी सीमा से सुरक्षित दूरी बनाए रखी। जिस तरह से उन्होंने एक साथ अपने सिर एक तरफ झुकाकर मुझे परखा, अगर उनके चेहरों पर आक्रामकता दिखती तो यह डरावना हो सकता था। लेकिन, उनके चेहरे पर सिर्फ जिज्ञासा थी।

ये वो खून के प्यासे बर्बर लोग नहीं हैं जिनका जिक्र फेडरेशन ने किया था।

लेकिन मैं फेडरेशन को इस बात के लिए दोषी नहीं ठहरा सकता कि उन्होंने हमें स्थानीय आबादी के साथ बातचीत करने से रोकने और इस प्रकार दुर्भाग्यपूर्ण राजनयिक घटनाओं से बचने के लिए उन्हें शत्रुतापूर्ण के रूप में चित्रित किया।

"शानदार टीमवर्क!" मैंने यूनिवर्सल में चिल्लाकर कहा। "मैं बहुत प्रभावित हूँ।"
उनकी प्रतिक्रिया देखकर मुझे लगा कि वे बस अपने आप को संभाले हुए हैं। मैंने उन्हें एक शर्मिंदगी भरी मुस्कान दी, अपनी ही हिम्मत पर थोड़ा हैरान था। उनमें से चार उत्तर की ओर चल पड़े। उनका नेता और एक और ओर्डोसियन वहीं रुक गए। मैंने विदाई में सिर झुकाया, यह देखने के लिए कि कहीं मेरा भाग्य साथ छोड़ तो नहीं रहा, उनकी सीमा के किनारे अपनी यात्रा फिर से शुरू करने का इरादा था। लेकिन कुछ कदम चलने से पहले ही उनके नेता ने मुझे पुकारा।
"इंसान!" वह चिल्लाया, उसकी दमदार आवाज में हल्की सी कर्कश कंपन थी जिसने उसे एक बेहद सेक्सी और दबंग रूप दिया।
मैं रुक गया और उसे हैरानी भरी नज़रों से देखा। मैं वहाँ अवाक खड़ा रहा, जब उसने जवाब देने के बजाय, स्किनर के आगे के पैरों में से एक-एक पैर पकड़ा और उसे प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर मेरी ओर घसीटते हुए ले आए।
"यह सच नहीं है..." मैंने मन ही मन बुदबुदाया।
मैं उनकी ओर बढ़ा और उतरने से कुछ मीटर पहले अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी रोक दी। ये ऑर्डोसियन सचमुच बहुत प्रभावशाली थे। छह फुट तीन इंच लंबा होने के कारण मैं आमतौर पर दूसरी प्रजातियों के सामने खुद को छोटा महसूस नहीं करता था। लेकिन ये लोग—खासकर वो जिसे मैंने शिकार का नेता समझा—मुझे एक नाज़ुक फूल जैसा महसूस करा रहे थे। जहाँ उसकी पूंछ ज़मीन को छूती थी, वहाँ से लेकर उसके सिर पर बने हुड तक, वह मुझसे कम से कम 12 इंच लंबा था। उसके चौड़े कंधे, उभरी हुई बाइसेप्स और बेहद सुडौल एब्स देखकर ज़्यादातर इंसान ईर्ष्या से हरे हो जाते।
और इससे सभी कामुक महिलाओं की पैंटी गीली हो जाती है।
ठीक है, सांप जैसी पूंछ, दोमुंही जीभ, पतली नाक और छिपकली जैसी आंखें थोड़ी अजीब थीं, लेकिन उसके सिर पर बना हुड वाकई कमाल का था। उसके होंठ बेहद आकर्षक और लगभग इंसान जैसे दिखते थे। अगर उस पूंछ की जगह उसके पैर होते, तो मैं उसकी तरफ आकर्षित हो जाता।
— धन्यवाद, मैंने थोड़ा झिझकते हुए कहा।
उसकी जीभ मेरी ओर फड़फड़ाई। इससे मैं असहज हो गई और उसका आकर्षण कुछ कम हो गया। वह अपनी जीभ से मेरे बारे में क्या जानकारी जुटा रहा था? उनकी प्रजाति के बारे में बहुत कम जानकारी थी। उसकी जीभ से जो भी पता चला हो, वह खुश लग रहा था और उसके भरे हुए होठों पर एक हल्की सी मुस्कान फैल गई। किसी कारण से, इससे मुझे चिढ़ हो गई।
बिना कुछ कहे, उसने फ्लेयर का सिर उठाया और उसे एक तरफ घुमाकर उसकी गर्दन पर लगे घाव को दिखाया। फिर वह पीछे हट गया, जिससे मुझे छेद से अपना बीकन फायर करके उस जानवर पर कब्ज़ा करने का मौका मिल गया। फ्लेयर के ऊपर एक जगमगाता हुआ स्टेसिस डोम दिखाई दिया, और मैंने एक कदम पीछे हटकर ऑर्डोसियन की ओर देखा।

— खैर, आपका फिर से धन्यवाद। यह आपकी बहुत बड़ी उदारता है, मैंने घबराहट भरी हंसी के साथ कहा, और मुझे एक अज्ञात कारण से बहुत असहज महसूस हो रहा था।
मेरी ओर उसकी जीभ दो बार और निकली, और मेरी ओर टकटकी लगाए उसकी हल्की हरी आंखों की ऊर्ध्वाधर पुतली थोड़ी चौड़ी हो गई क्योंकि वह मुझे ध्यान से घूर रहा था।
— सावधान रहना, इंसान, उसने अंत में कहा और फिर मुड़कर अपने साथी के साथ खिसक कर चला गया।
मैं वहीं जम गया, उनकी कमर की मोहक अदाओं को देखता रहा – खैर, ज़्यादातर उसकी कमर की – जैसे ही वे बेहद तेज़ गति से आगे बढ़ रही थीं, निस्संदेह अपने समूह के बाकी सदस्यों से मिलने के लिए। उनकी चाल मुझे कुछ-कुछ मेरेन्गु डांसर या किसी अन्य लैटिन डांसर की याद दिला रही थी।
हाँ, बहुत ही सेक्सी है, सिवाय सांप वाले हिस्सों के।
मैं अपने अगले लक्ष्य की तलाश में वापस अपने स्पीडर पर सवार हो गया और आखिरकार मुझे अपनी असामान्य किस्मत के पीछे के रहस्य का जवाब मिल गया। एक और मरे हुए जानवर के पास रुकते ही, मैंने दूर से उस दूसरे स्किनर को देखा जिसे मेरे स्कैनर ने डिटेक्ट किया था। मैं बैरन को लगभग 300 मीटर आगे उस विशालकाय जीव को अपनी ओर आकर्षित करते देखकर चौंक गया। उसने ऑर्डोसियन निषिद्ध क्षेत्र की ओर कुछ दागा और फिर छिपने की मुद्रा में चला गया। वह जानवर ज़मोरियन के दागे गए गोले की ओर बढ़ता रहा। जैसे ही वह गोले से टकराया, उसने वहीं पर पैर पटका और अपना चेहरा ज़मीन पर रगड़ा।
एक तरह का फेरोमोन... कमीना! वो उन्हें आकर्षित कर रहा है ताकि ऑर्डोसियन उन्हें मार डालें।
और वह शायद इस जानवर पर अपना दावा जताने के लिए यहाँ आ रहा था। सहज ही, मैं अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी से बाहर कूद गया, अपनी स्टील्थ शील्ड को निष्क्रिय कर दिया और जानवर को चिह्नित करने के लिए अपनी बीकन पिस्तौल निकाल ली।
— अरे! यह मेरा शिकार है! ज़मोरियन चिल्लाया, छिपकर बैठे हुए से बाहर निकलते हुए, उसका तेज़ वाहन मेरी ओर तेज़ी से बढ़ा।
बिना पलक झपकाए उसकी आँखों में देखते हुए, मैंने उसे दिखाया कि मैं अपना बॉडी कैमरा चालू कर रहा हूँ। मैंने यह सुनिश्चित किया कि कैमरा उसके स्पीडर पर आते हुए को रिकॉर्ड कर ले, जबकि मैंने उस जीव पर अपना बीकन फायर किया। दूर, स्किनर, जिसे उसने आकर्षित किया था, उस गंध से अपना चेहरा रगड़ता रहा जिसने उसे मोहित कर लिया था।
"तुम घिनौने चोर!" बैरन दहाड़ा और अपनी तेज रफ्तार गाड़ी के पूरी तरह रुकने से पहले ही उससे कूदकर मेरे सामने खड़ा हो गया।
"खुद पर काबू रखो, बायरोन्ज़ियिक," मैंने उसके चेहरे पर फुफकारते हुए कहा, हालांकि मेरा दिल सीने से बाहर निकलने को बेताब था, फिर भी मैंने एक मजबूत और घमंडी रवैया अपना लिया।
यह क्रूर परग्रही अपने चारों हाथों से मेरे प्रत्येक अंग को पकड़कर मुझे बड़ी आसानी से टुकड़े-टुकड़े कर सकता था।

मैंने अपने कंधे पर लगे बॉडी कैमरे की ओर इशारा करते हुए कहा, "आप ऐसा कुछ नहीं करना चाहेंगे जिसका आपको बाद में पछतावा हो।"
उसने अपने चारों हाथ भींच लिए और अपने नुकीले दांत दिखाए, क्रोध में उसके मुंह के चारों ओर के दांत और भी बड़े होते प्रतीत हुए। उस क्षण, मुझे बिना किसी संदेह के पता चल गया कि अगर फेडरेशन द्वारा दी गई सुरक्षा न होती तो वह शायद मुझे मार डालता या घायल कर देता। सक्रिय होते ही, कैमरा तुरंत ऑडियो और वीडियो सहित वास्तविक समय की तस्वीरें सीधे फेडरेशन के बेस कैंप को भेज देता था। इससे उन्हें किसी भी संघर्ष की सच्चाई का पता चल जाता था और अक्सर "दुर्भाग्यपूर्ण" घटनाओं को रोका जा सकता था। जब बड़ी रकम दांव पर लगी हो, तो जोश में आकर और नसों में एड्रेनालाईन दौड़ते हुए, लोग आसानी से अपनी सबसे बुरी प्रवृत्ति को अपने नैतिक मूल्यों पर हावी होने देते हैं।
"तूने मुझसे चोरी की, कहबरा!" वह चिल्लाया।
मैंने पूछा, "मैं उस शिकार को कैसे चुरा सकता हूँ जो तुमने न तो किया और न ही जब मैंने उसे मारने का दावा किया था? या फिर उन दर्जन भर अन्य शिकारों को जिन्हें मैंने रास्ते में मारने का दावा किया था?"
उसकी चारों आँखें चौड़ी हो गईं, नारंगी रंग से गहरा लाल रंग हो गया। उसने अपना सिर उठाकर मेरी ओर देखा, मानो वह रास्ते में मेरे द्वारा मारे गए जानवरों को देख रहा हो। हालाँकि उसकी नाराज़गी को और भड़काना मेरे लिए खतरनाक हो सकता था, फिर भी मुझे उसे बेनकाब करना था और मेरे आरोपों पर उसकी प्रतिक्रिया को आधिकारिक रूप से दर्ज करना था।
“नियमों के अनुसार, मरे हुए स्किनर को मुफ्त शिकार माना जाता है—जो पहले आए, उसे पहले मिले। लेकिन किसने सोचा होगा कि इतने सारे स्किनर इस कथित तौर पर सबसे सुरक्षित इलाके में घूम रहे होंगे?” मैंने आश्चर्य जताते हुए कहा। “कोई भी शिकारी इन जानवरों को यहाँ लुभाने के लिए फेरोमोन का इस्तेमाल करने की हिम्मत नहीं करेगा ताकि स्थानीय लोग उनके लिए सारा काम कर दें और वे इनाम पा सकें। यह न केवल धोखा होगा, बल्कि नैतिकता का घोर उल्लंघन भी होगा, और तो और, ऑर्डोसियन लोगों के साथ कूटनीतिक रूप से भी भयंकर समस्या खड़ी हो सकती है क्योंकि आप उनके लोगों को खतरे में डाल रहे हैं।”
ज़मोरियन का चेहरा सख्त हो गया।
"मैंने ऐसा व्यवहार नहीं देखा," उसने दांत पीसते हुए कहा।
“मुझे तो बिल्कुल नहीं,” मैंने मीठी आवाज़ में जवाब दिया। “लेकिन मुझे हैरानी हो रही है कि वो स्किनर ज़मीन को लेकर इतना मोहित क्यों है,” मैंने थोड़ा झुकते हुए कहा ताकि मेरा कैमरा दूर खड़े उस जानवर को फिल्मा सके। “ऐसा लगता है जैसे उसे कैटनिप का अपना ही कोई रूप मिल गया हो।”
"शायद यही बात हो," बैरन ने तीखे स्वर में जवाब दिया।
“शायद, सच में। मुझे लगता है कि हम कभी नहीं जान पाएंगे,” मैंने बेपरवाही से जवाब दिया, फिर मेरी आवाज़ और चेहरे पर गंभीरता छा गई। “लेकिन इस छोटी सी बातचीत के लिए धन्यवाद, मुझे शिकार पर वापस जाना होगा। हमें यहाँ स्किनर गिरोहों को कम करने में मदद करने के लिए लाया गया है। अगर वे

रहस्यमय तरीके से सीमा पर ऑर्डोसियनों की सुरक्षा को खतरा पहुँचाते रहे, तो मुझे उम्मीद है कि फेडरेशन समस्या के स्रोत को खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाएगा। शिकार के लिए शुभकामनाएँ।"

उसके जवाब का इंतज़ार किए बिना, मैं वापस अपनी तेज़ रफ़्तार पर चढ़ गया। मेरी नज़र के कोने से एक हलचल देखकर मैं चौंक गया। मुझे बहुत निराशा हुई जब मैंने देखा कि कुछ ऑर्डोसियन योद्धा, जिन्हें मैंने पहले देखा था, जंगल के पास खड़े होकर हमें देख रहे थे। धिक्कार है! मुझे उम्मीद थी कि वे यह न सोचें कि मैं उस बेवकूफ के साथ मिला हुआ हूँ। बैरन को घूरकर देखने के बाद, मैं तेज़ी से आगे बढ़ गया। मैंने अपना बॉडी कैमरा बंद किया, अपना स्टील्थ शील्ड सक्रिय किया और उत्तर की ओर अपनी यात्रा जारी रखी।

मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे और भी लावारिस मृत स्किनर मिलेंगे। सच कहूँ तो, अगर मिल भी जाते, तो मुझे शक था कि मैं उन्हें लेने की सोचता भी। जो पहले मेरी किस्मत का साथ था, अब उसमें कड़वाहट भरी बात रह गई थी। क्या ऑर्डोसियन जानते थे कि बैरन उनका इस्तेमाल आसानी से अंक बटोरने के लिए कर रहा था? क्या वे गुस्से में थे?

जिनसे मैं मिला था, वे नाराज नहीं लग रहे थे... कम से कम मुझसे तो नहीं।

इससे एक गंभीर कूटनीतिक संघर्ष छिड़ सकता था, जिसके चलते यहाँ के मूल निवासी हमें अपने ग्रह से भगा सकते थे। मैं जाने के लिए तैयार नहीं था। मैं अपना काम पूरा करना चाहता था और फिर आखिरी जहाज़ के रवाना होने से पहले इस शानदार दुनिया के सभी अनुमत क्षेत्रों का भ्रमण करने के लिए कुछ दिन लेना चाहता था।

फिलहाल, मैं बयागी नदी तक पहुँचना चाहता था, अपनी पानी की बोतलें भरना चाहता था और जल्दी से दोपहर का भोजन करना चाहता था। फिर मैं पश्चिम की ओर बढ़ता जहाँ स्किनर समूहों के और भी होने की खबर थी। मेरा गुस्सा फिर से भड़क उठा जब मैंने बहुत सारे मरे हुए जानवरों को देखा जिन पर पहले ही कब्ज़ा हो चुका था और सीमा के पास कुछ और जीवित जानवरों को घूमते हुए देखा। मैंने रास्ते में कुछ जानवरों को मारने के लिए रुक गया, लेकिन मैं उन जानवरों पर कब्ज़ा करने के लिए नहीं रुका जिनसे ओर्डोसियन गश्ती दल लड़ रहे थे।

हालांकि, जैसे ही मैं नदी के पास पहुँचा, मेरा ध्यान उसके मनमोहक फ़िरोज़ी रंग पर नहीं, बल्कि दो विशालकाय स्किनर्स पर गया जो ऑर्डोसियन सीमा के बेहद करीब थे। पिछले दस मिनट से मैंने एक भी मरा हुआ जानवर या ऑर्डोसियन गश्ती दल नहीं देखा था। अगर मैं उन्हें खत्म भी करना चाहता, तो भी दो को एक साथ मार गिराना मेरे लिए मुश्किल होता। मैं बस यही सोच सकता था कि हवा फेरोमोन्स को इतनी दूर उत्तर तक ले आई होगी। असली समस्या यह थी कि मेरा स्कैनर भी ऑर्डोसियन क्षेत्र के अंदर, नदी के आसपास, बड़ी संख्या में जीव-जंतुओं का पता लगा रहा था। क्या वे जानवर थे, या...?

मैं उस विचार को पूरा नहीं कर पाया। स्किनर्स में से एक दहाड़ा। कुछ सेकंड बाद उसके साथी ने भी वैसी ही दहाड़ मारी, फिर दूर से अनगिनत आवाज़ें घबराहट भरी चीखों में सुनाई दीं। उनकी तीखी आवाज़ से पता चला कि ये वे योद्धा नहीं थे जिनसे मैं पहले मिला था, बल्कि उनकी मादाएं थीं। मैं ऑर्डोसियन क्षेत्र के किनारे

पर पहुँचा और देखा कि जानवर मेरे स्कैनर पर बिखरे बिंदुओं की ओर जंगल में घुस गए। मैं अपने स्पीडर पर बैठा था, अभी भी भेस बदले हुए, मेरा पेट दर्द से सिकुड़ गया, और मैं उनकी मदद करने की इच्छा को दबा रहा था।

उनके साथ जानवरों की देखभाल करने के लिए योद्धा जरूर होंगे, है ना?

लेकिन एक तीखी आवाज़ में किसी का नाम पुकारे जाने और फिर एक और बड़ी उम्र की आवाज़ में किसी दूसरे का नाम पुकारे जाने पर मेरा दिमाग सुन्न पड़ गया। ऐसा लगा जैसे समय थम गया हो, जब स्किनर्स में से एक ने दिशा बदलकर एक छोटे, चार पैरों वाले जीव का पीछा किया जो उसकी ओर झपटा था, फिर उसने अपना रास्ता बदलकर उसे भागती हुई महिलाओं से दूर ले गया।

एक पालतू जानवर जो अपने मालिकों की रक्षा करने की कोशिश करता है।

उसके पीछे, एक पांच या छह साल का छोटा ऑर्डोसियन उसके पीछे भाग रहा था, जबकि उसकी माँ—जैसा कि मैंने अनुमान लगाया—उसे वापस आने के लिए चिल्ला रही थी। मैंने अपना बॉडी कैमरा चालू कर लिया, मुझे पहले से ही पता था कि मैं क्या करने वाला हूँ। स्किनर ने अपनी दरांती जैसी भुजा घुमाई और अपने "हाथ" के पिछले हिस्से से जानवर के पिछले हिस्से पर वार किया। वार की ज़ोर से बेचारा जानवर थोड़ी दूर जा गिरा और एक मोटे पेड़ के तने से टकरा गया। इतनी दूरी से मुझे उसकी आवाज़ सुनाई नहीं दी, लेकिन जिस तरह से वह गिरा और बेसुध पड़ा रहा, उससे संकेत मिलता था कि या तो वह मर गया था या उसे गंभीर चोटें आई थीं।

दोनों स्किनर दंपति ने अपना ध्यान वापस बच्चे की ओर मोड़ा। वे नन्हे ऑर्डोसियन की ओर दौड़े, जिसे आखिरकार एहसास हुआ कि अपने पालतू जानवर के लिए उसकी चिंता ने उसे कितने बड़े खतरे में डाल दिया है। वह डर से चिल्लाया और अपनी माँ की ओर मुड़ा, जो उसकी ओर दौड़ रही थी।

मैंने जरा भी संकोच नहीं किया।

मेरे हाथ पर बंधी पट्टी की पिछली कंपन – जो मुझे ओर्डोसियन सीमा के निकट होने की चेतावनी दे रही थी – तेज हो गई और जैसे ही मैंने सीमा पार की, अलार्म बजने लगा। मैंने उसे बंद कर दिया।

उनकी ओर दौड़ते हुए, मैंने अपने हथियार पाउच से लटके तीन बोलों में से एक को पकड़ लिया, जो मेरे स्पीडर के हैंडलबार के नीचे आसानी से पहुँच के लिए रखा हुआ था। प्रत्येक बोल एक डबल-बॉल लासो था। चूंकि शिकार पकड़ने से पहले मैं उन जानवरों की फायरिंग रेंज में कभी नहीं पहुँच सकता था, इसलिए मैंने अपना हॉर्न बजाया, जिससे एक बेहद तीखी आवाज़ निकली जो मुझे भी परेशान कर रही थी। स्किनर्स ने शोर के स्रोत को खोजने के लिए अपनी लंबी गर्दन पीछे घुमाई। उनकी गर्दन पर बनी आँखों से उन्हें 360 डिग्री का दृश्य मिलता था, जबकि उनके माथे पर बनी आँखों से उन्हें बेहतर दूरगामी दृष्टि मिलती थी। हालांकि, चूंकि मैं अभी भी छुपकर चल रहा था, इसलिए उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया।

इससे उनकी गति थोड़ी धीमी हो गई, जिससे मुझे उन पर बढ़त बनाने का मौका मिल गया क्योंकि वे अपने शिकार पर ध्यान केंद्रित करने लगे थे। मैंने अपना पहला बोला अपने सिर के ऊपर घुमाया, दोनों जानवरों में

से बड़े वाले पर निशाना साधते हुए उसे छोड़ दिया। उन जीवों को लगा होगा कि हथियार अचानक कहीं से आ गया है। बोला निशाने पर लगा और स्किनर के पिछले दो पैरों में लिपट गया, जिससे वह लड़खड़ाकर गिर गया।

वह चीख उठा, पहले आश्चर्य से, फिर पीड़ा से, क्योंकि हथियार—जो पकड़ने के बजाय मारने के लिए बनाया गया था—कसने लगा, लासो के नैनो कणों ने उसे एक तेज धार वाले तार में बदल दिया जो खाल, मांस और हड्डी को चीरता हुआ निकल गया। उसका शिकार लगभग उसकी पहुँच में था, दूसरे स्किनर ने अपने घायल साथी की ओर देखने के लिए एक पल भी नहीं रुका। लेकिन मैं पहले से ही उसके लिए बोलास की एक और जोड़ी घुमा रहा था।

जब उनके और उस जानवर के बीच दस मीटर से भी कम की दूरी रह गई, तो माँ ने अपने बेटे को पकड़ लिया और उसे ऊपर उठा लिया। ठीक उसी क्षण, दूसरे सेट के बोलों ने अपना काम किया और स्किनर को पेट के बल गिरा दिया। जैसे ही उसकी गति के कारण वह कुछ और मीटर तक ज़मीन पर घिसटता हुआ उसकी ओर बढ़ा, मादा डर से जम गई।

भागो! मैंने यूनिवर्सल में मौजूद महिला से चिल्लाकर कहा।

उसने अपना सिर उठाया और मुझे एहसास हुआ कि वह मुझे देख नहीं सकती। मैंने अपना स्टील्थ शील्ड निष्क्रिय कर दिया।

भागो!

मुझे हाथ में ग्रेनेड लिए, पहले स्किनर की ओर पूरी गति से दौड़ते हुए देखकर उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। स्किनर पहले ही उठ खड़ा था। वह मुड़ी और तेज़ी से भागी, बच्चे के भार के कारण उसकी गति थोड़ी धीमी हो गई थी, लेकिन फिर भी वह बच्चे की अकेले की गति से कहीं अधिक तेज़ थी।

मैंने स्टन ग्रेनेड को पहले जानवर के ठीक सामने ज़मीन पर फेंक दिया, जिससे उसकी चमक से वह अंधा हो गया। वह दर्द से चीखा, अपना सिर हिलाया, पूरी तरह से बेसुध। जैसे ही मैं पीछे हटा, मुझे दूसरा स्किनर मिला, जो भी अपने पैरों पर खड़ा हो रहा था। मैंने उसका ध्यान खींचने के लिए अपना हॉर्न बजाया, फिर अपने बचे हुए कुछ बोलों से खुद को लैस किया और उन्हें अभी भी दहाड़ते हुए, अंधे हो चुके जानवर पर फेंक दिया। वे आसानी से उसकी गर्दन में लिपट गए और तुरंत काम करना शुरू कर दिया, उसे चीरते हुए। स्किनर ज़मीन पर गिर पड़ा, छटपटाता रहा, क्योंकि बोलों के फंदे ने धीरे-धीरे उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। मेरा पेट मरोड़ उठा। यह शिकारी का तरीका नहीं था। इसमें जल्दी, सफाई से, कम से कम दर्द के साथ मारा जाता है। लेकिन यह जीवन-मरण का सवाल था।

अपने दो पैर गायब होने के बावजूद, बचा हुआ रिपर तेज़ी से मेरी ओर बढ़ रहा था। मैंने बाल-बाल उसके हंसिया जैसे हाथ के घातक वार से खुद को बचाया और उसके सामने एक स्टन ग्रेनेड फेंक दिया। चारों ओर घने पेड़ों के कारण रास्ता देखने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए मैंने पीछे मुड़कर अपने कंधे पर टंगी क्रॉसबो को उठाया। जानवर की चीखों की गड़गड़ाहट को अनसुना करते हुए, मैंने निशाना साधा। मेरी तीर उसके

गले के ठीक नीचे वाले नाजुक स्थान पर लगी और उसकी चीखें दब गईं। जानवर गिर पड़ा। मैं अपनी स्पीडर से कूदा और उसे तुरंत मौत देने के लिए उसकी ओर दौड़ा।

हालांकि यह शिकार पहले वाले से कहीं ज़्यादा साफ़-सुथरा था, फिर भी मेरा इसे अपना बताने का कोई इरादा नहीं था। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, मैं अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी की ओर भागा। लेकिन अब जब जानवरों की गुर्राहट और चीखें थम गई थीं, तो मेरे कानों में खून की गड़गड़ाहट के ऊपर ज़मीन पर खुरों की आवाज़ ज़ोर से और साफ़ सुनाई दे रही थी। मैंने अभी गाड़ी चलाना शुरू भी नहीं किया था कि मेरी बाजूबंद चमकने लगी, जो यह संकेत दे रही थी कि एक दर्जन से ज़्यादा जानवर तेज़ी से मेरे करीब आ रहे हैं।

जब मैंने पहली बार ड्रेयशन पर सवार ऑर्डोसियनों को देखा तो मेरा खून जम गया। वे घोड़े अविश्वसनीय रूप से तेज़ थे। एक पल के लिए मैंने छुपकर भागने का सोचा। हालाँकि, अगर मैं उन्हें चकमा देने में कामयाब भी हो जाता, तो भी ऑर्डोसियन मेरा चेहरा देख चुके थे, मेरी गंध हर जगह फैली हुई थी, और अगर उन्होंने घुसपैठिए के बारे में फेडरेशन से पूछताछ की, तो मास्टर हंटर ब्रॉन को मुझे दोषी ठहराना ही पड़ेगा।

मैंने उनमें से दो को बचा लिया। यकीनन, इससे मेरा दखलंदाजी करना जायज हो जाएगा।

मेरे पेट में उठ रहे डर को दबाते हुए, मैंने अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी रोकी, पीछे मुड़ा और दर्जन भर ऑर्डोसियनों के मुझे घेरने का इंतज़ार किया। उनके चेहरों पर पहले जैसी जिज्ञासा नहीं थी। उनकी आँखों में केवल एक घातक चमक थी।

अध्याय 3

मेरे मन में क्रोध उबल रहा था। हमने बाहरी लोगों को ट्रांगोर आने की अनुमति इसलिए दी थी ताकि प्रजनन के मौसम में स्किनर्स को नियंत्रित करने का बोझ कम हो सके। इसके बजाय, वे हमारे दरवाजे पर और भी बड़ा खतरा लेकर आए थे। ज़मोरियन ने हमें अपने नाम पर जानवरों को मारने के लिए बेशर्मी से चालें चलीं, लेकिन उसने हमारी पवित्र भूमि से दूर रहने की समझदारी दिखाई। जब उस आकर्षक छोटे इंसान ने इस बारे में उससे सवाल किया, तो वह चला गया।

या कम से कम, हमने तो यही सोचा था।

जैसे ही निकटता सेंसर सक्रिय हुए और किसी अजनबी के घुसपैठ की पुष्टि हुई, हम अपराधी का सामना करने के लिए अपने ड्रायशन घोड़ों पर सवार हो गए। मैं उसे पकड़ने के लिए बेताब था। मुझे उसकी हड्डियाँ अपनी पूंछ के नीचे टूटते हुए सुनने में बहुत आनंद आता।

हालांकि, जैसे ही हम उस जगह के पास पहुंचे जहां घुसपैठिया था - हमारी मादाएं जहां अपने बच्चों को तैरना सिखा रही थीं, उसके बहुत करीब - डर से भरी एक नाजुक और परिचित गंध मेरी जीभ पर बस गई।

यह संभव नहीं है...

और फिर भी, वह अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी पर बैठी थी। उसके बगल में दो स्किनर के क्षत-विक्षत शव पड़े थे। एक महिला को... इस महिला को... मौत की सज़ा देने के ख्याल से मेरा दिमाग़ खौफ़ से जम गया। उसने ऐसा क्यों किया? दिन भर इतना सम्मानजनक व्यवहार करने के बाद उसने यह घुसपैठ क्यों की?

लेकिन जैसे ही हम उसके पास पहुंचे, मंधा और पांच अन्य शिकारियों को हमारी ओर तेजी से आते देख मैं भ्रमित हो गया।

वे यहां क्या कर रहे हैं?

"घुसपैठिया!" रास्कियर चिल्लाया, और उसका ड्रायशान उस महिला पर झपटा।

— रुको! यह वैसा नहीं है जैसा तुम सोच रहे हो! यूनिवर्सल में मौजूद महिला चिल्लाई।

वह अपनी तेज रफ्तार गाड़ी से उतरी और उसने अपने हाथ ऊपर उठाए, सिर झुकाया, जिसे मैंने एक विनम्र मुद्रा के रूप में समझा।

— तुम्हारी मादाओं पर हमला हुआ है! मैं उनकी मदद करने आया हूँ!

ये शब्द सुनकर मेरा दिल खुशी से उछल पड़ा। जी हाँ, हमारी मादाएं और उनके बच्चे आस-पास ही थे। उसके पिछले व्यवहार को देखते हुए, यही उसके घुसपैठ का कारण हो सकता है।

लेकिन फिर भी उसने कानून तोड़ा। नियम स्पष्ट हैं।

हम अपने घोड़ों को उसके पास रोक दिया। मेरे और मंधा के शिकारी घोड़ों के बीच, मादा पूरी तरह घिरी हुई थी। मैंने अपने ड्रायशन के पिछले सींग से अपनी पूंछ खोली और उसकी पीठ के खोखले हिस्से में सरक गया, बाकी घोड़े भी मेरे पीछे-पीछे आ गए। जैसे ही हम आगे बढ़े, मादा ने मुश्किल से सांस ली और चौड़ी आँखों से हमें घूरने लगी। मुझे उसके डर की गंध से नफरत थी।

“मैं कसम खाकर कहती हूँ कि मैं यहाँ सिर्फ़ तुम्हारे लोगों की रक्षा करने आई थी। शिकार करने नहीं,” महिला ने काँपती आवाज़ में कहा। “मैंने तो उन्हें अपना भी नहीं माना! एक माँ और उसका बच्चा ज़िंदा नहीं बच पाते। उन दो स्किनरों ने उनके पालतू जानवर को वहाँ एक पेड़ से टकराकर मार डाला,” उसने उत्तर-पश्चिम की ओर इशारा करते हुए कहा। “और फिर वे उस छोटे बच्चे का पीछा करने लगे। तो हाँ, मैंने नियम तोड़े और जानबूझकर वर्जित क्षेत्र में प्रवेश किया। लेकिन मेरे पास कोई और चारा नहीं था। मैं उन्हें मरने नहीं दे सकती थी!”

“वह सच कह रही है,” मंधा ने बीच में टोकते हुए कहा। “महिलाएं मदद के लिए गांव की ओर दौड़ीं। जानवर मेरी पत्नी और मेरे बच्चे के पीछे पड़े थे।”

— सलहा?! मैंने हैरानी से कहा।

— हां। वे घबराए हुए हैं, लेकिन ठीक हैं, मंधा ने कहा।

“देखा?” उस इंसान ने कहा, उसकी सुनहरी आँखों में उम्मीद की किरण जगमगा उठी, जो शहद के रंग की थीं और उसकी भूरी त्वचा से थोड़ी हल्की थीं। “मेरा इरादा आपको ठेस पहुँचाने या आपका अपमान करने का नहीं था। मैं बस मदद करना चाहती थी। मैं एक शिकारी हूँ। मुझे पता था कि मैं उन्हें बचा सकती हूँ।”

"वैसे भी, उसने अतिक्रमण किया है," रास्कियर ने कहा। "नियम तो नियम होते हैं।"

हालांकि रास्कियर आमतौर पर पहले वार करता है और बाद में सवाल पूछता है, लेकिन उसने मेरी ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा। बाकी सभी की निगाहें भी मुझ पर टिकी हुई थीं।

— हां, नियम तो नियम होते हैं, मैंने स्वीकार किया।

“क्या आप सच में ऐसा कह रहे हैं?” महिला ने हैरानी से कहा, उसकी निगाहें हम सभी के चेहरों पर घूमती हुई मेरी ओर टिक गईं। “आप मुझे अपने लोगों को बचाने के लिए, उनके साथी को बचाने के लिए सज़ा देना चाहते हैं?”

“अगर हम इसके लिए तुम्हें मारना चाहते, तो तुम अब तक मर चुके होते,” मैंने तटस्थ भाव से कहा। “लेकिन तुमने हमारी सीमा में घुसपैठ की है। चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, तुम्हें बिना किसी परिणाम के छोड़ देना एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह निर्णय बड़ों को लेना है। तुम अपने हथियार डाल दो और शांतिपूर्वक हमारे साथ गाँव चलो।”

वह बार-बार अपना मुंह खोलती और बंद करती रही, मानो बहस करने के लिए सही शब्द ढूंढ रही हो। मैंने उसे घूरकर देखा, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि इस पर चर्चा करने का कोई फायदा नहीं है। हार मानकर उसने कंधे उचका दिए। उसने अपनी बेल्ट, पीठ से धनुष और अपने स्पीडर के हैंडल से बंधी हथियारों की थैली उतारी और उन्हें रास्कियर और मंधा को सौंप दिया।

मैंने शांत भाव से कहा, “हम तुम्हें जंजीरों में नहीं बांध रहे हैं और तुम्हें अपनी स्पीडर पर अकेले यात्रा करने की अनुमति दे रहे हैं। लेकिन भागने की कोशिश की तो हालात बहुत खराब हो जाएंगे।”

“मैं भागने वाली नहीं हूँ। अगर मेरा इरादा ऐसा होता, तो मैं अब तक भाग चुकी होती,” उसने कड़े स्वर में जवाब दिया। “मैं बुरी इंसान नहीं हूँ।”

उसके डर की जगह गर्व और कुछ हद तक क्रोध की भावना आ गई थी। इससे मेरे प्रति उसका आकर्षण फिर से जागृत हो गया। हमारी मादाएं लड़ती नहीं थीं। शिकार करने की कोशिश करने के हमारे सुझाव पर वे हमारा मज़ाक उड़ाती थीं। मैंने दिन भर में कई बार इस कोमल स्वभाव वाली इंसान को देखा था। उसकी कुशलता से मैं प्रभावित था, अपनी सीमाओं के भीतर रहकर वह बड़ी सफाई से अपने शिकार को मार गिराती थी—उन दो स्किनर्स पर उसने जो क्रूरता बरती थी, उससे बिल्कुल अलग।

— और अगर मैं ऐसा मानता, तो चीजें बिल्कुल अलग तरह से घटित होतीं, मैंने कहा।

उसके जवाब का इंतज़ार किए बिना, मैं अपनी ड्रायशन डागास की ओर बढ़ा। उसकी बगल में मौजूद तीन छोटी, घुमावदार हड्डियों में से एक का सहारा लेकर, मैं उसकी पीठ पर बने खोखले हिस्से में चढ़ गया, पेट के बल लेट गया और अपनी पूंछ उसके पिछले सींग के चारों ओर लपेट ली। उसके छोटे पिछले पैरों की बदौलत, हम 30 डिग्री के कोण पर लेटे हुए थे, और उसका चपटा सिर हमें आगे का साफ़ नज़ारा दे रहा था। मैंने उसकी गर्दन के किनारों से निकले दो सींगों को अपने हाथों से पकड़ लिया और फिर मादा की ओर देखा।

इससे वह उस स्तब्ध अवस्था से बाहर आ गई जिसमें वह मुझे गाड़ी में बैठते हुए देखकर खो गई थी। वह अपनी गाड़ी में बैठी और चुपचाप हमारे पीछे-पीछे गांव की ओर तेज़ी से चलने लगी।

मेरे मन में लाखों परेशान करने वाले विचार उमड़ रहे थे। उस महिला को मरना नहीं चाहिए था, खासकर मेरे भाई की पत्नी और बच्चे की जान बचाने के बाद तो बिल्कुल नहीं। जब वह हमारे द्वारा मारे गए पहले स्किनर के पास पहुँची, तो मुझे लगा कि कहीं वह ज़मोरियन की चेली तो नहीं है। लेकिन उसकी हैरानी और फिर उसे अपना बताने में उसकी झिझक स्वाभाविक थी। हमारे भेस में होने के कारण उसने हमें देखा ही नहीं था। लेकिन जब उसने एक स्किनर को मार गिराते हुए देखने के बाद खुद को सबके सामने प्रकट किया और हमें बधाई दी, तब जाकर मेरी जिज्ञासा वास्तव में जागी।

हालांकि मुझे उसे अनजाने में ज़मोरियन के कथित शिकार को "चुराते" देखकर एक शरारती आनंद आया था, लेकिन मृत स्किनर को प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर खींचकर उसे सौंपने का यह मुख्य कारण नहीं था। सच कहूँ तो, मैं उसे करीब से देखने और उससे बात करने का बहाना चाहता था—जो मैं कर नहीं पाया। मैं उसकी सुंदरता की प्रशंसा करने और उसकी खुशबू का आनंद लेने में इतना मशगूल था कि उससे बात करने का समय ही नहीं मिला।

हमारे यहाँ आने वाली सभी प्रजातियों में से, उसकी प्रजाति हमारी प्रजाति से सबसे अधिक मिलती-जुलती थी। हालाँकि हमारी महिलाओं के स्तन मनुष्यों की तरह उभरे हुए नहीं थे, फिर भी उनका ऊपरी शरीर मनुष्यों की तरह पतला और कोमल था। इस मनुष्य के चेहरे के भाव सुशोभित थे और वह देखने में मनमोहक थी। उसके सिर पर काले, घुंघराले बालों की जगह अगर हुड होता तो वह और भी आकर्षक लगती। अब तक मैंने उसकी

प्रजाति के जितने भी सदस्यों को देखा था, उनकी तरह वह भी बहुत ढकी हुई थी। मैं केवल उसके चेहरे की सुनहरी त्वचा और हाथों के पिछले हिस्से ही देख पा रहा था। बाकी शरीर गहरे चमड़े से ढका हुआ था जो उसके आकर्षक शरीर से चिपका हुआ था, यहाँ तक कि उसकी टांगों तक। अगर वह ऑर्डोसियन होती, तो उसकी त्वचा के रंग के आधार पर उसके शल्कों का रंग बेहद खूबसूरत होता।
और उन अजीबोगरीब पैरों की जगह एक पूंछ होती तो वह एकदम परफेक्ट होती।
हालांकि, वे सारे भटकते विचार गायब हो गए, और जैसे ही पेड़ हटे और गांव दिखाई दिया, मेरे भीतर चिंता की एक अजीब सी बेचैनी होने लगी। मैंने एक-दो बार अपनी जीभ बाहर निकाली, और उस इंसान के बढ़ते डर को महसूस किया। यहाँ तक की यात्रा के दौरान यह डर कुछ कम हुआ था। लेकिन अब, उसका भाग्य तय होना था।
जनजाति के लोग मुख्य चौक में एकत्रित थे, तीनों बुजुर्ग महान देवी इस्शाया की मूर्ति के पास प्रतीक्षा कर रहे थे, जो हमारी प्रजा की रक्षा करती थीं। भीड़ हट गई और हमें रास्ता देने के लिए चौक के किनारों पर चली गई। मैंने पक्के चौक से कुछ मीटर दूर घास वाले क्षेत्र में अपना घोड़ा रोक दिया। मुझे बड़ी राहत मिली जब वह स्त्री भी मेरे पीछे-पीछे आई। वह भी उसी समय घोड़े से उतरी, उसकी चिंतित निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं। किसी अजीब कारण से, मेरा मन किया कि मैं उसके पास जाऊं, उसका हाथ पकड़ूं और उसे बताऊं कि सब ठीक हो जाएगा।
मैं यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित था कि ऐसा ही हो। उसने मेरे भतीजे और मेरी भाभी की जान बचाई थी। खून का बदला लेना था। मैं और मेरा भाई यह सुनिश्चित करने वाले थे कि यह बदला चुकाया जाए। मैंने उसे अपने पीछे आने का इशारा किया। वह मान गई, उसकी आँखें घबराहट से इधर-उधर घूम रही थीं, हमारे चारों ओर जमा भीड़ को देख रही थीं। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उसके लिए यह कितना डरावना रहा होगा। उसे बारीकी से देखने के अलावा—मेरे अधिकांश लोगों ने कभी किसी इंसान को साक्षात नहीं देखा था—हर कोई उसके बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनी जीभ बाहर निकाल रहा था। मेरे लिए यह सामान्य बात थी, लेकिन मैं सोच रहा था कि वह इसे कैसे महसूस करती होगी।
साल्हा भीड़ के सामने आकर खड़ा हो गया, उसका हाथ नन्हे ईकू के कंधे पर था। नन्हा लड़का अभी सिर्फ पांच साल का ही था, फिर भी वह पहले से ही काफी चंचल था।
हम डीन्स से कुछ मीटर आगे रुक गए।
"वरिष्ठ क्राथी," मैंने बीच में बैठी महिला की ओर सिर झुकाते हुए कहा, "वास्तव में आप हमारे कबीले की नेता हैं।" "वरिष्ठ ज्योथा," मैंने उनके दाहिनी ओर बैठी और दूसरे नंबर की नेता महिला की ओर इशारा करते हुए कहा। "वरिष्ठ इस्कल," मैंने अंत में उनके बाईं ओर बैठे पुरुष को प्रणाम करते हुए कहा।
जैसे ही मैंने बोलना शुरू किया, उस महिला ने मुझे घबराहट भरी नजरों से देखा, फिर मेरे बोलने पर उसने प्रत्येक बुजुर्ग के सामने अपना सिर झुकाया: यह एक बुद्धिमान और विवेकपूर्ण इशारा था जिस पर सबका ध्यान गया।

— "मास्टर हंटर स्ज़ारो, आप घुसपैठिए को जीवित और बंधनमुक्त करके वापस लाए हैं," एल्डर क्राथी ने सार्वभौमिक भाषा में उत्तर दिया, उनकी निगाहें उस महिला पर टिकी हुई थीं।
वह इंसान कांप उठी और घबराहट में मेरी तरफ देखा। शुक्र है, उसने कुछ नहीं कहा। बुजुर्ग की शांत और तथ्यात्मक आवाज़ ने मुझे उम्मीद दी कि उस इंसान द्वारा सलहा को बचाए जाने से बुजुर्ग अधिक शांतिपूर्ण समाधान की ओर अग्रसर हुए होंगे।
“जी हां,” मैंने दृढ़ता और धैर्य से उत्तर दिया। “जैसा कि मेरे भाई की पत्नी ने शायद आपको पहले ही बता दिया होगा, उस स्त्री ने अपनी और नन्हे ईकू की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप किया था। हमने उस स्त्री पर पूरे दिन नज़र रखी। उसने हमारे आदेश का उल्लंघन तब तक नहीं किया जब तक उसने हमारे दो लोगों को संकट में नहीं देखा। चूंकि इस अपराध के पीछे कोई लालच या दुर्भावना नहीं थी, इसलिए हमने इस मामले को बड़ों की सलाह पर छोड़ना ही उचित समझा।”
“हमने इस बचाव अभियान के बारे में सुना है,” एल्डर क्राथी ने कहा। “मुझे बताओ, मनुष्य, क्या तुम्हारे संघ ने तुम्हें घुसपैठ के परिणामों के बारे में चेतावनी नहीं दी थी?”
“सेरेना... मेरा नाम सेरेना है, एल्डर क्राथी,” महिला ने घबराते हुए कहा। “हाँ, उन्होंने हमें चेतावनी दी थी। इसीलिए मैंने आपके नियमों का पालन तब तक किया जब तक मैं कर नहीं सकी। एक माँ और उसके छोटे बच्चे को मरने देना, जबकि मेरे पास उन्हें बचाने की क्षमता थी, नैतिक रूप से निंदनीय होता।”
जब मैंने उसे डीन का नाम लेकर उन्हें "ठीक" करते सुना, तो मुझे समझ नहीं आया कि मैं प्रभावित होऊं या असहज महसूस करूं। फिर भी, उसकी इस धृष्टता में वही अजीब सा आकर्षण था जो मुझे तब महसूस हुआ था जब उसने हमें पहले बधाई दी थी। हालांकि, उसकी विनम्र आवाज़ और इस तथ्य कि उसे डीन क्राथी का नाम याद था और उसने उसका उच्चारण त्रुटिहीन तरीके से किया, ने हमारे नेता की नज़र में उसे कुछ हद तक प्रभावित किया।
"क्या अपनी जान की कीमत पर भी?" डीन ने जोर देकर पूछा।
"यह दोनों में से एक नहीं होना चाहिए," मानव सेरेना ने जवाब दिया, उसकी आवाज़ में थोड़ी सी नाराजगी झलक रही थी। "क्या आप चाहती थीं कि मैं उन्हें मरने दूं?"
"बिल्कुल नहीं," डीन क्राथी ने हाथ के अस्पष्ट इशारे के साथ कहा।
"और फिर भी, मुझे आपके सामने इसलिए लाया गया ताकि मैं वह कर सकूं जो आवश्यक था," सेरेना ने तर्क दिया।
"आपको हमारे पास इसलिए लाया गया था ताकि यह देखा जा सके कि आपको बचाने का कोई तरीका है या नहीं," डीन क्राथी ने कठोर स्वर में उत्तर दिया।
"हम इस बात पर इतना हंगामा क्यों कर रहे हैं?" सेरेना ने उलझन में पूछा। "आप मुझे जाने क्यों नहीं दे रहे?"
“क्योंकि पहले शिकार के लिए तुम्हारे साथ आए दूसरे विदेशी हमें परेशान कर रहे हैं और हमारी परीक्षा ले रहे हैं कि वे कितनी हद तक जा सकते हैं और बच निकल सकते हैं,” एल्डर ज्योथा ने धीरे से कहा।

“ज़मोरियन ने स्किनर्स को हमारी सीमाओं तक फुसलाया ताकि हमारे पुरुष उसके लिए काम करें। लेकिन यह तो उन कई अपराधों में से एक है जो दूसरे प्रतिभागियों ने अब तक किए हैं।”

— लेकिन मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है! सेरेना ने बिल्कुल सही तर्क दिया।

“इसमें आपकी कोई गलती नहीं है,” डीन इस्कल ने स्वीकार किया। “लेकिन, आपके परोपकारी इरादों के बावजूद, आपने सबसे गंभीर अपराध किया है। फेडरेशन द्वारा आपको दिए गए नक्शे में एक ट्रैकर भी शामिल है, जिससे उन्हें और हमें पता चल सकता है कि शिकारी कहाँ गया है। जैसे ही आपने प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश किया, हमें और उन्हें एक साथ सूचना मिल गई। अभी, आपके बेस कैंप में सभी को पता है कि एक शिकारी ने बुनियादी नियम का उल्लंघन किया है। हम इस पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, इसका असर दूसरों की लापरवाही पर पड़ेगा।”

लेकिन ऐसा करने के मेरे कारण...

“इससे तो हर घुसपैठिए को यह दावा करने का मौका मिल जाएगा कि उन्होंने भी परोपकारी कारणों से ऐसा किया था,” एल्डर क्राथी ने बीच में ही टोकते हुए कोमल लेकिन दृढ़ स्वर में कहा। “सेरेना, हम आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। लेकिन हमारे लोगों की भलाई के लिए हमारे पास इससे भी ज़्यादा ज़रूरी मामले हैं। इस समस्या का जो भी हल निकलेगा, वह दूसरे बाहरी लोगों के लिए एक सबक होना चाहिए।”

“बड़े क्राथी,” मंधा ने बीच में ही टोकते हुए कहा, जब मैंने बहस करने के लिए अपना मुंह खोला, “खून का कर्ज चुकाना है। दरअसल, दो कर्ज चुकाने हैं,” मेरे भाई ने अपने बेटे और पत्नी की ओर इशारा करते हुए कहा। “सेरेना, कोई न कोई ऐसा हल जरूर होगा जो इंसानियत को मंजूर हो।”

“हंटर मंधा, हम आपकी स्थिति समझते हैं,” एल्डर क्राथी ने कहा। “निर्णय आज नहीं लिया जाएगा। सेरेना को तब तक हिरासत में रखना होगा जब तक हम यूनाइटेड प्लैनेट्स ऑर्गनाइजेशन के प्रतिनिधि से इस मामले पर चर्चा नहीं कर लेते, जो आज सुबह यहां आएंगे।”

— क्या आपने ओपीयू से संपर्क किया है? सेरेना ने स्तब्ध होकर लेकिन आशा भरी नज़रों से पूछा।

— नहीं, सेरेना। तुमने यह अपने फेडरेशन के माध्यम से किया, डीन ने जवाब दिया।

"क्या मैंने ऐसा किया?" सेरेना ने उलझन भरे भाव से पूछा।

फिर वह एकदम थम गई। जब उसे बात समझ आई तो उसका चेहरा उसके कंधे पर लगे कैमरे की ओर मुड़ गया।

— जी हाँ... मुझे लगता है मैंने किया था।

डीन क्राथी ने आगे कहा, "अपने कार्यों को रिकॉर्ड करना बुद्धिमानी भरा कदम था। उम्मीद है कि हम किसी अच्छे समाधान तक पहुंच पाएंगे।"

अध्याय 4

मेरी घबराहट को शब्दों में बयां करना तो सदी की सबसे बड़ी बात होगी। हालात मेरी उम्मीदों पर बिल्कुल खरे नहीं उतरे थे। कितना भयानक सपना था! कम से कम तीन बातों से मुझे उम्मीद जगी। पहली, दोनों भाई, स्ज़ारो और मंधा, मुझे बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित लग रहे थे। दूसरी, एल्डर्स मुझे मारने की जल्दी में नहीं थे, हालांकि मुझे पूरा यकीन था कि अगर उन्हें मेरे लिए कोई और बेहतर उपाय नहीं मिला तो वे बिना किसी झिझक के मुझे मार देंगे। और तीसरी, ओपीयू...

जब मैंने वह वीडियो फेडरेशन को भेजा, तो मुझे पूरा यकीन था कि मैं ऑर्डोसियन क्षेत्र से बिना किसी की नज़र में आए निकल सकता था। वहाँ एक भी योद्धा नज़र नहीं आ रहा था। मुझे पक्का यकीन नहीं था कि फेडरेशन हमारा पीछा कर रहा है, लेकिन यह बात तर्कसंगत लग रही थी। अगर हममें से कोई वापस नहीं लौटता, तो वे हमारे अवशेषों को बरामद कर सकते थे, बशर्ते कि वहाँ कोई अवशेष बचे हों। लेकिन यूनाइटेड प्लैनेट्स ऑर्गनाइजेशन का इसमें शामिल होना, ऑर्डोसियनों के साथ शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखने की उनकी इच्छा को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

यह अंतर-आकाशगंगा गठबंधन न केवल अंतरग्रहीय व्यापार बल्कि राजनयिक संघर्षों को भी नियंत्रित करता था। ट्रैंगोर जैसे आदिम माने जाने वाले ग्रह इसके संरक्षण में थे। चूंकि इस ग्रह पर सबसे उन्नत प्रजाति ने अभी तक तारों के बीच यात्रा करने की क्षमता प्राप्त नहीं की थी, इसलिए प्रधान निर्देश के अनुसार, इसे कभी भी हमारे अस्तित्व के संपर्क में नहीं आना चाहिए था। एक वैज्ञानिक अभियान गुप्त रूप से यहाँ औषधीय अनुसंधान के लिए वनस्पतियों और जीवों के नमूने एकत्र करने आया था, और उन्होंने एक ऐसा खजाना खोज निकाला जो चिकित्सा उद्योग में क्रांति ला देगा।

हालांकि, वैज्ञानिकों के छलावरण के प्रयास ऑर्डोसियनों की लगभग अलौकिक संवेदी क्षमताओं के सामने आसानी से विफल हो गए। आधे दल का नरसंहार हो गया, जबकि बाकी बाल-बाल बच गए। उनकी भाषा सीखने में कई वर्षों का सावधानीपूर्वक अवलोकन लगा, जिसके बाद और भी सतर्क संपर्क स्थापित हुआ जो गहन वार्ताओं में तब्दील हो गया, तब जाकर मूल निवासियों ने ओपीयू से संबद्ध संघों के साथ संभावित सहयोग के लिए खुद को तैयार किया।

और अब वे मेरी रिहाई के लिए बातचीत करने यहां आए हैं।

दांव पर कुछ और भी महत्वपूर्ण था। मुझे नहीं पता था कि वह क्या था, लेकिन मेरी कृतज्ञता कम नहीं थी। अगर ओपीयू मुझे व्यापक हित के लिए बलिदान करना चाहता, तो मैं अब तक मर चुका होता। वे किसी को ट्रांगोर तक लाने में समय और संसाधन बर्बाद नहीं करते।

बड़ों के विदा करने के बाद, मास्टर हंटर मुझे एक तरह के घर में ले गए। खैर, शायद उसे स्टूडियो कहना ज़्यादा सही होगा, क्योंकि उसमें गाँव के चारों ओर स्थित पहाड़ में तराशा हुआ सिर्फ़ एक कमरा था। अपनी घबराहट में, मैं उस गाँव पर नज़र डालना भूल गया था जहाँ मैं पहुँच गया था। कमरा बिल्कुल खाली था, बस एक मेज पर पानी का जग और एक खाली गिलास रखा था। कमरे के पिछले कोने में, ज़मीन में एक बड़ी

चौकोर शिला धँसी हुई प्रतीत हो रही थी। एक बड़ी खिड़की से दिन की रोशनी अंदर आ रही थी, लेकिन वह इस तरह से लगी थी कि मैं गाँव की कोई भी गतिविधि नहीं देख पा रहा था।
“कल जब तक बड़े-बुजुर्ग आपके प्रतिनिधि से बात नहीं कर लेते, तब तक आपको यहीं रहना होगा,” स्ज़ारो ने अपनी अनोखी आवाज़ में कहा। “भागने की कोशिश मत करना। अगर आपको किसी चीज़ की ज़रूरत हो, तो दरवाज़े के पास लगे सेंसर के सामने अपना हाथ हिला देना। कोई न कोई जल्द से जल्द आ जाएगा।”
— ठीक है, लेकिन... हम्म... क्या मुझे एक कुर्सी और एक बिस्तर मिल सकता है? मैंने पूछा।
"अरे हाँ! इंसानों को बैठने के लिए फर्नीचर की ज़रूरत होती है," स्ज़ारो ने थोड़ा शर्मिंदा होते हुए सहमति जताई।
उसने अपने हाथ से अपने शरीर के निचले हिस्से और अपनी पूंछ की ओर इशारा किया।
जैसा कि आप समझ सकते हैं, हमारे पास कोई कुर्सी नहीं है। लेकिन हम आपके लिए बैठने के लिए कुछ लाएंगे। बिस्तर क्या होता है?
मैं चौंक गया। कुर्सियाँ नहीं थीं, यह तो समझ में आता था, लेकिन बिस्तर भी नहीं था?
— वो बड़ा, मोटा तकिया जिस पर हम सोते हैं? मैंने पूछा, मानो यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो।
उसकी ऊर्ध्वाधर पुतलियों वाली आंखें कमरे के कोने में फर्श पर रखी पट्टिका की ओर मुड़ गईं।
उन्होंने कहा, "हम गर्म प्लेटों पर सोते हैं।"
— ठीक है... अच्छा, क्या कोई संभावना है कि मैं अपने बैकपैक और अपने स्पीडर के स्टोरेज कंपार्टमेंट से कुछ सामान निकाल सकूँ? मैंने कहा, उसमें खाना, एक एयर मैट्रेस और पानी शुद्ध करने की गोलियां हैं।
“जो पानी दिया गया है, वह आपके पीने योग्य है,” स्ज़ारो ने मेज पर रखे जग की ओर इशारा करते हुए कहा। “और हाँ, हथियारों के अलावा आपका सारा सामान आप तक पहुँचाया जा सकता है। हालाँकि, हमें हर चीज़ की तलाशी लेनी होगी ताकि यह पता चल सके कि आप क्या रख सकते हैं और क्या नहीं।”
मुझे अपने सामान की तलाशी बिल्कुल पसंद नहीं थी। इससे मुझे बहुत अपमान महसूस होता था। लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए, यह समझ में आता था कि उन्हें ऐसा करना ही पड़ेगा। मैंने सिर हिलाकर सहमति जताई।
"बहुत अच्छा। मैं जाकर इसका ध्यान रखूंगा," स्ज़ारो ने कहा।
वह मुड़ा और दरवाजे की ओर सरक गया।
— स्ज़ारो! मैंने उसके जाते ही पुकार लगाई।
उसने कंधे के ऊपर से प्रश्नवाचक दृष्टि से मेरी ओर देखा।
मेरा क्या होगा?
उसके अजनबी चेहरे पर एक अजीब सा भाव उभर आया।
उन्होंने जवाब दिया, "मैं आपको वह जवाब नहीं दूंगा जो मेरे पास नहीं है, लेकिन मैं वादा करता हूं कि एक स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा।"

उनकी आवाज़ में जो सच्चाई थी, उसका मुझ पर ऐसा शांत प्रभाव पड़ा कि मैं आश्चर्यचकित रह गई। मेरी नज़रें उनसे मिलीं और उन्होंने भी मेरी नज़रों को थामे रखा। मेरे भीतर कुछ बदल गया और मुझे अत्यंत आश्चर्य हुआ कि मेरे होठों पर एक शरमाती हुई मुस्कान फैल गई।

— मेरा बचाव करने के लिए धन्यवाद, मैंने धीमी आवाज में कहा।

उसके चेहरे पर भी वही अजीब भाव उभर आया।

— नहीं, सेरेना। मेरी भाभी और मेरे भतीजे की जान बचाने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ, स्ज़ारो ने कहा।

आखिरी मुस्कान के साथ, वह उस कमरे से चला गया जो मेरी कोठरी थी। बीस मिनट बाद, दरवाजे पर दस्तक से मैं चौंक गया। दो आदमी मेरा बैग, गद्दा और एक चौकोर लकड़ी का टुकड़ा लिए हुए अंदर आए, जिस पर एक तकिया रखा था और जो मेरी कुर्सी का काम करता था। मैंने धीरे से धन्यवाद कहा। उन्होंने सिर हिलाया और बिना कुछ कहे चले गए।

अपना गद्दा बिछाने, एक एनर्जी बार खाने और थोड़ा पानी पीने के बाद, मैंने दिन के अंतहीन रूप से खिंचते जाने के इंतजार के लंबे खेल में लगना शुरू कर दिया।

~

मुझे नींद कब आई, ये याद नहीं, बस करवटें बदलती रही। सुबह जल्दी उठ गई तो देखा कि गाँव के कई लोग उठ चुके थे। मैं उन्हें देख तो नहीं पा रही थी, लेकिन दबी हुई आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। जैसा कि मुझे पिछली रात पता चला था, बड़ी निराशा हुई, कमरे में बाथरूम नहीं था। शुक्र है, मैंने ज़्यादा पानी नहीं पिया था। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि मुझे पेशाब नहीं आएगा। उम्मीद है, ओपीयू का प्रतिनिधि मुझे समस्या होने से पहले ही बाहर निकाल देगा।

कठिन परिस्थितियों में रहने की आदत होने के कारण, मैंने अपने बैग से एक कपड़ा निकाला और जग से थोड़ा पानी लेकर अपने चेहरे से नींद के धब्बे धो लिए। जैसे-जैसे सेकंड मिनटों में, फिर घंटों में बदलते गए, मैंने सेंसर के सामने हाथ हिलाकर किसी को बुलाने की इच्छा को दबाया। वे तैयार होते ही मुझे लेने आ जाते। हालांकि, मुझे इस बात से परेशानी हो रही थी कि इन परिस्थितियों में उन्होंने मेरे प्रति जो थोड़ी-बहुत दया दिखाई थी, उसके बावजूद वे मेज़बान के तौर पर पूरी तरह से नाकाम रहे थे। कोई भी मुझसे यह पूछने नहीं आया कि क्या मुझे खाना चाहिए, क्या मुझे शौचालय जाना है, क्या मैं ऊब रही हूँ—जबकि मैं साफ़ तौर पर ऊब रही थी—या मैं ठीक हूँ या नहीं। उन्होंने मेरा आर्मबैंड और डेटा टैबलेट ज़ब्त कर लिया था, और मुझे अपने ही विचारों में डूबे रहने के अलावा कुछ नहीं छोड़ा था।

ध्यान लगाने से बस कुछ पल के लिए ही आराम मिला, और दरवाज़े पर कान लगाने से भी मुझे कुछ समझ नहीं आया। वैसे भी, शायद ऑर्डोसियन अपनी ही भाषा बोल रहे थे, जो ज़ाहिर तौर पर मुझे समझ नहीं आती

थी। इधर-उधर टहलते हुए, मैं आखिरकार उनके द्वारा लाई गई अस्थायी कुर्सी पर बैठ गया और अपनी बढ़ती भूख को शांत करने और खुद को व्यस्त रखने के लिए एक एनर्जी बार खा ली। मैं चौथा निवाला चबा ही रहा था कि दरवाज़े पर ज़ोर से दस्तक हुई और मैं बुरी तरह चौंक गया। मेरा खाना गले में अटकने ही वाला था, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें अंदर आने के लिए कहा।

मैं खांसते-खांसते उछल पड़ा। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, और कमरे में दाखिल होते ही मैंने स्ज़ारो के गंभीर चेहरे को देखा। उसने मुझे एक अजीब से भाव से देखा। मैंने उसे घबराहट भरी मुस्कान दी, जिसका जवाब उसने सिर हिलाकर दिया और फिर किसी को अंदर आने का इशारा किया। मैंने गर्दन घुमाकर उसके पीछे देखा। एक टेमरने को देखकर मेरा मुंह खुला रह गया।

वह सुनहरे पंखों, भूरे पंखों और एक लंबी, मुलायम सफेद पूंछ वाले, मानव रूपी स्वर्ग पक्षी जैसा दिखता था। उसकी प्रजाति के सदस्य अत्यंत सम्मानित सहानुभूतिशील थे, जिन्हें प्रमुख निगमों, ग्रहीय सरकारों और, ज़ाहिर है, संयुक्त ग्रह संगठन द्वारा मध्यस्थ के रूप में नियुक्त किया जाता था। मेरी स्थिति में जो कुछ भी हो रहा था, वह मेरी समझ से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था। आप किसी साधारण शिकारी की रिहाई के लिए किसी टेमरने को बातचीत करने के लिए नहीं भेजते।

नमस्कार, मिस बेलो। मेरा नाम कायोग वोलन है। मैं ओपीयू द्वारा आपकी स्थिति को संभालने के लिए भेजा गया वार्ताकार हूं।

— नमस्कार, मास्टर वोल्न। लेकिन कृपया मुझे सेरेना कहकर बुलाइए, मैंने मुस्कुराते हुए कहा।

"केवल तभी जब आप मुझे अनौपचारिक रूप से संबोधित करें और मुझे कायोग कहकर पुकारें," उन्होंने अपने लोगों की विशिष्ट, मधुर और कोमल आवाज़ में उत्तर दिया।

हालांकि उसने मुस्कुराकर जवाब दिया, लेकिन उसके चोंच जैसे मुंह ने उसके चेहरे पर एक ऐसी कठोरता ला दी थी जो उसकी आंखों में दिख रही दयालुता की झलक के कारण असहज लग सकती थी। इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, वही आदमी जो एक दिन पहले मेरा सामान लाया था, एक दूसरी अस्थायी कुर्सी ले आया और उसे मेरे सामने वाली मेज के आगे रख दिया।

— "धन्यवाद, इरको," कायोग ने ओर्डोसियन से कहा, जिसने जाने से पहले जवाब में सिर हिलाया।

मेरी भौंहें तन गईं। कायोग अभी-अभी यहाँ आया था और उसे गाँव वालों के पहले नाम पहले से ही पता थे? वह पहले भी यहाँ आ चुका होगा।

उनके लिए यह समझदारी भरा कदम होगा कि वे किसी ऐसे व्यक्ति को भेजें जिसके ओर्डोसियनों के साथ पहले से ही अच्छे संबंध हों, ताकि बातचीत अधिक सुचारू रूप से चल सके।

“मैं आपको अकेले में बात करने के लिए छोड़ देता हूँ,” स्ज़ारो ने अपने चेहरे पर उसी रहस्यमय भाव के साथ कहा, जिससे मेरे रोंगटे खड़े हो गए। “आपकी बात खत्म होते ही मैं बाहर आ जाऊँगा।”

उसने कायोग से एक नज़रें मिलाईं, जिसने अपनी कोमल भौंहें सवालिया अंदाज़ में उठाईं। स्ज़ारो ने सिर हिलाया, जैसे कोई यह पुष्टि करने के लिए करता है कि योजना, चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, तय किए

गए अनुसार ही आगे बढ़ेगी। फिर वह बिना कुछ कहे कमरे से चला गया। मैंने अपना सिर टेमरने की ओर घुमाया और अपने बढ़ते हुए डर को दबाने की कोशिश की।
"क्या अब मुझे घबराना शुरू कर देना चाहिए?" मैंने पूछा।
"नहीं, सेरेना। इसकी कोई ज़रूरत नहीं है," कायोग ने शांत भाव से कहा और बैठ गए। "कृपया," उन्होंने मेरी सीट की ओर इशारा करते हुए कहा।
मैं बैठ गया और अपने हाथों को कांपने से रोकने के लिए मेज पर दबा दिया।
उसके पंख फड़फड़ाने लगे और उसने भी अपने हाथ मेज पर जोड़ लिए।
“मुझे पता है कि आप इस स्थिति से बहुत परेशान हैं, इसलिए मैं सीधे मुद्दे पर आता हूँ,” कायोग ने शांत भाव से कहा। “इस मुश्किल से निकलने का सिर्फ़ एक ही रास्ता है। दुर्भाग्य से, इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। हालाँकि वे आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहते, लेकिन इस नियम को लागू करने में ओर्डोसियन नेता बिल्कुल भी लचीले नहीं हैं। उनकी वर्जित भूमि में बिना स्पष्ट अनुमति के प्रवेश करने वाले किसी भी बाहरी व्यक्ति को मृत्युदंड दिया जाता है। लेकिन एक अपवाद है। यदि आप ओर्डोसियन बन जाते हैं, तो आप अब बाहरी नहीं रहेंगे।”
मैं अवाक रह गया और मेरी आंखें फटी रह गईं।
"अरे वाह! ये तो बहुत आसान है!" मैं घबराकर हंसते हुए बोली। "तो... मुझे क्या करना है? उनकी संस्कृति, उनकी भाषा, उनका राष्ट्रगान सीखना है और फिर परीक्षा देनी है? मैं कर सकती हूँ! मैं जल्दी सीख जाती हूँ।"
कायोग ने मुझे एक स्नेह भरी मुस्कान दी। लेकिन, इस बार, वह मुस्कान उसकी चांदी जैसी आंखों तक नहीं पहुंची।
"मुझे नहीं लगता," मैंने कहा, मेरे कंधे झुक गए।
"दुर्भाग्यवश नहीं," उन्होंने पुष्टि की। "ऑर्डोसियन बनने के केवल दो ही तरीके हैं। या तो आपका कोई माता-पिता ऑर्डोसियन होना चाहिए या फिर आपको किसी ऑर्डोसियन से शादी करनी होगी।"
टेमरने ने अपने शब्द हमारे बीच अधर में छोड़ दिए। मेरा दिमाग सुन्न पड़ गया, उनके अर्थ को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।
— शादी? क्या आप सच कह रहे हैं? मैंने आखिरकार पूछा।
"मुझे डर है कि ऐसा ही है, सेरेना," उसने सहानुभूति भरे स्वर में कहा।
"मैं पैरों और गर्भाशय वाली एक धरती की स्त्री हूँ!" मैंने कहा। "वे सांप की पूंछ वाले नागों की एक प्रजाति हैं जो अंडे देती हैं।"
"दरअसल, ओर्डोसियन सजीवप्रजक होते हैं," कायोग ने उत्तर दिया। "उनकी मादाएं अपने बच्चों को गर्भ में पूर्ण अवधि तक रखती हैं और जीवित बच्चों को जन्म देती हैं।"

"ठीक है, मैं यह बात मानती हूँ," मैंने अस्पष्ट इशारे से कहा। "लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम एक-दूसरे के अनुकूल नहीं हैं! मेरा मतलब है, अरे यार, क्या साँपों के दो लिंग नहीं होते जिन पर कांटे होते हैं? मैं तो टुकड़े-टुकड़े हो जाऊँगी!"

टेमरने अपनी जगह पर थोड़ा हिल गया। उसके चेहरे पर पंख ढके होने के बावजूद, मैं समझ गया कि वह शरमा रहा था। इस बूढ़े नर के सामने इतना अभद्र व्यवहार करने पर मुझे लगभग अपराधबोध हुआ। उसकी युवा उपस्थिति के बावजूद, उसके पंखों का रंग बता रहा था कि वह अभी जवान नहीं हुआ था।

"सच कहूँ तो, सेरेना, मुझे नहीं पता कि उनके प्रजनन अंग कैसे दिखते हैं," उसने स्वीकार किया। "मुझे तुम्हारी प्रजाति की अनुकूलता के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन मैं जानता हूँ कि यही तुम्हारी जान बचाने का एकमात्र तरीका है।"

मैंने गहरी साँस ली और घबराकर अपनी गुंथी हुई बालों में हाथ फेरा। मैं निश्चित रूप से इस बात के लिए मौत की सजा पाने को तैयार नहीं थी कि ओर्डोसियन लोग बाहरी लोगों को एक स्पष्ट संदेश दे सकें। लेकिन क्या यह बेहतर था कि मैं अपने जीवन भर एक ऐसे जीवनसाथी के साथ प्रेमहीन विवाह में फँसी रहूँ जो मेरे अनुकूल नहीं है?

"मुझे पता है कि आप बहुत परेशान हैं। मैं आपकी व्यथा समझ सकता हूँ, लेकिन हालात इतने भी बुरे नहीं हैं," कायोग ने कहा।

जब मैंने अविश्वास भरी नजरों से उसे देखा तो उसने शांत भाव से अपना हाथ उठाया।

“आम तौर पर मैं इस तरह के कूटनीतिक मामलों से नहीं निपटती। लेकिन, आपके मामले की समीक्षा करने के बाद, मेरे सहयोगियों और मैं सभी इस बात पर सहमत हुए कि आपको बचाने का यही एकमात्र तरीका है, और जब मैं एल्डर्स से मिलने गई तो उन्होंने भी यही कहा। मैं प्राइम एजेंसी की प्रमुख एजेंट और अंतर-प्रजाति विवाह की विशेषज्ञ हूँ। स्ज़ारो एक अच्छा पुरुष है। एक सहानुभूतिशील व्यक्ति होने के नाते, मैं आपको बता सकती हूँ कि व्यक्तित्व के लिहाज़ से आप दोनों एक-दूसरे के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी।”

— स्ज़ारो? क्या वो मेरे पति बनेंगे? मैंने पूछा।

हालांकि मैं पूरी घटना से अभी भी सदमे में था, लेकिन इस खबर ने मुझे उम्मीद से कहीं ज्यादा सुकून दिया।

“हाँ,” कायोग ने सिर हिलाते हुए कहा। “समझ लो कि वह तुम्हें बचाने के लिए बहुत बड़ा बलिदान दे रहा है। ऑर्डोसियन जनजाति में बहुत कम लोग ही शादी करते हैं। उनमें से अधिकांश किसी के साथ रिश्ते में तब तक ही संतुष्ट रहते हैं जब तक वह चलता है, या केवल संतान पैदा करने के लिए। लेकिन विवाह एकाग्रत्व का बंधन है और जीवन भर के लिए होता है। क्राडा जनजाति के मास्टर हंटर के रूप में, स्ज़ारो एक प्रतिष्ठित और बेहद प्रतिष्ठित पुरुष है। शादी करके वह अपने बच्चे पैदा करने की सारी उम्मीद खो देता है।”

“यह तो सरासर पागलपन है,” मैंने गुस्से और निराशा से कहा। “वह उस खून के बदले के लिए यह बलिदान क्यों दे रहा है जो उसका है ही नहीं? मैंने उसकी भाभी और उसके भतीजे की जान बचाई थी।”

"लेकिन वह सम्मान और सिद्धांतों वाला व्यक्ति है, और संयोग से वह आपको पसंद करता है," कायोग ने कहा।
मैंने खुद को झटक कर शांत किया।
अरे, वो मेरे बारे में कुछ नहीं जानता। हमने एक-दो बार ही बात की थी, वो भी मुश्किल से एक मिनट के लिए।
“फिर भी, तुम उसे आकर्षित करती हो,” कायोग ने स्पष्टवादिता से कहा। “और जब वह कमरे में आया तो मैंने तुम्हारी प्रतिक्रिया को भांप लिया था। स्ज़ारो तुम्हें उदासीन नहीं छोड़ता। अब जब मैंने तुमसे बात कर ली है और तुम्हारे स्वभाव की एक झलक देख ली है, तो मैं कह सकता हूँ कि व्यक्तित्व के लिहाज से तुम दोनों पूरी तरह से मेल खाती हो।”
— शायद, लेकिन शारीरिक रूप से हम एक-दूसरे के अनुकूल नहीं हैं। और अगर होते भी, तो मेरी एक ऐसी ज़िंदगी है जिसमें किसी आदिम ग्रह पर बसना शामिल नहीं है। यह तो आजीवन कारावास के समान होगा!
टेमरने के माथे पर शिकन आ गई और उसने मुझे इतनी तीव्र निगाहों से देखा कि मुझे अपनी सीट पर बेचैनी होने लगी।
हालांकि ओर्डोसियन लोग जीवन भर के लिए शादी करते हैं, लेकिन अतीत में तलाक भी हुए हैं, आमतौर पर इसलिए क्योंकि एक साथी ने कोई गंभीर अपराध किया होता था जिसके कारण उसे जनजाति से निष्कासित कर दिया जाता था। इसलिए, अगर ऐसी स्थिति आती है, तो आप तलाक लेकर जा सकते हैं। लेकिन, प्राइम एजेंसी के नियमों के अनुसार, यदि आप इस विवाह के लिए सहमत हैं, तो आपको कम से कम छह महीने तक विवाहित रहना होगा। सामान्यतः, हम यह भी अनिवार्य करते हैं कि विवाह की रात शारीरिक संबंध स्थापित हो, लेकिन आपके मामले में, यह आवश्यकता स्थायी रूप से समाप्त कर दी गई है।
"क्या आपका मतलब यह है कि अगर मैं उससे शादी कर लूं, तो मुझे कभी उसके साथ सोना नहीं पड़ेगा और मैं छह महीने बाद तलाक ले सकती हूं?" मैंने धड़कते दिल के साथ पूछा।
उसके जबड़े की मांसपेशियों में आए तनाव को देखकर मैंने अनुमान लगाया कि कायोग असंतोष में अपनी चोंच दबा रहा था, और उसकी निगाहों में गर्माहट की कमी से मेरा यह अनुमान पुष्ट हो गया।
“मेरा मानना है कि आपकी शादी एक ऐसे साहसी व्यक्ति से होगी जो आपकी जान बचाने के लिए अपना जीवन उलट-पुलट कर देगा। वह आपसे वैवाहिक अधिकारों की कोई मांग नहीं करेगा। और अगर आप दोनों इस रिश्ते में सचमुच नाखुश हैं, तो इसे कम से कम छह महीने बाद ही समाप्त किया जा सकता है,” कायोग ने कहा।
— और स्ज़ारो ने इसे स्वीकार कर लिया? मैंने ज़ोर दिया था।
कायोग ने आह भरी।
“हाँ, वह इसे स्वीकार करता है। लेकिन मुझे आपको चेतावनी देनी होगी। पूरे गाँव और अन्य ओर्डोसियन कबीलों के लिए, स्ज़ारो के साथ आपका विवाह वास्तविक होगा। भले ही आप छह महीने बाद लौटने की योजना बनाकर इस यात्रा पर निकल रही हों, तब तक आपको दिखावा करना होगा और कुछ भी ज़ाहिर नहीं

करना होगा। आपको उसके लिए भावनाओं का नाटक करने की ज़रूरत नहीं है—सब जानते हैं कि यह प्रेम विवाह नहीं है—लेकिन आपको ऐसा व्यवहार करना होगा जैसे आप एक वास्तविक विवाहित जोड़े हों। अगर आप ऐसा नहीं करतीं तो इसके क्या परिणाम होंगे, मैं इसकी भविष्यवाणी नहीं कर सकता। क्या आप ऐसा कर सकती हैं?”

मेंने सिर हिलाया।

— जी हाँ। जी हाँ, मैं कर सकता हूँ। लेकिन... आप ऐसा क्यों कर रहे हैं? आप मेरी मदद क्यों कर रहे हैं? इससे ओपीयू को क्या फायदा है?

कायोग मुस्कुराया और पक्षियों की तरह अपना सिर एक तरफ झुका लिया।

“ऑर्डोसियनों को बाहरी लोगों के प्रति अधिक स्वागतभाव दिखाने में वर्षों लग गए—अगर इसे स्वागतभाव कहा भी जा सकता है,” टेमरने ने समझाया। “ट्रैंगोर के पेड़-पौधे और जीव-जंतु चिकित्सा और औषधि उद्योगों के लिए खजाना हैं। और ऑर्डोसियन इसके संरक्षक हैं। यह एक जंगली ग्रह है। इन जनजातियों की सतर्कता और संतुलन बनाए रखने के निरंतर प्रयासों के बिना, स्किनर्स जैसे जानवरों की बढ़ती संख्या इस ग्रह पर पूरी प्रजातियों को नष्ट कर देगी—ऐसी प्रजातियाँ जो आकाशगंगा की कुछ सबसे भयानक बीमारियों के लिए उपचार या दवाएँ बनाने में हमारी मदद कर सकती हैं। हमें स्थानीय आबादी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने चाहिए और उस बंधन को और मजबूत करना चाहिए। और आप इसमें बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं।”

"मैं?!" मैंने अचंभित होकर कहा। "मैं तो बस एक पूर्व जिम्नास्ट हूँ जो अब राक्षस शिकारी बन गई हूँ। मैं कूटनीतिक नहीं हूँ।"

"नहीं, लेकिन तुम्हारी आत्मा सुंदर है, तुम्हारे नैतिक मूल्य प्रबल हैं और तुम्हारा व्यक्तित्व परोपकारी है," कायोग ने उत्तर दिया। "यही कारण है कि तुम ओर्डोसियों को यह दिखाने के लिए एकदम सही राजदूत हो कि विदेशी इतने बुरे नहीं होते।"

"मैं समझ गई," मैंने तारीफों की इस बौछार से शर्मिंदा होते हुए कहा। "तो... अब क्या होगा?"

"अब, मैं आपको स्ज़ारो के प्रति अपनी सहमति की पुष्टि करने देता हूँ। फिर हम एक त्वरित मानवीय विवाह संपन्न करेंगे ताकि आपके मिलन को आकाशगंगा रजिस्टर में आधिकारिक रूप से दर्ज किया जा सके। हम आपके सभी निजी सामान, जो वर्तमान में फेडरेशन बेस कैंप में हैं, यहाँ स्थानांतरित कर देंगे, और आप मुझे आवश्यक निर्देश दे सकते हैं ताकि आप जो भी सामान वापस लेना चाहें, उसे आपके गृह ग्रह पर पहुँचाया जा सके।"

मुझे चक्कर आने लगे। सब कुछ बहुत तेजी से हो रहा था।

“तुम बहुत दुखी हो, जो पूरी तरह से समझ में आता है। लेकिन हिम्मत रखो, सेरेना,” कायोग ने पिता समान स्वर में कहा, जिससे मेरा गला भर आया। “अंत में सब ठीक हो जाएगा। स्ज़ारो एक अच्छा आदमी है। अगर तुम्हारी शादी नहीं चलती है, तो याद रखना कि तुमने दुनिया के सबसे खास रिसॉर्ट में छह महीने की छुट्टियाँ

बिताई हैं। तुम्हारे अलावा कोई और विदेशी ट्रांगोर और यहाँ के लोगों की सुंदरता और समृद्धि को नहीं जान पाएगा।”

"यह सच है, लेकिन इसका मतलब है कि मुझे छह महीने तक काम या आमदनी नहीं होगी, जिसकी भरपाई मुझे आज़ाद होने के बाद करनी होगी," मैंने बुदबुदाते हुए कहा, और तुरंत ही मुझे इस बात पर तुच्छता का एहसास हुआ।

हाँ, इससे मेरी बचत पर असर तो पड़ेगा, लेकिन मैं कंगाल नहीं हो जाऊँगा। और ट्रांगोर ग्रह को अनोखे अंदाज़ में एक्सप्लोर करने का विचार मुझे बेहद लुभावना लग रहा था। वह ग्रह आकाशगंगा का ऑस्ट्रेलिया था। वहाँ मैंने अब तक के सबसे विचित्र और अनोखे वन्यजीव देखे थे, और उनमें से ज़्यादातर जानवर सिर्फ़ रोमांच के लिए हमें मारना चाहते थे।

टेमरने मुस्कुराया, उसकी चांदी जैसी आंखें चमक उठीं।

“दरअसल, आपको ज़्यादा बुरा प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। पहले शिकार के दौरान आपने अब तक जितने भी शिकार किए हैं, उन सबका आपको मुआवज़ा मिलेगा। इसके अलावा, स्किनर्स को आकर्षित करने, स्थानीय आबादी को खतरे में डालने और अप्रत्यक्ष रूप से आपकी वर्तमान परेशानी का कारण बनने के दंड स्वरूप, क्राडा सीमा पर बायरोन्ज़ियिक स्कोर्थेतिस नामक ज़मोरियन से उसके सभी तथाकथित 'शिकार' छीन लिए गए हैं। इसके बजाय, वे आपको दिए गए हैं और आपके व्यक्तिगत स्कोर में जोड़ दिए गए हैं, जिससे आप फिलहाल बढ़त बनाए हुए हैं। साथ ही, एक बार जब जनजातीय बुजुर्गों के साथ आपकी स्थिति सुलझ जाएगी, तो आप फिर से शिकार करने के लिए स्वतंत्र होंगे।”

"क्या तुम सच में ऐसा कह रहे हो?!" मैंने हैरानी से कहा, मेरा दिमाग तेज़ी से सोचने लगा।

अगर मुझे प्रथम स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर भी भेज दिया जाता है, तो भी आजादी मिलने के बाद मेरी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी हो जाएगी।

“मैं तैयार हूँ। लेकिन, ध्यान रखें कि शुरुआती कुछ हफ्तों तक आपकी आवाजाही सीमित रहेगी,” कायोग ने चेतावनी देते हुए कहा। “सभी जानते हैं कि आप इस संघ में शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं। वे आपको भागने का आसान रास्ता नहीं देंगे, न ही आपको भागने का प्रलोभन देंगे। इससे हमारे लिए एक बहुत ही कठिन कूटनीतिक स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।”

मैंने दृढ़ता से सिर हिलाते हुए कहा, "चिंता मत करो। मैं अपना वादा निभाऊंगा। वैसे भी, अगर मैं भाग गया, तो ओपीयू और फेडरेशन मुझे उस दिन का पछतावा करवाएंगे जब मैंने समझौता तोड़ा था।"

"मुझे खुशी है कि हम एक-दूसरे को समझ गए," कायोग ने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा। "क्या आपके कोई और प्रश्न हैं?"

“ओह, मुझे यकीन है कि आपके जाने के बाद लाखों और समस्याएं खड़ी हो जाएंगी, लेकिन अभी के लिए, मैं बस इस काम को खत्म करना चाहती हूं,” मैंने थोड़ी निराश होकर ईमानदारी से कहा। “मैं तब तक तनाव में

रहूंगी जब तक वह खूंखार एल्डर क्राथी मुझे कबीले का सदस्य नहीं मान लेता और मेरे सिर पर मंडरा रहा खतरा टल नहीं जाता।”
बहुत खूब। भले ही ऑर्डोसियन देखने में आदिम लगें, और आकाशगंगा के मानकों के हिसाब से हों भी, लेकिन उनके पास बहुत सारी तकनीक है, जिसमें लंबी दूरी के संचार तंत्र भी शामिल हैं। अगर आपको किसी चीज़ की ज़रूरत हो तो आप मुझसे संपर्क कर सकते हैं, हालांकि आपके संदेश को प्राप्त करने और आपको जवाब देने में कुछ घंटों की देरी हो सकती है।
"धन्यवाद, कायोग," मैंने सच्ची कृतज्ञता के साथ कहा। "मेरी जान बचाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।"
"सज़ारो को भी धन्यवाद देना मत भूलना," एजेंट ने नरमी से कहा। "उसके बिना हम आपको बचा नहीं पाते।"
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "मैं नहीं भूलूंगा।"
वह मुस्कुराया, खड़ा हुआ और दरवाज़ा खटखटाने चला गया। दरवाज़ा लगभग तुरंत खुल गया। स्ज़ारो ने मेरी तरफ देखा और फिर जिज्ञासा भरी नज़रों से कायोग की ओर मुड़ा। एजेंट ने उसके अनकहे सवाल के जवाब में सिर हिलाया। मुझे आश्चर्य हुआ कि ऑर्डोसियन के कंधे लगभग न के बराबर ढीले पड़ गए, जिसे मैं केवल राहत के रूप में ही समझ सका। क्या उसे डर था कि मैं मना कर दूंगा?
कायोग कमरे से बाहर चला गया और ज़ारो अंदर आ गया, मेरे सामने आकर रुक गया। मैं खड़ा होना चाहता था, लेकिन उसने मुझे बैठे रहने का इशारा किया। उसने अपनी पूंछ को पीछे की ओर कसकर 'S' आकार में मोड़ लिया और उस पर इस तरह बैठ गया जैसे कोई बैठा हो, लगभग मेरी आंखों के स्तर पर। हम कुछ पल चुपचाप एक-दूसरे को देखते रहे। ऐसा लग रहा था जैसे वह भी मेरी तरह कुछ कहना चाह रहा हो।
— मेरी जान बचाने के लिए स्वेच्छा से आगे आने के लिए धन्यवाद, मैंने अंततः कहा।
"मैंने वादा किया था कि हम कोई समाधान निकालेंगे," उन्होंने विनम्रता से जवाब दिया।
"लेकिन इसकी कीमत आपको क्या चुकानी पड़ेगी?" मैंने पूछा।
उसने तुरंत जवाब नहीं दिया, उसकी सरीसृप जैसी आंखें मेरे चेहरे के भावों को गौर से देख रही थीं।
समय ही बताएगा। हम कोई पारंपरिक दंपत्ति नहीं हैं, लेकिन अजीबोगरीब चीजें भी हो चुकी हैं।
उन शब्दों को सुनकर मैं एकदम सख्त हो गई। हालाँकि कायोग ने इसका इशारा किया था, लेकिन स्ज़ारो के कहने का सीधा मतलब यह था कि हमें इस रिश्ते को आगे बढ़ाने से पहले अपनी आपसी अपेक्षाओं को खुलकर ज़ाहिर करना होगा। हालाँकि, जैसे ही यह विचार मेरे मन में आया, डर की एक लहर दौड़ गई। मैं उसे यह सोचने पर मजबूर नहीं करना चाहती थी कि छह महीने पूरे होते ही मैं उसे छोड़कर चली जाऊंगी। लेकिन अगर इससे वह अपने शादी के प्रस्ताव पर दोबारा विचार करने लगे तो क्या होगा?
कायोग ने कहा कि वह सहमत हैं...
उसकी जीभ बाहर निकली हुई थी और उसकी आंखें सिकुड़ी हुई थीं, जिससे मेरी चिंता थोड़ी और बढ़ गई।

“मैं समझ सकता हूँ कि मेरे शब्दों ने तुम्हारे मन में कितनी बेचैनी पैदा कर दी है,” स्ज़ारो ने कहा। “मैं तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करता हूँ, सेरेना बेलो। ऑर्डोसियन जीवन भर के लिए एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। तुम्हारे कार्यों पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं है, केवल अपने कार्यों पर नियंत्रण है। इसलिए, मैं अपने जीवन भर, या जब तक तुम मुझे अपने योग्य न समझ लो, तुम्हारे लिए सबसे अच्छा जीवनसाथी बनने का प्रयास करूँगा।”

“इसका आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं है,” मैंने नरमी से कहा। “अब तक आपने अपने कार्यों से खुद को एक सम्माननीय पुरुष साबित किया है। लेकिन हम बिल्कुल अलग प्रजाति के हैं और शायद हमारा मेल नहीं बैठता।”

“सेरेना, मुझे लगता है कि हम जितना तुम सोचती हो उससे कहीं ज़्यादा एक-दूसरे के अनुकूल हैं,” स्ज़ारो ने कामुक लहजे में कहा। “हमें यह जानने के लिए काफ़ी समय मिलेगा। भले ही मैं तुम्हें अजीब लगूँ, मुझे पता है कि तुम मुझे नापसंद नहीं करती। तुम मुझे देखने में सुंदर लगती हो, और एक महिला के लिए शिकारी के रूप में तुम्हारा यह अनोखा स्वभाव मुझे आकर्षित करता है। मैं तुमसे कुछ भी ऐसा नहीं चाहता जो तुम देने के लिए तैयार न हो। मैं बस इतना चाहता हूँ कि तुम खुले दिमाग से सोचो, अपने नए लोगों के प्रति वफ़ादार रहो और हमारे रीति-रिवाजों को अपना लो। और अगर तुम्हें यहाँ खुशी नहीं मिलती, तो मैं तुम्हें तुम्हारी मर्ज़ी के खिलाफ़ नहीं रोकूँगा।”

— ये... ये तो बिलकुल वाजिब है। और हाँ, मैं ये कर सकती हूँ, मैंने कहा, ये जानकर मेरे गाल लाल हो गए कि उसे पता चल गया था कि मुझे उसे घूरने में मज़ा आ रहा था।

“तो हम सहमत हैं। आओ, मेरी पत्नी,” स्ज़ारो ने सीधा होते हुए कहा। “चलिए इस कमरे से बाहर चलते हैं और तुम्हारे लोगों के मिलन की रस्म पूरी करते हैं। आज रात हम ओर्डोसियन रीति-रिवाजों के अनुसार एकजुट होंगे।”

जिस अधिकारपूर्ण अंदाज़ में उसने मुझे अपना साथी कहा, उससे मेरा पेट गुड़गुड़ा उठा। मुझे डर जाना चाहिए था। इस पूरी बात से मुझे पागलों की तरह चीखते-चिल्लाते भाग जाना चाहिए था। फिर भी, स्ज़ारो में मुझे सुरक्षित महसूस कराने का एक तरीका था, मानो सब कुछ ठीक हो जाएगा। अपनी कुर्सी से उठकर, मैं उसके पीछे उस भयानक भाग्य की ओर चल पड़ी जो हमारा इंतज़ार कर रहा था।

अध्याय 5

जब मैं अपने साथी से बात कर रहा था, तभी एल्डर क्राथी ने एक मानव अधिकारी को क्राडा में उतरने की अनुमति दे दी। फेडरेशन बेस कैंप से सेरेना का सामान लाने के अलावा, वह कानूनी तौर पर मानव विवाह समारोहों की अध्यक्षता करने के लिए भी अधिकृत था। कायोग ने मुझे चेतावनी दी थी कि हम उनके अनुष्ठान का केवल त्वरित संस्करण ही करेंगे, और मुझे प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण दिया था। मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि यह इतना जल्दी हो जाएगा।

जब मैं देवी की मूर्ति के सामने मुख्य चौक में सेरेना के आमने-सामने खड़ी थी, तो हमारे बगल में खड़े व्यक्ति ने हमसे उसके बाद दोहराने के लिए कहा।

— सेरेना बेलो, क्या आप स्वेच्छा से इस ओर्डोसियन पुरुष, स्ज़ारो कोटा को अपना वैध पति स्वीकार करती हैं? उसने पूछा।

"मुझे यह चाहिए," सेरेना ने जवाब दिया।

"सज़ारो कोटा, क्या आप स्वेच्छा से इस महिला, सेरेना बेलो को अपनी वैध पत्नी के रूप में स्वीकार करते हैं?" उसने तब मुझसे पूछा।

— मुझे यह चाहिए, मैंने जवाब दिया।

— कायोग वोल्न, क्या आप इस बात की पुष्टि करते हैं कि आप इस बात के गवाह हैं कि सेरेना बेलो और स्ज़ारो कोटा ने स्वेच्छा से एक-दूसरे से कानूनी रूप से शादी करने की इच्छा व्यक्त की थी?

— जी हां, मैं इसकी पुष्टि करता हूं, कायोग ने कहा।

— यूनाइटेड प्लैनेट्स ऑर्गनाइजेशन द्वारा मुझे प्रदत्त अधिकार के तहत, मैं अब आपको पति-पत्नी घोषित करता हूँ, उस व्यक्ति ने कहा। बधाई हो, आप दुल्हन को चूम सकते हैं।

हालांकि समारोह की संक्षिप्तता देखकर मैं स्तब्ध रह गई थी—अगर इसे समारोह कहा भी जा सकता है—फिर भी मैंने अपनी मुस्कान दबा ली। इससे पहले, कायोग मुझे समझाना चाहता था कि चुंबन क्या होता है, जिससे मैं ऑर्डोसियनों के चुंबन करने के तरीके से परिचित थी। जाहिर है, अतीत में उसने जिन लोगों का मनुष्यों के साथ जोड़ा बनाया था, उनमें से कई लोग इस बात को लेकर असमंजस में पड़ गए थे, इसलिए अब वह उन्हें पहले से ही चेतावनी दे देता था ताकि जब समारोह कराने वाला उनसे ऐसा करने को कहे तो उन्हें शर्मिंदगी न उठानी पड़े। मेरी जीवनसाथी ने अपना चेहरा मेरी ओर उठाया, उसके चेहरे के भाव समझ से परे थे, और मैं आगे झुककर अपने होंठ उसके होंठों से मिला दिए।

उनकी उंगलियां बेहद कोमल और गर्म थीं, ठीक वैसे ही जैसे उसने सहारा देने के लिए अपनी हथेली मेरे सीने पर रखी थी। सेरेना का स्पर्श हमारे चुंबन जितना ही संक्षिप्त था। इससे पहले कि मैं उस अनुभूति का पूरा आनंद ले पाता, मेरी साथी पीछे हट गई और शरमाते हुए मुस्कुराई। मैंने सहज ही उसकी प्रतिक्रिया जानने के लिए अपनी जीभ बाहर निकाल दी। हालांकि उसने इसे छिपाने की कोशिश की, लेकिन मेरी जीभ उसे परेशान कर रही थी। हालांकि, यह मेरा और मेरी प्रजाति का एक अभिन्न अंग है। इसलिए, सेरेना को इसकी

आदत डालनी ही पड़ेगी। खासकर इसलिए क्योंकि उसकी मौजूदगी में मेरी जीभ हमेशा बाहर निकलने को बेताब रहती थी।

उसकी खुशबू बेहद मनमोहक थी। कोमल और ताज़ा, सुबह की धूप से सराबोर शुद्ध हवा की तरह, जब ओस पत्तियों से उड़कर हवा में घुलमिल जाती है और जागृत दुनिया की सुगंध आपस में मिल जाती है। और इन सबके नीचे, वह सूक्ष्म गर्माहट थी, वही गर्माहट जो सेरेना से तब निकली थी जब हमने सीमा के पास पहली बार बात की थी, जब मैं उसके पास मृत स्किनर को लेकर आया था। उसकी शर्मीली सी मोहब्बत मुझे एक अजीब तरीके से चिढ़ा रही थी। मेरा इरादा था कि मैं उस मोहब्बत का पूरा आनंद उठाऊँगा, जब सेरेना जाने का विचार छोड़ देगी और हमारे रिश्ते को स्वीकार कर लेगी।

"कृपया यहां हस्ताक्षर करें," उस व्यक्ति ने मुझे मेरे विचारों से बाहर निकालते हुए कहा।

सेरेना ने मानव के डेटा टैबलेट इंटरफ़ेस में बॉक्स पर अपना अंगूठा दबाया। उसके समाप्त होने के बाद मैंने बगल वाले बॉक्स में ठीक वैसा ही किया।

“एक बार फिर बधाई हो,” उस व्यक्ति ने अपनी कमर से लटके बैग में डेटा टैबलेट वापस रखते हुए कहा। “आप दोनों को दुनिया की सारी खुशियाँ मिलें, यही मेरी कामना है।”

हालांकि उन्होंने हम दोनों से बात की, लेकिन सेरेना पर उनकी निगाहें टिकी रहने से साफ पता चलता था कि उन्हें लगता था कि वह नाखुश होंगी। इससे मुझे गुस्सा आया। भले ही मैंने कभी किसी इंसान महिला के साथ रोमांटिक रिश्ता बनाने के बारे में सोचा भी न हो, लेकिन सेरेना अब मेरी साथी थी और मैं इसे स्थायी बनाना चाहता था।

"धन्यवाद," सेरेना ने धीरे से उत्तर दिया।

मैंने बस सिर हिलाया और अपनी नजरें पास खड़े तीनों डीन की ओर घुमा लीं।

“सेरेना और स्ज़ारो, आपके विवाह पर हार्दिक बधाई। सेरेना बेलो, ट्रांगोर की क्राडा जनजाति और महान ओर्डोसियन परिवार में आपका स्वागत है,” एल्डर क्राथी ने कहा। “आज रात हम अपनी परंपरा के अनुसार आपके विवाह का जश्न मनाएंगे ताकि आप आधिकारिक तौर पर हमारे समुदाय का हिस्सा बन सकें।”

— "धन्यवाद, डीन क्राथी," सेरेना ने विनम्रता से कहा।

जाने से पहले बाकी बुजुर्गों ने हमारी तरफ मुस्कुराया। बाकी कबीले के लोग, जो इस घटना को देखने आए थे, वे भी उसी उदासीन भाव से अपने चेहरे के साथ चले गए। आज रात हम कुछ बहुत बेहतर करेंगे।

कायोग से विदाई लेने के बाद, मैंने बेस कैंप से बरामद सेरेना के थोड़े से सामान वाले दो बड़े बैग ले लिए।

"मैं तुम्हें अपने घर ले चलूँगा," मैंने कहा, शर्म से मेरा गायब हुड सिकुड़ गया।

मैंने अपने घर के लिए एक बेहतरीन जगह तो हासिल कर ली थी, लेकिन वह जीवनसाथी के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं था। सालों से मैंने कल्पना की थी कि मैं अपनी जीवनसाथी के लिए कितनी मेहनत से एक आदर्श आशियाना बनाऊंगा, जो खास तौर पर उसके लिए डिज़ाइन किया गया होगा, जो उसके प्रति मेरे गहरे प्रेम और उसके बारे में मेरी समझ का प्रमाण होगा—वह समझ जो महीनों, यहाँ तक कि सालों के अथक प्रेम-

प्रसंग के बाद हासिल हुई थी। लेकिन इसके बजाय, मैं इस अधूरे से घर में एक ऐसी जीवनसाथी का स्वागत कर रहा था जिसे मैं जानता भी नहीं था और जिसे मैं मुश्किल से ही समझता था।

अधिकांश प्रतिष्ठित आवासों की तरह, मेरा आवास भी सीधे पहाड़ में तराशा गया था, जो गांव को दो तरफ से प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करता था, और उत्तर में बायागी नदी से घिरा हुआ था।

“मुझे खेद है कि मेरा घर किसी जीवनसाथी के लिए भी उपयुक्त नहीं है, किसी इंसान के लिए तो बिल्कुल भी नहीं,” मैंने माफी मांगते हुए दरवाजा खोलते हुए कहा। “आपको जो चाहिए, वह बताइए, मैं जल्द से जल्द उसका इंतजाम कर दूंगी। फिलहाल, मैंने इरको से ये दो कुर्सियाँ मंगवाई हैं,” मैंने सिंक के सामने, बड़ी खिड़कियों के पास रखी बड़ी पत्थर की मेज के बगल में रखी कुर्सियों की ओर इशारा करते हुए कहा।

सेरेना ने अनमने ढंग से सिर हिलाया और उसकी नज़रें कमरे में चारों ओर घूम गईं, जो वैसे तो बिल्कुल खाली था। हल्के भूरे, लगभग सफेद रंग की पत्थर की दीवारें पूरी तरह से पॉलिश और चिकनी नहीं की गई थीं, क्योंकि मेरे साथी के लिए किस तरह का डिज़ाइन उपयुक्त होगा, यह तय होने के बाद उन्हें दोबारा पॉलिश किया जाएगा। फर्श भी थोड़ा खुरदुरा था, हालांकि बहुत साफ था। दीवारों पर कोई सजावट नहीं थी, न ही अलमारियों पर कोई ट्रॉफी या यादगार वस्तु रखी थी। कमरे में मेज और हाल ही में रखी गई दो अस्थायी कुर्सियों के अलावा, केवल सिंक और उसके ऊपर शेल्फ पर रखे दो गिलास ही दिखाई दे रहे थे।

अपने चेहरे पर तटस्थ भाव बनाए रखने के तमाम प्रयासों के बावजूद, सेरेना बिल्कुल भी प्रभावित नहीं दिखीं।

"निजी कमरा इधर है," मैंने शर्म से लाल होकर कहा, चाहे यह कितना भी अतार्किक क्यों न रहा हो। मेरे घर के खाली रहने का कारण उपेक्षा नहीं थी।

— एक निजी कमरा?! आपके पास यहाँ एक है? उसने राहत और खुशी के मिले-जुले भाव से अपना चेहरा चमकाते हुए कहा।

उनकी प्रतिक्रिया से मुझे खुशी तो हुई, लेकिन साथ ही साथ काफी बेचैनी भी हुई। मुझे आराम करने की जगह क्यों नहीं मिलनी चाहिए?

— जी हाँ, इस तरफ, मैंने मुख्य कमरे से गलियारे के बाईं ओर पहले दरवाजे की ओर हाथ से इशारा करते हुए कहा।

मैंने दरवाजा खोला और उसे अंदर ले गया। दहलीज पार करते ही उसका चेहरा उतर गया।

— ओह, एक निजी कमरा, उसने मुंह बनाते हुए कहा।

मैं पलकें झपकाता रहा, उसकी गहरी निराशा का कारण समझ नहीं पा रहा था।

"आप इसके बजाय क्या उम्मीद कर रहे थे?" मैंने उसकी प्रतिक्रिया से हैरान होकर पूछा।

— मुझे लगा कि आप स्वच्छता कक्ष की बात कर रहे हैं, वह जगह जहाँ आप अकेले में शौच करते हैं, सेरेना ने समझाया।

फिर उसने हाथ के इशारे से मुझे वह कमरा दिखाया।

"इसे तो हम बेडरूम कहते हैं। लेकिन आपके पास बिस्तर नहीं है," उसने मेरी हॉटप्लेट की ओर देखते हुए कहा।
— ओह, हमारे पास स्वच्छता क्षेत्र है, मैंने थोड़ी राहत के साथ जवाब दिया।
"क्या आपके पास एक है?" सेरेना ने खुले दरवाजे से अंदर देखते हुए पूछा।
— हां, लेकिन हमारे घर में नहीं, मैंने अपनी बात सुधारी।
उसके कंधे झुक गए, उसके चेहरे पर एक बार फिर निराशा साफ झलक रही थी। यह देखकर मुझे बहुत दुख हुआ।
“यहाँ काम खत्म होने के बाद मैं आपको दिखा दूँगी कि यह कहाँ है। इस दराज वाली अलमारी में मेरे कीमती कपड़े रखे हैं,” मैंने उसकी ओर इशारा करते हुए कहा। “इर्को एक घंटे के अंदर आपके लिए एक ले आएगा। आप उसे सोने-बैठने के लिए या किसी और काम के लिए ज़रूरी सभी फर्नीचर का विवरण भी दे सकते हैं।”
"ठीक है, यह अच्छा होगा," उसने कृतज्ञता भरी मुस्कान के साथ कहा।
“कृपया इस घर को अपर्याप्त देखकर निराश न हों,” मैंने बिना पलक झपकाए उनकी आँखों में देखते हुए कहा। “एक अकेले ऑर्डोसियन नर के लिए यह सादगी सामान्य है। हम घोंसला विशेष रूप से उस मादा के लिए तैयार करते हैं जिसे हम लंबे प्रेमालाप काल के दौरान चुनते हैं, जो कि आपके और मेरे पास नहीं था। अभी के लिए, मैं आपको केवल आवश्यक चीजें ही दे सकता हूँ। आने वाले दिनों और हफ्तों में मैं इस घर को आपके लायक बना दूँगा।”
सेरेना अपने पैरों पर थोड़ी हिली-डुली, उसके चेहरे पर अपराधबोध के भाव दिखाई दिए।
“इतना सब करने की ज़रूरत नहीं है। मैं सच कह रही हूँ। मुझे... अगर मेरी प्रतिक्रिया से आपको बुरा लगा हो या अपने घर के बारे में शर्मिंदगी महसूस हुई हो, तो मुझे माफ़ कर दीजिए,” उसने शरमाते हुए मुस्कुराते हुए कहा। “मैं आपके लोगों के बारे में कुछ नहीं जानती। आप पूंछ वाले पैरों वाली पहली बुद्धिमान प्रजाति हैं जिनसे मेरा कभी संपर्क हुआ है। लेकिन अब मुझे एहसास हुआ है कि हमारे शारीरिक अंतरों के अलावा, आपकी संस्कृति मेरे लिए कल्पना से भी कहीं ज़्यादा पराई है।”
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मानव संस्कृति के बारे में मैंने अब तक जो थोड़ा-बहुत देखा है, उससे मैं सहमत हूँ कि आपको अनुकूलन के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। लेकिन मैं इसमें आपकी मदद करूँगा।"
“धन्यवाद। बस आपसे यही गुजारिश है कि आप मेरे साथ धैर्य रखें और सबसे बढ़कर, मेरी प्रतिक्रियाओं को बुरा न मानें,” सेरेना ने एक अजीब सा भाव बनाते हुए कहा। “मेरा चेहरा बहुत भावुक है, और जब आप मुझे देखते हैं, तो आपको हमेशा लगता है कि चीजें असलियत से कहीं ज्यादा खराब हैं। इसलिए, अगर मैं उदास या परेशान दिखूं तो निराश न हों। ये तो बस मेरे चेहरे का एक अजीब सा भाव है। अगर सच में कोई समस्या होगी, तो मैं उसके बारे में बात करूंगी।”
बहुत अच्छा, यह सुनकर मुझे खुशी हुई।

“और इसी से हम फिर से फर्नीचर के कारोबार पर आ जाते हैं,” सेरेना ने आगे कहा। “मेरे लिए कुछ भी शानदार बनवाने की ज़रूरत नहीं है। मैं एक साधारण महिला हूँ। मैं जंगलों में कठिन जीवन जीने की आदी हूँ। मेरे लिए बस कामचलाऊ चीज़ ही काफी है...”
“नहीं,” मैंने तीखे स्वर में टोकते हुए कहा, जिससे वह चौंक गई। “तुम मेरी पार्टनर हो। तुम्हें सर्वश्रेष्ठ से कम कुछ नहीं मिलेगा। इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता,” जब उसने बहस करने के लिए मुंह खोला तो मैंने आगे कहा। “चलो, मैं तुम्हें बाकी सब दिखा देता हूँ।”
सेरेना ने मुंह बनाया, मानो कह रही हो कि चर्चा अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन उसने मेरी बात मान ली। मैं उसे गलियारे से होते हुए उस दरवाजे तक ले गया जो हमारे निजी कमरे की ओर खुलता था।
मैंने दरवाजा खोलते हुए कहा, "इस घर में यही एक कमरा है जो पूरी तरह से खाली नहीं है।"
मुझे नहीं पता था कि उसकी क्या प्रतिक्रिया होगी, लेकिन मैंने यह बिल्कुल नहीं सोचा था कि वह चुप रहेगी और कमरे की चीज़ों को देखकर उसकी आँखों में चमक आ जाएगी। उसके सुंदर, अनोखे चेहरे पर आश्चर्य का भाव देखकर मुझे एक अलग ही सुखद सिहरन हुई।
— वाह! यह तो वाकई बहुत बढ़िया है! सेरेना ने फुसफुसाते हुए कहा।
वह धीरे-धीरे शस्त्रागार में दाखिल हुई, उसकी निगाहें चारों ओर घूमकर मेरे हथियारों की प्रशंसा कर रही थीं। वह केवल एक पल के लिए धनुष, खंजर या भाले को निहारने के लिए रुकती और फिर अगली मेज या स्टैंड की ओर बढ़ जाती।
"आप इसे छू सकते हैं," मैंने उससे कहा, अपनी सबसे बड़ी गर्व की बात पर उसकी प्रतिक्रिया देखकर मैं शब्दों से परे प्रसन्न था।
ओर्डोसियाई महिलाओं को शिकार के उपकरणों में बहुत कम रुचि थी।
"सच में?" उसने मुस्कुराते हुए मुझसे पूछा। "धन्यवाद!" जब मैंने सिर हिलाया तो उसने कहा।
और उसने अपनी कोमल उंगलियों से उन्हें हल्के से छूने या अपनी उंगलियों के पोरों से हल्के से स्पर्श करने में ज़रा भी संकोच नहीं किया। मेरी साथी ने मेरे हथियारों को एक प्रेमी की तरह देखभाल और सम्मान के साथ संभाला... जैसा कि होना चाहिए।
"यह काम बेहद उत्कृष्ट है," उन्होंने खुलकर प्रशंसा करते हुए कहा।
— धन्यवाद, मैंने अपनी छाती फुलाते हुए कहा।
उसने अचानक मेरी तरफ सिर घुमाया और मुझे हैरानी भरी नजरों से देखा।
— क्या आपने इन्हें बनाया है?
मेंने सिर हिलाया।
— जी हाँ, मेरे साथी। इस कमरे में जितने भी हथियार हैं, मैंने उन्हें अपने हाथों से बनाया है।
"क्या कोई संभावना है कि मैं आपको रिश्वत देकर किसी दिन इनका इस्तेमाल करने की अनुमति ले सकूँ?" उसने अपनी पलकें झपकाते हुए, सबसे अजीब लेकिन साथ ही सबसे मनमोहक तरीके से पूछा।

मैं मुस्कुराता हूं।
"इसका इंतज़ाम हो सकता है," मैंने जवाब दिया, इस बात से खुश था कि हम दोनों के बीच एक आम सहमति बन गई थी - कई अन्य सहमतियों में से पहली... कम से कम मुझे तो यही उम्मीद थी।
मेरे दिमाग में पहले से ही उसके लिए हथियार बनाने के विचारों की भरमार थी।
आइए, मैं आपको घर का बाकी हिस्सा दिखा देता हूँ।
उसने सिर हिलाया और गलियारे में मेरे पीछे आने से पहले मेरे शस्त्रागार पर आखिरी बार प्रशंसा भरी नजर डाली।
मैंने उसे उन कमरों की झलक दिखाते हुए कहा, “यहाँ सात और कमरे हैं, जिन्हें ज़रूरत पड़ने पर बदला जा सकता है। असल में, ये मेरे भावी बच्चों के लिए निजी कमरे—या बेडरूम, जैसा कि तुम कहती हो—होने वाले हैं, एक खेल का कमरा, एक अध्ययन कक्ष, या जो भी मेरे साथी को सबसे अच्छा लगता। सोचो तुम इन जगहों का क्या करना चाहोगी।”
जब मैंने संतान की बात की तो उसके चेहरे पर जो शिकन आई—और फिर उसने तुरंत उसे छुपा लिया—वह बात मेरी नज़र से नहीं छूटी। मैं हमेशा से बच्चे चाहता था, कम से कम दो, लेकिन बेहतर होगा चार या पाँच, इसीलिए मैंने इतने सारे कमरे बनवाए थे। मंधा के बेटे ईकू के जन्म के बाद से यह इच्छा और भी प्रबल हो गई थी। कई बार मैंने जनजाति की उन कई अविवाहित महिलाओं में से किसी एक से संतान पैदा करने के बारे में गंभीरता से सोचा था जिन्होंने मेरी संतान को जन्म देने में रुचि दिखाई थी। लेकिन मैंने उस प्रलोभन का विरोध किया, क्योंकि मैं अपने बच्चों को अपने घर में पालना चाहता था, जिसे मैं उनकी माँ, मेरी पत्नी के साथ साझा करूँगा।
मैंने तिरछी नज़र से सेरेना की तरफ देखा। मुझे नहीं पता था कि हम एक-दूसरे के अनुकूल हैं या नहीं। इंसानी औरतें भी हमारी औरतों की तरह ही अपने बच्चों को जन्म देती हैं। लेकिन अगर मान भी लें कि मेरा बीज उसके गर्भ में पनप सकता है, तो हमारी संतान कैसी दिखेगी? एक युवा शिकारी की छवि मेरे दिमाग में कौंध गई, जिसके सुनहरे-भूरे रंग के शल्क सेरेना की त्वचा जैसे थे, सुडौल चेहरे, एक लंबी, मोटी पूंछ और मेरे जितनी चौड़ी टोपी। मैंने उस तीव्र इच्छा को दबा लिया जो उससे पैदा हुई थी। मेरी साथी मेरे साथ सोने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी, भले ही हम एक-दूसरे के अनुकूल हों। और अगर हम गर्भधारण कर भी लेते, तो इस बात की पूरी संभावना थी कि हमारी संतान पैरों वाले इंसान जैसी दिखेगी।
और मैं अब भी उससे प्यार करूंगी और खुशी से उसका स्वागत करूंगी।
इस अहसास ने मुझे आश्चर्यचकित करने के साथ-साथ बेहद खुशी भी दी। मेरे पास अपने साथी को यह समझाने के लिए छह महीने का समय था कि हमारा रिश्ता सफल हो सकता है, और मैं हमेशा की तरह हर काम में सफल होने का पूरा इरादा रखती थी।
— मैंने घर के पीछे का बड़ा दरवाजा खोलते हुए कहा, "यह रही छत।"
— हे भगवान! उसने धीरे से कहा जब मैं उसे बाहर निकलने देने के लिए एक तरफ हट गया।

सेरेना वहीं जम सी गई, उसका मुंह खुला रह गया, उसके चेहरे पर अविश्वास और आश्चर्य का मिलाजुला भाव था, क्योंकि पहाड़ के बीचोंबीच छिपी घाटी का नज़ारा, साथ ही दो झरने और 75 मीटर नीचे बहती नदी, सब कुछ बेहद खूबसूरत था। दस मीटर चौड़ी और पांच मीटर गहरी इस विशाल बालकनी के चारों ओर मोटी पत्थर की रेलिंग लगी हुई थी। पक्षियों की चहचहाहट झरनों की गर्जना में घुलमिल रही थी, जबकि नीचे नदी किनारे कई शांत शाकाहारी जानवर टहल रहे थे।

मेरी साथी आश्चर्यचकित भाव से रेलिंग की ओर बढ़ी और अपने आसपास के वातावरण का अवलोकन करते हुए चलने लगी।

"यह सचमुच एक स्वर्ग है," उसने कहा। "यह मनमोहक से भी कहीं अधिक है। यह सम्मोहक है।"

"मुझे खुशी है कि आपको यह पसंद आया," मैंने कहा, और उसकी प्रतिक्रिया से मैं कितनी खुश थी, इसे छिपाने की कोई कोशिश नहीं की।

उन्होंने कहा, "मैं उनसे कितना प्यार करती हूं, इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।"

— और यह तो तुम्हारी इस नई दुनिया के उन अनेक चमत्कारों में से पहला ही है जो मैं तुम्हें दिखाने जा रहा हूँ, मैंने बिना किसी शर्म के कहा।

उसने खुद को झटक दिया, और मेरी ओर से उसके नए संसार के बारे में दिए गए अप्रत्यक्ष संदेश को तुरंत समझ गई।

"मुझे यह जानने का बेसब्री से इंतजार है," उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

“यहाँ एक तैरता हुआ चबूतरा है और यहाँ से एक छिपा हुआ रास्ता है जो नदी तक जाता है,” मैंने रेलिंग के पीछे वाले कोने में मुश्किल से दिखाई देने वाले दरवाजे की ओर इशारा करते हुए कहा। “अगले कुछ दिनों में, मैं आपको घाटी में सैर के लिए ले चलूँगा। यह एक अभयारण्य है जहाँ हम अनोखे लेकिन शांत जीवों को आश्रय देते हैं, जो अपने प्राकृतिक आवास में छोड़े जाने पर विलुप्त होने के खतरे में पड़ जाएँगे। ट्रांगोर एक खतरनाक जगह है।”

"यह बहुत अच्छा होगा," सेरेना ने अपनी आंखों में एक चमक के साथ कहा, जिससे मेरे पेट में एक सुखद गर्माहट दौड़ गई।

मुझे अपने साथी को खुश करना अच्छा लगता था।

— घर का दौरा यहीं समाप्त होता है। अब मैं आपको स्वच्छता क्षेत्र में ले चलता हूँ, मैंने कहा।

“रुको,” सेरेना ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। “मुझे यहाँ रसोई या खाना पकाने का कोई स्थान नहीं दिखा। न फ्रिज, न ठंडा करने का उपकरण, न ही पेंट्री। प्रवेश द्वार के पास, जिसे मैं भोजन कक्ष मान रही हूँ, वहाँ केवल पानी के लिए एक सिंक है। मेरा मतलब है, बाथरूम का न होना ही अजीब है, लेकिन रसोई भी नहीं? क्या तुम्हें भूख नहीं लगी?”

“ऑर्डोसियन लोग अपने घरों में इस तरह की चीजों के लिए पूरा कमरा अलग से नहीं रखते,” मैंने भौंहें चढ़ाते हुए समझाया। “अगर किसी कमरे का इस्तेमाल रोज़ाना या कम से कम दो-तीन दिन में एक बार भी नहीं होता, तो उसे घर में रखने का कोई मतलब नहीं है।”
"लेकिन क्या आपको हर दिन खाना नहीं खाना पड़ता और दिन में कम से कम दो बार खाए हुए सभी पदार्थों को पचाना नहीं पड़ता?" उसने आश्चर्यचकित होकर पूछा।
— क्या हर दिन? शुक्र है, नहीं। और आप?
“जी हाँ!” सेरेना ने उत्साह से कहा। “मनुष्य सामान्यतः दिन में तीन बार भोजन करते हैं, भोजन के बीच में लिए जाने वाले नाश्ते को छोड़कर। और हम स्वच्छता कक्ष का उपयोग औसतन दिन में उतनी ही बार करते हैं। कुछ लोगों के लिए तो यह इससे भी अधिक बार होता है।”
मैंने भय से अपनी प्रेमिका की ओर देखा।
— तीन? देवी... हमने आपको कल दोपहर से खाना नहीं खिलाया। हमने आपको भूखा रखा और हर तरह की राहत से वंचित कर दिया! मुझे बहुत अफ़सोस है, मेरे साथी! मुझे पता नहीं था। आपने कुछ कहा क्यों नहीं? मैं अभी आपके लिए खाना लाता हूँ। क्या...
“नहीं, नहीं, स्ज़ारो, मैं ठीक हूँ,” उसने बीच में ही टोकते हुए मेरे सीने पर अपना हाथ रखा। “मेरे बैग में कुछ एनर्जी बार थे। मैंने एक कल खाया था और दूसरा आज सुबह नाश्ते में। मुझे अगले दो घंटे तक भूख नहीं लगेगी। लेकिन अभी मेरी पेशाब की बहुत इच्छा हो रही है और मुझे आराम की ज़रूरत है। इसलिए, थोड़ी देर में बाथरूम जाना अच्छा रहेगा।”
"बिल्कुल, मेरी साथी। इधर आइए," मैंने उसे मुख्य द्वार की ओर ले जाते हुए कहा। "उसके बाद, हम आपकी पोषण संबंधी जरूरतों पर विचार कर सकते हैं।"
घर से निकलते समय सेरेना ने पूछा, "ऑर्डोसियन लोग कितनी बार भोजन करते हैं?"
“मैं आमतौर पर हर दो-तीन हफ़्ते में एक बार खाना खाती हूँ, सिवाय तब जब मैं किसी लंबी यात्रा पर जा रही होती हूँ। उस स्थिति में, मैं एक बहुत बड़ा भोजन करती हूँ जो मुझे एक महीने तक चल सकता है,” मैंने उसे समझाते हुए मुख्य चौक से होते हुए उत्तर-पूर्व की ओर जाने वाले रास्ते पर ले गई, जो झरने के ठीक नीचे स्थित स्वच्छता क्षेत्र की ओर जाता था। “मुझे अगले दो हफ़्ते तक खाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। छोटे बच्चे ज़्यादा बार खाते हैं। मेरे भतीजे ईकू जैसे छोटे बच्चों को कम से कम हफ़्ते में एक बार खाना पड़ता है, हालाँकि यह हर चार-पाँच दिन में एक बार जैसा होता है। सबसे छोटा बच्चा हर दूसरे दिन थोड़ा-थोड़ा खाना खाएगा।”
"वाह, मुझे लगता है कि यात्रा के दौरान हफ्तों तक खाने की चिंता न करना कितना सुविधाजनक होगा," उसने अविश्वास भरी निगाहों से मेरी ओर देखते हुए कहा। "पारिवारिक रात्रिभोज का तो अब कोई मतलब ही नहीं रहा," उसने बुदबुदाते हुए कहा।

मैंने जवाब देने के लिए मुंह खोला, लेकिन मेरी साथी की हल्की सी आह ने मुझे चुप करा दिया। मुझे उसका चेहरा खिल उठा, जैसे ही उसने मेरी दुनिया को जाना। नदी के किनारे वाली छत पर उसकी प्रतिक्रिया तो मैं समझ गई थी, लेकिन यह वाली मुझे मज़ेदार लगी। लोग शायद ही कभी शुद्धिकरण कक्ष को आश्चर्य से देखते हैं। यह साधारण और कामचलाऊ था, शरीर की गंदगी को साफ करने की जगह, और उसके बगल में, शौच करने की जगह। फिर भी, इसने मुझे इसे नए नज़रिए से देखने पर मजबूर कर दिया।

हल्के रंग के पत्थरों से बनी इस प्राकृतिक गुफा की छत में कई छेद थे जिनसे पानी बरसता था, जिससे कम से कम पचास लोग एक साथ नहा सकते थे। पानी दस सेंटीमीटर नीचे धंसे हुए फर्श पर जमा होता था, और गहरी, ढलान वाली खांचें, जो इतनी संकरी थीं कि हम उनमें फिसल सकते थे, पानी को गुफा के पिछले हिस्से में बनी बड़ी खिड़की की ओर ले जाती थीं, जहाँ से वह सुरक्षात्मक रेलिंग की सलाखों से होकर बहता था। वहाँ से घाटी का नज़ारा एक बार फिर मनमोहक था। दीवारों में जड़े चमकदार पत्थरों से पूरा स्थान जगमगा रहा था।

"यह शानदार है," सेरेना ने सच्ची प्रशंसा के साथ कहा। "आप वास्तव में प्रकृति की सुंदरता को प्रदर्शित करना जानते हैं।"

मैंने गर्व से सीना फुलाते हुए कहा, "हम इसके संरक्षक हैं।"

मैं पानी में उतर गया और उसे मेरे पीछे आने का इशारा किया। वह झिझकी और अपने पैरों की तरफ देखने लगी।

मैंने उससे पूछा, "क्या तुम्हें अपने जूते गीले होने से डर लगता है?"

"नहीं। ये बूट वाटरप्रूफ हैं," उसने सिर हिलाते हुए जवाब दिया। "मैं बस पानी को गंदा नहीं करना चाहती।"

मैं जोर से हंस पड़ा।

— एक बार जब पानी जमीन को छू लेता है, तो उसे अपशिष्ट जल माना जाता है, जिसे घाटी में नदी तक पहुंचने से पहले फ़िल्टर किया जाएगा।

"गंदा पानी?" सेरेना ने पूछा। "लेकिन वो तो..."

शुद्धिकरण कक्ष पर दूसरी नजर डालते ही वह जम गई और उसकी आंखें चौड़ी हो गईं।

— रुकिए, क्या ये आपके शावर हैं? क्या ये एक बड़ा सा साझा शावर है?

— हां, मैंने कहा, उसके अचानक बदले हुए मूड से मैं हैरान थी।

— हाँ... नहीं। ये मेरे लिए ठीक नहीं है, उसने अनजाने में एक कदम पीछे हटते हुए कहा। हम सार्वजनिक रूप से नग्नता का अभ्यास नहीं करते। कम से कम मैं तो नहीं करती।

मैंने पलकें झपकाईं, फिर अपनी निगाहें उस पर घुमाईं। उसका अधिकांश शरीर सचमुच चमड़े से ढका हुआ था। मैंने आज तक जितने भी इंसानों से मुलाकात की थी, वे सभी कई कपड़े पहनते थे, कभी-कभी तो कई परतों में।

“मैं समझती हूँ कि ओर्डोसियनों के लिए यह कोई समस्या क्यों नहीं है,” उसने समझदारी भरी आवाज़ में कहा। “आप लोग लगभग हमेशा नग्न रहते हैं। लेकिन आपके गुप्तांग ढके रहते हैं। मनुष्यों के साथ, जैसे ही आप कपड़े उतारते हैं, सब कुछ सबके सामने आ जाता है। यह अनुचित है।”
"शरारती खेल?" मैंने अपना सिर एक तरफ झुकाते हुए पूछा।
"हमारे जननांग," उसने शरमाते हुए समझाया।
"ठीक है..." मैंने धीरे से कहा, मुझे वास्तव में पता नहीं था कि वह क्या पूछना चाहती है। "और?"
“और हम सार्वजनिक रूप से अपने शरीर को नंगा नहीं करते। केवल अपने जीवनसाथी के साथ एकांत में ही ऐसा करते हैं,” उन्होंने कहा। “इसीलिए हर घर में कम से कम एक, कभी-कभी दो या उससे अधिक बाथरूम होते हैं। और सार्वजनिक स्नानघरों में आमतौर पर पर्दे या ब्लैकआउट दरवाजों वाले विभाजन होते हैं ताकि हम अपनी मर्यादा बनाए रखते हुए सामूहिक रूप से स्नान कर सकें।”
— मैं समझ गया, मैंने जवाब दिया, हालांकि मुझे पूरी तरह से समझ नहीं आया था।
बेशक, मैं उसकी बात समझ गया था, लेकिन मुझे उसमें कोई तर्क नज़र नहीं आया। मनुष्य जानते थे कि दूसरे मनुष्य लिंग के आधार पर कैसे बने होते हैं। इसे दूसरों से क्यों छिपाना? अपने जननांग केवल अपने साथी को ही क्यों दिखाना? दूसरों के देखने में कोई बुराई नहीं थी, बशर्ते वे स्पर्श न करें। जिन प्रजातियों पर हमने नज़र रखी, उनमें से कई के लिए अपने साथी के प्रजनन अंगों को दिखाना न केवल गर्व का स्रोत था, बल्कि प्रभुत्व का प्रदर्शन भी था। केवल सर्वश्रेष्ठ नर ही ऐसी असाधारण मादा का स्नेह जीत सकता था। लेकिन इस विचित्र मानवीय व्यवहार के बारे में और जानने के लिए मुझे बाद में समय मिलेगा।
मैंने पूछा, "अगर हम किसी एक झरने के चारों ओर ब्लैकआउट दीवार या पर्दे लगा दें, तो क्या आपको कोई आपत्ति नहीं होगी?"
उसने सिर हिलाया।
"हां, लेकिन गिरते पानी से थोड़ी दूरी पर जगह होनी चाहिए ताकि मैं खुद को सुखा सकूं और दोबारा कपड़े पहन सकूं," उसने परेशान चेहरे के साथ कहा।
“हम इसका ख्याल रखेंगे,” मैंने कहा, और फिर उसकी थोड़ी सी त्वचा पर नज़र डाली जो वह दिखा रही थी। “क्या आपको खुद को सुखाने की ज़रूरत है? क्या आपकी त्वचा पानी को सोखती नहीं है?”
"बिल्कुल नहीं। मेरा मतलब है, पानी थोड़ी देर तक हमारे शरीर पर लगा रहता है, हालांकि अगर तौलिया इस्तेमाल न करें तो वह आखिरकार भाप बनकर उड़ जाता है। लेकिन मेरे बालों के साथ तो और भी बुरा हाल है। अगर मैं उन्हें न सुखाऊं तो वे घंटों तक गीले रहते हैं," उसने जवाब दिया। "क्यों? क्या तुम गीली नहीं रहती?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
— रुको, मैं तुम्हें दिखाता हूँ।

मैं एक खुले स्थान की ओर बढ़ा और पानी को अपने ऊपर गिरने दिया। कुछ सेकंड बाद, मैं अपने साथी के पास लौट आया। जब तक मैं उसके पास पहुँचा, तब तक लगभग सारी बूँदें गिर चुकी थीं।
"क्या तुम मजाक कर रहे हो?" उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाते हुए धीरे से कहा।
मेरी पेट की मांसपेशियां उत्सुकता से तन गईं, लेकिन मेरी निराशा के लिए, वह आखिरी क्षण में रुक गई और अपना हाथ पीछे खींच लिया। मैं उसके हाथ के स्पर्श को लेकर उत्सुक था, साथ ही उसकी चिकनी, खुरदरी त्वचा की बनावट को लेकर भी।
"माफ़ कीजिए," उसने माफी मांगी।
"माफी मत मांगो, सेरेना," मैंने धीरे से कहा। "मैं तुम्हारा साथी हूँ। तुम्हें जब चाहे मुझे छूने का पूरा अधिकार है। बेझिझक छू लो," मैंने उसे प्रोत्साहित किया।
वह एक पल के लिए झिझकी, फिर आगे बढ़ी। जब उसने अपनी उंगलियों से मेरी बाईं बांह की त्वचा को धीरे से छुआ, तो मैं मुश्किल से अपनी कंपकंपी रोक पाया। इससे मुझे हल्की गुदगुदी हुई। लेकिन मैं असली स्पर्श चाहता था... जिसे उसने मना कर दिया।
"यह तो वाकई बहुत बढ़िया है," उसने अपना हाथ नीचे करते हुए कहा।
हालांकि इस संदर्भ में "कूल" शब्द अजीब लग रहा था, लेकिन मैं समझ गया कि उसका क्या मतलब था।
— मैंने कहा, "झरना इधर है," और उसे गुफा के बाईं ओर थोड़े ऊंचे हिस्से में स्थित निकासी कक्ष की ओर ले गया।
ज़मीन सूखी थी और कमर जितनी ऊँची दीवार, जिस पर एक सहारा देने वाली छड़ लगी थी, उसे शुद्धिकरण क्षेत्र से अलग करती थी। ज़मीन में बने एक चौड़े गड्ढे में, दो मीटर की दूरी पर दस डिस्क लगे हुए थे, जो जल निकासी के छेदों को ढके हुए थे।
“यहीं से हम आपका क्लोका खाली करते हैं,” मैंने समझाया। “यहाँ एक मोशन डिटेक्टर लगा है जो किसी के सही स्थिति में आते ही चूट खोल देता है। क्योंकि आपकी पूंछ नहीं है, इसलिए हमें आपके लिए सही कोण खोजने के लिए कुछ परीक्षण करने पड़ सकते हैं या आपकी शारीरिक संरचना के अनुसार इसे समायोजित करने के लिए कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं।”
सेरेना की सतर्क नज़र - जिसमें थोड़ी सी दहशत झलक रही थी - ने मुझे यह समझा दिया कि यह भी काम नहीं चलेगा।
मैंने एहतियात के तौर पर कहा, "झरनों के बीच इतनी जगह है कि हम आपके लिए एक प्राइवेसी स्क्रीन लगा सकते हैं।"
हालांकि इससे वह थोड़ी शांत हो गई, लेकिन मेरे साथी के चेहरे पर अभी भी वही भाव था जो कह रहा था, "यह मेरे लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।"
— चलिए मैं आपको दिखाता हूँ कि यह कैसे काम करता है।
मैं किनारे तक गया, जहाँ से गड्ढा शुरू होता था, फिर मैंने अपने साथी की ओर देखा।

“इस पर सहारा लेने के लिए अपने हाथ बार पर इस तरह रखें,” मैंने कहा और साथ ही साथ वैसा ही किया। “जैसा कि आप देख सकते हैं, ढक्कन अपने आप खुल जाता है और झरना दिखाई देता है। एक ऑर्डोसियन होने के नाते, मुझे बस थोड़ा और आगे बढ़ना है ताकि मेरा क्लोका छेद के साथ संरेखित हो जाए।”

हालांकि मुझे उस समय शौच करने की आवश्यकता नहीं थी, फिर भी मैंने उसे दिखाने के लिए अपना गुदाद्वार खोल दिया।

अब, मेरी तराजू झरने के ऊपर खुली हुई है और खांचा मुझे उससे संपर्क करने से रोक रहा है। काम खत्म होने के बाद, मैं यहाँ बार पर मौजूद इंटरफ़ेस को दबाता हूँ।

मैंने ऐसा किया, और पानी की एक तेज़ धार निकली, जिसने मेरे क्लोका के छिद्र को साफ़ कर दिया, और फिर पानी झरने में गिर गया। मैंने अपने शल्क बंद कर लिए और फिर पीछे हट गया, और जैसे ही मैं काफ़ी दूर गया, डिस्क ने झरने को ढक लिया।

मेरे पार्टनर के चेहरे को देखकर ही मुझे पता चल गया था कि यह रिश्ता बिल्कुल भी नहीं चलने वाला है।

अध्याय 6

मैं पूरी तरह से अचंभित होकर स्ज़ारो को देखता रहा। कमरे के दूसरी ओर, उनके पास भी इसी तरह की व्यवस्था थी, जिसमें हमारे खड़े होने वाली ऊँची जगह पर एक छोटी सी नाली में एक दर्जन और छेद थे। यह प्राचीन रोम के सार्वजनिक शौचालयों के ऑर्डोसियन संस्करण जैसा दिखता था। केवल दो अंतर थे: एक तो यह कि लोग बैठने के बजाय खड़े होते थे और दूसरा, रोमनों द्वारा अपने नितंबों को पोंछने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली स्पंज की छड़ियों के बजाय एक आधुनिक बिडेट का इस्तेमाल करते थे।

— अच्छा... तो... गोपनीयता की दीवारों के साथ भी, यह वास्तव में काम नहीं करेगा, मैंने कहा।

मुझे अब भी इस बात का गहरा सदमा लगा था कि एक पल के लिए मुझे लगा कि मेरा नया-नया पति मेरे सामने शौच कर देगा। पहली डेट पर जो चीजें नहीं करनी चाहिए, उनमें से यह भी एक थी। शुक्र है, उसने ऐसा नहीं किया।

इसके लिए मनुष्यों को बीच में छेद वाली कुर्सी की आवश्यकता होती है। हम ऐसे छेदों पर बैठकर शौच नहीं करते, सिवाय तब जब हम जंगल के बीच में हों और हमारे पास कोई और विकल्प न हो। पुरुष खड़े होकर पेशाब कर सकते हैं, लेकिन ठोस मल त्याग के लिए उन्हें बैठना पड़ता है। महिलाओं को दोनों ही स्थितियों में बैठना पड़ता है।

स्ज़ारो थोड़ा भ्रमित सा लग रहा था और पीछे हट गया।

— आप अलग-अलग स्थितियों का उपयोग क्यों करते हैं? क्या आपके पास क्लोका नहीं है जो दोनों स्थितियों को संभालता है? और यह नर और मादा के लिए समान क्यों नहीं है?

"नहीं," मैंने जवाब दिया, और फिर उसे मानव शरीर रचना का संक्षिप्त पाठ पढ़ाया। "इसलिए, एक छड़ को पकड़कर किसी गड्ढे के ऊपर उकड़ू बैठना मेरी प्राथमिकता सूची में नहीं है।"

स्ज़ारो ने मेरी जांघों को घूरते हुए अपनी हुड के अंदरूनी हिस्से को खुजलाया, मानो वह मेरे कपड़ों के आर-पार उसे देख सकता हो।

"मैं समझ गया," उसने बिल्कुल विपरीत भाव व्यक्त करते हुए कहा। "तुरंत शौच करना आपके लिए कितना ज़रूरी है?"

मैंने कहा, "अभी तो यह उतना जरूरी नहीं है, लेकिन धीरे-धीरे यह और भी जरूरी होता जा रहा है।"

"चलो, मैं तुम्हें इरको से मिलवाने ले चलता हूँ। हम तुम्हारे लिए जल्दी ही कोई हल निकाल लेंगे। तुम्हें वो निकासी सीट मिल जाएगी जिसकी तुम्हें ज़रूरत है," स्ज़ारो ने गंभीर स्वर में कहा, जिससे मुझे हंसी तो आई, लेकिन साथ ही थोड़ी चिंता भी हुई।

उन्होंने पति के रूप में अपनी भूमिका को बहुत गंभीरता से निभाया। यह मेरे लिए अच्छा था, लेकिन मुझे इस बात की चिंता सता रही थी कि मेरे जाने वाले दिन कहीं उन्हें कोई तकलीफ न हो जाए। स्ज़ारो सचमुच एक अच्छे इंसान लगते थे। अगर वे दयालु होते, तो मैं उनके साथ समय बिताना पसंद करती। उन्होंने मेरी सुविधा का पूरा ख्याल रखने के लिए जो प्रयास किए, उनकी मैं सराहना करती हूँ। अगर मेरा यहाँ रहना कम समय

का होता, तो मैं इसे स्वीकार कर लेती और जंगल में किसी सुनसान जगह पर शौच कर लेती। लेकिन छह महीने तक बेवजह इतनी कठिन ज़िंदगी जीना ठीक नहीं था।

लेकिन मुझे उसके उत्साह को थोड़ा कम करना पड़ा। उसकी बातों से लग रहा था कि स्ज़ारो सचमुच अपने घर को मेरा सपनों का घर बनाने के लिए हर संभव कोशिश करने को तैयार था। मेरे अंदर का स्वार्थी हिस्सा इसका फायदा उठाना चाहता था और देखना चाहता था कि उसकी गुफा से क्या-क्या अद्भुत चीज़ें बनाई जा सकती हैं। उसमें बहुत संभावनाएं थीं। और वो छत...! लेकिन ऐसा करना उसके और उसकी होने वाली पत्नी के साथ नाइंसाफी होगी।

जब वह मुझे गाँव के केंद्र की ओर वापस ले जा रहा था, तब जाकर मुझे अपने आस-पास के वातावरण को निहारने का मौका मिला। क्राडा एक पहाड़ की गोद में बसा हुआ था। पहाड़ की ढलान पर बने मकानों के अलावा, मुख्य चौक के चारों ओर कई अन्य एक मंजिला मकान भी थे। हल्के रंग के पत्थरों से बने इन मकानों में आधुनिक और उच्च तकनीक के तत्व सहजता से घुलमिल गए थे, जिससे एक उष्णकटिबंधीय माहौल का एहसास होता था। चारों ओर फूलों, पेड़ों और झाड़ियों सहित भरपूर हरियाली होने के बावजूद, ओर्डोसियन लोगों ने इमारतों को पर्यावरण में मिलाने की कोशिश नहीं की थी। उन्होंने हर रास्ते को पत्थरों, ईंटों या किसी प्रकार के पत्थर से पक्का किया था।

जबकि सभी आवासीय भवन केंद्र में—मुख्य चौक के चारों ओर—बने थे, विद्यालय, पुस्तकालय और मनोरंजन सुविधाओं जैसी सामुदायिक इमारतें स्वच्छता क्षेत्र के पास बाईं ओर स्थित थीं। सबसे दूर दाईं ओर, ऑर्डोसियनों ने व्यावसायिक इमारतों का समूह बनाया था। ये इमारतें तकनीकी रूप से विशेष रूप से उन्नत नहीं दिखती थीं। एक विशाल ग्रीनहाउस को छोड़कर, ये साधारण रूप से पत्थर के घरों के बड़े संस्करणों जैसी थीं। जैसे ही हम पास पहुँचे, मुझे एहसास हुआ कि यह एक इनडोर बगीचा या एट्रियम जैसा था, क्योंकि मुझे अंदर छोटे जीव उड़ते हुए दिखाई दिए। मेरी जिज्ञासा तब शांत हुई जब इरको एक इमारत से निकला और आधे रास्ते में हमारे साथ आ गया।

संक्षिप्त परिचय के बाद, स्ज़ारो ने मुझे कुछ ज़रूरी बातें समझाईं, जबकि मैं वहाँ खड़ी थोड़ी शर्मिंदा थी और सोच रही थी कि कहीं ऑर्डोसियन बिल्डर मुझे नखरेबाज़ न समझ ले। मुझे आश्चर्य हुआ कि इरको काफी उत्साहित लग रहा था।

"दिलचस्प ज़रूरतें हैं," बिल्डर ने चौड़ी मुस्कान के साथ कहा। "मुझे कुछ रेखाचित्र बनाने के लिए एक टैबलेट लाने दीजिए और फिर हम स्वच्छता क्षेत्र में जाकर देखेंगे कि हम आपकी ज़रूरतों को कैसे पूरा कर सकते हैं।"

— धन्यवाद, मैंने राहत की सांस लेते हुए कहा।

“तुम्हें जो भी चाहिए, वो तुरंत मिल जाएगा,” स्ज़ारो ने गर्व से कहा, और इरको को अपना टैबलेट लेने के लिए इमारत की ओर बढ़ते हुए देखा। “इरको बहुत रचनात्मक और प्रतिभाशाली है। उसे कोई अच्छी चुनौती दो।”

— ओह, मैं बोझ नहीं बनना चाहती...

“यह कोई बोझ नहीं है, मेरी पत्नी,” स्ज़ारो ने मुझे बीच में रोकते हुए दृढ़ता से कहा। “मैं तुम्हारे लिए सबसे अच्छा चाहता हूँ, इसके अलावा इरको खुश रहेगा। उसे ऐसे प्रोजेक्ट पसंद हैं जो उसे चुनौती दें। वह रोज़मर्रा की दिनचर्या से थोड़ा ऊब जाता है। उसे कुछ ऐसा दो जिसमें वह आनंद ले सके।”

— खैर, अगर इस तरह से पेश किया जाए, तो शायद मैं आपकी बात पर विश्वास कर लूं, मैंने कहा।

स्ज़ारो ने मुझे एक मनमोहक मुस्कान दी। इससे उसके चेहरे की अजीब सी बनावट में कोमलता आ गई, लेकिन उसकी निगाहों की तीव्रता कम नहीं हुई। वह मुझे ऐसे देखता था मानो मेरी आत्मा की गहराई में झाँक रहा हो।

- स्लेटी!

हमने बाईं ओर मुड़कर देखा तो मंधा तेजी से हमारी ओर आ रही थी।

— मेरा भाई? स्ज़ारो ने कहा जब मंधा ने हमारे बीच की दूरी कम कर दी।

“हमें चिस्वा घाटी जाना होगा,” मंधा ने गुस्से भरी आवाज़ में कहा। “वहाँ स्किनर्स का एक झुंड घूम रहा है। हमें लगता है कि ज़मोरियन ने इस मुख्य झुंड के जानवरों को आकर्षित किया, जो भटकते हुए उत्तर की ओर चले गए।”

स्ज़ारो ने हल्की सी फुफकार के साथ-साथ हल्का कंपन भी किया। यह बेहद डरावना था, फिर भी इसमें कुछ अजीब सा आकर्षण था।

"बाकियों के साथ जाओ," स्ज़ारो ने कहा। "मैं थोड़ी देर में तुम्हारे साथ आ जाऊंगा।"

मंधा ने सिर हिलाया और फिर मुड़कर बेहद तेज़ गति से भाग गई। एक बार फिर, मैं उनकी खामोशी भरी हरकतों से चकित रह गया। पता नहीं क्यों, मैंने हमेशा यही मान रखा था कि उनके निचले शल्क पत्थर की ज़मीन पर रगड़ने की आवाज़ करते हैं।

मैंने कहा, मैं तुम्हें रोकना नहीं चाहता।

“आप मुझे रोक नहीं रहे हैं,” स्ज़ारो ने नरमी से जवाब दिया। “लेकिन चिस्वा घाटी—जिसका नाम यहाँ रहने वाली मुख्य प्रजाति के नाम पर रखा गया है—अभी भी नाज़ुक है। ये छोटे, कमज़ोर जीव हैं जो एक विनाशकारी संक्रमण से उबर रहे हैं जिसने उनकी आबादी को लगभग खत्म कर दिया था। वे ठीक होने के तुरंत बाद एक और झटका सहन नहीं कर सकते।”

मैंने चिंता से भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "मैं यह समझ सकता हूँ।"

"जब यह सब खत्म हो जाएगा, तो मैं तुम्हें वहां ले जाऊंगा," स्ज़ारो ने मेरे कंधे के ऊपर से देखते हुए वादा किया।

मैंने मुड़कर देखा तो इरको उत्साह से भरे चेहरे के साथ वापस लौट रहा था।

“मुझे अपनी पत्नी को आपके भरोसे छोड़ना होगा,” बिल्डर के आते ही स्ज़ारो ने कहा। “घर से जुड़ी उसकी भी कई ज़रूरतें हैं। उसकी हर इच्छा पूरी कीजिए। काम खत्म होने पर सलहा को बता दीजिएगा। वह सेरेना की बाकी ज़रूरतों का ख्याल रखेगी।”

— समझ गया, इरको ने इतने विनम्रता से कहा कि मुझे आश्चर्य हुआ।
स्ज़ारो अपने कबीले का मुखिया नहीं था, लेकिन वह उनका सबसे अच्छा शिकारी प्रतीत होता था। क्या इससे उसे उच्च दर्जा या पद प्राप्त होता था? वह निश्चित रूप से एक ऐसे अधिकार के साथ व्यवहार करता था जिसका अन्य लोग सम्मान करते थे।
“धन्यवाद,” स्ज़ारो ने मेरी ओर मुड़ते हुए जवाब दिया। “मैं हमारी शादी के समय तक वापस आ जाऊँगा। यह एक खूबसूरत रस्म है। मुझे उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगी।”
— फिर मिलेंगे, मैंने मुस्कुराते हुए कहा, हालांकि मुझे उस स्थिति से असहज महसूस हो रहा था।
मैं अपनी आगामी शादी के ख्याल से शर्माती हुई, उत्साहित युवा दुल्हन नहीं थी।
- ध्यान से।
"बिल्कुल, मेरी साथी," उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
मैंने उसे तेज़ी से जाते हुए देखा और अजीब सी बेबसी महसूस की। मेरा "पति" जितना डरावना दिखता था, उतनी ही शांति और आत्मविश्वास से भरी उसकी शख्सियत भी थी। उसके जाने के बाद, मैं इरको की तरफ मुड़ी और उसे मुझे घूरते हुए देखकर चौंक गई।
“सज़ारो ने अपनी संगिनी को पाने के लिए लंबा इंतज़ार किया है,” इरको ने अजीब लहजे में कहा। “उसने क्राडा के सबसे प्रतिष्ठित घरों में से एक को पाने के लिए कई लड़ाइयाँ लड़ीं और कई चुनौतियाँ जीतीं, जहाँ वह अपनी आशिना... अपनी देवी के लिए एक आदर्श आशियाना बना सके। उसकी उम्मीदें बहुत ऊंची हैं, और मैं इस उत्कृष्ट कृति पर काम करने के लिए दिन गिन रही थी। उसके लिए कुछ भी कम नहीं है। अगर आप इसकी कल्पना कर सकती हैं, तो मैं इसे बनाने का तरीका ढूंढ लूंगी। मुझे परख कर देखिए, मास्टर हंटर की संगिनी।”
ये शब्द सुनकर मेरा दिल बैठ गया। अगर ये प्रेम विवाह होता, तो मैं बहुत खुश होती, ये जानकर कि मेरे पति मुझे अपना सपनों का घर बनाने की पूरी छूट दे रहे हैं। एक बार फिर, अपराधबोध मुझ पर हावी हो गया। ये कितना अन्याय था कि मैं उनके जीवन भर के सपने के रास्ते में खड़ी हो गई और उसे एक मज़ाक बना दिया। वो इससे कहीं बेहतर के हकदार थे।
मैं कोई ऐसा बड़ा ढांचागत बदलाव नहीं करना चाहता था जिससे मेरे जाने के बाद वह जिस मादा से संबंध बनाए, वह पीछे हट जाए। फिर भी, कायोग के निर्देशों के अनुसार, मुझे कबीले को यह विश्वास दिलाने के लिए उनके साथ इतना व्यवहार करना पड़ा कि स्ज़ारो और मैं इस रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए सचमुच प्रयास कर रहे हैं।
“खैर, ये तो वाकई एक बड़ी चुनौती है,” मैंने घबराकर हंसते हुए कहा। “उसके घर को महल में बदलने की बात करने से पहले, चलिए बुनियादी ज़रूरतों से शुरुआत करते हैं। बाकी घर को सजाने-संवारने के बारे में हम आने वाले दिनों और हफ्तों में सोच सकते हैं।”

“बिल्कुल, सेरेना,” इरको ने चौड़ी मुस्कान के साथ कहा। “ऐसे प्रोजेक्ट में समय और कुशलता की आवश्यकता होती है। मैं आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। चलिए, इस स्वच्छता कक्ष को देखते हैं।”

वह मुझे उनके सार्वजनिक स्वच्छता क्षेत्र में ले गया, और हमने अगले आधे घंटे विकल्पों, स्थान और विभिन्न डिज़ाइनों के रेखाचित्रों पर चर्चा की। इरको सचमुच एक प्रतिभाशाली व्यक्ति था। उसका हर नया रेखाचित्र पिछले वाले से बेहतर होता। उसका दिमाग तेज़ था, कल्पना शक्ति अद्भुत थी, और सबसे बड़ी बात यह थी कि वह अपनी पसंद थोपने की कोशिश करने के बजाय, मेरी बात ध्यान से सुनता था ताकि समझ सके कि मैं क्या चाहता हूँ। जैसे ही हम डिज़ाइन पर सहमत हुए, चार लोग तुरंत काम पर लग गए, सबसे पहले शौचालयों पर काम शुरू हुआ, जिसके लिए मेरा मूत्राशय हमेशा आभारी रहेगा। मैं विशेष रूप से शॉवर स्टॉल देखने के लिए उत्सुक था। अवधारणा के अनुसार, वहाँ से छिपी हुई घाटी का नज़ारा दिखेगा और उसमें गर्म पत्थर का तौलिया रखने का स्टैंड और कपड़े बदलने के लिए एक बेंच होगी जहाँ मैं अपने कपड़े रख सकूँ ताकि वे भीग न जाएँ।

फिर हम घर लौट आए और अगले दो घंटे हमने ज़रूरी चीज़ों पर चर्चा करते हुए बिताए: एक बिस्तर, किसी तरह की रसोई, एक बैठक कक्ष और सबसे महत्वपूर्ण, आँगन के लिए आरामदायक बैठने की व्यवस्था। मेरा इरादा इस जगह का भरपूर इस्तेमाल करने का था। मुझे बड़ी राहत मिली कि यहाँ कनेक्टिविटी की कोई समस्या नहीं थी।

मुझे इस बात का यकीन नहीं था, क्योंकि ऑर्डोसियन लोगों ने अपनी तकनीक का लगभग कुछ भी प्रदर्शन नहीं किया था। मुझे बहुत आश्चर्य हुआ जब इरको ने पहले ही मानव निर्मित फर्नीचर का एक विशाल संग्रह डाउनलोड कर लिया था, जिसे हमने कुछ समय तक देखकर उन टुकड़ों की पहचान की जिन्हें मैं बनवाना चाहता था।

जब तक मैंने पहला दौर पूरा किया, तब तक मज़दूरों ने मेरे लिए एक ऐसा शौचालय बना दिया था जो इतना सुविधाजनक था कि मैं इरको द्वारा मुझे सलहा को सौंपने से पहले आखिरकार अपनी ज़रूरतें पूरी कर सकूँ। मादा सलहा बेहद खूबसूरत थी, उसके चमकीले हरे और नीले शल्क मुझे मोर की पूंछ की याद दिला रहे थे। पुरुषों के विपरीत, जो मुझसे बड़े और लंबे थे, सलहा कद-काठी में लगभग मेरे बराबर थी। उसकी भुजाओं के बाहरी किनारों पर ऑर्डोसियन पंखों का एक अधिक नाजुक रूप सुशोभित था, और उसका हुड, जो अधिकांश महिलाओं की तरह किनारों पर मुड़ा हुआ था, उसके सुंदर चेहरे को नीले चिकने बालों से घेरे हुए प्रतीत होता था। उसकी कलाई पर दो बड़े, रत्नजड़ित सोने के कंगन थे, और उसके गले में एक बड़ा हार लटका हुआ था।

"नमस्कार, मेरी बहन," सलहा ने अपनी थोड़ी कर्कश, लेकिन अजीब तरह से मधुर आवाज में कहा। "आशा है इरको के साथ सब ठीक रहा होगा?"

— बहुत ही बढ़िया! वह कमाल का है। वह बहुत धैर्यवान और रचनात्मक है। मैं तैयार उत्पाद देखने के लिए बेताब हूँ, मैंने पूरी ईमानदारी से कहा।
"बिल्कुल सही!" सलहा ने संतुष्टि भरी मुस्कान के साथ कहा। "यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा होना चाहिए। स्ज़ारो अपनी पत्नी के लिए सबसे अच्छा ही चाहेगा।"
"उसने यही कहा था," मैंने जवाब दिया, बेचैनी की भावना एक बार फिर से तीव्र रूप से लौट आई।
सलहा ने अपना सिर एक तरफ झुकाया और मुझे एक अजीब सी नजर से देखा।
"ऐसा लगता है कि आपको यह पसंद नहीं आया," उसने कहा।
मेरा चेहरा शर्म से लाल हो गया, और मैंने मन ही मन भगवान का शुक्रिया अदा किया कि मेरी त्वचा का रंग सांवला था, जिसने मेरी शर्मिंदगी छुपा दी। मेरी भाभी बहुत समझदार थीं।
मैंने सोच-समझकर शब्दों का चुनाव करते हुए कहा, “मुझे ऐसे उदार व्यक्ति से शादी करके खुशी हो रही है। मुझे बस इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने साल अपनी आदर्श जीवनसाथी के लिए इतनी तैयारी की, लेकिन अब उन्हें मेरे साथ ही रहना पड़ रहा है।”
“वह तुम्हारे साथ बंधा हुआ नहीं है,” सलहा ने दृढ़ विश्वास और दृढ़ता से कहा, जिसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। “महान देवी इशाया ने तुम्हें किसी खास उद्देश्य से हमारे पास भेजा है। आज मैं और मेरा बेटा तुम्हारी वजह से ही जीवित हैं। और आज रात, क्राडा का मास्टर हंटर आखिरकार अपना साथी चुनेगा। क्या तुम्हें अंदाजा है कि हमारी कितनी महिलाओं ने इस सम्मान की कामना की थी?”
“लेकिन उन्होंने मुझे नहीं चुना!” मैंने चीखते हुए कहा, मेरा अपराधबोध फिर से चरम पर पहुँच गया था। “उन्होंने कर्तव्यवश अपना बलिदान दिया क्योंकि वे आपको और आपके बेटे को बचाने के लिए मेरे ऋणी हैं।”
सलहा ने सिर हिलाते हुए मुझे एक रहस्यमयी मुस्कान दी।
“नहीं, बहन। स्ज़ारो कभी भी कोई ऐसा काम नहीं करता जिसे वह गलत समझता हो, सिर्फ कर्तव्यवश। अगर वह तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में नहीं चाहता, तो वह कबीले को छोड़कर तुम्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाता ताकि कोई नुकसान न पहुंचे। कूटनीतिक नतीजों से वह बाद में निपट लेता।”
उन शब्दों ने मुझे अवाक कर दिया। उसने मुस्कुराते हुए कमरे में चारों ओर एक नज़र डाली। सलहा धीरे-धीरे मेज के चारों ओर घूमी, उसकी पतली उंगलियां उसकी चिकनी, पॉलिश की हुई सतह को सहला रही थीं।
“जब स्ज़ारो ने पहली बार इस घर को देखा, तो वह जान गया कि यह उसका होगा, उसकी आशिना के लिए एकदम सही आशियाना,” उसने उदास स्वर में कहा। “मेरे पति के भाई को चीजों की अच्छी समझ है। एक बार जब वह कुछ पाने का फैसला कर लेता है, तो वह अपने लक्ष्य को पाने के रास्ते से नहीं भटकता, चाहे कितनी भी कीमत चुकानी पड़े या कितनी भी मुश्किलें क्यों न आएँ। जब उसने तुम्हें पहली बार देखा, तो उसका दिल तुम्हारे लिए तड़प उठा, भले ही उसका मन यह न जानता हो।”
मैं अविश्वास से झूम उठा।

मुझे इस पर बहुत संदेह है। जब हम पहली बार मिले थे, तो उसने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं कोई आकर्षक छोटा कीड़ा हूँ।
“आकर्षण वाली बात में तुम बिल्कुल सही हो,” सलहा ने कहा। “कल जब उसने बड़ों के सामने तुम्हारा बचाव किया, तो मैंने उसका रवैया देखा। तुम्हें हिरासत कक्ष में छोड़ने के बाद, वह हमारे घर आया और मैंने सुना कि उसने तुम्हारे बारे में क्या कहा। टेमरने उसे तुम्हारे साथ रहने के लिए राजी नहीं कर पाए। स्ज़ारो ने कल रात ही तुम्हें अपनी संगिनी बनाने का फैसला कर लिया था। उसके मन में, उसने यह तुम्हें बचाने के लिए किया, लेकिन मैं अपने संघ के भाई को जानती हूँ। यह उसके दिल की आवाज़ थी। यही कारण है कि हमारी कोई भी महिला उसकी नज़र में पसंद नहीं आई।”
"और यह क्या है?" मैंने कांपते हुए पूछा।
"तुम भी उसकी तरह शिकारी हो," सलहा ने सहज भाव से कहा। "ऑर्डोसियन महिलाएं न तो शिकार करती हैं और न ही लड़ती हैं।"
"क्यों? क्या आपको यह अधिकार नहीं है?" मैंने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।
सलहा हंस पड़ी।
“हर किसी को अपनी मर्जी से कुछ भी करने का अधिकार है, जब तक कि इससे हमारे कबीले या जिस दुनिया की हम जिम्मेदारी लेते हैं, उसकी सुरक्षा को कोई खतरा न हो,” उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। “यह हमारी प्रकृति में नहीं है। हम जन्म से ही पालन-पोषण करने वाले और बुद्धिमान हैं। हम बच्चों का पालन-पोषण करते हैं, सभी वैज्ञानिक और चिकित्सा अनुसंधान करते हैं और अपने कबीलों का नेतृत्व करते हैं। हमारे पुरुष शिकार करते हैं, निर्माण करते हैं और हमारे कबीलों के साथ-साथ उस जंगल की भी रक्षा करते हैं जिसकी जिम्मेदारी हम लेते हैं।”
मैंने कहा, "मैं समझ गया। मैं वैज्ञानिक नहीं हूँ और मैं ज़िम्मेदारी नहीं लेना चाहता। लेकिन मुझे शिकार करना बहुत पसंद है और मैंने हमेशा खुद को एक राष्ट्रीय उद्यान में पार्क रेंजर बनते हुए देखा है।"
"और अब तुम अपने जीवनसाथी के साथ, हमारी आकाशगंगा के सबसे अनोखे जीवों के साथ, पूरे ग्रह के लिए एक हो जाओगे," सलहा ने गर्व से कहा।
इस तरह से पेश करने पर यह बहुत ही आकर्षक लग रहा था।
“मुझे पता है कि मेरे बेटे और मुझ पर दया दिखाने के बाद इस रास्ते पर मजबूर होना तुम्हारे लिए सज़ा है,” सलहा ने धीरे से कहा। “लेकिन यही नियति है। मैंने देखा कि तुम स्ज़ारो को कैसे देख रही थी। ऑर्डोसियनों का रूप तुम्हें अजीब लग सकता है, लेकिन फिर भी तुम हमारे मास्टर हंटर की ओर आकर्षित हो। अपनी स्थिति के बारे में ज़्यादा मत सोचो, सेरेना। प्रकृति को अपना काम करने दो। तुम बिल्कुल वहीं हो जहाँ तुम्हें होना चाहिए।”
मैं बेचैनी से इधर-उधर हिलने लगी, जितना मैंने स्वीकार करना चाहा था उससे कहीं ज़्यादा परेशान थी। मैं स्ज़ारो के प्रति अपने आकर्षण को नकार नहीं सकती थी। अब हम तकनीकी रूप से शादीशुदा थे, और घर

पर मेरा कोई इंतज़ार नहीं कर रहा था। अगर मैं चाहती तो उसके साथ रिश्ते की संभावनाओं पर विचार कर सकती थी। लेकिन अभी मैं इस बारे में सोच भी नहीं सकती थी। सब कुछ अभी भी बहुत ताज़ा और भारी था।
मैंने टालमटोल भरे लहजे में कहा, "देखते हैं आगे क्या होता है।"
"जैसा आप कहें," सलहा ने उत्तर दिया। "अब मैं आपको दिखाऊंगी कि भूख लगने पर खाना कहां मिलेगा। मैं समझ गई हूं कि मांस के अलावा आपको फल और सब्जियों की भी जरूरत है?"
"जी हां, बिल्कुल सही," मैंने घर से बाहर निकलते हुए उसके पीछे-पीछे कहा। "इर्को मेरे लिए एक हॉट प्लेट और एक ओवन बनाने जा रहा है ताकि मैं अपना खाना, खासकर मांस, पका सकूं।"
"क्या तुम सब कुछ पकाती हो?" सलहा ने अजीब से भाव से पूछा।
"मांस, हाँ," मैंने सिर हिलाते हुए कहा। "कच्चा मांस पचाना इंसानों के लिए मुश्किल होता है। इसे चबाना और पचाना न केवल कठिन होता है, बल्कि इससे हमें कम पोषक तत्व मिलते हैं, और इसमें मौजूद बैक्टीरिया से हमें फूड पॉइज़निंग भी हो सकती है।"
— हम्म, यह अच्छा नहीं होगा, सलहा ने कहा।
"बिल्कुल भी अच्छा नहीं," मैंने हंसते हुए जवाब दिया।
"तो, आप अपना मांस कैसे पकाते हैं?" वह पूछती है।
मैंने उसे खाना पकाने के अलग-अलग तरीकों के बारे में बताया, जैसे कि धीमी आंच पर पकाना, ग्रिल करना या भूनना, साथ ही मसालों, मैरिनेड और साइड डिश के बारे में भी। जब मैंने उसे खाने के अलग-अलग चरणों के बारे में बताया, जैसे कि ऐपेटाइज़र से लेकर डेज़र्ट, वाइन पेयरिंग वगैरह, तो वह हैरानी से मेरी तरफ देखने लगी। उसे यह जानकर भी आश्चर्य हुआ कि हम दिन के अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग तरह के भोजन बनाते हैं।
"अगर आपको दिन में तीन बार खाना खाना है, तो आप अपने दिन का कितना हिस्सा उन भोजन को तैयार करने में लगाते हैं?" खाना पकाने की प्रक्रिया जटिल लगती है, साल्हा ने आश्चर्यचकित होकर कहा, जब हम उस इमारत में दाखिल हुए जिसे मैंने गलती से ग्रीनहाउस समझ लिया था।
“यह निर्भर करता है। कुछ व्यंजन बहुत जल्दी तैयार हो जाते हैं, जबकि कुछ में काफी समय लगता है,” मैंने कहा। “नाश्ता मिनटों में बन जाता है, बशर्ते आप कुछ ज्यादा मेहनत वाला न बना रहे हों। यही बात बाकी सभी व्यंजनों पर भी लागू होती है, बशर्ते आपके पास फ्रिज में सभी सामग्री मौजूद हो और आप जटिल व्यंजन न बना रहे हों। लेकिन हां, खाना बनाना और खाना दिन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। हालांकि, यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक रस्म भी है और हमारे आपस में जुड़ने का एक तरीका भी।”
"ऐसा कैसे?" उसने मुझसे पूछा, और मुझे इस शानदार प्रांगण के पिछले हिस्से में ले गई जहाँ कई छोटे जीव खेल रहे थे जबकि अन्य, और भी विचित्र जीव, ऊंचे पेड़ों और घनी पत्तियों के बीच उड़ रहे थे।

हम अक्सर परिवार या दोस्तों के साथ बड़ी दावतें आयोजित करते हैं। इसमें बहुत सारा खाना बनता है और तैयारी में कई घंटे लग जाते हैं। खाना खाते समय हम बातें करते हैं, पुरानी यादें ताजा करते हैं या एक-दूसरे को चिढ़ाते हैं, और इस दौरान दो घंटे या उससे भी अधिक समय बीत जाता है।
सलहा ने भौंहें चढ़ाईं, उनके चेहरे पर परेशानी के भाव उभर आए।
अगर आप अब उन बड़े पारिवारिक रात्रिभोजों का आयोजन नहीं कर पाएंगे तो आप कितने परेशान होंगे?
“मैं काफी एकांतप्रिय हूँ। इसलिए, उस लिहाज से तो मैं पूरी तरह से अकेला नहीं रहूँगा, लेकिन मैं यह मानने से इनकार नहीं कर सकता कि साथ बैठकर खाना खाने या कुछ पीने का मौका मिलने पर मुझे दुख होगा,” मैंने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया। “इस सवाल से तो मुझे यही लगता है कि ऑर्डोसियन लोग साथ मिलकर खाना नहीं खाते?”
उसने अपना सिर हिलाया और चेहरे पर झुर्रियां पड़ गईं।
खाना खाना एक ऐसा काम है जिसे हम खुशी-खुशी निपटाते हैं। लेकिन यह हमारे लिए एक नाजुक पल भी होता है।
वह थोड़ी देर रुकी और उसने आंगन में लगे फलों के पेड़ों की ओर इशारा किया।
“आप यहाँ पेड़ों और झाड़ियों से सीधे कोई भी फल तोड़ सकते हैं, लेकिन आप पीछे की तरफ भी आ सकते हैं जहाँ हमने बहुत सारे फल इन कंटेनरों और कूलिंग यूनिटों में इकट्ठा किए हैं। पीछे के दरवाजे के पार आपको हमारे बगीचे और बाड़े मिलेंगे,” साल्हा ने मेज से एक खाली टोकरी उठाते हुए और दरवाजा खोलते हुए कहा। “जो चाहें ले लें और अपने मांस के लिए कोई भी जानवर चुन लें। हमारी बस यही गुजारिश है कि आप अपनी क्षमता से बड़ा कोई जानवर न चुनें। हालांकि, अगर आप चाहें तो हम मांस को काटकर बाद में खाने के लिए कूलिंग यूनिट में रख सकते हैं।”
मैंने सिर हिलाया और बड़े बगीचे में सावधानीपूर्वक लेबल लगी हुई विभिन्न प्रकार की सब्जियों को देखा।
मैंने पूछा, "आपने ऐसा क्यों कहा कि खाना खाना एक बोझ है और इससे आप असुरक्षित महसूस करते हैं?"
“हम अपना खाना पूरा निगल जाते हैं, आमतौर पर जीवित अवस्था में ही,” सलहा ने सहजता से कहा। “इसे पचने में थोड़ा समय लगता है, इस दौरान हम लगभग असहाय हो जाते हैं, बल्कि कुछ हद तक सुस्त भी हो जाते हैं। और फिर, हमने क्या खाया है, इस पर निर्भर करते हुए, खासकर अगर कोई जानवर फर या सींग वाला हो, तो हम उसके न खाने योग्य हिस्सों को उल्टी कर देते हैं। यह दर्दनाक तो नहीं होता, लेकिन सुखद भी नहीं होता। जैसा कि मैंने कहा, यह एक थकाऊ काम है। इसीलिए यह बहुत अच्छी बात है कि वयस्क होने पर हमें इसे महीने में केवल एक या दो बार ही करना पड़ता है।”
मुझे अपने चेहरे पर तटस्थ भाव बनाए रखने के लिए अपनी पूरी इच्छाशक्ति लगानी पड़ी। मैं उन्हें किसी पूरे खरगोश को निगलते हुए, अपने मुंह को विशाल आकार में फैलाते हुए, या उनकी गर्दन को सामान्य से अधिक लंबी होते हुए, या बिल्ली की तरह अपने पंजे और सींग उगलते हुए कल्पना नहीं करना चाहती थी। इनमें से किसी भी कल्पना से कामुक छवि नहीं बनती थी।

"मैं समझ गई," मैंने धीमी आवाज़ में कहा, जिससे सलहा को हंसी आ गई, लेकिन वह बिल्कुल भी मूर्ख नहीं बनी थी।

इन बाड़ों में बड़ी संख्या में छोटे जीव थे, जिनमें से कुछ एक बड़े चूहे से भी छोटे थे, जबकि अन्य एक छोटी बकरी के आकार के थे।

साल्हा बोलती रही, और इस बीच मैंने कुछ सब्जियां इकट्ठा कीं और एक केल्ज़ी चुना, जो देखने में सूअर के बच्चे जैसा छोटा जीव था। मुझे खुशी हुई कि अहाते में मांसाहारी जीवों की देखभाल करने वाले एक ओर्डोसियन ने मेरे लिए उसकी खाल उतार दी। हालांकि मैं अपने सीमित उपकरणों के साथ यह काम खुद भी कर सकता था, लेकिन मुझे इस काम से मुक्ति मिलने पर बहुत अच्छा लगा।

जब मैं घर लौटी, तो मेरी भावी रसोई में लगे रेफ्रिजरेटर में मेरा ताज़ा खरीदा हुआ खाना रखा गया था, और सलहा ने मुझे तकिए, गिलास और बर्तन जैसी कुछ बुनियादी सुविधाएँ मुहैया कराईं। जब वह अपने छोटे बच्चे की देखभाल करने और मेरी ओर्डोसियन शादी की तैयारियों के लिए चली गई, तब तक मेरा घर आकार लेने लगा था।

अध्याय 7

गांव लौटते ही मुझमें उत्साह की लहर दौड़ गई। हमारी परिस्थिति कितनी भी विचित्र क्यों न हो, मैं अपनी भावी पत्नी से दोबारा मिलने और यह देखने के लिए बेताब था कि उसने हमारे घर को घर बनाने की शुरुआत कैसे की थी। हमारे बीच के अंतर मेरी शुरुआती अपेक्षा से कहीं अधिक निकले—कम से कम शारीरिक दृष्टि से—लेकिन इससे मुझे अपने लक्ष्य से विचलित करना नामुमकिन था।

जैसे ही मैं अपने घर के पास पहुंचा और देखा कि इरको ठीक बाहर बाईं दीवार के साथ एक रसोई क्षेत्र तैयार कर रहा है, मेरे होठों पर मुस्कान फैल गई।

"लो, तुम यहाँ हो!" इरको ने गर्मजोशी से कहा। "काम अच्छे से चल रहा है।"

— मैंने जवाब दिया, “मुझे भी यही दिख रहा है।”

"इसका श्रेय आंशिक रूप से टेमरने को जाता है," बिल्डर ने स्वीकार किया।

- ओह ?

“उन्होंने हमारे बिजली स्रोतों के लिए एक एडेप्टर के साथ एक हॉट प्लेट और एक कुकिंग ओवन भेजा,” इरको ने आगे कहा। “उसके बिना, आपकी पत्नी के लिए इन यूनिटों को शुरू से बनाने में हमें कम से कम दो सप्ताह लग जाते।”

इस त्वरित समाधान से प्रसन्न होने के बावजूद, मैंने भौंहें सिकोड़ीं।

— क्या आपने कायोग से उपकरण मांगे थे?

इरको रिट.

"नहीं, मास्टर हंटर। कायोग ने इसे भेजा है, साथ ही आपकी पत्नी को ज़रूरत पड़ने वाली कई चीज़ें भी भेजी हैं, जैसे कंबल, तौलिए, बर्तन और अन्य सामान। उन्होंने इसे ओपीयू की ओर से शादी का तोहफा बताया है," उन्होंने समझाया।

"अहा... बहुत बढ़िया," मैंने राहत भरी सांस लेते हुए कहा। "लेकिन आप इसे बाहर क्यों बना रहे हैं?"

“सेरेना और मैं इस बात पर सहमत हुए कि अच्छी वेंटिलेशन होने के बावजूद, चूंकि घर एक गुफा के अंदर है, इसलिए रसोई को बाहर रखना ही बेहतर होगा,” इरको ने जवाब दिया। “क्योंकि यहाँ साल भर गर्म मौसम रहता है, इसलिए उसे कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, मैं छत और आधी दीवारें बनवा रहा हूँ ताकि बारिश होने पर भी वह इसका इस्तेमाल कर सके। मैं जगह-जगह कुछ काउंटर भी लगवाऊंगा।”

— क्या आप एक सिंक लगा सकते हैं? मैंने पूछा।

"हाँ," इरको ने होंठ सिकोड़ते हुए कहा। "लेकिन मुझे इसे अंदर वाले से जोड़ने के लिए दीवार में छेद करना पड़ेगा।"

"करो। मैं अपने साथी के भले के लिए ही सोचता हूँ," मैंने दृढ़ता से कहा। "और उसकी स्वच्छता संबंधी ज़रूरतों का क्या?"

"शावर तो लग चुका है। शौचालय भी ठीक से काम कर रहा है, लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है। वैसे भी, आगे बढ़ने से पहले मैं इस बारे में आपसे बात करना चाहता था," इरको ने झिझकते हुए कहा।
"क्या हुआ?" मैंने तुरंत चिंतित होकर पूछा।
“सब ठीक है, लेकिन आपकी साथी की मांगें कुछ ज्यादा ही मामूली हैं,” इरको ने असहज होते हुए कहा। “उसने मुझे जो बताया, उसके अनुसार मनुष्य दिन में कई बार शौचालय जाते हैं, जबकि हम सप्ताह में केवल एक बार ही जाते हैं।”
— मैंने कहा, “हाँ, बिल्कुल सही।”
“खैर, उसने बताया कि उन्हें कभी-कभी रात में शौच के लिए जाना पड़ता है,” इरको ने आगे कहा। “आपकी मादा कुत्ते के लिए आधी रात को घर से बाहर जाकर सिर्फ़ शौच करने के लिए जाना काफ़ी असुविधाजनक लगता है। हमारी रातें ठंडी हो सकती हैं, और इंसानों की रात में देखने की क्षमता हमारी तरह अच्छी नहीं होती।”
मैं एकदम स्थिर हो गया, मेरी आंखें समझ के साथ चौड़ी हो गईं।
"बहुत बढ़िया सुझाव है, इरको," मैंने कहा और खुद को कोसने लगा कि मैंने इस बारे में क्यों नहीं सोचा। "घर के अंदर ही शौचालय और साथ ही एक शॉवर भी हो तो बेहतर होगा।"
“बिल्कुल,” इरको ने उत्साह से कहा। “लेकिन जब मैंने यह सुझाव दिया तो आपकी साथी ने तुरंत इसे खारिज कर दिया। उन्हें लगा कि जब हमारे पास पहले से ही एक कारगर व्यवस्था है तो यह बहुत ज्यादा काम होगा, और हमारे समुदाय की नई सदस्य होने के नाते उन्हें हमारी परंपराओं के अनुसार ढलना होगा।”
हालांकि मुझे इरको को दिए गए उनके कूटनीतिक जवाब की सराहना थी, लेकिन मैं उनके इनकार के पीछे का असली कारण जानती थी। सेरेना हमारे घर में होने वाले बदलावों को कम से कम करना चाहती थी ताकि उनके जाने के बाद उन्हें वापस पहले जैसा करना मुश्किल न हो। यहां तक कि यह बाहरी रसोईघर भी, अगर कभी ऐसा दिन आया, तो बिना कोई निशान छोड़े आसानी से हटाया जा सकता था।
मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा कभी न हो।
“आपकी सोच सराहनीय है,” मैंने सहज भाव से कहा, “लेकिन मैं अपनी साथी को रात में बाहर घूमने नहीं दूँगा, सिर्फ इसलिए कि मैंने उसे उसकी प्रजाति के लिए ज़रूरी सारी सुविधाएँ नहीं दी हैं। आप हमारे घर में मेरी साथी के लिए एक अच्छा शौचालय बनवाएँगे। उसे छिपी हुई घाटी का नज़ारा बहुत पसंद है। क्या हम इसे घर के पीछे, बाहर की ओर खुलने वाली एक बड़ी खिड़की के साथ बनवा सकते हैं?”
“जी हां, स्ज़ारो,” इरको ने उत्साह से भरी आवाज़ में कहा। “थोड़ा मुश्किल होगा, पर मुमकिन है। हमने मानव स्वच्छता कक्षों की तस्वीरें देखी हैं। शॉवर और शौचालय के अलावा, उनमें से कई में पानी से भरे बड़े बाथटब होते हैं जहाँ लोग आराम कर सकते हैं या नहा सकते हैं। आपकी पत्नी को एक खास मॉडल बहुत पसंद आया,” उन्होंने मुझे दिखाने के लिए अपने टैबलेट पर तस्वीरें पलटते हुए कहा। “मैं आपके किसी पिछले कमरे में कुछ ऐसा ही बना सकता हूँ। और टेरीया दीवारों पर इसी तरह की नक्काशी कर सकती है।”

मेरे होठों पर धीरे-धीरे मुस्कान फैल गई।

— ऐसा करो। और उससे कहो कि वह पैटर्न के सबसे बड़े वृत्तों में चमकदार पत्थरों को शामिल करे, मैंने आगे कहा।

— ओह, हाँ! यह तो बहुत अच्छा रहेगा! इरको ने सहमति जताते हुए कहा। मैं तेरिया को बता दूँगा।

— बहुत बढ़िया। अब मैं अपने पार्टनर से मिलने और शादी की तैयारी करने जा रही हूँ। बाद में मिलते हैं, मैंने कहा।

— फिर मिलेंगे, मास्टर हंटर, इरको ने जवाब दिया जब मैं अपने घर में प्रवेश करने के लिए मुड़ा।

चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ था। एक पल के लिए मुझे लगा कि शायद सेरेना बाहर गई हो, पर इरको ने मुझे बता दिया होता। क्या वो सो रही थी? मैंने तुरंत इस विचार को मन से निकाल दिया। इंसान तो दिन में सक्रिय रहने वाले प्राणी होते हैं, हमारी तरह। मैंने अपनी जीभ बाहर निकाली और हवा में सेरेना की महक महसूस करने की कोशिश की।

छत।

बेशक, मुझे पता होना चाहिए था। वह उसे बहुत आकर्षित करती थी। मैं घर के पीछे गया और दरवाजा धक्का देकर खोला, जो चुपचाप बालकनी में खुल गया। सामने का नजारा देखकर मैं दंग रह गया।

मेरी तरफ पीठ करके खड़ी, घाटी के मनमोहक दृश्य की ओर मुख किए, सेरेना एक काली चटाई पर अजीबोगरीब शारीरिक मुद्राएँ बना रही थी। वह कुछ सेकंड के लिए एक के बाद एक मुद्राएँ धारण करती और फिर दूसरी में बदल जाती। पहली बार मैं उसकी खुली भूरी त्वचा की सुनहरी सुंदरता को निहार सका। नंगे पैर, मेरी साथी ने कमर से लेकर जांघों तक केवल एक चुस्त वस्त्र पहना हुआ था—जिससे ऐसा लग रहा था मानो उसकी टांगें अंतहीन हों—और एक बिना आस्तीन का टॉप पहना था जो केवल उसके स्तनों को ढके हुए था।

मैं चुपचाप उसे देखता रहा, उसकी चाल की सुंदरता, उसके द्वारा किए जाने वाले असंभव आसन, उनमें से कुछ के लिए आवश्यक अटूट शक्ति और उन्हें बनाए रखने के लिए उसके अद्भुत संतुलन से मंत्रमुग्ध था। लेकिन उससे भी अधिक आकर्षक थे उसके पैरों के करतब। पता नहीं मैं कितनी देर तक वहाँ खड़ा रहा, अपनी साथी को निहारता रहा। उसने एक अनोखा आसन अपनाया, अपनी कोहनियों के बल पर खुद को सहारा दिया, जो चटाई पर सपाट टिकी हुई थीं, उसका सिर सीधा आगे की ओर उठा हुआ था, उसका शरीर ऊपर उठा हुआ था, उसके नुकीले पैर लगभग उसके चेहरे के सामने लटक रहे थे। अगर वह उन्हें और फैलाती, तो उसका शरीर एक पूर्ण 0 का आकार बना लेता।

उसे शायद आखिरकार मेरी मौजूदगी का एहसास हो गया था, क्योंकि अचानक उसका सिर नीचे झुक गया और सेरेना ने अपने हाथों से शरीर को सहारा देते हुए पीछे मुड़कर देखा। मेरी साथी की आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं और उसका शरीर आगे की ओर लड़खड़ा गया। गिरते समय उसके मुँह से एक हल्की सी चीख निकली और वह अपनी पीठ के बल ज़मीन पर आ गिरी।

— सेरेना! मैं चिल्लाई और उसकी तरफ दौड़ पड़ी।
जिस तरह से वह गिरी थी, उसकी बांहें टूट सकती थीं। जैसे ही मैं उसके पास झुका, वह सीधी खड़ी हो गई, अपने कंधे हिलाते हुए और मुंह बनाते हुए।
"क्या तुम ठीक हो?" मैंने चिंता से भरे पेट में गुदगुदी महसूस करते हुए पूछा।
"हां, मैं ठीक हूं," उसने मुझे आश्वस्त करने वाली मुस्कान देते हुए कहा। "तुमने मुझे डरा दिया, बस इतना ही। मैं अपनी ही दुनिया में खोई हुई थी और तुम्हें अंदर आते हुए सुन ही नहीं पाई।"
“मुझे माफ़ करना। मुझे अपने आने की सूचना दे देनी चाहिए थी,” मैंने कहा और यह सुनिश्चित करने लगा कि उसे चोट तो नहीं लगी। “मैं बस यह देखकर मंत्रमुग्ध हो गया था कि तुम क्या कर रही थी। क्या कर रही थी?”
"इसे योग कहते हैं," सेरेना ने समझाया। "यह ध्यान करने, व्यायाम करने और अपनी ताकत और लचीलेपन पर काम करने का एक बेहतरीन तरीका है।"
"यह तो वाकई अद्भुत है। मुझे नहीं लगता था कि इंसान इस तरह से चल सकते हैं," मैंने सचमुच प्रभावित होकर कहा।
“तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि मैं कितने तरीकों से हिल-डुल सकती हूँ,” सेरेना ने इतराते हुए कहा, जिससे मेरी जिज्ञासा और भी बढ़ गई। “मुझे तुम्हें किसी दिन दिखाना ही पड़ेगा।”
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मैं उनसे मिलने के लिए उत्सुक हूं। मैं बस आपको बताना चाहती थी कि मैं वापस आ गई हूं।"
"शिकार कैसा रहा?" सेरेना ने एक सच्ची जिज्ञासा के साथ पूछा, जिसने मेरे दिल को छू लिया।
“सब ठीक रहा,” मैंने जवाब दिया। “सौभाग्य से, हम समय से पहले पहुँच गए जिससे चिस्वा की आबादी को कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ। लेकिन उत्तर-पश्चिम में निषिद्ध क्षेत्रों के पास स्किनर्स के कुछ और झुंड घूम रहे हैं। हमारे जासूस उनकी गतिविधियों पर नज़र रख रहे हैं ताकि पता चल सके कि हमें हस्तक्षेप करने की आवश्यकता होगी या नहीं।”
"यह सुनकर खुशी हुई कि आप उन्हें काबू में करने में सफल रहे। उम्मीद है किसी को चोट नहीं आई होगी?" उसने उठते हुए पूछा।
सहज ही, मैंने उसकी मदद के लिए हाथ बढ़ाया। उसे इसकी ज़रूरत नहीं थी और वह मेरे इस इशारे से अचंभित सी लग रही थी। फिर भी, उसने मुस्कुराते हुए मेरी मदद स्वीकार कर ली। उसके कोमल हाथ के स्पर्श और उसकी त्वचा की रेशमी बनावट से मेरे अंदर एक अजीब सी गर्माहट दौड़ गई। मैंने उसे पहले कभी नहीं छुआ था, और न ही किसी और इंसान को। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। जब उसने धीरे से मेरा हाथ छोड़ा, तो मेरा मन हुआ कि मैं उसका हाथ फिर से पकड़ लूँ। मैंने गहरी साँस ली और उसे एक बार फिर चखने के लिए अपनी जीभ बाहर निकाली, लेकिन उसे छू नहीं पा रहा था। मेरी उंगलियाँ अपनी साथी की कोमल सुंदरता को और गहराई से जानने की तीव्र इच्छा से जल रही थीं। लेकिन वह मेरे साथ ऐसा करने के लिए तैयार नहीं थी... अभी नहीं।

"किसी को चोट नहीं आई," मैंने पुष्टि की। "और पहले शिकार में आपके स्कोर में 36 नए स्किनर जुड़ गए हैं," मैंने गर्व भरी मुस्कान के साथ कहा।
"क्या?!" सेरेना ने अचंभित होकर कहा।
— अब तुम एक ओर्डोसियन हो और मेरे साथी हो। इस कबीले का नरसंहार तुम्हारा नरसंहार है। मैंने तुम्हारे लिए यह सब अपने नाम कर लिया है, मैंने गर्व से कहा।
"लेकिन... तुमने ऐसा क्यों किया? मेरा मतलब है, मुझे गलत मत समझना, यह शानदार है! लेकिन तुमने ऐसा क्यों किया?" सेरेना ने सचमुच उलझन में दिखते हुए पूछा। "मुझे लगा था कि तुम पहले शिकार से जुड़ी हर बात पर बहुत गुस्सा होगे।"
“इस खोज में उतार-चढ़ाव तो आते ही रहते हैं,” मैंने कंधे उचकाते हुए कहा। “लेकिन तुम मेरी साथी हो। अभी और भविष्य में तुम्हारी भलाई सुनिश्चित करना मेरा कर्तव्य है। भाग्य और देवी ने हमारे लिए जो भी तय किया हो, मैं तुम्हारी सभी ज़रूरतों को पूरा करना चाहता हूँ। ये अतिरिक्त धनराशि तुम्हारी सुविधा सुनिश्चित करने में मदद करेगी, चाहे वह तुम्हारी यात्राएँ फिर से शुरू करना हो या विदेश से सामान खरीदकर यहाँ मंगवाना हो।”
"तुम सचमुच बहुत दयालु और विचारशील हो," सेरेना ने मेरी ओर देखते हुए कहा, उसके चेहरे पर एक ऐसा भाव था जिसे मैं परिभाषित नहीं कर सकता था।
“सिर्फ़ तुम्हारे साथ,” मैंने अपनी शर्मिंदगी छुपाने के लिए शरारती अंदाज़ में कहा। “लेकिन अब हमें अपनी शादी की रस्मों की तैयारी करनी होगी,” मैंने धीरे से कहा। “यह एक घंटे से भी कम समय में शुरू हो जाएगी।”
"ओह!" उसने अनिश्चितता से कहा। "मैं... मैं क्या करूँ? मुझे क्या पहनना चाहिए?"
“हमें स्नान करना चाहिए ताकि हम एक-दूसरे के सामने अतीत के सभी बोझों से मुक्त होकर शुद्ध होकर उपस्थित हों,” मैंने समझाया। “स्त्रियाँ आम तौर पर नग्न आती हैं, क्योंकि वे इस मिलन में ज्ञान, पालन-पोषण और जीवन लाती हैं, ये सभी गुण उनमें समाहित होते हैं। पुरुष स्वयं को सजाते हैं ताकि वे अपनी शक्ति और अपने घर का भरण-पोषण करने की क्षमता प्रदर्शित कर सकें। चूंकि आप लोग नग्न नहीं घूमते, इसलिए आप जो चाहें पहन सकते हैं।”
"ठीक है, मैं कर सकती हूँ," उसने घबराते हुए अपने होंठ गीले करते हुए कहा। "क्या समारोह के दौरान मुझे कुछ खास करना होगा?"
“आम तौर पर, तुम्हारे पास कुछ काम होता,” मैंने धीरे से जवाब दिया, “लेकिन यह तुम्हारे लिए सीखना बहुत मुश्किल होगा, और मुझे शक है कि तुम्हारी शारीरिक बनावट इसकी इजाज़त देगी, क्योंकि इसके लिए एक पूंछ और ऐसी शारीरिक शक्ति की ज़रूरत होगी जो तुम्हारे पास नहीं है। हमने इस बारे में बड़ों से बात कर ली है, और वे इस बात पर सहमत हैं कि हम कैसे आगे बढ़ेंगे,” मैंने जल्दी से कहा जब वह घबराहट के कगार पर लग रही थी। “तुम बैठोगी और अनुष्ठान देखोगी, फिर तुम मेरे साथ आओगी। हम बड़ों के आशीर्वाद से

गले मिलेंगे और चुंबन करेंगे। तुम्हें बस वहीं रहना है और मुझे थामे रहना है; बाकी मैं संभाल लूंगी। ज़्यादा समय नहीं लगेगा, इसलिए तुम्हें ज़्यादा परेशानी नहीं होगी।"
"ओह, कोई बात नहीं," उसने घबराई हुई हंसी के साथ जवाब दिया। "मैं आपको जितनी देर तक रखना चाहे रख सकती हूँ। बस मैं खुद को मूर्ख साबित नहीं करना चाहती या आपको शर्मिंदा नहीं करना चाहती।"
मैंने उसे दिलासा देते हुए कहा, "तुम ऐसा नहीं करोगी। चलो, नहा लेते हैं। जो कपड़े पहनने का इरादा है, उन्हें ले लो क्योंकि तुम यहाँ वापस नहीं आओगी। सलहा तुम्हें सीधे शुद्धिकरण कक्ष से ग्रेट सर्कल तक ले जाएगी।"
"सलहा? तुम कहाँ होगी?" उसने उलझन में पूछा।
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "मैं तैयार होने के लिए यहीं वापस आऊंगी।"
"जी हां। मैं भूल गई थी। कोई बात नहीं," सेरेना ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, उसके चेहरे पर सोच-विचार का भाव आ गया।
मुझे शक था कि वह मन ही मन अपने कपड़ों में से कुछ उपयुक्त चुनने की कोशिश कर रही थी। वह हमारे बेडरूम की ओर बढ़ी, जिसे मैंने लौटने के बाद से नहीं देखा था। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि मेरे चूल्हे के बगल में एक बड़ा, इंसानों जैसा दिखने वाला बिस्तर लगा हुआ था। इरको सेरेना के लिए एक ड्रेसर और एक कपड़े टांगने का रैक लाया था, जिस पर मेरी साथी के कुछ कपड़े टंगे हुए थे। बाद में, वह उसके कपड़े रखने के लिए एक उचित जगह बनाएगा। लेकिन अभी के लिए, अपनी पहले खाली पड़ी जगह को अपनी प्रेमिका के सामान से भरा हुआ और उसकी खुशबू से महकता हुआ देखकर मेरे सीने में फिर से वही गर्माहट का एहसास जाग उठा।
"मुझे खेद है कि मैं सफेद पोशाक नहीं पहन पाऊंगी, जैसा कि हमारी परंपरा है," सेरेना ने शरमाते हुए कहा। "लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह छोटी काली पोशाक स्वीकार्य होगी।"
मैंने उदास स्वर में कहा, "इंसानों के कपड़े मेरे लिए कोई मायने नहीं रखते। मेरे लिए बस इतना ही मायने रखता है कि आज रात आप जो भी पहनें, उसमें आप खुश और सहज महसूस करें।"
"मुझे यह ड्रेस पसंद है," उसने शरमाते हुए मुस्कुराते हुए कहा। "यह मुझ पर अच्छी लग रही है... मुझे ऐसा लगता है।"
"तो फिर वही छोटी काली ड्रेस," मैंने कहा, मुझे उसका चेहरा बहुत प्यारा लगा। "चलो चलते हैं, मेरे साथी।"
जैसे ही हम शुद्धिकरण कक्ष की ओर बढ़े, रास्ते में कई ग्रामीण मिले, जिनमें से कई उत्सव के लिए सजे-धजे थे। उनका पहनावा सादा और संयमित था ताकि मैं भीड़ से अलग दिख सकूँ। सेरेना जहाँ एक ओर बढ़ती जा रही थी, वहीं मेरे अंदर उत्साह उमड़ रहा था। यह स्वाभाविक नहीं था। मुझे भी अपनी साथी की तरह चिंतित होना चाहिए था, लेकिन यह स्थिति मुझे स्वाभाविक लग रही थी।
अंदर प्रवेश करते ही मैं सेरेना से अलग हो गया और मंधा और रास्कियर की ओर बढ़ा, जो खुरचने वाले पत्थरों के साथ मेरा इंतजार कर रहे थे। थोड़ी दूरी पर, छिपी हुई घाटी की ओर खुलने वाली खिड़की के पास, सलहा अपने नए बंद शॉवर के बगल में मेरे साथी का इंतजार कर रही थी।

मेरे कबीले के लोग पहले तो झिझक रहे थे, उन्हें इन परिस्थितियों में मेरी मानसिक स्थिति का अंदाज़ा नहीं था। लेकिन जब उन्होंने मेरा खुशमिजाज़ मूड देखा, तो दोनों नर सहज हो गए और मेरी पूंछ और पीठ धोते हुए संभोग से पहले की आम अश्लील टिप्पणियों से मुझे चिढ़ाने लगे। उसी समय, मैंने पत्थरों से अपने धड़, चेहरे और बाहों को चमकाया।

हम सेरेना से पहले ही अपना काम खत्म कर चुके थे। यह सौभाग्य की बात थी, क्योंकि इससे मुझे खुद को ठीक से सजाने-संवारने का और समय मिल गया। मंधा मेरे साथ घर तक आई और उसने मुझे मेरे गले में वह हार पहनाने में मदद की जो मैंने अपनी ताकत का प्रतीक बनाने के लिए मारे गए सबसे खूंखार जानवरों के पॉलिश किए हुए दांतों से बना था, साथ ही दुर्लभ धातुओं और कीमती पत्थरों से बने कंगन भी पहनाए जो मेरे परिवार का भरण-पोषण करने की क्षमता को दर्शाते थे, और बाजूबंद - कंधों के ठीक नीचे लेकिन पंखों के ऊपर - जो मैंने खुद बनाए थे ताकि न केवल मेरे कौशल बल्कि मेरे पद और उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया जा सके। फिर मैं अपने शस्त्रागार में गई और अपनी सबसे उत्तम युद्ध छड़ी चुनी, जिसे दो तेज धार वाले ब्लेड में विभाजित किया जा सकता था। मंधा, रास्कियर के साथ, आज शाम मेरे साथ योद्धा नृत्य करेगी, ठीक वैसे ही जैसे मैंने उसकी शादी में उसके लिए किया था।

हम अपना घर छोड़कर ग्रेट सर्कल की ओर चल पड़े, जहाँ मेरा भाग्य मेरा इंतजार कर रहा था।

अध्याय 8

मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं इतनी घबरा क्यों रही थी जब सलहा मुझे उस विशाल अखाड़े की ओर ले जा रही थी जिसे वे 'ग्रेट सर्कल' कहते थे। यह कोई असली शादी नहीं थी, बस एक औपचारिकता थी ताकि अगले कुछ महीनों तक कबीले में मेरी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। फिर भी, मैं घबराई हुई थी। लेकिन जैसे ही मैंने अपने सामने के मनमोहक दृश्य को देखा, मेरी सारी चिंताएँ दूर हो गईं।

सीढ़ियाँ चढ़ना आरामदायक विकल्प नहीं था, इसलिए "प्लेटफ़ॉर्म" वास्तव में ढलान वाले थे—इतने ज़्यादा ढलान वाले नहीं कि असुविधाजनक हों, बल्कि इतने ज़रूर कि पीछे खड़े लोगों को आगे खड़े लोगों की तुलना में बेहतर दृश्य मिल सके, और साथ ही नीचे बने विशाल गोलाकार प्लेटफ़ॉर्म का अबाधित नज़ारा भी दिखाई दे। विशाल अंगीठियाँ ग्रेट सर्कल के चारों ओर थीं, और उनमें एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली हल्की नीली लौ जल रही थी। यह लगभग किसी जादुई लौ जैसी लग रही थी।

विशाल घेरे के चारों ओर, एक दर्जन ओर्डोसियन महिलाओं ने ज्वालाओं के समान हल्के नीले रंग के लंबे रिबन पकड़े हुए थे। रात के अंधेरे में, उनके चारों ओर एक हल्की सी चमक फैल रही थी। वे मुझे लयबद्ध व्यायामकला के दिनों के रिबनों की याद दिला रहे थे। उनके पीछे, एक ऊंचे चबूतरे पर, तीन बुज़ुर्ग इस दृश्य की देखरेख कर रहे थे। और दूर, इस भव्य दृश्य को पूरा करने के लिए, नदी आनंदपूर्वक बह रही थी।

जैसे ही सलहा मुझे बैठने की जगह से थोड़ा आगे, घेरे के किनारे पर रखे कुशन वाले यू-आकार के स्टूल तक ले गई, कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुए लोगों में सन्नाटा छा गया। अंदर जाने से पहले उसने मुझे अपने जूते उतारने को कहा। जैसे ही मैं बैठी, सलहा बीच में बैठी बारह अन्य महिलाओं के पास चली गई। उनमें से एक ने मेरी भाभी को रिबन की एक जोड़ी दी, जिसे उन्होंने अपने हाथों में एक तरह के दस्ताने की तरह पहन लिया।

मैं वहाँ अवाक खड़ा था जब सभी मादाओं ने अपनी पूंछों के सिरे ऊपर उठाए और उनकी खाल खुल गई, जिससे सफेद रंग के उभरे हुए हिस्से दिखाई दिए जो फूलते हुए से लग रहे थे। मेरी नज़र में, उनकी पूंछों के सिरे कुछ-कुछ लिली ऑफ द वैली जैसे लग रहे थे। लेकिन असल में वे रैटलस्नेक के रैटल जैसे थे। सलहा ने एक लंबी, लगातार चीख निकाली जिससे मैं चौंक गया। यह कोई चीख नहीं थी, बल्कि एक जोश भरी पुकार थी। जैसे ही वह रुकी, मादाओं ने लगभग एक साथ अपनी पूंछें हिलाईं, आवाज़ तेज़ हवा से पेड़ के पत्तों के सरसराने जैसी थी। कुछ ही सेकंड बाद, वे इनुइट गायकों की तरह गाने लगीं। भीड़ ने भी उनके मनमोहक गीत पर अपनी गहरी आवाज़ें निकालकर प्रतिक्रिया दी, और उनके अपने रैटल भी उसमें शामिल हो गए।

मैं विस्मय से उन महिलाओं को देखता रहा जो बेहद कामुक अंदाज़ में इधर-उधर झूम रही थीं। सलहा ने फिर वही आवाज़ लगाई और अपनी बाहें उठाकर एक छोटे से घेरे में घूमने लगी, साथ ही अपने रिबन भी लहराती रही। बाकी महिलाओं ने भी कुछ पल के लिए उसका अनुकरण किया और फिर एक मनमोहक नृत्य शुरू कर दिया। वे घेरे में मानो तैर रही थीं, उनके चारों ओर रिबन घूम रहे थे, मानो बढ़ती हुई अंधेरे में हवा में प्रकाश की लहरें नाच रही हों।

साल्हा, जो अभी भी भव्य घेरे के केंद्र में थी, एक ऐसा नृत्य कर रही थी जिसे देखकर ऐसा लग रहा था मानो वह ऑर्डोसियन शैली का बेली डांस हो। उसी क्षण मुझे एहसास हुआ कि वह वही नृत्य कर रही थी जो मुझे उसकी जगह करना चाहिए था। हालांकि मेरे मन का एक हिस्सा इस बात से खुश था कि वे मुझे इससे बचा रहे थे, वहीं दूसरा हिस्सा सोच रहा था कि चूंकि यह मेरी शादी थी, इसलिए मुझे ही इस नृत्य की अपनी शैली में प्रस्तुति देनी चाहिए थी।

लेकिन हर दो सेकंड में बजने वाले ढोल की आवाज़ ने मुझे अपना सिर बाएँ से दाएँ घुमाने पर मजबूर कर दिया। चार पुरुष किनारों से निकले और पूरी तालमेल के साथ ढोल बजाते हुए विशाल घेरे के किनारे पर अपनी जगह लेने के लिए आगे बढ़े।

दूर से युद्ध की गर्जना सुनाई दी। मैंने स्ज़ारो की आवाज़ पहचान ली। आशा की एक सुखद सिहरन मेरे अंदर दौड़ गई। दो डरावनी आवाज़ें उसकी युद्ध गर्जना की प्रतिध्वनि थीं। मानो जवाब में, चारों ढोल वादक युद्ध शैली में अपने ढोल बजाने लगे। महिलाएं किनारों पर चली गईं, झूमती और अपने रिबन लहराती हुई। सलहा मेरे पास आकर खड़ी हो गई।

जब मैंने देखा कि स्ज़ारो क्रूर भावों के साथ घेरे में प्रवेश कर रहा है, तो मेरी सांसें अटक गईं। उसके हाथ में वह युद्ध-छड़ी मजबूती से थी जिसे मैंने उसके शस्त्रागार में देखा था। दोनों पुरुष - जिन्हें मैंने अभी तक नहीं देखा था - किनारे पर युद्ध-घोषणा करते रहे, जबकि स्ज़ारो अपना ही नृत्य कर रहा था। वह मार्चिंग बैंड के ड्रम मेजर की तरह कुशलता से अपनी छड़ी लहरा रहा था, उसे अपने शरीर और गर्दन के चारों ओर घुमा रहा था, हवा में उछाल रहा था और उसे कुशलता से पकड़ रहा था। इस सब के दौरान वह अपनी मांसपेशियों को कस रहा था, अपने हुड को और भी डरावना और प्रभावशाली दिखाने के लिए फैला रहा था, और कामुक ढंग से झूम रहा था जिसने मुझे तुरंत उत्तेजित कर दिया।

वह मेरे करीब आया और अपनी छड़ी ज़मीन पर पटकी। उसके कूल्हों की हरकत से उसकी पेट की मांसपेशियां फड़क उठीं, जिससे मेरे मुंह में पानी आ गया। उसने अपनी कास्काबेला (एक प्रकार की छड़ी) मेरे कान के पास हिलाई, और उसकी आवाज़ मेरे भीतर गहराई तक गूंज उठी।

मेरे निपल्स तुरंत सख्त हो गए और मुझे अपनी जांघों के बीच गीलापन महसूस होने लगा। स्ज़ारो ने अपनी जीभ बाहर निकाली और उसकी पुतलियाँ फैल गईं। उसके चेहरे पर भूखी नज़र आ गई, जिससे मैं अपनी सीट पर बेचैन हो गई।

जैसे ही मैं उसे छूने की तीव्र इच्छा के आगे झुकने ही वाला था, स्ज़ारो हट गया। मंधा और रास्कियर हथियारों से लैस होकर घेरे में आ गए। उन्होंने तुरंत स्ज़ारो पर हमला कर दिया, मानो किसी महाकाव्य मार्शल आर्ट की तरह लड़ाई लड़ रहे हों। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह असली लड़ाई थी या नहीं, लेकिन मैं अपनी सीट पर बेचैन बैठा था। इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा रोमांचित कर दिया था।

जब स्ज़ारो ने अपनी लाठी को दो हिस्सों में बाँट दिया और दोनों सिरों पर लगी शक्तिशाली तलवारों से अपने दोनों प्रतिद्वंद्वियों से एक साथ लड़ने लगा, तो मैं उस पल में इतना खो गया कि उछल पड़ा और हौसला बढ़ाने

के लिए चिल्लाने लगा। मेरे बगल में बैठी सलहा की हँसी ने मुझे मेरी तंद्रा से बाहर निकाल दिया। उसकी समझदारी भरी मुस्कान और सहमति भरी नज़र ने मुझे शर्म से लाल कर दिया। लेकिन जैसे ही ढोल की थाप और महिलाओं व भीड़ के कर्कश स्वर तेज़ हुए, अचानक सब कुछ रुक गया। घेरे में सन्नाटा छा गया। मंधा और रास्कियर सिर झुकाए, सिर पर टोपियाँ गूँथते, बाहें फैलाए, और हार मानकर हथियार नीचे रखे पीछे हट गए।

स्ज़ारो घेरे के केंद्र में गया और विजय की गर्जना की, जिसका जवाब सभी ने अपनी पूंछें झटककर दिया। इस आवाज़ का मुझ पर कोई असर नहीं हुआ, जैसा कि स्ज़ारो की गर्जना मेरे कानों के पास होने पर हुआ था। उसने अपनी छड़ी के दोनों हिस्सों को जोड़कर एक हथियार बनाया, उसे अपने बगल में ज़मीन पर रखा और दोनों हाथ मेरी ओर बढ़ाए। सलहा मुझे उसके पास ले गई। उसने मुझे गले लगा लिया और मैंने भी अपनी बाहें उसके चारों ओर लपेट लीं।

ओह! उसकी छाती का स्पर्श होते ही मेरे घुटने कांपने लगे। मुझे उम्मीद थी कि उसकी खाल सख्त होगी और मेरी त्वचा को खरोंच देगी, लेकिन वह छूने में कोमल थी। वह मेरे ऊपर विशालकाय लग रहा था—उसका हुड पूरी तरह खुला हुआ था, जिससे उसके पीछे का पूरा चाँद छिप गया था। उसकी पुतलियाँ फैल गईं और उसकी निगाहें मेरी निगाहों पर टिक गईं, मुझे सम्मोहित कर दिया। स्ज़ारो की पूंछ हमारे चारों ओर दो बार लिपट गई, मुझे और करीब खींच लिया, फिर भी इतनी लंबाई छोड़ी कि उसका सिरा मेरे कान के पास तक पहुँच सके और वह अपना सिर हिला सके। मेरे पेट में इच्छा का एक गोला फूट पड़ा और मेरे मुँह से एक आह निकल गई।

स्ज़ारो के होठों पर एक भयानक मुस्कान फैल गई, जिससे उसके नुकीले दांत और भी लंबे दिखाई दिए। जैसे ही वह आगे झुका, मेरी सांस अटक गई, उसकी छाती में एक गड़गड़ाहट गूंज उठी। मेरी उंगलियां उसकी मांसल पीठ में धंस गईं, मैं उसके नुकीले दांतों के चुभने का इंतज़ार कर रही थी। लेकिन इसके बजाय, उसने बस अपना गाल मेरे गाल से रगड़ा, पहले एक तरफ, फिर दूसरी तरफ, अपनी गंध से मुझे चिह्नित करते हुए। उसकी ठुड्डी की खुरदरी त्वचा का हल्का सा स्पर्श सीधे मेरे गुप्तांगों तक गूंज उठा। जैसे ही मैं फिर से कराह उठी, उसकी पकड़ और कस गई, उसकी पूंछ के सिरे की लगातार झनझनाहट सबसे शक्तिशाली कामोत्तेजक का काम कर रही थी।

जब वह सीधा होकर मेरी ओर देखने लगा, तो मेरी दृष्टि के किनारे पर एक हल्की नीली चमक ने मुझे बताया कि मादाओं ने अपना नृत्य फिर से शुरू कर दिया था, और वे अपने रिबन हमारे चारों ओर घुमा रही थीं। मैंने महसूस किया कि उनमें से कुछ मेरे हाथों और पीठ से छू गईं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था: केवल स्ज़ारो ही मायने रखता था। उसका शक्तिशाली हाथ मेरी रीढ़ की हड्डी से नीचे फिसलकर मेरी गर्दन को घेर लिया और फिर उसने मेरे होंठों को चूमने की मांग की। मेरी नसों में आग सी दौड़ गई। यह हमारी मानवीय शादी के पवित्र चुंबन जैसा नहीं था। यह अधिकार जताने वाला, हावी होने वाला और जोशीला चुंबन था।

जैसे ही मैं उसकी बाहों में पिघल रही थी, उसने चुंबन तोड़ दिया, उसके होंठ मेरी ठुड्डी और गर्दन पर एक जलती हुई लकीर बना रहे थे। मैंने धीरे से सांस ली, फिर कराह उठी क्योंकि उसके नुकीले दांतों ने मेरे कंधे के मांसल हिस्से को भेद दिया था, जिसके तुरंत बाद मुझे एक सुखद अनुभूति हुई, क्योंकि उसने अभी-अभी मुझे वह एहसास दिलाया था।

एक बार फिर सन्नाटा छा जाने पर स्ज़ारो सीधा खड़ा हो गया। थोड़ा असमंजस में, मैंने देखा कि महिलाएं एक तरफ हट गई थीं जबकि तीनों बुजुर्ग चबूतरे से नीचे उतर आए थे। वे हमारे चारों ओर हाथ पकड़कर एक घेरा बनाकर खड़े हो गए। वे ऑर्डोसियन भाषा में बोलने लगे, एक साथ कुछ मंत्र पढ़ रहे थे। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वे क्या कह रहे हैं, लेकिन मैंने अनुमान लगाया कि यह किसी प्रकार का आशीर्वाद था। स्ज़ारो ने एक कोमल मुस्कान के साथ मुझे भावुक कर दिया और फिर अपना माथा मेरे माथे से लगा दिया।

हम उसी स्थिति में बैठे रहे जबकि बुजुर्ग बोलते रहे, जनजाति के लोग कभी-कभी एक शब्द को एक साथ दोहराते थे। अंत में, बुजुर्ग क्राथी ने अकेले बोलना शुरू किया। स्ज़ारो ने उनकी भाषा में उत्तर दिया, जिससे मैं चौंक गया।

— सेरेना, क्या तुम स्वेच्छा से स्ज़ारो कोटा को अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार करती हो? इस बार एल्डर क्राथी ने यूनिवर्सल भाषा में पूछा।

— जी हाँ, मैं स्वीकार करता हूँ, मैंने उत्तर दिया।

— सेरेना बेलो, स्ज़ारो कोटा, देवी इशाया और क्राडा के लोगों के समक्ष आप जीवन भर के लिए एक हो गए हैं। आपका यह मिलन सुखमय, फलदायी और अनंत हो, वृद्ध क्राथी ने गंभीर स्वर में घोषणा की।

पूरे कबीले की पूंछ हिलाने की आवाज़ किसी सुनामी जैसी थी, जिससे मेरे रोंगटे खड़े हो गए। बड़ों ने अपने हाथ छोड़ दिए और हमसे दूर हट गए, जिससे घेरा टूट गया। स्ज़ारो का आलिंगन मेरे चारों ओर थोड़ा और कस गया। अपना माथा मेरे माथे से उठाकर, उसने आखिरी बार मेरे होंठों को चूमा, फिर मेरे माथे को, और फिर बड़ी अनिच्छा से मुझे छोड़ दिया। हालांकि मैं पक्का नहीं कह सकती, लेकिन मेरी अंतरात्मा ने कहा कि वे आखिरी दो चुंबन रस्म का हिस्सा नहीं थे। मुझे बहुत दुख हुआ, काश उसने ऐसा न किया होता।

अगले एक घंटे तक मैं स्तब्ध रहा, जब जनजाति के लोग हमें बधाई देने के लिए ग्रेट सर्कल के चबूतरे से नीचे उतरे। स्ज़ारो ने मुझे जनजाति के प्रत्येक सदस्य से मिलवाया, उनके नाम पल भर में मेरी आँखों के सामने कौंध गए। उनमें से कुछ ने हमसे संक्षिप्त बातचीत की और फिर धीरे-धीरे चले गए। अंत में, जनजाति के अधिकांश सदस्य चले गए, केवल सलहा, उसका साथी और उनका बच्चा ही रह गए। मुझे आश्चर्य हुआ जब उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया।

— परिवार में आपका स्वागत है, मेरी बहन, उसने मुझे जाने देने से पहले स्नेहपूर्वक कहा।

"परिवार में आपका स्वागत है," मंधा ने सिर झुकाते हुए दोहराया, जब सलहा ने मुझे छोड़ा।

अपने पिता के पीछे आधा छिपा हुआ खड़ा, ईकू अपनी तीखी, युवा आवाज में बोला, "परिवार में आपका स्वागत है।"

— धन्यवाद, मैंने कहा, एक तरफ तो मैं भावुक महसूस कर रही थी और दूसरी तरफ खुद को धोखेबाज समझ रही थी।
"इस पल का आनंद लो, मेरी बहन," सलहा ने मुझे मेरे जूते देते हुए कहा। "याद रखना कि तुम बिल्कुल वहीं हो जहाँ तुम्हें होना चाहिए।"
इतना कहकर उसने अलविदा कहा और अपने परिवार के साथ चली गई।
"घर जाने के लिए तैयार हो, मेरी पत्नी?" स्ज़ारो ने पूछा, उसकी आवाज़ सामान्य से अधिक गहरी लग रही थी।
अचानक भयभीत होकर, मैं बिना कुछ बोले सिर हिला बैठी। उसने मुझे आगे बढ़ने के लिए मेरी कमर पर हाथ रखा। मैं मुश्किल से अपनी कंपकंपी रोक पाई, उसके स्पर्श की क्षणिक अनुभूति से मैं एकदम स्तब्ध रह गई। घर लौटते समय, मैंने देखा कि स्ज़ारो ने अपनी सामान्य चाल धीमी कर ली ताकि वह मेरी सामान्य चलने की गति से मेल खा सके। सौभाग्य से, इससे उसे कोई परेशानी नहीं हुई।
घर में प्रवेश करते ही उसने मुझसे बड़ी विनम्रता से पूछा, "क्या आपको कुछ खाने की जरूरत है?"
मैंने सिर हिलाया, उसकी ओर ध्यान देने से मैं भावुक हो गई थी।
"नहीं," मैंने मुस्कुराते हुए कहा। "आपके आने से ठीक पहले मैंने खाना खा लिया था। मुझे सुबह तक कुछ नहीं चाहिए।"
"बहुत अच्छा," उन्होंने कहा, और उनकी शक्ल भी उतनी ही अनिश्चित लग रही थी जितना मुझे महसूस हो रहा था।
मैंने पूरी ईमानदारी से कहा, "यह एक खूबसूरत समारोह था। आप सभी ने आश्चर्यजनक रूप से अच्छा नृत्य किया। यह प्रभावशाली था, खासकर जब आपने उन दो पुरुषों के सामने प्रस्तुति दी।"
स्ज़ारो गर्व से खड़ा हो गया, उसके होठों पर एक चौड़ी मुस्कान फैल गई।
- मुझे खुशी है कि तुम्हें इसे पसंद किया है।
हम दोनों के बीच एक अजीब सी खामोशी छा गई, क्योंकि हम दोनों कुछ कहने के लिए तरस रहे थे। मैंने कुछ सोचने की कोशिश की, लेकिन मेरा मूर्ख, वासना से भरा दिमाग बार-बार उसके मजबूत शरीर के मेरे चारों ओर लिपटे होने और उसके भरे हुए होंठों के मेरे होंठों से दबे होने की अनुभूति पर लौट रहा था। मैं उस लड़के से इतनी उत्तेजित कैसे हो सकती थी जिसके साथ शायद मेरा कोई तालमेल भी नहीं था?
मैंने घबराते हुए कहा, "मुझे लगता है अब मुझे सोने की तैयारी करनी चाहिए। आज का दिन लंबा और घटनाओं से भरा रहा है।"
— बिल्कुल, स्ज़ारो ने कहा।
मैं अपने कमरे की ओर चल पड़ी जबकि स्ज़ारो अपना हथियार रखने के लिए अपने शस्त्रागार में गया। जैसे ही मैंने अपनी एक नाइटगाउन निकालकर अपनी ड्रेसर की दराज बंद की, दरवाजा खुला और स्ज़ारो अंदर आ गया। जैसे ही वह अंदर आया और अपनी एक बाजूबंद उतारी, मैंने उसकी ओर सिर घुमाया। मेरे चेहरे के भाव देखकर वह अचानक रुक गया।

"क्या कुछ गड़बड़ है, मेरे साथी?" उसने थोड़ी चिंता के साथ मुझसे पूछा।
मुझे अपनी शर्मिंदगी पर और भी ज्यादा असहज और मूर्ख महसूस हो रहा था, इसलिए मैंने अपने निचले होंठ को काट लिया। पति होने के नाते, उन्हें मुझे नग्न देखने का पूरा अधिकार था। लेकिन यह कोई पारंपरिक विवाह नहीं था।
और उस चुंबन के बाद मैं उस अनुभव को दोहराने के लिए बहुत उत्सुक हूं।
सब ठीक है। बस...
मैं यह समझाने के लिए शब्द ढूंढ रहा था कि मैं बस एक दकियानूसी मूर्ख था, तभी उसकी नजर मेरे हाथों में पकड़े हुए वस्त्र पर पड़ी। उसका चेहरा समझदारी से चमक उठा।
“निजता,” उसने हांफते हुए धीमी आवाज़ में कहा। “इंसान अपने जीवनसाथी के अलावा किसी और के सामने कपड़े नहीं उतारते। जब तक आप मुझे अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार न हो जाएं, तब तक आपको निजता मिलेगी। मैं बाहर इंतज़ार करूंगा। मुझे बता देना कि मैं कब वापस आ सकता हूं।”
नहीं! आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है! मैंने खुद को पूरी तरह से मूर्ख महसूस करते हुए कहा। मैं सच में बेवकूफ हूँ।
“नहीं, मेरी साथी। तुम ऐसी स्थिति में आ गई हो जिसके लिए तुम तैयार नहीं थी,” उसने धीरे से कहा। “जिस दिन तुम मेरे सामने कपड़े उतारोगी, वो तुम्हारी अपनी इच्छा होगी, न कि मजबूरी। मैं नहीं चाहता कि मेरी वजह से तुम्हें असहज महसूस हो। मैं बाहर रहूंगा।”
वह मुड़ा और दरवाज़ा बंद करके कमरे से बाहर चला गया। हालाँकि उसकी आँखों में कोई निंदा नहीं थी, और हालाँकि मुझे उसके शब्दों की सच्चाई या उनके पीछे छिपी भावनाओं पर कोई संदेह नहीं था, फिर भी मुझे अपराधबोध और दुविधा महसूस हुई। फिर भी, मैंने जल्दी से अपनी छोटी काली ड्रेस उतारी और गहरे नीले रंग की रेशमी नाइटी पहन ली।
मैंने चिल्लाते हुए अपनी ड्रेस को अपने अस्थायी कपड़े रखने वाले रैक पर टांग दिया, "आप अंदर आ सकते हैं।"
स्ज़ारो वापस लौटा, उसकी निगाहें मुझ पर ऐसे टिकी थीं मानो कोई कोमल स्पर्श कर रहा हो। इसका मुझ पर अजीब सा असर हुआ, और मैं यह जानकर विचलित हो गई कि मेरे शरीर के बावजूद, मेरे पति सचमुच मेरी ओर आकर्षित लग रहे थे। जब सलहा ने मेरे प्रति उनके आकर्षण की बात कही थी, तो मुझे लगा था कि वह हमारे रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर बोल रही है।
"यह कपड़ा और रंग आप पर बहुत अच्छा लग रहा है," स्ज़ारो ने अपनी ड्रेसर की ओर मुड़ने से पहले सरल शब्दों में कहा।
मैंने प्रसन्न होकर कहा, "धन्यवाद। यह मेरा पसंदीदा रंग है।"
मैं बिस्तर पर चढ़ गया, मेरी निगाहें उस पर टिकी हुई थीं क्योंकि उसने सावधानीपूर्वक अपने कीमती कपड़े उतारे और उन्हें वापस अपनी अलमारी में रख दिया।

— तुम मुझे घूर रहे हो, उसने मेरी तरफ देखे बिना ही कहा।
मैं अकड़ गया।
- आपको कैसे मालूम?
किंग कोबरा की तरह, ऑर्डोसियन लोगों के फन के पिछले हिस्से पर दो पैटर्न होते थे जो आंखों जैसे दिखते थे।
"मैं इसे महसूस कर सकता हूँ," उसने मेरी ओर मुड़ते हुए तथ्यात्मक ढंग से उत्तर दिया।
"माफ़ करना," मैंने भौंहें चढ़ाते हुए धीरे से कहा।
“माफी क्यों मांगूं? मैं तुम्हारा साथी हूं। तुम्हें मुझे देखने और छूने का पूरा अधिकार है,” उसने कंधे उचकाते हुए कहा। “मुझसे तुम्हारा कोई राज़ नहीं है। मेरा फर्ज है कि मैं तुम्हारे मन में मेरे बारे में या मेरी प्रजाति के बारे में जो जिज्ञासा है उसे शांत करूं।”
मैं अपने बिस्तर पर बैठ गई और अपने पैरों को मोड़कर बैठ गई, कंबल ने मेरी छोटी स्कर्ट से दिखने वाले कुछ हिस्सों को ढक रखा था। मैंने उसे गौर से देखा, धीरे-धीरे अपनी आँखों से उसे परखने लगी। उसके होंठ शरारती मुस्कान से हिल उठे, और उसने अपनी बाहें फैलाकर धीरे-धीरे मेरी ओर मुड़ गया।
मैंने खुद को झटक कर शांत किया।
— मैंने मजाक में कहा, मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जिसकी प्रशंसा की जाती है।
"किसी की प्रशंसा तभी होती है जब देखने वालों को वह पसंद आए जो वे देखते हैं," उसने तुरंत उत्तर दिया।
"क्या मुझे यह मान लेना चाहिए कि मेरा रूप-रंग, चाहे वह किसी इंसान को कितना भी अजीब लगे, आपको नापसंद नहीं है?"
मैं मन ही मन मुस्कुराया, यह सोचकर कि क्या वह तारीफ की उम्मीद कर रहा था।
मुझे यह स्वीकार करना होगा कि, भले ही पहली मुलाकात में आप मुझे डरावने लगे थे, लेकिन अब मैं आपको पसंद करने लगा हूँ। आप देखने में भद्दे नहीं हैं – चाहे आपका हुड हो, शल्क हों, पूंछ हो या कुछ और।
अब हंसने की बारी उसकी थी।
“आप मेरी बहुत प्रशंसा कर रही हैं, मेरी पत्नी,” उन्होंने सिर झुकाते हुए कहा। “मुझे आपका चेहरा बेहद आकर्षक लगता है, और आपकी त्वचा अपने अनोखे सुनहरे रंग और अविश्वसनीय कोमलता के लिए अद्भुत है। आपके पैर मेरे लिए अब भी रहस्य हैं, लेकिन आप अपने पैरों से जो करतब दिखाती हैं, वह मुझे शब्दों से परे मोहित कर देता है। आपने थोड़ी देर पहले छत पर जो किया—मैं आपको घंटों तक देखता रह सकता था। आप देखने में ही सुंदर नहीं हैं, मेरी पत्नी; आपको निहारना एक आनंद है।”
मैं कुछ पल के लिए अवाक होकर उसे देखता रहा।
"वाह... आपको वाकई पता है कि एक महिला से कैसे बात करनी है," मैंने बहुत प्रभावित होकर कहा।
"तो क्या मैं इसे सकारात्मक मान लूँ?" उसने हिचकिचाते हुए पूछा।
मेंने सिर हिलाया।

- सबसे निश्चित रूप से।
वह मुस्कुराया, उसके कंधे ढीले पड़ गए। वह उस भयानक योद्धा से बिल्कुल अलग दिख रहा था जिससे मैं पहली बार सीमा के पास मिला था।
"लेकिन मुझसे सवाल पूछिए। मुझे यकीन है कि आप मेरे बारे में कुछ जानना चाहेंगे," स्ज़ारो ने जोर देकर कहा।
उसने सावधानी से अपनी पूंछ को मोड़ा और खुद को उस पर इस तरह झुकाया जैसे वह बैठने की मुद्रा में हो। मैं कृतज्ञता से मुस्कुराई क्योंकि अब वह मेरे बिस्तर पर बैठा हुआ था और मेरी आंखों के स्तर पर था, बजाय इसके कि मुझे उसे देखने के लिए अपनी गर्दन झुकानी पड़े।
“सच कहूँ तो, मेरे मन में कई सवाल हैं,” मैंने शर्मिंदगी भरे लहजे में स्वीकार किया। “अगर वे असभ्य लगें या आपको असहज महसूस कराएँ तो बेझिझक बताएँ। मैं नहीं चाहती कि आपको बुरा लगे।”
मैं नहीं रहूंगा। अपने सवाल पूछिए। मुझे यह जानने में दिलचस्पी है कि हमारे बारे में आपको क्या दिलचस्प लगता है।
मैंने अपना गला साफ किया, बिस्तर पर थोड़ा हिल-डुल कर खुद को आगे बढ़ाया और फिर खुद को बिस्तर पर उतार दिया।
क्या तुम बदल रहे हो?
स्ज़ारो ज़ोर से हंस पड़ा। उसकी हंसी दमदार, गहरी और कामुक थी, जिसमें वही सूक्ष्म कंपन था जो हमेशा ऑर्डोसियन लोगों की आवाज़ में होता था।
“हम ऐसा करते हैं,” उसने सिर हिलाते हुए कहा। “और यह बिल्कुल असहनीय है। खुजली इतनी तेज़ होती है कि पागल हो जाओ। दो-तीन हफ्तों में तुम मुझे पागल होते देखोगे।”
मुझे उसकी उदास शक्ल देखकर हंसी आ गई।
"क्या यह वाकई इतना भयानक है?" मैंने उससे सहानुभूति भरे स्वर में पूछा।
“हाँ,” उसने बड़बड़ाते हुए कहा। “पुरानी खाल उतारना तो चाहते हो, पर उतार नहीं सकते, वरना नई खाल भी उतर सकती है। कम से कम मेरी उम्र में तो साल में एक या दो बार ही खाल बदलती है। जबकि छोटे बच्चों में तो महीने में एक बार ही बदलती है।”
उसने भौंहें चढ़ा लीं और फिर मुझे बनावटी नापसंदगी भरी नजरों से देखा।
— मुझे दस दिनों तक हर खुरदरी सतह पर खुद को रगड़ते हुए देखकर आप शायद हंसते-हंसते मर जाएंगे, ताकि पुरानी त्वचा को छीलने में मदद मिल सके।
स्ज़ारो को किसी चट्टान या पेड़ पर खुजली से परेशान बड़े भालू की तरह खुद को खुजाते हुए देखने के विचार पर मैं फिर से हंस पड़ा।
— और क्या यह ज्यादातर साँपों की तरह एक ही टुकड़े में निकल जाता है? मैंने पूछा।
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।

नहीं। हमारी बाहों की पुरानी त्वचा सबसे पहले उतरती है। आपको लग सकता है कि हमारी पूंछ के आसपास की त्वचा सबसे पहले उतरेगी, क्योंकि यह लगातार ज़मीन से रगड़ खाती है, लेकिन ऐसा नहीं है। सिर और पीठ की त्वचा दूसरे नंबर पर उतरती है। और फिर धड़ और पूंछ एक साथ अलग हो जाते हैं। तब हमारी त्वचा के शल्क सुंदर और चमकदार हो जाते हैं, और हमें उस तंग त्वचा में जकड़ा हुआ महसूस नहीं होता जो हमें जकड़ नहीं पाती।

— मैंने कहा, "यह तो अच्छा लगता होगा।"

“बहुत कुछ! इस बीच, मैं पहले से ही माफी मांगता हूं कि इस दौरान मैं चिड़चिड़ापन दिखाऊंगा,” उन्होंने शरमाते हुए कहा। “खूब पानी पीने और नदी में नहाने से कुछ लक्षणों से राहत मिल सकती है।”

मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "तो मुझे लगता है कि हम दो हफ्तों में खूब तैराकी करेंगे।"

— जी हाँ। मेरे बारे में और क्या जानना चाहते हो?

— हम्म... तुम्हारे कान नहीं हैं, या कम से कम दिखाई देने वाले तो नहीं हैं। तुम मेरी बातें कैसे सुन रहे हो? मैंने पूछा।

हमारे बाहरी कान नहीं होते, लेकिन आंतरिक कान होते हैं। ध्वनि हमारी त्वचा से जबड़े की मांसपेशियों तक, कान की हड्डी के बगल में स्थित चतुर्भुजाकार हड्डी तक जाती है, और वहां से ध्वनि तरंगें हमारे आंतरिक कान में प्रवेश करती हैं।

— बहुत खूब, मैंने कहा, उसकी हुड के नीचे उस जगह को घूरते हुए जहाँ किसी इंसान के बाहरी कान होते और यह सोचते हुए कि उस तरह से सुनी गई आवाजें कैसी लगती होंगी।

- और क्या?

मैंने अपने होंठ सिकोड़ लिए, जो सवाल मैं सच में पूछना चाहती थी उसे रोक लिया और इस विषय को दूसरे सवाल से शुरू करने का फैसला किया।

मैंने संशयपूर्वक कहा, “मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि ओर्डोसियन लोग चुंबन करते हैं। मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए था, क्योंकि आपके होंठ बिल्कुल हमारे जैसे ही हैं। लेकिन क्या आप जीभ से भी चुंबन करते हैं?”

"हां," उसने शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया, जिससे मैं चौंक गया।

— लेकिन... आप इसका इस्तेमाल सूंघने के लिए करते हैं, है ना? मैंने बहस की।

“हम भी ऐसा करते हैं,” उन्होंने स्वीकार किया। “हमारी जीभ गंध के प्रति हमारी नाक से भी अधिक संवेदनशील होती है। यह दूरी से लेकर हमारे लक्ष्य के लिंग तक, उनकी सेहत, गर्भावस्था, भय और उत्तेजना जैसी कई चीजों का खुलासा करती है। यह एक बेहद शक्तिशाली उपकरण है।”

शर्म से मेरे गाल लाल हो रहे थे। जिस तरह से उसने "उत्तेजना" शब्द पर ज़ोर दिया था, उससे यह स्पष्ट हो गया था कि उसने मेरी खुशबू को कम से कम एक बार तो महसूस किया ही था, जब भी मेरे शरीर ने उसके आकर्षण पर प्रतिक्रिया दी थी।

— मैं समझ गया, मैंने कहा, और अपना दूसरा सवाल पूछने की हिम्मत खो बैठा।

उसने अपनी आंखें सिकोड़ीं, उसके चेहरे पर एक परेशान करने वाली गंभीरता आ गई।
“पूछो, सेरेना। मुझसे पूछो,” स्ज़ारो ने अचानक कहा, उसकी निगाहें गहरी हो गईं और उसकी आवाज़ लगभग एक सप्तक नीचे चली गई। “जब से तुमने मुझे पहली बार देखा है, तब से तुम सोच रही हो, और तब से तो और भी ज़्यादा जब कायोग ने तुमसे कहा कि तुम्हारी जान बचाने के लिए हमें एक होना पड़ेगा। मुझसे पूछो।”
"अगर आपको पता है कि मुझे किस बात में दिलचस्पी है, तो मुझे क्यों नहीं बताते?" मैंने शर्म से अपना चेहरा सिकोड़ते हुए उसे चुनौती दी।
"क्योंकि मैं चाहता हूं कि तुम मुझसे पूछो," उसने एक अजीबोगरीब अधिकारपूर्ण स्वर में कहा।
"ठीक है," मैंने थोड़ी रूखी आवाज़ में कहा। "क्या तुम्हारे पास अधिकांश साँपों और छिपकलियों की तरह हेमीपेनिस हैं?"
उसके होठों पर एक धीमी मुस्कान फैल गई, जिससे मेरे पेट में सिहरन दौड़ गई। उस मुस्कान में कुछ कामुकता थी, जो आने वाले कई रोमांचक पलों का संकेत दे रही थी।
“नहीं, मेरे साथी, दो लिंगों की कोई ज़रूरत नहीं है,” उसने गुर्राते हुए कहा। “वैसे भी, साँप एक बार में केवल एक ही लिंग का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, दो होने का कोई मतलब नहीं है।”
इस खुलासे से मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने घबराहट में अपने होंठ गीले किए और अगला सवाल पूछने के लिए अपनी सारी हिम्मत जुटाई।
"सांपों के लिंग में कुछ नुकीले सिरे होते हैं। आप ऑर्डोसियन लोगों के बारे में क्या ख्याल है?" मैंने अपनी ही धृष्टता पर आश्चर्यचकित होते हुए पूछा।
"कुछ?" स्ज़ारो ने दोहराया, मानो मैंने कोई आपत्तिजनक बात कह दी हो। "हमारे पास कुछ नहीं हैं। हमारे लिंग तो उनसे ढके हुए हैं।"
मेरा मुंह खुला रह गया और कंधे झुक गए। सदमा और गहरी निराशा मुझ पर छा गई। मुझे इतना निराश नहीं होना चाहिए था। उसके शब्दों ने तो बस वही बात पक्की कर दी जो मैं शुरू से जानती थी: हम एक-दूसरे के अनुकूल नहीं थे। यह बहुत बुरा था। समारोह के दौरान एक पल के लिए, जब उसने मुझे अपनी बाहों में लिया था, मैंने सोचा था कि क्या मुझे इसे एक मौका भी देना चाहिए...
मेरी हताश शक्ल देखकर स्ज़ारो जोर से हंस पड़ा।
“तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि तुम्हारी निराशा देखकर मुझे कितनी खुशी हुई है। हम दोनों एक-दूसरे के अनुकूल हैं। ये नुकीले हैं, कांटे नहीं। न तो तेज़ हैं और न ही सख्त। इनके सिरे गोल हैं, और इनमें वो सही मजबूती है जो औरत के आनंद को बढ़ाती है। और जब मैं उत्तेजित होती हूँ, तो मैं इन्हें स्पंदित करके और भी तीव्र संवेदनाएँ पैदा कर सकती हूँ।”
मैं उसे देखता रह गया, अवाक रह गया, समझ नहीं आ रहा था कि क्या प्रतिक्रिया दूं या क्या सोचूं।
"क्या तुम सच कह रहे हो?" मैंने आखिरकार हैरानी से पूछा कि मेरे मुंह से ये शब्द निकल रहे थे।

"बहुत गंभीर मामला है। क्या आप देखना चाहते हैं?" उसने मुझसे बेझिझक पूछा।
मेरा दिमाग एक पल के लिए सुन्न हो गया और मैं अविश्वास से उसे देखता रह गया।
क्या तुमने अभी-अभी मुझे अपना लिंग दिखाने की पेशकश की?
“अगर ‘डिक’ से तुम्हारा मतलब लिंग है, तो हाँ। मेरा शरीर तुम्हारा है,” स्ज़ारो ने कंधे उचकाते हुए कहा। “मुझे तुमसे कुछ छिपाना नहीं है। मैं बस तुम्हें इसे दिखाना चाहता हूँ। मैं तुम्हें बहकाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ।”
मैंने अपने निचले होंठ को काट लिया। मेरी जिज्ञासा चरम पर थी।
— बहुत खूब, हाँ। मैं सचमुच देखना चाहूँगा कि तुमने वहाँ क्या छिपा रखा है, मैंने गुस्से से लाल होते हुए कहा।
स्ज़ारो की विजयी मुस्कान देखकर मुझे लगा कि शायद सब कुछ एक गलती थी। लेकिन ये सारे विचार तब गायब हो गए जब उसकी नाभि के ठीक नीचे की त्वचा (जहाँ पुरुषों का गुप्तांग होता है) फट गई और उसमें से एक मोटी, चिकनी पूंछ निकली। मेरे पति ने जब कहा था कि उनका गुप्तांग कांटों से ढका है, तो वह मजाक नहीं कर रहे थे। हालांकि, अब जब मैं उन्हें देख पा रही थी, तो उनके गोल सिरे मेरे मन में पहले से मौजूद किसी भी डर को मिटा रहे थे। ये कांटे या भयानक, पंजे जैसी चीजें नहीं थीं जो मुझे चीर-फाड़ कर देंगी। इसके बजाय, मैं कल्पना करने लगी कि अंदर कैसा महसूस होगा।
"देखा?" स्ज़ारो ने मुस्कुराते हुए कहा। "यह इतना खतरनाक नहीं है, है ना?"
मैंने अपना सिर हिलाया, लेकिन मेरी निगाहें उसके गुप्तांग पर टिकी रहीं।
"तुम क्या कर रहे हो?" मैंने हैरानी से कहा जब उसने धीरे-धीरे खुद को सहलाना शुरू किया।
"मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि उत्तेजित होने पर मैं उन्हें कैसे नियंत्रित कर सकता हूं," उसने बेपरवाही से कहा।
वह नीच मुझे चिढ़ा रहा था और मुझे असहज करके आनंद ले रहा था। फिर भी, मैं उत्सुकता से देखता रहा जब उसका हाथ उसके गुप्तांग पर कुछ और बार फिरा।
"यह सच नहीं है!" मैंने हैरानी से कहा, जब कुछ क्षण बाद उसने खुद को सहलाना बंद कर दिया और अपने लिंग के निचले हिस्से को पकड़ लिया ताकि मैं देख सकूं कि क्या हो रहा है।
उसके अंडकोष थोड़े और उभर आए और कुछ सेकंड के लिए उसका लिंग का अगला भाग चौड़ा हो गया, फिर वापस अपने सामान्य आकार में आ गया। उसने यह क्रिया कुछ बार दोहराई, उसकी निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं।
उन्होंने समझाया, "हम प्रवेश करते समय सिकुड़ते हैं और निकलते समय फैलते हैं।"
मेरी जांघों के बीच हो रही हल्की सी धड़कन ने मुझे इतना उत्तेजित कर दिया कि मेरा मन किया कि मैं अपना हाथ स्कर्ट के नीचे डालूँ और अपनी इस समस्या का समाधान कर लूँ। मेरे चेहरे पर मेरी उत्तेजना साफ झलक रही थी, क्योंकि स्ज़ारो ने कई बार अपनी जीभ मेरी तरफ छुई।
— ऐसा मत करो, मैंने शर्मिंदगी छिपाने के लिए अपना चेहरा सिकोड़ते हुए कहा।

"तुम क्या नहीं करते?" स्ज़ारो ने मासूमियत का दिखावा करते हुए पूछा। "अपनी ही उत्तेजना की गंध का स्वाद नहीं लेते?"
— हाँ, मैंने सीटी बजाई।
“मैं क्यों न उत्साहित होऊं? वह तो दिव्य है, और वही मेरा इनाम है,” उसने गर्व से कहा। “सेरेना, अपनी जीवनसाथी को लेकर उत्साहित होने में कोई बुराई नहीं है। बल्कि इसके विपरीत... जितनी जल्दी तुम अपनी झिझक और डर को छोड़ दोगी, उतनी ही जल्दी हम सचमुच अपना जीवन एक साथ शुरू कर पाएंगे।”
उसने अपना अंग बाहर निकाला और उसे अपने शरीर के अंदर खींच लिया, उसकी खालें कसकर बंद हो गईं। मैंने अपने चेहरे पर एक तटस्थ भाव बनाए रखा ताकि यह छुपा सकूँ कि मैं कितना चाहती थी कि उसकी पूंछ अभी भी बाहर होती और वह उसका इस्तेमाल मुझ पर कर पाता।
"मैं तुमसे एक बात का वादा कर सकता हूँ, मेरी सेरेना, कि एक बार जब तुम किसी ऑर्डोसियन के साथ समय बिता लोगी, तो तुम्हें इंसानी पुरुषों में कोई दिलचस्पी नहीं रहेगी," उसने फुसफुसाते हुए एक मधुर स्वर में कहा जिससे मैं पूरी तरह से मदहोश हो गई।
इस दावे को सुनकर मैं अविश्वास से चौंक गया।
इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, स्ज़ारो ने कहा, "शुभ स्वप्न, मेरी पत्नी। आशा है कि आपके और मेरे सुखद विचार आपके मन में हों।"
इतना कहकर वह अपनी गर्म थाली के पास गया, अपनी लंबी पूंछ को गोल तकिये की तरह मोड़ा और उस पर लेट गया। मैं कुछ और पल उसे देखती रही, खुद को अपमानित महसूस कर रही थी। निराशा से भरी एक आह को दबाते हुए, मैं अपने बिस्तर पर लेट गई, लाइट बंद कर दी और हमारे बारे में कई कामुक सपने देखने लगी।

अध्याय 9

मैं एक बार फिर बेहद बेचैन रात के बाद उठा। मेरी नज़र तुरंत अपनी साथी के सोते हुए रूप पर पड़ी, जो इतनी नज़दीक होते हुए भी पहुँच से बाहर थी। उसकी उत्तेजना की खुशबू एक बार फिर कमरे में फैल गई। मैं आगे बढ़कर उस अधिकार को पाना चाहता था जो हमारे रिश्ते का हक था, और जो मेरी साथी भी चाहती थी, चाहे वह विरोध कर रही हो। लेकिन मैंने अपने जोश को काबू में रखा। मैं अपने कबीले का सबसे बड़ा शिकारी था, और मुझे शिकार करना बहुत पसंद था। इससे बेहतर कोई शिकार नहीं था। भले ही वह मना कर दे, मेरा शिकार तो पहले ही पकड़ा जा चुका था। मुझे बस तब तक धैर्य रखना था जब तक वह स्वेच्छा से मेरे सामने आत्मसमर्पण न कर दे।

और वह ऐसा करेगी।

मैंने सोचा था कि उसके मेरे बारे में नज़रिए को बदलने और उसका दिल जीतने के लिए मुझे बहुत ज़्यादा संघर्ष करना पड़ेगा। मुझे बेहद खुशी हुई कि सेरेना ने भी हमारे बीच की स्वाभाविक केमिस्ट्री को महसूस किया। और पिछली रात, समारोह के दौरान, जब मैंने उसे अपनी बाहों में लिया, तो हमारे बीच एक गहरा रिश्ता बन गया, जिसे वह भी नकार नहीं सकती थी। उसी क्षण, सेरेना के छह महीने के ट्रायल पीरियड के अंत में मुझे छोड़ने का मेरा डर गायब हो गया। मैं उसका दिल जीतने वाला था।

अब भी, जब उसकी खुशबू मुझे उसी तरह सता रही थी जैसे पूरी रात, मैं अपने चेहरे पर एक संतुष्ट मुस्कान लाने से खुद को रोक नहीं पा रही थी। उस पल उसकी दीवानगी को हवा देने वाले सपनों की एक झलक पाने के लिए मैं कुछ भी देने को तैयार थी। मैं अपने दिल से जानती थी कि हम ही उन सपनों के सितारे थे।

मेरे साथी, हमारे बारे में सपने देखते रहो। जल्द ही, मैं तुम्हारी कल्पनाओं को हकीकत में बदल दूंगा।

मुझे नींद नहीं आ रही थी, इसलिए मैंने अपना टैबलेट उठाया, जिसका मैं शायद ही कभी इस्तेमाल करता था, और मानव जीवन के बारे में पढ़ना फिर से शुरू कर दिया। मेरे साथी की प्रजाति, ऑर्डोसियनों के विपरीत, बहुत सामाजिक थी। हम कुछ खास चीजों के लिए इकट्ठा होते थे, जैसे कि पिछले दिन का मिलन समारोह, हमारी जनजाति के कलात्मक प्रतिभा वाले सदस्यों द्वारा कभी-कभार प्रस्तुतियाँ, मतदान, निर्णय या सजा, और प्रशिक्षण या शिकार।

मनुष्य अक्सर अनजान लोगों के साथ समय बिताने के लिए इकट्ठा होते थे। इनमें से कुछ गतिविधियाँ निरर्थक थीं, जैसे घंटों तक बड़े-बड़े शॉपिंग मॉल में घूमना, अक्सर बिना कुछ खरीदने के इरादे के। यह समय और ऊर्जा की काफी बर्बादी थी, लेकिन ऐसा लगता था कि यह साथियों या दोस्तों के बीच संबंध मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। हमारे यहाँ ऐसे मॉल नहीं थे, इसलिए इस पहलू पर विचार करना व्यर्थ था।

मेरी सबसे बड़ी चिंता सामाजिक समारोहों के अन्य रूपों को लेकर थी। इनमें से अधिकांश का संबंध भोजन और पेय से था। लोग एक-दूसरे को अपने घरों में आमंत्रित करके बड़े भोज में भाग लेते थे, या ग्राहकों को भोजन परोसने में विशेषज्ञता रखने वाले स्थानों पर जाते थे, या ऐसे स्थानों पर जाते थे जहाँ वे एक-दूसरे के साथ नृत्य कर सकें और मादक पेय का आनंद ले सकें। हमारे यहाँ ऐसा कुछ भी नहीं था।

यह उसके लिए कितना महत्वपूर्ण है?

मेरी पत्नी की पोषण संबंधी ज़रूरतें मेरे लिए चिंता का एक और प्रमुख कारण थीं। उनके द्वारा उपभोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों, मसालों और पेय पदार्थों की विविधता देखकर मैं चकित रह गया। फल, मांस और सब्ज़ियों के लिए तो हमें यहाँ उपयुक्त विकल्प मिल जाते थे। असली चुनौती उन सभी चीज़ों की थी जिनका हम उत्पादन नहीं करते थे क्योंकि हममें से किसी को भी उनकी ज़रूरत नहीं थी—खाना पकाने के तेल और आटे से लेकर बेकिंग सामग्री और उस काले बीज के पाउडर तक जिसे कॉफ़ी कहते हैं, जिस पर मनुष्य इतने निर्भर प्रतीत होते थे। ट्रांगोर में हमारे पास जैतून, गेहूँ या कॉफ़ी बीन्स भी नहीं थे। मुझे कायोग से बात करनी थी कि यहाँ अनुपयोगी कुछ ऐसी चीज़ें जो जल्दी खराब नहीं होतीं, उन्हें कहीं और से कैसे मंगवाया जा सकता है।

मैं इसे इस बात का कारण नहीं बनने दूंगा कि वह मुझे छोड़कर चली जाए या यहां रहते हुए दुखी महसूस करे।

फिर भी, मैं अपने वनस्पतिशास्त्रियों से ट्रांगोर में उपलब्ध फलों, सब्जियों और अनाजों के बीच तुलना करने का अनुरोध करूँगा ताकि मानव आहार में उनके समकक्षों का पता लगाया जा सके। जब मैंने यह शोध पूरा किया, तब तक क्राडा पर सूरज उग चुका था। मैं सावधानी से अपने हॉटप्लेट से उठा और चुपचाप अपने कमरे से बाहर निकल गया ताकि मेरी साथी को जगा न दूँ। मैं कुछ फल तोड़ने और धोने के लिए और उसके लिए प्रोटीन देने के लिए विभिन्न प्रकार के मेवों से एक कटोरा भरने के लिए एट्रियम में गया।

मुझे बहुत खुशी हुई जब मेरी मुलाकात हिजारा से हुई, जो एट्रियम और छिपी हुई घाटी की पशुपालिकाओं में से एक थी। वह अक्सर सुबह जल्दी उठकर यह सुनिश्चित करती थी कि इन दोनों अभयारण्यों में कमजोर और घायल जीवों को ठीक से भोजन मिले। मैंने उससे एक सामान्य मानव नाश्ते की बुनियादी चीजों के बारे में बात की। कुछ ही मिनटों में, उसने मुझे तीन तरह के अंडे दिए और एक रेफ्रिजरेशन यूनिट से दो अलग-अलग तरह के मांस के कुछ पतले टुकड़े काटकर दिए।

"अपनी पत्नी से इन्हें चखने के लिए कहो," हिजारा ने कहा। "इनका स्वाद बहुत अलग-अलग होता है। थोड़ी सी किस्मत अच्छी रही तो शायद इनमें से कोई एक स्वाद उसके गृह ग्रह के स्वाद के करीब हो।"

"धन्यवाद, हिजारा," मैंने कृतज्ञता भरी मुस्कान के साथ उस महिला से कहा। "तुम सबसे अच्छी हो।"

उसने मुस्कुराकर जवाब दिया, लेकिन उसकी चांदी जैसी आँखों में उदासी की हल्की सी झलक साफ झलक रही थी। मैंने सिर झुकाया और सामान से लदे हाथों के साथ वहाँ से चला गया। हिजारा कबीले की अकेली महिला नहीं थी जो चाहती थी कि मैं उसे अपनी पत्नी बनाऊँ, लेकिन वह निश्चित रूप से सबसे ज़्यादा ज़िद करने वालों में से एक थी। सलहा की सहकर्मी होने के नाते, वह अक्सर मेरी यूनियन की बहन को हिजारा की तारीफ करने के लिए मनाती थी, ताकि मेरी दिलचस्पी उसमें जाग उठे।

मैं अपने घर लौटी, लेकिन जैसे ही मैं दरवाजे के पास पहुंची, वह खुल गया, जिससे मैं चौंक गई। सेरेना ने गहरी सांस ली और एक कदम पीछे हट गई, वह भी उतनी ही हैरान दिख रही थी।

— सुप्रभात, मेरे साथी। मुझे उम्मीद नहीं थी कि तुम इतनी जल्दी उठ जाओगे, मैंने मुस्कुराते हुए कहा।
"मैं सुबह जल्दी उठ जाती हूँ," उसने अनमने ढंग से कहा, उसकी निगाहें मेरी टोकरी में रखे खाने पर टिकी हुई थीं। "क्या तुमने ये सब मेरे लिए लाया है?"
“हाँ,” मैंने सीना फुलाते हुए कहा। “इसमें फल और मेवे तो हैं ही, साथ ही अंडे और मांस के टुकड़े भी हैं। हमें उम्मीद है कि इनमें से कुछ का स्वाद आपके ग्रह के स्वाद के करीब होगा।”
सेरेना ने टोकरी को एक और पल के लिए गौर से देखा, फिर अपनी खूबसूरत हल्के भूरे रंग की आंखों से मेरी ओर देखा।
"आपकी बहुत मेहरबानी है," उसने कोमल स्वर में कहा, जो किसी दुलार जैसा महसूस हुआ। "आप बहुत दयालु हैं, स्ज़ारो।"
मैंने जवाब दिया, "मेरा लक्ष्य आपको प्रसन्न करना है।"
"और आप निश्चित रूप से सफल होंगे," सेरेना ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
उसने मुझे घर में प्रवेश करने देने के लिए एक तरफ हट गई।
मैं नहाने जा रहा था, लेकिन मुझे लगता है कि मैं पहले नाश्ता कर लूँगा।
"एक और स्नान?" मैंने आश्चर्य से पूछा। "आपने कल ही स्नान किया था, सूर्यास्त से ठीक पहले।"
उसने स्नेह भरी मुस्कान दी।
अधिकांश मनुष्य दिन में एक बार नहाते हैं, कुछ लोग इससे भी अधिक बार नहाते हैं, यह उनके काम के प्रकार, वे कहाँ गए थे या उन्होंने कौन सी गतिविधि की थी, इस पर निर्भर करता है। जब मनुष्य ज़ोरदार शारीरिक गतिविधि करते हैं, तो उन्हें बहुत पसीना आता है। अगर हम बाद में नहीं धोते हैं, तो अंत में हमारे शरीर से दुर्गंध आने लगती है। इसके अलावा, जबकि ऑर्डोसियन साल में केवल एक या दो बार ही अपनी त्वचा बदलते हैं, मनुष्य लगातार मृत त्वचा कोशिकाओं को झड़ते रहते हैं। इसलिए, अगर मुझे पसीना आता है या मेरी त्वचा नम होती है, तो मृत कोशिकाएं हवा में मौजूद धूल के साथ उस पर चिपक जाती हैं। कुछ दिनों तक बिना नहाए, मैं गारंटी देता हूँ कि आप मुझ पर जीभ तानने का आनंद नहीं लेंगे।
मैं खिलखिलाकर हंस पड़ी और सहज ही मैंने उसकी तरफ जीभ निकाल दी।
"खैर, इस समय तो तुम्हारी खुशबू अभी भी काफी मनमोहक है," मैंने पूरी ईमानदारी से कहा।
"तुम चापलूस हो," उसने बुदबुदाते हुए कहा, फिर मेज पर रखी टोकरी में कुछ ढूंढने लगी—शायद अपनी शर्मिंदगी छुपाने के लिए। "हम्म, इस 'बेकन' से मुझे अंडे तलने के लिए पर्याप्त चर्बी मिल जाएगी। देखते हैं इसका स्वाद कैसा होता है!"
उसका उत्साह संक्रामक था। सेरेना ने मुझसे टोकरी को बाहर, खाना पकाने की मशीन के बगल में इरको द्वारा बनाए गए अस्थायी काउंटरों पर ले जाने को कहा। इसी बीच, वह एक प्लेट और कुछ बर्तन, साथ ही दो छोटी बोतलें ले आई, जिनमें से एक में गहरे भूरे रंग का पाउडर और दूसरी में छोटे सफेद दाने थे। उसने खाना पकाने की मशीन चालू की, और देखते ही देखते, उस पैन से एक मनमोहक सुगंध आने लगी जिसमें

चर्बीदार मांस के पतले टुकड़े पक रहे थे। मुझे आश्चर्य हुआ कि जब उसने उन्हें निकालकर अपनी प्लेट में रखा, तो उनमें कितने पोषक तत्व बचे होंगे। मांस काफी सिकुड़ गया था, अधिकांश चर्बी पिघल चुकी थी। सेरेना ने पैन में बचे तेल में अंडे फोड़े, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे अलग-अलग हों ताकि हम जान सकें कि कौन सा अंडा किसका है। फिर उसने उन पर भूरे और सफेद पाउडर के कुछ दाने छिड़क दिए।
जब अंडे पक रहे थे, मेरी पत्नी ने कुछ फल काटे और अपनी थाली में डाल लिए। जब उसने चम्मच से अंडे पैन से निकाले, तो मैं अब भी यही सोच रहा था कि उसे कैसे पता चला कि वे तीस सेकंड पहले नहीं बल्कि अभी तैयार हैं, जबकि उनका रंग बिल्कुल एक जैसा था। वह अपनी थाली अंदर ले आई और मेज पर बैठ गई, जबकि मैंने बचे हुए फल रसोई के फ्रिज में रख दिए।
"अगर मैं देख लूँ तो क्या आपको कोई आपत्ति होगी?" मैंने उससे पूछा जब उसने अपना कांटा और चाकू उठाया। "मैंने पढ़ा है कि इसे देखने से लोग असहज महसूस करते हैं।"
सेरेना राइट।
"यह वाकई डरावना है। लेकिन तुमने मुझे कल रात इसे देखने दिया। मुझे लगता है कि तुम आज मुझे देख सकते हो," उसने शरारती अंदाज़ में कहा।
मैंने खुद को झटक कर शांत किया।
ये दोनों चीजें बिल्कुल भी तुलनीय नहीं हैं, लेकिन मैं इस बार इसे जाने देता हूँ...।
सेरेना ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा और कांटे और चाकू से "बेकन" के एक टुकड़े को काटना शुरू कर दिया। उसने कांटे से उस छोटे टुकड़े को अपने मुंह तक लाया और चबाना शुरू कर दिया, और लगभग तुरंत ही उसके चेहरे पर तेवर आ गए।
"क्या यह बुरा है?" मैंने चिंतित स्वर में पूछा।
उसने अपना सिर हिलाया।
“नहीं, बुरा नहीं है। लेकिन इसका स्वाद बेकन जैसा नहीं है। असल में, इसका स्वाद कुछ जंगली जानवर के मांस जैसा है। बुरा नहीं है। बस थोड़ा अलग है,” हिजारा द्वारा दिए गए दूसरे मांस का एक टुकड़ा काटते हुए उसने कहा। “ओह वाह!” सेरेना ने चबाते ही मुस्कुराते हुए कहा। “यह बेकन तो नहीं है, लेकिन उसके जैसा ही है। लगभग हैम जैसा है। अगर कुछ और नहीं, तो नाश्ते में इसी से काम चला लूँगी।”
जब सेरेना अंडों की तरफ बढ़ी, मेरे चेहरे से मुस्कान हट ही नहीं रही थी। उनमें से दो अंडे बिल्कुल मुर्गी के अंडों जैसे थे, लेकिन मेरे साथी के अनुसार, तीसरा अंडा थोड़ा रबर जैसा था, जैसे बत्तख का अंडा। मुझे बत्तख या मुर्गी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन जब तक सेरेना को नाश्ते में स्वादिष्ट हैम और अंडे मिल गए, मैं खुश थी।
उसने अपना खाना खत्म किया और अपनी प्लेट सिंक में ले गई।

“नहीं,” मैंने उसे आदेश दिया जब उसने धोने के लिए पानी चालू किया। “यह मेरा कर्तव्य है। ओर्डोसियन संस्कृति में, घर को अच्छी स्थिति में बनाए रखना पुरुष का दायित्व है, जिसमें निर्माण, मरम्मत और सफाई शामिल है।”
"वाह! अगर तुम मुझे अपना बनाना चाहते हो, तो तुम अभी बहुत अच्छा काम कर रहे हो," सेरेना ने बड़ी-बड़ी आँखों से मेरी तरफ देखते हुए कहा। "लेकिन तुम्हें पता है, इंसानी संस्कृति में हम घर के काम बाँटते हैं। मुझे कोई आपत्ति नहीं है..."
मेरी एक तीखी नज़र ही काफी थी। उसने आत्मसमर्पण करते हुए अपनी हथेलियाँ ऊपर उठा लीं, उसके चेहरे पर एक मनोरंजक भाव था।
अरे, अगर आप इस सारे मनोरंजन पर अपना एकाधिकार जमाना चाहते हैं, तो आगे बढ़िए! मैं कौन होता हूँ आपको अपने पसंदीदा मनोरंजन के साधनों का आनंद लेने के अधिकार से वंचित करने वाला?
मैंने उसे घूरकर देखा, जिससे वह और भी ज़ोर से हंसने लगी। मुझे उसकी हंसी की मधुरता और उसके चेहरे पर आने वाली चमक बहुत पसंद थी। उसकी अनोखी विशेषताओं के बावजूद—और शायद उन्हीं की वजह से—मेरी साथी एक खूबसूरत महिला थी।
"मैं अब नहाने जा रही हूँ," उसने कहा। "मैं जल्दी वापस आ जाऊँगी!"
उसके जाते ही मैं काम पर लग गई, मेरे चेहरे पर एक मूर्खतापूर्ण मुस्कान थी। सफाई करना मुझे कभी बुरा नहीं लगता था। बल्कि, मुझे इससे मिलने वाली शांति और सुकून, साथ ही आत्मचिंतन और आत्मनिरीक्षण का समय बहुत अच्छा लगता था। इसके अलावा, मुझे अपने घर की साफ-सफाई और हर चीज के करीने से व्यवस्थित होने पर बहुत गर्व था। सेरेना के किचन एरिया की सफाई और बर्तन धोने के बाद, मैं अपने बेडरूम में गई। यह देखकर मुझे गुस्सा आया कि सेरेना ने अपना बिस्तर पहले ही ठीक कर लिया था।
मेरे संचार उपकरण से आई एक झनझनाहट ने मुझे चौंका दिया। एक नज़र ने मेरे साथी के साथ मेरी हंसी-मज़ाक की सारी गर्माहट मिटा दी। मैंने सभी शिकारियों को एक समूह संदेश भेजा और अपना युद्ध उपकरण पहनने लगा। जैसे ही मैंने अपनी हथियार बेल्ट में एक खंजर रखा, मुझे सेरेना के आने की आवाज़ सुनाई दी। मेरे शस्त्रागार के खुले दरवाजे के सामने उसके कदमों की हल्की सरसराहट रुक गई। मेरे पहनावे और मेरे हाथ में दवाओं और उपचारों से भरी थैली को देखते ही उसके चेहरे से प्रसन्न और बेफिक्र भाव गायब हो गया।
"ये तो बहुत सारे हथियार हैं," सेरेना ने थोड़ी घबराहट भरी आवाज़ में कहा। "क्या कोई गंभीर घटना हुई है?"
उत्तर-पश्चिम में, अकाल्स के घोंसले वाली गुफाओं के पास, स्किनफ्लिंट्स का एक बड़ा झुंड सक्रिय है। ट्रांगोर द्वीप पर पाई जाने वाली कई अन्य प्रजातियों की तरह, इस महीने और अगले महीने अकाल्स का प्रजनन काल होता है। इस दौरान अकाल्स सबसे अधिक असुरक्षित होते हैं, न केवल अपने असहाय बच्चों के कारण, बल्कि इसलिए भी कि मादाएं भोजन की तलाश में बाहर जाती हैं, जबकि नर बच्चों की देखभाल करते हैं। उनकी प्रजाति में, नर छोटे और कमजोर होते हैं। वे अपने घोंसलों की रक्षा नहीं कर पाएंगे।

"ओह, ये तो बकवास है," सेरेना ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि उन्हें वहाँ बहला-फुसलाकर ले जाया गया था?"
मैंने एक पल के लिए हिचकिचाया और फिर सिर हिला दिया।
मुझे मिली रिपोर्ट के अनुसार, विश्वासघात के कोई स्पष्ट संकेत नहीं हैं। निकटतम ओर्डोसियन गाँव अकाल्स के ठिकाने से बहुत पश्चिम में स्थित है, इसलिए स्किनर्स को उस क्षेत्र में लुभाने का कोई मतलब नहीं बनता। स्किनर्स के उन क्षेत्रों में घूमने की कई रिपोर्टें मिली हैं जहाँ वे आम तौर पर नहीं जाते। मेरा मानना है कि वे फेडरेशन के इतने सारे शिकारियों की मौजूदगी से भाग रहे हैं, जो उन्हें आसान शिकार की तलाश में उत्तर-पश्चिम की ओर धकेल रहा है।
— मैं समझ गई... सेरेना ने अजीब भाव से मेरी ओर देखते हुए कहा।
"क्या बात है, मेरी साथी?" मैंने उससे पूछा।
उसने अपने होंठों को गीला किया, अपने कंधों को सीधा किया और मेरी आंखों में सीधे देखा।
मैं तुम्हारे और बाकी लोगों के साथ शिकार पर जाना चाहता हूँ।
मैं एकदम जम गया, इस अनुरोध से मैं अचंभित रह गया। किसी महिला ने कभी शिकार दल में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन हमारे बीच कभी कोई महिला नहीं रही थी। इस अनुरोध से मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए था। वास्तव में, मुझे न केवल इसकी आशंका थी, बल्कि मुझे पहले उससे ही यह प्रस्ताव रखना चाहिए था। मेरी साथी के शरीर में तनाव बढ़ गया, उसके कंधे अकड़ गए और कनपटी की एक नस फड़कने लगी। तब मुझे समझ आया कि मेरा जवाब हमारे भविष्य के रिश्ते पर गहरा असर डाल सकता है।
“हमारी मादाएं अपने जन्मस्थान को बहुत कम ही छोड़ती हैं और कभी शिकार में शामिल नहीं होतीं,” मैंने सावधानी से कहा। “लेकिन, उनके विपरीत, आप एक अनुभवी शिकारी हैं। मुझे आपके शिकार में शामिल होने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन...” जब उनका चेहरा चमक उठा, तो मैंने तुरंत कहा, “कुछ शर्तें हैं जिन्हें आपको मानना होगा।”
— मैं सुन रही हूँ, सेरेना ने मेरी ओर ध्यान से देखते हुए कहा।
— आपने देखा कि हमने स्किनर्स से किस तरह लड़ाई लड़ी ताकि यथासंभव स्वच्छ और दयालु तरीके से वध किया जा सके।
उसने सिर हिलाया।
— चूंकि आपके पास जानवरों को स्थिर करने के लिए पूंछ नहीं है, इसलिए आपको यह साबित करना होगा कि आप प्राणी को नुकसान पहुंचाए बिना या उसे अनावश्यक चोट पहुंचाए बिना किसी अन्य तरीके से इसकी भरपाई कर सकते हैं। दूसरा विकल्प यह होगा कि आपको उसे चाकू से मारने का काम सौंपा जाए।
“अगर मैं आपकी टीम के साथ काम करूं, तो मैं बोलस का इस्तेमाल गैर-घातक सेटिंग पर कर सकती हूं। इससे स्किनर बस हिल-डुल नहीं पाएगा,” सेरेना ने तुरंत जवाब दिया। “नदी किनारे उन स्किनरों को घायल

करना मुझे बहुत बुरा लगा, लेकिन दो वयस्क पुरुषों से लड़ते हुए उन्हें अपंग किए बिना मैं बच नहीं पाती। मेरे पिछले शिकार आपके जितने सटीक तो नहीं थे, लेकिन साफ-सुथरे थे।"
मैंने साफ-साफ कहा, "मैंने तुम्हारे पिछले कारनामों को देखा है, और यही एकमात्र कारण है कि मैं तुम्हें अपने साथ शामिल होने दे रहा हूँ। लेकिन यह समझ लो कि युद्ध के मैदान में, मैं तुम्हारा मास्टर हंटर हूँ, तुम्हारा जीवनसाथी नहीं। बिना सवाल किए आदेशों का पालन करना पूरे समूह के लिए जीवन और मृत्यु का मामला हो सकता है।"
"मुझे आपके निर्देशों का पालन करने में कोई समस्या नहीं है," सेरेना ने दृढ़ता से सिर हिलाते हुए कहा।
— तब हम सहमत हो गए, मैंने कहा।
"हाँ!!!!" सेरेना ने मुट्ठी उठाते हुए चिल्लाकर कहा। "तुम सबसे अच्छी हो! मैं अभी तैयार होने जा रही हूँ!"
जब वह कपड़े बदलने के लिए हमारे कमरे में भागी तो मैं हँसे बिना और अपना सिर हिलाए बिना नहीं रह सकी।
"जब तुम्हारा काम हो जाए तो मुझसे बाहर मिलना," मैंने कमरे के बंद दरवाजे से उससे कहा।
— ठीक है! उसने उत्साह से भरी दबी हुई आवाज में जवाब दिया।
चेहरे पर मुस्कान लिए मैं घर से निकला। मुझे अपने साथी को खतरे में ले जाने के विचार से भयभीत होना चाहिए था, लेकिन मेरे मन में केवल खुशी की लहर दौड़ गई। मुझे अपनी पत्नी के साथ अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा साझा करने का विचार बहुत अच्छा लगा।
हालांकि, जब मैंने रास्कियर और अपने भाई मंधा को उनके ड्रायशन के पास खड़े देखा, तो मेरे पेट में एक अजीब सी बेचैनी सी उठ खड़ी हुई। थोड़ी दूर आगे, बड़े-बुजुर्ग इंतज़ार कर रहे थे, हमारे प्रस्थान से पहले हमें आशीर्वाद देने के लिए तैयार। जब मैंने उसे शिकार में शामिल होने की अनुमति दी थी, तब मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया था कि शादी के शुरुआती दिनों में मेरी पत्नी को किन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। मुझे स्थिति को सावधानीपूर्वक संभालना था ताकि सेरेना अपने नए समुदाय में फंस न जाए।
एक आह भरकर मैं डीन परिवार की ओर चल पड़ा।
— मैंने उन तीनों को नमस्कार करते हुए कहा, "बुजुर्गों, नमस्कार," हालांकि मैं अपने गांव के मुखिया, बुजुर्ग क्राथी के सामने रुक गया।
"नमस्कार, स्ज़ारो," एल्डर क्राथी ने लगभग मातृत्व भाव से उत्तर दिया। "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपको अपनी शादी के अगले दिन ही दूर शिकार पर जाना पड़ रहा है।"
"जी हां," मैंने सिर हिलाते हुए कहा। "मैं अपने साथी को क्राडा की खूबसूरती दिखाना चाहता था, लेकिन अभी इसके लिए इंतजार करना पड़ेगा।"
तीनों डीन ने सहानुभूति भरी मुस्कान के साथ सिर हिलाया।
लेकिन मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि एक अनुभवी शिकारी होने के नाते, मेरे साथी ने लड़ाई में हमारे साथ शामिल होने के लिए कहा, और मैंने दृढ़ता से स्वीकार कर लिया।

कबीले के मुखिया शिकारी होने के नाते, शिकार करने, गाँव की रक्षा करने या आक्रमण करने से संबंधित सभी निर्णय मैं ही लेता था। मेरे निर्णयों को बुजुर्ग तभी अस्वीकार कर सकते थे जब वे कबीले के लिए स्पष्ट और तत्काल खतरा पैदा करते हों। जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, उनके चेहरे सख्त हो गए। अपनी भावनाओं को छिपाने में उनकी कुशलता के बावजूद, मैं लगभग उनके मन की बात समझ गया था।

मैंने शांत स्वर में कहा, “मैं समझता हूँ कि इस खबर से आपके मन में जायज़ चिंताएँ पैदा हुई हैं। हालाँकि मेरी शादी हाल ही में हुई है और परिस्थितियाँ आदर्श नहीं थीं, फिर भी मेरी पत्नी और मेरे बीच सच्ची दोस्ती और स्नेह है। वह एक नेक महिला है और इस अवसर का फायदा उठाकर भागने की कोशिश नहीं करेगी।”

मेरे पास इसका कोई सबूत नहीं था, फिर भी, मुझे अंदर से पता था कि यह सच है। मेरी साथी से बात करने और उसकी सहानुभूति क्षमता का आकलन करने के बाद, कायोग ने निष्कर्ष निकाला कि हम दोनों पूरी तरह से अनुकूल हैं। उन्होंने उसकी मजबूत नैतिक सोच की भी पुष्टि की।

“हालांकि, इस बारे में आपकी और कबीले के सभी सदस्यों की किसी भी जायज़ चिंता को दूर करने के लिए, सेरेना मेरे साथ मेरे ड्रायशान पर यात्रा करेगी, न कि अपने स्पीडर पर,” मैंने आगे कहा। “डागास मेरी अनुपस्थिति में किसी और को इसे चलाने की अनुमति नहीं देगा, और सेरेना कभी भी पैदल चलकर फेडरेशन बेस कैंप वापस नहीं लौट पाएगी।”

डीन क्राथी के चेहरे पर नरमी आ गई।

"यह एक उचित सावधानी है," उसने जवाब दिया। "मैं इस कार्यप्रणाली का समर्थन करती हूं।"

मुझे राहत मिली। मुझे डर था कि अगर उसने मेरे फैसले को चुनौती दी तो टकराव हो जाएगा।

“कल रात समारोह के दौरान मुझे आप दोनों के बीच एक मजबूत बंधन बनता हुआ महसूस हुआ,” बुजुर्ग ने सोच-विचार करते हुए आगे कहा। “क्या हम यह समझें कि आप अपने इस मिलन से प्रसन्न हैं?”

मैंने दृढ़ विश्वास के साथ उत्तर दिया, "देवी ने मुझे सेरेना को भेजा है। मैं इस मिलन से बहुत खुश हूँ।"

"यह सुनकर मेरा दिल खुश हो गया, मास्टर हंटर," एल्डर क्राथी ने जवाब दिया, उनके चेहरे पर एक बार फिर वही मातृत्व भाव झलक रहा था।

— और मेरा भी, डीन ज्योथा ने जवाब दिया, जबकि डीन इस्काल ने सहमति में सिर हिलाया।

"धन्यवाद, डीन्स," मैंने उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा। "हमें उम्मीद है कि हम आज शाम तक वापस आ जाएंगे, लेकिन मैं आपको हर नई जानकारी देता रहूंगा।"

"हे शिकारी गुरु, वही करो जो तुम्हें सही लगे," बुजुर्ग क्राथी ने कहा। "सावधान रहो, और देवी तुम्हारा मार्गदर्शन करें।"

मैंने आदरपूर्वक सिर झुकाया और फिर अपने भाई के पास गया जो मेरे ड्रायशन, डागास को लेकर आया था। सेरेना मेरे पहुँचने से पहले ही घर से निकल गई और तुरंत हमारी ओर आ गई। उसके चेहरे और हाथों को छोड़कर, उसके पूरे शरीर को चमड़े की शिकार वर्दी से ढके हुए देखकर मुझे थोड़ी निराशा हुई।

मैंने अपने भाई से पूछा, "क्या सब तैयार हैं?"

"हाँ," उसने जवाब दिया, हालाँकि उसकी आश्चर्यचकित निगाहें अभी भी मेरी साथी पर टिकी हुई थीं जो हमारी ओर आ रही थी। "क्या वह आ रही है?"
— हां, मैंने अपने रक्षात्मक लहजे से चिढ़ते हुए जवाब दिया।
मंधा मुस्कुराई लेकिन कुछ नहीं बोली, जिससे मुझे और भी गुस्सा आ गया।
मैंने चिड़चिड़ाते हुए उसे आदेश दिया, "सभी को उनके ड्रेसन पर बिठाओ।"
मंधा की मुस्कान और चौड़ी हो गई, और मैंने अपने दाँत दिखाए। वह बदतमीज़ पहले तो ज़ोर से हँस पड़ा, फिर मेरी बात मान ली। सेरेना सवालिया निगाहों से मेरे बगल में रुक गई।
मैंने उसकी ओर हाथ बढ़ाते हुए कहा, "मुझे अपना बैग दो। मैं इसे अपने और बाकी लोगों के साथ ड्रायशन ट्रांसपोर्टर पर रख दूंगी।"
— ओह, इसकी कोई ज़रूरत नहीं है। मैं इसे अपने स्पीडर के स्टोरेज कंपार्टमेंट में रख सकती हूँ क्योंकि उसमें गद्दा और दूसरी चीज़ें नहीं होंगी, उसने जवाब दिया।
मैंने माफी मांगते हुए कहा, "तुम अपनी तेज रफ्तार वाली गाड़ी का इस्तेमाल नहीं करोगे।"
"क्या? क्यों?" सेरेना ने हैरानी से पूछा।
मैंने उन्हें नरमी से स्थिति समझाई।
"मैं भागूंगी नहीं!" सेरेना ने अकड़ी हुई पीठ के साथ कहा।
"मुझे तुम पर पूरा भरोसा है, मेरी साथी," मैंने धीरे से कहा। "मुझे सचमुच तुम पर पूरा भरोसा है," मैंने बिना पलक झपकाए उसकी आँखों में देखते हुए दोहराया।
इससे वह कुछ हद तक शांत हो गया।
लेकिन क्या आप समझते हैं कि जिन लोगों का आपसे कम संपर्क रहा है, उन्हें कुछ चिंताएं क्यों हो सकती हैं?
सेरेना ने अपने होंठ सिकोड़े और रूखेपन से सिर हिलाया।
— चलो, मेरी साथी। मुस्कुराओ, मैंने चिढ़ाते हुए कहा। वैसे भी, तेज़ रफ़्तार की किसे ज़रूरत है? तुम ऑर्डोसियन जनजाति की पहली महिला बनने वाली हो जो शिकार पर जाएगी और पहली इंसान – या किसी भी अन्य प्रजाति की विदेशी – जो ड्रायशन की सवारी करेगी।
"जब आप इसे इस तरह कहते हैं, तो वास्तव में गर्व करने लायक कुछ है," उसने एक बेहद प्यारी सी मुंह बनाकर कहा, जिसे देखकर मेरा मन किया कि मैं उसे चूम लूं।
अनिच्छा से उसने मुझे अपना बैग दिया, और मैं उसे अपने और अन्य लोगों के बैग के साथ ड्रायशन ट्रांसपोर्टर पर रखने चला गया। जब मैं अपनी साथी के पास लौटा, तो वह डागास को जिज्ञासा और संदेह के मिले-जुले भाव से देख रही थी।
"क्या हम दोनों इस पर सवारी करेंगे?" उसने संशय भरे स्वर में पूछा।
— हाँ। पहले तुम ऊपर आ जाओ, और मैं तुम्हारे ऊपर लेट जाऊँगा।

मुझे देखकर उसके हैरान चेहरे को देखकर मैं जोर से हंस पड़ा। और यह और भी मजेदार इसलिए था क्योंकि मैं मजाक नहीं कर रहा था।

“आम तौर पर, आप इसकी पीठ पर बने खोखले हिस्से में बैठते या लेटते हैं,” मैंने उसकी ओर इशारा करते हुए समझाया। “इससे यह अपने बच्चों को तब तक ढो सकता है जब तक वे खुद चलने लायक न हो जाएं। हमारी शारीरिक बनावट के कारण, दो वयस्क ऑर्डोसियन आमतौर पर एक साथ सवारी नहीं करते, क्योंकि यह काफी असुविधाजनक होता है। लेकिन आपके मामले में, यह बिल्कुल सही रहेगा। आप यहां लेट सकते हैं और अपने पैरों को इसके ढलान वाले हिस्से पर रख सकते हैं। यह आपके लिए आरामदायक होगा और आपके पैरों को आराम देने के लिए अच्छा सहारा भी देगा।”

और तुम मेरे पैरों के बीच बैठोगे?

भले ही उसने इसे एक प्रश्न के रूप में कहा हो, लेकिन वास्तव में वह एक ऐसे लहजे में बयान दे रही थी जिसका मतलब था "क्या तुम मजाक कर रहे हो?", जिससे मुझे फिर से मुस्कुराने का मन हुआ।

मैंने उपहासपूर्वक कहा, "मेरे शरीर का निचला हिस्सा होगा, और मेरी पूंछ उसके पिछले सींग के चारों ओर लिपट जाएगी।"

"और अगर मुझे यह पसंद नहीं आया तो?" उसने पूछा।

मैंने तुरंत कहा, "यह आपका अधिकार है, लेकिन फिर भी आपको नियमों का पालन करना होगा... या फिर गांव में ही रहना होगा।"

उसने मुँह बनाया, जिससे मुझे एक बार फिर हंसी आ गई। डागास की ओर मुड़ते हुए, मेरी साथी ने उसकी बगल से निकली तीन घुमावदार हड्डियों में से एक को पकड़ लिया। आश्चर्यजनक फुर्ती से, सेरेना ने अपना दाहिना पैर डागास के मुड़े हुए घुटने के ऊपर बने सुरक्षात्मक कवच पर रखा और उसकी पीठ पर चढ़ गई। डागास ने अपनी नारंगी आँख से उसे देखने के लिए अपना सिर घुमाया। मैंने उसके नितंबों पर हाथ फेरा, उसका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, उसे यह जताते हुए कि वह उसे उठा सकता है। उसने सहमति में गुर्राया और आगे की ओर मुड़ गया।

इन सब बातों से बेखबर, मेरी साथी ने ड्रायशन पर अपनी स्थिति ठीक की और आगे झुककर उसकी गर्दन के दोनों ओर के सींगों को पकड़ लिया। सेरेना मेरी सवारी पर इतनी सुंदर लग रही थी कि मैं घंटों वहीं बैठकर उसे निहार सकता था। हालांकि, मुझे बहुत शर्मिंदगी हुई, क्योंकि उसके पिछले हिस्से की नाजुक, गोल आकृति बार-बार मेरी नज़र खींच रही थी। उसमें कुछ ऐसा था जो बेहद मोहक था। ऑर्डोसियन घोड़ों के पिछले हिस्से ऐसे नहीं होते थे, बल्कि कहें तो उनके पिछले हिस्से होते ही नहीं थे।

लेकिन इस सामंजस्यपूर्ण रूप की सराहना करने के अलावा, कुछ अप्रिय विचार मेरे मन में घर कर गए। मनुष्यों पर अपने शोध के दौरान, मैंने पाया था कि वे भी इसी तरह की स्थिति में मैथुन कर सकते हैं, जिसमें नर मादा के पीछे खड़ा होता है और मादा आगे की ओर झुकी होती है। ऑर्डोसियन ऐसा नहीं कर सकते थे। हमारा मैथुन आमने-सामने, हमेशा एक ही स्थिति में होना चाहिए था, क्योंकि हमारी मादा की योनि की

बनावट ऐसी थी। सेरेना और मेरे बीच कुछ रचनात्मक होने के विचार ने मेरे गुप्तांगों को इस तरह उत्तेजित कर दिया जिसकी मुझे इस समय बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं थी।

मैंने एक हाथ डागास की कमर की मुड़ी हुई हड्डी पर और दूसरा उसके कूल्हे पर रखकर, सावधानी से अपनी साथी को कुचले बिना उसकी पीठ पर चढ़ गया। उसके काले बालों की कोमल घुंघराली लटें—जिन्हें उसने बड़े करीने से फ्रेंच चोटी में बाँध रखा था—मेरे दाहिने गाल की खुरदरी त्वचा से छू गईं जब मैं उसके ऊपर झुका।

“अगर मैं तुम्हें कुचल दूं तो मुझे बताना,” मैंने उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा और अपने घोड़े की गर्दन के किनारे लगे सींगों को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। “अच्छा होगा अगर तुम मुझे सींग पकड़ने दो। अगर तुम चाहो तो मेरी बाहों को पकड़ सकते हो। लेकिन शायद तुम्हारे लिए अपनी हथेलियों को उसके कंधों पर रखना ज़्यादा आरामदायक होगा।”

— ठीक है, सेरेना ने मेरे नीचे करवट बदलते हुए कहा।

उसकी पीठ मेरे श्रोणि क्षेत्र से इस तरह रगड़ रही थी जैसे मुझे असहनीय पीड़ा हो रही हो। हालाँकि मुझे उसके शिकार के कपड़ों से उसकी त्वचा का इतना ढका होना बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन अपनी छाती के नीचे उसकी नंगी गर्माहट महसूस न कर पाना मेरे लिए सचमुच एक राहत थी।

"मैं ठीक हूँ। सब ठीक होना चाहिए और यह आश्चर्यजनक रूप से आरामदायक है," मेरे साथी ने कहा, जो काफी आश्चर्यचकित लग रहा था।

मैंने सचमुच प्रसन्न होकर कहा, "यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। अगर आपको किसी भी समय असहज महसूस हो तो मुझे बताने में संकोच न करें।"

"बिल्कुल," उसने सिर हिलाते हुए कहा।

मैंने धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे अन्य लोगों को संकेत दिया और अंततः हम वहां से चले गए।

अध्याय 10

मुझे कभी भी गतिरोध की समस्या नहीं होती थी। जंगल में बेतहाशा रफ़्तार से दौड़ते हुए डागास के लगातार हिलने-डुलने से मेरे पेट में ऐसी बेचैनी नहीं हो रही थी। लेकिन हर कदम पर ज़ारो का मज़बूत शरीर मेरे शरीर से रगड़ खा रहा था, जिससे मैं पागल हो रही थी। उसकी असहनीय जीभ का बार-बार बाहर निकलना, उसके होठों पर फैली घमंडी मुस्कान और कभी-कभार मुझे दी जाने वाली व्यंग्यात्मक निगाहें, ये सब इस बात की पुष्टि कर रहे थे कि वह जानता था कि इस सवारी का मुझ पर कितना बुरा असर पड़ रहा है।

मैंने उसके शरीर के मेरे चारों ओर लिपटे होने के मदहोश कर देने वाले एहसास को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की और अपने आस-पास के मनमोहक नज़ारे पर ध्यान केंद्रित किया। ड्रायशन की पीठ पर झुकी हुई स्थिति में लेटे होने के कारण, मुझे अपना सिर ऊपर रखने और आगे देखने के लिए अपनी गर्दन पर ज़ोर नहीं डालना पड़ा।

हम क्राडा क्षेत्र से निकलकर उस घाटी को पार कर गए जहाँ मैंने उनकी सीमा के पास शिकार किया था, और उत्तर-पश्चिम की ओर एक ऐसे इलाके में चले गए जो मेरे लिए अपरिचित था। स्ज़ारो ने विभिन्न स्थलों की ओर इशारा करते हुए स्थानीय वनस्पतियों और जीवों के बारे में जानकारी और कहानियाँ साझा करना शुरू कर दिया। मैं इस अचानक शुरू हुए निर्देशित दौरे से इतना मंत्रमुग्ध हो गया था, और उसकी गहरी आवाज़ की सम्मोहक ध्वनि और उसके सींग की मधुर कंपन से और भी सुकून पा रहा था, कि दूर से आती हुई एक स्किनर की दहाड़ ने मुझे चौंका दिया।

मेरे पीछे स्ज़ारो तनावग्रस्त हो गया। टीम ने अपने घोड़ों की गति धीमी कर दी और उन्हें उस पर्वत श्रृंखला की ओर मोड़ दिया जिसके किनारे से हम गुजर रहे थे। कुछ ऑर्डोसियन अपने ड्रेयशन घोड़ों से पूरी तरह रुकने से पहले ही उतर गए। उनमें से किसी ने भी ड्रेयशन ट्रांसपोर्टर पर ध्यान नहीं दिया और स्ज़ारो के इशारे पर वे सभी थोड़ी दूरी पर मौजूद दहाड़ते हुए जानवरों की ओर दौड़ पड़े। उनकी गति देखकर मुझे आश्चर्य हुआ कि आखिर उन्होंने घोड़ों का इस्तेमाल क्यों किया।

मैं अपना बैग लेने के लिए ट्रांसपोर्टर की ओर भागा। स्ज़ारो ने अपनी छड़ी पकड़ी, लेकिन उसे अपनी पीठ पर लगे हार्नेस से नहीं जोड़ा और मेरे साथ आ गया। मुझे उम्मीद थी कि वह जल्दी करेगा और दूसरों के साथ मिल जाएगा, और मुझे अपनी गति से चलने के लिए कहेगा। लेकिन इसके बजाय, उसने मेरी ओर पीठ फेर ली।

"मेरी पीठ पर चढ़ जाओ," उसने मुझे आदेश दिया।

मैं आधे पल के लिए जम गया, फिर अपना बैकपैक पहना और स्ज़ारो के पीछे इस तरह खड़ा हो गया कि मेरे पैर उसकी पूंछ के दोनों ओर थे। जैसे ही मैंने अपनी बाहें उसकी गर्दन के चारों ओर डालीं, उसने अपना हुड बंद कर लिया और उसके हर फ्लैप को अपने सिर से सटा लिया।

"क्या तुम मेरी छड़ी पकड़ सकते हो?" उसने मुझसे पूछा और छड़ी मुझे सौंप दी।

मैंने उसे एक हाथ से पकड़ लिया और स्ज़ारो ने मेरे घुटनों के पीछे हाथ डालकर मेरे पैरों को ऊपर उठाया और मुझे अपने ऊपर बिठा लिया।

— कसकर पकड़ो, उसने मुझे आदेश दिया।

इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, स्ज़ारो झपट्टा मारकर आगे बढ़ा, मुझे सहजता से उठाकर दूसरों की तरह ही आश्चर्यजनक गति से चलने लगा, मानो मेरा कोई वज़न ही न हो। एक पल के लिए मैंने पीछे छूटे हुए ड्रायशन्स के बारे में सोचा। क्या ऑर्डोसियन्स को डर नहीं था कि वे भटक जाएँगे या डर के मारे भाग जाएँगे? लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर मैंने पाया कि जानवर निष्क्रिय खड़े थे, मानो स्किनर्स की दूर से आती दहाड़ से बेखबर हों।

मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, मैं समझने की कोशिश कर रहा था कि मेरे सामने क्या हो रहा है। स्ज़ारो इधर-उधर डगमगा रहा था, जंगल के किनारे पर बिखरे पेड़ों के बीच ऐसे फिसल रहा था जैसे कोई आइस स्केटर हो। हम उस जगह से लगभग पचास मीटर दूर रुके जहाँ मंधा और चार ओर्डोसियन पहले स्किनर से लड़ रहे थे।

"खुद को हथियारबंद करो और जब तुम तैयार हो जाओ तो मेरी टुकड़ी की मदद के लिए आओ," स्ज़ारो ने मंधा के बाईं ओर मौजूद एक समूह की ओर दौड़ने से पहले आदेश दिया।

लगभग एक दर्जन स्किनर उत्तर की ओर खुले मैदान की ओर बढ़े, जो पहाड़ में स्थित एक विशाल गुफा की ओर जाता था। वास्तव में, यह गुफा की परिभाषा से मेल नहीं खाती थी, क्योंकि यह दोनों ओर से खुली थी, जिससे एक सुरंग जैसी संरचना बन गई थी जो नीचे नदी के ऊपर चट्टान के मुख पर खुलती थी। कम से कम बीस मीटर गहरी इस खुली गुफा की दीवारों पर अनगिनत घोंसले बने थे, जिनमें नवजात चूजे चहचहा रहे थे। ये घोंसले सीधे चट्टान की दरारों में बने थे।

मैंने झटपट अपने बैग से हथियार निकाले, जिनमें छह बोला भी शामिल थे, और उन्हें अपनी बेल्ट से बांध लिया। मैंने बैग को एक तरफ घुमाया और बोला हाथ में लिए, फेंकने के लिए तैयार, स्ज़ारो की स्थिति की ओर दौड़ा। दुर्भाग्य से, जब तक मैं उसके पास पहुंचा, स्ज़ारो उसकी रीढ़ की हड्डी काट रहा था। चारों पुरुष तुरंत दूसरे लक्ष्य की ओर बढ़े। इस बार, मैं अपने बोला फेंकने में कामयाब रहा और उन्हें स्किनर के आगे के दो पैरों से बांध दिया, ऑर्डोसियनों के पहुंचने से ठीक कुछ सेकंड पहले। बिना हिचकिचाए, तीनों पुरुषों ने अपनी पूंछों से जानवर के बचे हुए छह पैरों में से दो-दो पैरों को जकड़ लिया, और फिर स्ज़ारो ने अंतिम प्रहार किया। उसकी संतुष्टि भरी मुस्कान देखकर मैंने गर्व से अपना सिर ऊंचा किया।

जैसे ही मैं अपने दूसरे बोला को अगले लक्ष्य की ओर घुमा रहा था—यह सोचकर कि यह कितना आसान है—तभी तीन स्किनर एक साथ हमला करने आ गए। मेरी टीम उनके रास्ते से हट गई, लेकिन बाईं ओर का जानवर उनमें से एक का पीछा करने लगा। मैंने अपने बोला फेंके। उन्होंने आखिरी क्षण में उस जीव के पिछले पैरों को पकड़ लिया, लेकिन इतना काफी था कि वह लड़खड़ा जाए। वह पेट के बल गिर पड़ा, जिससे हमारे साथी को भागने का मौका मिल गया... या कम से कम मुझे ऐसा ही लगा।

मुझे बहुत देर बाद एहसास हुआ कि उसने असल में घोंसलों से जानवर को दूर भगाने के लिए जानबूझकर धीरे चलने का नाटक किया था। हालाँकि मेरे बोलस से उसके दो पैर बंधे होने के कारण वह थोड़ा लड़खड़ा गया था, फिर भी स्किनफ्लेयर अपने पैरों पर खड़ा हो गया और झटकेदार लेकिन तेज़ चाल से ऑर्डोसियन का पीछा करने लगा। मेरे आगे, स्ज़ारो और मेरी टीम के दो अन्य सदस्य भी गुफा से बाकी दो स्किनफ्लेयर्स को भगाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन घोंसलों की रखवाली कर रहे अकाल नर - उन्हें डराने की मूर्खतापूर्ण कोशिश में - उन जानवरों की ओर दौड़ पड़े। इससे स्किनफ्लेयर्स की आसान शिकार की भूख और बढ़ गई।

यह समझते हुए कि वे उन जीवों को उनके वर्तमान लक्ष्यों से विचलित नहीं कर सकते, स्ज़ारो और बाकी लोग दोनों स्किनर्स में से बड़े वाले की ओर बढ़े। मैंने बोलास की एक और जोड़ी उठाई, लेकिन जैसे ही मैं उन्हें फेंकने वाला था, पक्षियों को "छोटे" स्किनर पर बेअसर हमला करते देख अचानक मुझे एक पुरानी याद आ गई। सहज ही, मैंने अपने बोलास उस जीव पर फेंक दिए जिस पर मेरी टीम हमला कर रही थी।

मैंने अपने बाएं हाथ की थैली से सीटी निकाली, जल्दी से इंटरफ़ेस पर प्रोग्राम सेट किया और फिर उसमें फूंक मारी। अकाल्स ने मेरी ओर सिर घुमाया, कुछ मेरे साथ शामिल होना चाहते थे, इससे पहले कि वे स्किनर पर फिर से हमला करें, जो अपने पैरों पर खड़ा हो रहा था। उसने अपने तेज धार वाले अंगों से उन्हें एक तरफ धकेल दिया, जिससे कई अकाल्स गिर गए। मैंने फिर से अपनी बांसुरी में फूंक मारी, मेरी उंगलियां छेदों पर चल रही थीं, ध्वनि को नियंत्रित कर रही थीं।

और फिर यह काम कर गया।

एकेल्स ने एक साथ तीखी चीख मारी, फिर मेरी ओर दौड़े, उनके पीछे स्किनर भी था। मैंने बांसुरी में धुन बिठा ली और दौड़ते हुए जोश भरी आवाज़ निकालता रहा। मैं मंधा की टीम की ओर भागा, जिन्होंने पास के ही दूसरे स्किनर्स को हरा दिया था और हमारी ओर आ रहे थे। मेरे पीछे से तेज़ी से आते उस जानवर की आवाज़ सुनकर मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। मैंने बस इतना ही किया कि दो और बोलस फेंक सकूँ। वे अपने निशाने से चूक गए। हालाँकि, उनसे बचने की कोशिश में स्किनर एक तरफ मुड़ गया, और जिन पैरों को मैंने पहले बाँध रखा था, उनके कारण उसका संतुलन बिगड़ गया। वह पेट के बल गिर पड़ा, और उसकी गति उसे थोड़ी दूर तक ले गई।

उसे उठने का मौका ही नहीं मिला, क्योंकि मंधा की टीम ने उस पर धावा बोल दिया।

अपने लड़खड़ाते घुटनों की परवाह न करते हुए, मैंने बांसुरी बजाना जारी रखा और अकाल्स को गुफा में ले आया, जबकि रास्कियर और स्ज़ारो की टीमें बचे हुए दो स्किनर्स से निपट रही थीं। गुफा के अंदर पहुँचते ही मैंने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। अकाल्स कुछ सेकंड के लिए मेरे ऊपर और चारों ओर चक्कर लगाते रहे, फिर एक-एक करके वे अपने घोंसलों में लौट गए।

मैं गुफा से बाहर निकला, मेरी नसों में दौड़ रहे एड्रेनालाईन की जगह जल्दी ही चिंता ने ले ली, तभी मैंने देखा कि स्ज़ारो सख्त चेहरे के साथ मेरी ओर आ रहा है। मैंने गहरी सांस ली और मन ही मन खुद को तैयार किया।

"तुमने मेरे आदेशों का पालन नहीं किया," उसने कड़े स्वर में कहा।
“मुझे पता है। मुझे माफ़ करना। मेरा अकेले जाने का कोई इरादा नहीं था,” मैंने माफी मांगते हुए कहा। “बात बस इतनी है कि जब मैंने अकाल्स को देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि वे शिवारिस से लगभग मिलते-जुलते हैं, एक ऐसी प्रजाति जिसकी रक्षा के लिए मैंने पहले भी मिशन चलाए हैं। और मुझे लगा कि सीटी बजाने से शायद वे मारे जाने से बच जाएंगे। मैंने अपनी सहज प्रवृत्ति के अनुसार काम किया।”
“तुम्हारी सूझबूझ सही थी, और तुमने ज़्यादातर नर पक्षियों की जान बचा ली,” उसने गंभीरता से कहा। “लेकिन अगर तुम गलत होतीं, और उससे भी बुरा, अगर मंधा की टीम उस जानवर से लड़ना खत्म नहीं करती, जब तुमने पक्षियों को अपनी ओर आकर्षित करना शुरू किया, तो तुममें से कई घायल हो सकते थे या मारे जा सकते थे।”
मैंने शर्म से सिर झुकाते हुए कहा, "मुझे पता है। मुझे बहुत खेद है।"
“मुझे पता है,” उन्होंने नरम लहजे में कहा। “युद्ध में बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलने के लिए मैं आपको दोष नहीं देता, और न ही मैं आपसे अंधभक्ति की अपेक्षा करता हूँ। वास्तव में, आपने सही निर्णय लिया, लेकिन सही तरीके से नहीं।”
मैं पीछे हट गया, दिशा में अचानक हुए इस बदलाव से मुझे चक्कर आने लगा।
— क्या यह सही तरीका नहीं है?
“आपने बिल्कुल सही अंदाज़ा लगाया था कि हमारी टीम के बाकी सदस्य और मैं आपकी मदद के बिना भी उस जानवर को संभाल सकते हैं, लेकिन आपने यह योजना नहीं बनाई कि दूसरे जानवर को लेकर कहाँ जाओगे, या अकाल्स को उससे दूर ले जाने के बाद आपकी मदद कौन करेगा। मुझे लगता है कि आपने सलहा और ईकू को बचाते समय भी ऐसा ही किया था। आपने खतरे में पड़े कमज़ोर जीवों को देखा और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना उनकी मदद के लिए दौड़ पड़े। आपका दिल बहुत बड़ा है, मेरे साथी। लेकिन अगर आप इस प्रक्रिया में मारे जाते हैं, तो आप किसी की मदद नहीं कर सकते।”
मेरे गाल जल रहे थे, और मैंने अपने चेहरे पर झुर्रियां डाल लीं।
"हाँ, बिल्कुल। कुछ परिस्थितियों में शायद मेरी आदत पहले काम करने और बाद में सोचने की होती है," मैंने धीमी आवाज़ में कहा। "मैं इस पर काम करूंगा।"
"मेरी पत्नी, इसे ज़रूर कर लेना। मैं विधवा नहीं बनना चाहता," उसने व्यंग्य भरे लहजे में जवाब दिया। "तुमने अच्छा किया," उसने आँखों में संतुष्टि की चमक के साथ कहा।
"बहुत बढ़िया!" मंधा ने उसके पीछे से कहा, जब वह और बाकी लोग हमारी ओर आ रहे थे। "यह वाकई प्रभावशाली था। वह कैसी आवाज़ थी?"
“यह शिवारी पक्षियों का नारा है,” मैंने इस प्रशंसा को सुनकर गर्व से सीधा होते हुए कहा, जिसका समर्थन हमारे साथ आए अन्य लोगों ने भी किया। “ये पक्षी मार्विक्स 5 के मूल निवासी हैं, जो क्रैस्टार सेक्टर में एक छोटा ग्रह है। ये दिखने में इन एकेल पक्षियों से काफी मिलते-जुलते हैं। जब मैं यहाँ आया था, तब स्ज़ारो ने मुझे

बताया था कि नर एकेल पक्षी आकार में छोटे होते हैं और घोंसलों की रक्षा करते हैं, जबकि मादाएं शिकारी और लड़ाकू होती हैं।"
— क्या ये शिवारेआ जैसे हैं? रास्कियर ने पूछा।
"बिल्कुल शिवारिया की तरह," मैंने सिर हिलाते हुए जवाब दिया। "जब उनके घोंसलों पर हमला होता है, तो उनकी रक्षा करने वाली मादाओं का समूह यह आवाज़ निकालता है ताकि नर और उनके बच्चे सुरक्षा के लिए उस स्थान पर इकट्ठा हो सकें, जबकि अन्य मादाएँ लड़ाई में जुट जाती हैं। स्वर बिल्कुल एक जैसा नहीं है, इसलिए मुझे इसमें थोड़ा बदलाव करना पड़ा, लेकिन यह काफी हद तक मिलता-जुलता है।"
"आपको कैसे पता चला कि यही समस्या है?" स्ज़ारो ने स्पष्ट जिज्ञासा से पूछा। "आपको कैसे पता चला कि इसे किस ऊंचाई पर समायोजित करने की आवश्यकता है?"
सच कहूँ तो, यह एक अनुमान भी था। उनकी पुकार शिवारी की पुकार से कुछ स्वर गहरी है। इसलिए मैंने अपनी पुकार की स्वर-शैली को उसी के अनुसार कम कर दिया।
"बुद्धिमान मादा," रास्कियर ने कहा, उसकी आँखों में वही प्रशंसा झलक रही थी जो मुझे अन्य शिकारियों की आँखों में दिखाई दे रही थी। "तुम्हारे समय पर हस्तक्षेप ने इस प्रजाति को एक बार फिर विलुप्त होने से बचा लिया।"
"क्या यही उनका एकमात्र घोंसला है?" मैंने हैरानी से कहा।
"नहीं," स्ज़ारो ने उत्तर दिया, "लेकिन यह सबसे महान है। तुमने हम सभी की तरह खुद को एक स्वाभाविक संरक्षक साबित कर दिया है।"
— धन्यवाद, मैंने उनकी सामूहिक स्वीकृति से प्रसन्न होकर कहा।
मुझे पूरी तरह असफल होने का बहुत डर था।
"लेकिन अब हमें घायलों की देखभाल करनी होगी और यह देखना होगा कि आसपास कोई और खतरा तो नहीं मंडरा रहा है," स्ज़ारो ने फिर से गंभीर होते हुए कहा।
उसने मंधा की ओर देखा, जिसने बस सिर हिलाया, ठीक वैसे ही जैसे सालों से साथ काम करने वाले लोग बिना बोले एक-दूसरे की इच्छाओं और ज़रूरतों को समझ लेते हैं। मंधा ने अपने दो साथियों को अपने पीछे आने का इशारा किया, और वे उस जगह की ओर तेज़ी से बढ़े जहाँ हमने ड्रायशन्स को छोड़ा था। फिर ज़ारो ने ऑर्डोसियन भाषा में रास्कियर से कुछ कहा, जिसने भी सिर हिलाया। उसकी टीम और एक और टीम तुरंत जंगल से होते हुए दक्षिण की ओर चल पड़ी। मुझे आश्चर्य हुआ कि रास्कियर पीछे रह गया, एक मरे हुए स्किनर से दूसरे के पास जाकर, उन्हें बीकन गन से चिह्नित कर रहा था।
"हमें आपके वध करने के अधिकार का दावा करना होगा," स्ज़ारो ने मुस्कुराते हुए कहा।
मैं जोर से हंस पड़ा।
आप सचमुच अद्भुत हैं।
— नहीं, मेरे साथी, तुम अद्भुत हो, उसने मेरा गाल सहलाने के लिए हाथ उठाते हुए कहा।

मेरी इस कोमल भावपूर्ण प्रस्तुति से वह भी उतना ही आश्चर्यचकित लग रहा था जितना मैं। हालाँकि मैं वहाँ से हटा नहीं, लेकिन उसने तुरंत ही अपना हाथ नीचे कर लिया। उसके अचानक शर्मिंदा हुए चेहरे से मुझे एहसास हुआ कि हमारी टीम और मंधा के बाकी दो सदस्य अभी भी वहीं थे, हमें देख रहे थे। उनकी सहमति भरी निगाहों से यह झलक रहा था कि वे यह देखकर खुश थे कि हमारा गठबंधन सही राह पर चल रहा है। यह कोई सोची-समझी चाल नहीं थी, लेकिन इससे ईमानदारी से प्रयास करने के हमारे दिखावे में कोई कमी नहीं आई।

लेकिन क्या यह वास्तव में एक दिखावा है?

स्ज़ारो के नज़रिए से नहीं। मेरे पति मुझे अपने पास रखने के लिए दृढ़ थे। मुझे यह देखकर बहुत दुख हुआ कि उन्होंने कितनी जल्दी मुझे इस मामले पर अपने रुख पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया।

"अपनी बोलस (एक प्रकार की लाठी) ले आओ," स्ज़ारो ने कहा। "बाकी सब लोग, चलो काम पर लगें।"

मैंने सिर हिलाया और अपने हथियार लेने चला गया। आदमियों के साथ शामिल होने से पहले, मैं थोड़ी दूर दौड़कर उस जगह पहुँचा जहाँ मैंने अपना बैग रखा था और उसमें अपने हथियार रख दिए। गुफा के पास पहुँचते ही, मुझे ऑर्डोसियन बब्बलर पक्षियों की चहचहाहट सुनकर चौंक गया। कई नर बब्बलर पक्षी उड़ गए थे और स्ज़ारो और बाकी लोगों के घोंसलों के पास आते ही वे खतरनाक ढंग से चक्कर लगाने लगे। धीरे-धीरे, पक्षी नीचे उतर आए और ऑर्डोसियनों के पास आने के बावजूद उनका सारा गुस्सा शांत हो गया। गुफा में प्रवेश करते ही, मुझे एक गहरी शांति का अनुभव हुआ।

उनकी पूंछों की झनझनाहट ही ऐसा करती है!

लेकिन कैसे? शादी के दौरान, पूरी भीड़ ने अपनी पट्टियाँ हिलाईं और मुझ पर इसका कोई असर नहीं हुआ। और फिर, जब स्ज़ारो ने मेरे कान के ठीक बगल में अपनी पट्टी हिलाई, तो मैं तुरंत कामुक हो गई।

लयबद्ध पैटर्न अलग था।

नहीं... सिर्फ़ योजना ही नहीं, बल्कि लहजा भी। मैं बड़े चाव से देख रहा था कि कैसे ओर्डोसियन लोग एक-एक करके पक्षियों की जाँच कर रहे थे, और घायल पक्षियों को अलग करके उनकी देखभाल कर रहे थे। वे जीव विनम्रता से उनके सामने झुक गए।

मंधा और उसके साथी ड्रायशन्स के साथ लौट आए। वे ट्रांसपोर्टर से दवाइयों के थैले लाए ताकि पुरुष घायलों का इलाज कर सकें। मुझे आश्चर्य हुआ कि मंधा फेडरेशन के लोगो वाला एक बड़ा चांदी का थैला लिए हुए था और उसमें एकेल्स के अवशेष भरने लगा। भरने के बाद, उसने थैले को सील कर दिया, जिससे हवा अपने आप बाहर निकल गई और शव अपनी वर्तमान स्थिति में सुरक्षित रह गए। उसने उसे मेरे बीकन द्वारा बनाए गए सुरक्षात्मक गुंबद के अंदर, एक मृत स्किनर के बगल में रख दिया।

मैं स्ज़ारो के साथ शामिल हो गया और अगले कुछ घंटों तक मैंने घायल पक्षियों की देखभाल में उसकी और अन्य लोगों की मदद की। पहले घंटे के बाद, स्किनर्स के शवों को लेने के लिए फेडरेशन शटल को खुले मैदान

में उतरते देख मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। ऑर्डोसियनों की कड़ी निगरानी में बचाव दल ने तेज़ी और कुशलता से काम किया।
जब वे बचे हुए दो जानवरों में से एक को लेने के लिए शटल से बाहर निकले, तो एक एजेंट की नज़र मुझ पर पड़ी। उसकी आँखों में हैरानी की जगह दया भाव आ गया। मैं सोच भी नहीं सकता था कि बेस कैंप में मेरे बारे में तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही होंगी। मैंने उसे नमस्कार किया और उसे यह बताने के लिए हाथ हिलाया कि मैं ठीक हूँ। इससे वह थोड़ा असहज हो गया, और मेरी मुस्कान और चौड़ी हो गई। मैं यह जानने के लिए कुछ भी देने को तैयार था कि लौटने पर वह दूसरों को क्या बताएगा।
हमारे काम खत्म होने से तीस मिनट पहले, रास्कियर अपने साथ जंगल में गए लोगों को लेकर लौट आया। क्षितिज पर सूरज डूब रहा था और मेरे पेट में गुड़गुड़ाहट हो रही थी। मैंने ऑर्डोसियनों की मुस्कुराती निगाहों के नीचे एक एनर्जी बार का टुकड़ा खाया।
“इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि इंसान इतनी बार खाते हैं,” जब मैंने पानी का एक घूंट लिया तो मंधा ने व्यंग्य करते हुए कहा। “उस छोटी सी चॉकलेट से तुम्हारा पेट भरने का कोई चांस नहीं है। वो पक्षी तो इससे भी ज्यादा खाते हैं।”
मैंने जवाब दिया, "यह बार देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से पेट भर देता है। यह सबसे बढ़िया खाना तो नहीं है, लेकिन सुविधाजनक है, और अब मेरा पेट काफी भर गया है।"
"और कुछ ही घंटों में तुम्हें फिर भूख लग जाएगी," रास्कियर ने पलटवार किया। "क्या तुम कुछ दिनों तक खाने-पीने का सामान जमा नहीं कर सकते ताकि तुम्हें कुछ दिनों तक खाना न पड़े?"
मैंने जवाब दिया, “हमारे पेट में ज्यादा जगह नहीं होती और हमारा मेटाबॉलिज्म बहुत तेज होता है। मेरे पेट में जो कुछ भी है, वह कुछ ही घंटों में पच जाएगा; कुछ चीजें तो इससे भी कम समय लेती हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे क्या हैं।”
“हमारे पेट भी अपेक्षाकृत छोटे हैं,” मंधा ने मुझे गौर से देखते हुए कहा। “लेकिन पतले होने के बावजूद, आपकी टांगें लंबी हैं। क्या आप उनमें खाना जमा करके बाद में पचा नहीं सकते?”
मैं जोर से हंस पड़ी, तुरंत अपने मुंह पर हाथ रख लिया और इस बात से बेहद बुरा महसूस किया कि कहीं मैंने उसे नाराज तो नहीं कर दिया।
“माफ़ कीजिए। मैं आपका मज़ाक नहीं उड़ा रहा, लेकिन पैरों में खाने का भंडार रखने का विचार बहुत मज़ेदार है,” मैंने शरमाते हुए कहा। “मेरा मानना है कि इसका मतलब है कि आप... उह... ऑर्डोसियन अपनी पूंछ में खाना जमा करते हैं?”
उन सभी ने सिर हिलाया।
"वाह, ठीक है। इससे कुछ बातें समझ में आ गईं," मैंने थोड़ा अजीब महसूस करते हुए कहा। "लेकिन नहीं। हमारे शरीर में कहीं भी भोजन का भंडार नहीं है। हमारी टांगें सिर्फ हड्डियां हैं जो त्वचा, टेंडन, मांसपेशियों और नसों से घिरी हुई हैं।"

बीस जोड़ी सरीसृप नर आंखों का मेरी टांगों को घूरना मुझे तुरंत बहुत असहज कर गया।
— ठीक है... अब हम क्या करें? मैंने अपने पैरों और खाने की आदतों से ध्यान हटाने के लिए यह सवाल पूछा।
“और भी कई झुंड उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहे हैं,” स्ज़ारो ने कहा। “मुझे अपने पिता से कुछ जानकारी मिली है। उनके स्काउट्स को कई स्किनर्स से निपटना पड़ा, लेकिन वे अपनी सामान्य सीमा से बाहर के झुंडों पर नज़र रख रहे हैं। वे हमें जानकारी देते रहेंगे। चूंकि पहले ही काफी रात हो चुकी है, और शायद हमें कल इस इलाके में वापस आना पड़ेगा, इसलिए दो घंटे गाड़ी चलाकर वापस गाँव जाना कोई मायने नहीं रखता। मेरा सुझाव है कि हम रात यहीं बिताएँ।”
"हमेशा की तरह उसी गुफा में?" मंधा ने पूछा।
Szaro acquiesça.
मैं सज़ारो को हैरानी से देखती रही। पहली बात तो यह कि मुझे पता ही नहीं था कि उसके पिता अभी भी ज़िंदा हैं। शादी के बाद उसने गाँव में अपने किसी भी रिश्तेदार से मेरा परिचय नहीं कराया था, इसलिए मैंने मान लिया था कि वे दोनों मर चुके हैं, न कि किसी दूसरे कबीले में रह रहे हैं। और दो घंटे?! क्या यहाँ आते समय मेरा दिमाग वासना में इतना डूबा हुआ था कि मुझे पता ही नहीं चला कि हमने इतना लंबा सफर तय कर लिया है?
ओर्डोसियन लोगों के साथ खुले में सोने की संभावना से उत्साहित होने के बावजूद, मुझे अपना एयर मैट्रेस न लाने का अफसोस हुआ। गुफा की कठोर सतह पर सोने से सुबह मेरा शरीर अकड़ा हुआ और दर्द से भरा रहता।
हम अकालेस के घोंसलों से थोड़ी दूर पश्चिम की ओर चले और एक बेहद खूबसूरत गुफा में पहुँचे। गुफा का बड़ा प्रवेश द्वार दो घुमावदार गलियारों में बँटा हुआ था, जिनके बीच-बीच में छोटे-छोटे आले बने हुए थे। स्ज़ारो मुझे बाईं ओर वाले गलियारे में ले गया। जैसे-जैसे अंधेरा गहराता गया, मैंने लगभग टॉर्च निकाल ही ली थी, लेकिन थोड़ी दूर आगे जाकर रोशनी फिर से दिखाई दी। हम एक बंद रास्ते पर पहुँचे जहाँ छत में एक प्राकृतिक रोशनदान था। अपेक्षाकृत बड़े इस स्थान का फर्श, जो लगभग अंडाकार था और शायद चार मीटर चौड़ा और छह मीटर लंबा था, लगभग सपाट था और ठोस मिट्टी से बना हुआ था।
मुझे आश्चर्य हुआ कि बाकी लोग हमारे पीछे नहीं आए, उनमें से अधिकांश प्रवेश द्वार पर या गलियारे की शुरुआत में कुछ कोनों में बैठ गए।
"हम अभी-अभी एकजुट हुए हैं," स्ज़ारो ने धीमी आवाज़ में कहा, मानो मेरे मन में चल रहे विचारों को भांपते हुए। "वे हमें थोड़ी निजता दे रहे हैं।"
— मैं समझ गई, मैंने कहा, मेरे गालों पर गर्मी चढ़ रही थी।
मैंने खाली जगह पर एक नजर डाली और सोचने लगी कि मैं कहाँ बसने वाली हूँ।

“मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे ऊपर लेट जाओ,” स्ज़ारो ने सीधे-सीधे कहा। “ज़मीन तुम्हारे लिए बहुत सख्त है। मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था कि हम यहाँ रात बिताने वाले हैं और तुम्हें अपना गद्दा लाने के लिए कह देना चाहिए था।”
मैंने उसे आश्वस्त करने की कोशिश की।
कोई बात नहीं, मैं कठोर जमीन पर एक रात गुजार सकता हूँ।
“एक रात से ज़्यादा भी हो सकती है,” स्ज़ारो ने जवाब दिया। “चिंता मत करो। मैं तुम्हारा फ़ायदा उठाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ। और तुम्हें मेरी पूंछ सोने में काफ़ी आरामदायक लगेगी।”
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "मुझे पता है तुम इसे आज़माने वाले नहीं हो। लेकिन भला यह काम कैसे कर सकता है?"
उसने अपनी पूंछ को सर्पिलाकार आकार में मोड़ लिया, जिससे वह प्रभावी रूप से एक बड़े "तकिये" में बदल गई जिस पर मैं आराम से लेट सकता था।
"लेकिन तुम अपनी पूंछ को तकिए की तरह इस्तेमाल कर रहे हो," मैंने कमजोर आवाज में कहा, मुझे याद आ रहा था कि वह पिछली रात कैसे सोया था।
“ऑर्डोसियन जानबूझकर सपाट, सख्त सतह पर सोते हैं,” स्ज़ारो ने ऐसे लहजे में कहा जिसका मतलब था “मूर्खता मत करो। मुझे तकिए की ज़रूरत नहीं है। तुम्हें है। अब बहस बंद करो, स्त्री। हंटमास्टर के आदेश।”
"आह!" मैंने उसी बनावटी तानाशाही लहजे में चंचल और विद्रोही अंदाज़ में कहा। "हम अभी शिकार नहीं कर रहे हैं। आप मुझे यह नहीं बता सकते कि मुझे क्या करना चाहिए।"
"ठीक है," उसने बड़बड़ाते हुए कहा। "तो फिर बात मान लो, ताकि तुम्हारे जीवनसाथी को अपनी दूरदर्शिता की कमी के कारण तुम्हें असुविधाजनक परिस्थितियों में सुलाने के अपराधबोध से पूरी रात परेशान न होना पड़े।"
— वाह, गंदी चालें चलने में तो तुम बिल्कुल भी पीछे नहीं हटते! मैंने सिर हिलाते हुए और हंसते हुए कहा।
"मैं तुम्हें खुद से बचाने के लिए जो जरूरी है वही कर रहा हूं," उसने भावहीन होकर कहा।
मैंने पलटकर जवाब दिया, "मुझे सुरक्षा की जरूरत नहीं है।"
— तुम्हें मुझे अपनी देखभाल करने देना होगा। मेरे पास आओ, मेरे साथी।
उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया।
— रुको, मैंने जवाब दिया।
मैंने अपने बूट उतारे, फिर अपनी शिकार की वर्दी की जैकेट और पैंट उतारकर उन्हें करीने से मोड़कर अपने बैग पर रख दिया। जब मैं स्ज़ारो की तरफ मुड़ी, तो उसके देखने का अंदाज़ देखकर मेरे घुटने कांपने लगे। मैंने चारों ओर नज़र घुमाई, यह सोचकर कि आखिर ऐसी प्रतिक्रिया क्यों हुई। हालांकि मेरी स्पोर्ट्स ब्रा और ट्रेनिंग शॉर्ट्स मेरे शरीर से चिपके हुए थे, लेकिन उनका डिज़ाइन उत्तेजक नहीं था। जब मैंने स्ज़ारो की

तरफ देखा, तो उसके चेहरे पर भावहीनता देखकर मुझे चक्कर आ गया। क्या मैंने उसकी पिछली प्रतिक्रिया को सिर्फ़ कल्पना ही किया था?

उसने फिर मेरी ओर हाथ बढ़ाया। इस बार मैं उसके पास गई। उसने अपना ऊपरी शरीर एक तरफ झुकाया और अपना सिर अपने हाथ पर टिका लिया। उस पर इस तरह चढ़ना अजीब सा लगा, और उससे भी ज़्यादा तब जब मैं उसके सामने करवट लेकर लेट गई। उसकी कोमल त्वचा का स्पर्श मुझे अवाक कर गया। लेकिन उसकी खुश मुस्कान ने मेरी सारी झिझक मिटा दी। मैंने अपना बायाँ हाथ अपने सिर के नीचे रख लिया।

"ठीक है, तुम जीत गए। तुम बहुत आरामदायक गद्दा हो," मैंने धीरे से कहा।

मुझे नहीं पता था कि मैंने अपनी आवाज इतनी धीमी क्यों कर ली थी, लेकिन उसके ऊपर लेटे होने और हमारे चेहरे इतने करीब होने के कारण ऐसा करना जरूरी लग रहा था।

उन्होंने मुझे वह चंचल जवाब नहीं दिया जिसकी मुझे उम्मीद थी। उनके चेहरे पर बस एक कोमल भाव आ गया और उन्होंने धीरे से मेरे गाल को सहलाया।

अध्याय 11

उसका कोमल और मासूम स्पर्श मेरे दिल में उमड़ रही भावनाओं को फिर से जगाने के लिए काफी था। मुझे उसकी निकटता का एहसास बहुत अच्छा लगता था, उसकी आँखों में आश्चर्य और कोमलता का मिश्रण, और जिस सावधानी और सम्मान से वह हमेशा मुझे छूता था। हैरानी की बात यह है कि मुझे उसकी खुशबू भी बहुत पसंद थी—मिट्टी और लकड़ी की महक, जो जंगल में बेफिक्र दौड़ का एहसास दिलाती थी, खतरे और ताकत का, लेकिन साथ ही घर और स्थिरता का भी।

— "सेरेना बेलो, मुझे अपने बारे में कुछ बताओ," स्ज़ारो ने अपना हाथ मेरे चेहरे से हटाते हुए कहा।

“मेरे बारे में कहने को ज़्यादा कुछ नहीं है,” मैंने होंठ सिकोड़ते हुए कहा, और सोचने लगी कि कौन सी जानकारी प्रासंगिक रहेगी। “मैं दो बच्चों में सबसे बड़ी हूँ। मेरी बहन हर मायने में मुझसे बिल्कुल अलग है, लेकिन वह मेरे माता-पिता के लिए एकदम सही संतान है।”

"क्या तुम्हारे अपने परिवार से संबंध अच्छे नहीं हैं?" स्ज़ारो ने थोड़ा भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।

“मैं इसे इस तरह से नहीं कहूँगी। मुझे अपने परिवार से बहुत प्यार है और मैं हर एक-दो महीने में उनसे मिलने की कोशिश करती हूँ। जब नहीं मिल पाती, तो हम वीडियो कॉल पर बात करते हैं। लेकिन हमारी आपस में ज़्यादा समानता नहीं है। वे बहुत कॉर्पोरेट, हाई-टेक और सामाजिक हैं। मैं एक जंगली जानवर की तरह हूँ। मुझे प्रकृति से घिरे रहना, सरल और वास्तविक चीजों से घिरे रहना पसंद है। सामाजिक लोगों के लिए सब कुछ दिखावे के बारे में होता है। आपको एक खास तरीके से व्यवहार करने या कुछ खास काम करने के लिए बाध्य महसूस होता है क्योंकि आपसे यही उम्मीद की जाती है। जानवरों के साथ ऐसा नहीं होता। आप जानते हैं कि आपकी स्थिति क्या है।”

"हां, जानवर आमतौर पर धोखे को भांप लेते हैं या पहचान लेते हैं," स्ज़ारो ने कहा। "क्या मुझे यह समझना चाहिए कि आपके माता-पिता आपके शिकारी बनने को नापसंद करते हैं?"

मैंने खुद को झटक कर शांत किया।

“ये तो सदी का सबसे बड़ा कमज़ोर बयान है। उन्हें लगा था कि मैं इसे कुछ समय तक करूँगा और फिर ऊब जाऊँगा, जैसे पहले मैंने दूसरे कामों में किया था,” मैंने सिर हिलाते हुए कहा। “जब उन्हें पता चला कि मुझे शिकार करना वाकई पसंद है, तो उन्होंने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके मुझे फेडरेशन के बोर्ड में एक ऊँचा पद दिलवाने की कोशिश की। और शायद यह काम कर भी जाता, लेकिन मैंने मना कर दिया।”

"क्यों?" स्ज़ारो ने सचमुच आश्चर्यचकित होकर पूछा। "क्या यह सम्मान का पद नहीं है?"

“हाँ, लेकिन इसका मतलब होगा उनके मुख्यालय में डेस्क के पीछे बैठकर ‘महत्वपूर्ण’ लोगों से मिलना और वो सब सामाजिक काम करना जो मुझे बिल्कुल भी पसंद नहीं हैं,” मैंने चिढ़कर कहा। “मेरे माता-पिता के अनुसार, मुझे कम जोखिम वाली और अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके बजाय, मैं मैदान में जाता हूँ, अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालता हूँ, और अक्सर अनिश्चित वेतन के लिए काम करता हूँ। लेकिन मुझे यह जीवन पसंद है।”

"क्या तुम्हें खतरनाक जानवरों को मारना पसंद है?" उसने पूछा।
मैं सवाल से आहत होकर पीछे हट गया। उसकी आवाज़ में कोई आरोप नहीं था, लेकिन उसकी निगाहों की तीव्रता से लग रहा था कि वह मेरे जवाब का आकलन करने वाला है।
“नहीं,” मैंने दृढ़ता से कहा। “मुझे किसी भी जीव को मारना पसंद नहीं है। क्या मेरे अंदर कोई शिकारी प्रवृत्ति है जो खतरे के रोमांच और अपने प्रतिद्वंद्वी पर विजय पाने की संतुष्टि का आनंद लेती है? हाँ। लेकिन मैं खेल या मनोरंजन के लिए शिकार नहीं करता। मैंने ओराया के एक क्षेत्रीय उद्यान में एक बाह्य जीवविज्ञानी के सहायक के रूप में काम शुरू किया था। बाढ़ और उसके बाद भूस्खलन ने उत्तर से शिकारी जीवों के झुंडों को उद्यान में धकेल दिया। अनगिनत लुप्तप्राय प्रजातियाँ विलुप्त हो गईं। मैं उनकी रक्षा करने में असमर्थ था। तभी मैंने शिकार करना सीखा।”
"तो, तुम रक्षा के लिए हत्या करते हो," स्ज़ारो ने धीमी आवाज़ में कहा।
“हाँ,” मैंने गर्व से अपनी ठुड्डी ऊपर उठाते हुए उत्तर दिया। “लेकिन, उनके नाम से जो लगता है, उसके विपरीत, फेडरेशन के शिकार में हमेशा मारना शामिल नहीं होता। अक्सर, यह जीवों को पकड़ने और उन्हें दूसरी जगह ले जाने के बारे में होता है, चाहे वे खतरे में पड़े शांतिप्रिय जीव हों या हिंसक शिकारी, ताकि वे अधिक कमजोर प्रजातियों के लिए खतरा न बनें। ओराया पर, अगर कोई शिकार दल समय पर पहुँच जाता, तो वे यही करते।”
"यह तो सराहनीय है, मेरी पत्नी," उन्होंने स्नेहपूर्वक कहा। "लेकिन क्या तुम सचमुच हमेशा के लिए यात्रा करना चाहती हो?"
“नहीं, हमेशा के लिए नहीं,” मैंने स्वीकार किया। “पिछले कुछ वर्षों में मुझे ऐसी दुनिया और प्रजातियों को जानने का मौका मिला है जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। यह अद्भुत से भी बढ़कर है। एक दिन, मैं कहीं बसना चाहूँगा और विदेशी जानवरों के प्रजनक, प्रशिक्षक या किसी विशाल पार्क में पार्क रेंजर के रूप में सेवानिवृत्त होना चाहूँगा।”
“तो फिर कहीं और मत देखो, सेरेना। हम बिल्कुल यही हैं, और तुम्हें इससे बड़ा पार्क कहीं नहीं मिलेगा,” उसने गहरी आवाज़ में कहा। “पूरी दुनिया हमारा खेल का मैदान है। जब तक तुम ट्रांगोर की सैर नहीं करोगी, तब तक तुमने असल में अनोखेपन का अनुभव नहीं किया है। मैं तुमसे वादा करता हूँ, तुम्हें इस जगह से... और मुझसे भी प्यार हो जाएगा।”
यह दावा सुनकर मैं चौंक गई। लेकिन आज के हालात को देखते हुए, हो सकता है कि उनका यह कहना सही हो कि मुझे इस ग्रह से प्यार हो जाएगा।
और उनसे...
"मेरे बारे में बहुत हो गया। मैं तुम्हारे बारे में सुनना चाहता हूँ," मैंने शर्मिंदगी छुपाने की कोशिश करते हुए कहा। "तुमने थोड़ी देर पहले अपने पिता का ज़िक्र किया था। मुझे पता ही नहीं था कि वो अभी भी ज़िंदा हैं।"
स्ज़ारो मुस्कुराया।

“मेरे पिता हम सबसे ज़्यादा जिएंगे। वे तुलमा गाँव के उस्ताद शिकारी हैं और शायद हमारे समय के सबसे महान शिकारी हैं,” उन्होंने गर्व से कहा। “मेरा जन्म वहीं हुआ था। मैं सबसे बड़ा बेटा था, मंधा दूसरी। मेरा एक और भाई और दो बहनें हैं जो मेरे माता-पिता के साथ रहते हैं।”

— अरे वाह! तुमने क्यों छोड़ा? मैंने पूछा।

“क्योंकि गाँव को एक और मास्टर हंटर की ज़रूरत नहीं थी,” उन्होंने सीधे-सादे शब्दों में कहा। “लेकिन इसलिए भी क्योंकि मुझे अपने गाँव में कोई साथी नहीं मिला। यह आम बात है कि जिन पुरुषों को अपने जीवनसाथी का एहसास नहीं होता, वे तब तक एक गाँव से दूसरे गाँव भटकते रहते हैं जब तक उन्हें अपना जीवनसाथी या शादी करने वाला साथी नहीं मिल जाता।”

मेरे पेट में बेचैनी सी महसूस होने लगी।

— लेकिन आप क्राडा में बस गए... क्या आपको कोई साथी मिल गया था? क्या मैं आपके रास्ते में बाधा बन गया था...?

“नहीं! नहीं, मेरी पत्नी,” स्ज़ारो ने मुस्कुराते हुए कहा। “मैंने तो सिर्फ एक महीने रुकने की योजना बनाई थी, लेकिन कुछ बेहद खतरनाक जानवरों को रेबीज की गंभीर बीमारी हो गई थी। लड़ाई के दौरान मैं शिकारियों के साथ शामिल हो गया। अंत में, उन्होंने मुझे अपना मास्टर हंटर बनने के लिए कहा।”

"बहुत बढ़िया! आपने उन्हें ज़रूर प्रभावित किया होगा! लेकिन... पूर्व मास्टर हंटर का क्या हुआ?" मैंने पूछा। "वह स्थिति ज़रूर असहज रही होगी।"

"यह सुझाव पूर्व मास्टर हंटर ने दिया था," स्ज़ारो ने गर्व से कहा। "यह एल्डर क्राथी के पोते रास्कियर ने दिया था।"

— नहीं! मैंने अविश्वास से कहा।

वो हंसा।

— जी हाँ। हम इस दुनिया के रक्षक हैं, सेरेना। हमारी प्रजाति का कोई मुद्रा-प्रधान अस्तित्व नहीं है। हममें से प्रत्येक अपनी-अपनी क्षमताओं के अनुसार कार्य करता है ताकि हम उन सभी जीव-जंतुओं की रक्षा कर सकें जिन्हें देवी ने हमारे संरक्षण में सौंपा है। ट्रांगोर को हमारी आवश्यकता है, और हमें उसकी।

उनकी निगाहें मेरे चेहरे पर घूमीं और उन्होंने धीरे से मेरे गाल को फिर से सहलाया।

और मुझे दिल से पता है कि उसे भी तुम्हारी ज़रूरत है। कल मैं तुम्हें उसकी खूबसूरती के और भी पहलू दिखाऊँगी। लेकिन अभी हमें आराम करना चाहिए क्योंकि हमें सुबह जल्दी उठना है।

— ठीक है, मैंने धीरे से कहा।

मुझे आश्चर्य हुआ जब स्ज़ारो आगे झुका और उसका चेहरा मेरे चेहरे से बस एक बाल बराबर दूर था। बिना किसी झिझक के, मैंने उसके करीब जाकर अपने होंठ उसके होंठों से मिला दिए। मुझे नहीं पता था कि मैं क्या उम्मीद कर रही थी, लेकिन वह कोमल चुंबन, जिसमें वासना और जुनून का अभाव था, एकदम परिपूर्ण लगा। कुछ सेकंड बाद स्ज़ारो ने चुंबन तोड़ा, मुझे प्यार से देखा और फिर से अपने होंठ मेरे माथे पर रख दिए।

शुभ रात्रि, मेरे साथी।
— तुम भी, स्ज़ारो।
मैं थोड़ा और उसके सीने से लिपट गई और नींद में डूबते हुए मैंने महसूस किया कि उसकी मजबूत बांहें मुझे जकड़ रही हैं।

मुझे हिलाने वाले हाथ से चिड़चिड़ाहट हुई और मैं और करीब सिमट गई। गद्दा थोड़ा हिला और एक भारी हंसी ने मुझे नींद के धुंध से भेद दिया। लंबे समय बाद मिली सबसे अच्छी नींद के गायब होते देख मैंने निराशा में आह भरी। मैंने गहरी सांस ली, स्ज़ारो की मिट्टी और लकड़ी की मनमोहक खुशबू मेरी नाक में भर गई।
मैंने अचानक अपनी आँखें खोलीं, और आखिरकार मुझे याद आया कि मैं उसकी मुड़ी हुई पूंछ पर सो रही थी। इतना ही नहीं, नींद में ही मैंने अपना हाथ उसकी कमर में डाल दिया था और अपना चेहरा उसकी गर्दन में छिपा लिया था। मैं लगभग घबराकर, किसी दोषी व्यक्ति की तरह, उससे दूर हटने ही वाली थी।
मैं ऐसा क्यों करूंगा?
यह मेरे पति थे। उन्होंने ज़िद की थी कि मैं उनके ऊपर सोऊं, और अच्छी नींद का आनंद लेने में कोई बुराई नहीं थी।
"तुम सचमुच दुनिया की सबसे अच्छी गद्दे हो," मैंने बुदबुदाते हुए अपना चेहरा उसकी गर्दन की मुलायम पपड़ियों पर रगड़ा और फिर और भी ज्यादा उससे चिपकने की कोशिश की।
स्ज़ारो ने फिर से वही आनंदमयी हंसी हंसी, जिसमें एक हल्की सी कंपन थी, और उसका हाथ धीरे से मेरी पीठ को सहला रहा था।
“यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, मेरी पत्नी,” उसने प्रसन्नता से कहा। “तुम्हें जगाने में मुझे बहुत दुख हो रहा है, पर हमें जाना होगा। मैं वादा करता हूँ कि आज रात तुम्हारे लिए गद्दे वाला खेल फिर से खेलूँगा।”
"मैं तुमसे तुम्हारा वादा पूरा करवाऊंगा," मैंने बड़बड़ाते हुए खुद को उठने के लिए मजबूर किया।
मैंने अंगड़ाई ली और अपने चेहरे से नींद को मलकर हटाया।
"बाकी लोग अकाल्स देखने गए हैं। मैं जाकर देखता हूं कि सब कैसा चल रहा है, तब तक तुम तैयार हो जाओ," स्ज़ारो ने कहा।
मैंने सिर हिलाया और जल्दी से अपने शिकार के कपड़े वापस पहन लिए। चूंकि मैं कंघी या ब्रश नहीं लाई थी, इसलिए मैंने अपने बाल खोल दिए, उन्हें अपने बैग में रखी बोतल से थोड़ा पानी डालकर गीला किया और उंगलियों से जितना हो सके सुलझाया। फिर मैंने उन्हें अपने रोज़ाना के शिकार वाले हेयरस्टाइल में बनाया: दोनों तरफ फ्रेंच चोटी। मैंने दूसरी तरफ चोटी बनाना शुरू ही किया था कि स्ज़ारो वापस आ गया। वह मुझे उत्सुकता भरी निगाहों से देख रहा था।

जब मैंने काम खत्म कर लिया, तो वह पास आया और धीरे से अपनी उंगलियों से मेरी चोटियों को सहलाया। उन्होंने सोच-विचार करते हुए कहा, "यह शानदार है और इसे इतनी कुशलता से बनाया गया है। बिना दर्पण के आप यह सब कैसे करते हैं?"
"अभ्यास करो, मेरी प्यारी," मैंने गर्व भरी मुस्कान के साथ कहा। "क्या बाकी लोगों ने हमें छोड़ दिया है?"
"नहीं, लेकिन वे बस करने ही वाले हैं," उन्होंने खुशी से जवाब दिया। "चलो," उन्होंने मेरा हाथ पकड़ते हुए कहा।
मेरे मन में एक हल्की सी आवाज़ आई कि मुझे शायद उससे अपना हाथ हटा लेना चाहिए और उन कोमल पलों से बचना चाहिए जिनसे हमारा रिश्ता मज़बूत होता था। लेकिन मैंने उस आवाज़ को दबा दिया। पिछली रात कुछ हुआ था। या यूँ कहें कि हमारी ओर्डोसियन शादी के बाद से कुछ बदल गया था। कल का शिकार और पिछली रात ने इसे और पुख्ता कर दिया था। मुझे नहीं पता था कि यह शादी चल पाएगी या नहीं, या मैं इसे चाहता भी हूँ या नहीं। लेकिन मैं अब हमारे बीच जो हो रहा था उससे लड़ना नहीं चाहता था। मैं चीज़ों को अपने आप होने देने वाला था।
जब हम गुफा से बाहर निकले, तो मैं यह देखकर दंग रह गया कि बाकी लोग सचमुच हमें छोड़कर जाने वाले थे। मैंने सज़ारो को जिज्ञासा भरी नज़रों से देखा।
उन्होंने समझाया, "वे पहले से ही जायजा लेने जा रहे हैं। आप और मैं इस क्षेत्र में मौजूद कुछ संकटग्रस्त प्रजातियों की स्थिति की जांच करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रजनन के मौसम के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।"
— मुझे यह योजना पसंद है! मैंने उत्साह से भरे स्वर में कहा।
जब मैंने नाश्ते के लिए एनर्जी बार निकाला, तो स्ज़ारो ने मुझे उसे रखने को कहा। उसने मेरे लिए एक और भोजन सोच रखा था। उत्सुकतावश, मैंने उसकी बात मान ली और दक्षिण-पश्चिम की ओर जाने वाले बाकी लोगों को अलविदा कह दिया।
हम डागास पर सवार हुए, स्ज़ारो ने मेरा बैकपैक ड्रायशन के पिछले सींग पर टांग दिया, और हम पश्चिम की ओर, पर्वत श्रृंखला के समानांतर चल पड़े। मेरे पति का शरीर मेरी पीठ पर फैला हुआ था, जिससे मुझे लगभग आनंद की अनुभूति हुई, और घोड़े की हलचल से हम आगे-पीछे हिल रहे थे, जिससे मेरे मन में शरारती विचार जाग उठे।
मुझे बेहद आश्चर्य हुआ जब हम एक छिपे हुए रास्ते में प्रवेश कर गए, जिसे मैं बड़े-बड़े पत्थरों के बीच एक सहज संरचना के कारण कभी देख भी नहीं पाता। यह रास्ता इतना चौड़ा था कि दो ड्रायशान गाड़ियाँ आराम से साथ-साथ चल सकती थीं। लगभग सौ मीटर लंबा और घुमावदार यह छोटा सा रास्ता एक छिपे हुए बगीचे में खुलता था, जो किसी परी कथा से निकला हुआ प्रतीत होता था, और फिर नदी की ओर जाता था।
स्ज़ारो ने ड्रायशान को रोका और बाहर निकला। मुझे नीचे उतारने में मदद करने के बाद, उसने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे बाग की ओर ले गया। पेड़ कुछ-कुछ छोटे चीड़ के पेड़ों जैसे दिखते थे—जिनकी चोटियाँ मेरे

सिर से एक मीटर से ज़्यादा ऊँची नहीं थीं—लेकिन उनकी शाखाएँ दूर-दूर फैली हुई थीं। चमकीले नीले, चीड़ के शंकु के आकार के फल शाखाओं से जोड़े में लटके हुए थे। हर जोड़े में एक ही घुमावदार तना था जो मुझे एल्बुका पौधे की याद दिलाता था। मैं यह नहीं बता सकता था कि पेड़ों से आ रही आवाज़ें पक्षियों का गाना थीं या झींगुरों की चहचहाहट।

जैसे ही हम पास पहुँचे, स्ज़ारो ने अपनी पूंछ को मधुर ध्वनि से हिलाना शुरू कर दिया, जिससे मुझे तुरंत सुकून मिला। फिर मैंने प्रत्येक शाखा के शीर्ष पर बने घोंसले देखे, जो पेड़ की पत्तियों से बुने हुए थे। प्रत्येक घोंसले में, समुद्री घोड़े जैसी पूंछ वाले पाँच नन्हे, पंखहीन चूजे भोजन के लिए बेतरतीब ढंग से चहचहा रहे थे। प्रत्येक चूजा मेरे अंगूठे से भी छोटा था, और उनकी पारदर्शी त्वचा से उनके नाजुक आंतरिक अंग दिखाई दे रहे थे।

"ये तो बहुत छोटे हैं," मैंने कहा, मेरा दिल इनके लिए बैठ गया। "क्या ये समय से पहले ही अंडे से बाहर आ गए?"

"नहीं, मेरे साथी," स्ज़ारो ने धीमी आवाज़ में कहा। "ये छोटे स्कोगा हैं, जो अभी-अभी पैदा हुए हैं। माँ के अंडे देने के तीन दिन बाद ये अंडों से बाहर आते हैं, दो दिन तक भोजन करते हैं, फिर दो सप्ताह के लिए कोकून में चले जाते हैं।"

"एक कोकून?!" मैंने आश्चर्यचकित होकर कहा। "लेकिन..."

एक भिनभिनाहट की आवाज़ ने मेरा ध्यान खींचा और मेरे विचारों को भंग कर दिया। एक पल के लिए मुझे लगा कि मेरी आँखों को धोखा हो रहा है, फिर मैंने देखा कि एक वयस्क स्कोगा अपने छलावरण से बाहर निकल रहा है। वह आसपास के वातावरण और पेड़ में इतनी खूबसूरती से घुलमिल गया था कि मैं उसे देख ही नहीं पाता। हमारे चारों ओर, अनगिनत अन्य वयस्क भी अपने छिपने के स्थानों से बाहर निकल रहे थे, निस्संदेह स्ज़ारो की मधुर खड़खड़ाहट के कारण। चमकीले रंगों वाले, मेरे सामने वाले स्कोगा का शरीर मधुमक्खी हमिंगबर्ड जैसा, सिर छिपकली जैसा और पूंछ समुद्री घोड़े जैसी थी। हवा में मंडराते हुए, वह घोंसले के ऊपर लटके आश्चर्यजनक रूप से मुलायम फल पर अपना सिर रगड़ रहा था।

अचानक कोई हरकत न करें, वरना माँ फिर से डर जाएगी और छिप सकती है। उसके बच्चों को अगले दो दिनों तक लगातार खाना चाहिए ताकि उनके कायापलट के दौरान जीवित रहने की कोई उम्मीद हो। माता-पिता बारी-बारी से छह-छह घंटे की शिफ्ट में रहते हैं, जिससे दूसरे को आराम करने और खाने का समय मिल जाता है, फिर वे वापस लौट आते हैं।

जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, नीले फल सफ़ेद होने लगे और उनके बीच का घुमावदार तना खुल कर सीधा और चौड़ा होता चला गया, यहाँ तक कि वह घोंसले के ऊपर एक पाइप की तरह लटकने लगा। कुछ ही सेकंड बाद, एक सुगंधित सफ़ेद पेस्ट—जिसमें नींबू जैसी महक थी जो मुझे तुरंत की लाइम पाई की याद दिलाती थी—घोंसले में रिसने लगा। चूजों ने उसे बड़े चाव से खाया।

"क्या तुम मजाक कर रहे हो?" मैंने बुदबुदाते हुए कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं जोर से हंसूं या चौंक जाऊं।
स्ज़ारो ने मुझे हैरानी भरी नज़रों से देखा। मैंने सिर हिलाकर कहा कि यह ज़रूरी नहीं है।
उन्होंने उत्साहपूर्वक कहा, "आपको इसे जरूर आजमाना चाहिए। यह बेहद पौष्टिक है।"
मैं झिझक गया।
— ओह... मुझे सच में नहीं पता।
मेरी आपत्तियों को अनसुना करते हुए, उसने मेरा हाथ पकड़े हुए मुझे दूसरे पेड़ के पास ले गया। वहाँ से कोई चहचहाहट नहीं आ रही थी और न ही कोई वयस्क पक्षी मंडरा रहा था। इसके बजाय, नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने शरीर को घने कोकून से ढकना शुरू कर दिया था, जिनका रंग पेड़ की पत्तियों से बिल्कुल मेल खाता था। आसपास कोई स्कोगा पक्षी न होने के कारण, जिसे डराया जा सके, स्ज़ारो ने नीले रंग के दो फल उठाए और उन्हें सहलाने लगा।
उन्होंने कहा, "जब फ़नल खुल जाए तो उसे पकड़ें और अपने मुंह के सामने रखें। चिंता न करें, आपका दम नहीं घुटेगा। यह थोड़ी-थोड़ी मात्रा में निकलता है।"
यह बहुत ज्यादा था।
मैं जोर से हंस पड़ी, मुंह बनाते हुए, और उसके हाथ पकड़कर फल से दूर खींच लिए। उसकी हैरानी देखकर मुझे और भी हंसी आ गई।
"क्या हुआ? क्या तुम इसे आजमाना नहीं चाहते?" उसने पूछा।
“डार्लिंग, मुझे पता है कि तुम्हारे लिए इसका कोई मतलब नहीं है, लेकिन ये सब मेरे लिए बहुत शर्मनाक है,” मैंने अपनी बचकानी प्रतिक्रिया पर शर्मिंदा होते हुए कहा। “इंसानों के पास एक खास तरह की स्थिति को बताने के लिए एक मुहावरा होता है। इसे ‘उदासी’ कहते हैं।”
स्ज़ारो की आँखें चौड़ी हो गईं और उसका सिर फल की ओर घूम गया। उसने कुछ पल उसे घूरा, उसके चेहरे पर भावों का एक के बाद एक उतार-चढ़ाव आया। मुझे नहीं लगा था कि वह इस बात को समझ पाएगा, ऑर्डोसियन और मनुष्यों के शारीरिक अंतर को देखते हुए, लेकिन...
"सिर्फ पुरुष? महिलाएं नहीं?" उसने पूछा।
— मैंने सिर हिलाते हुए पुष्टि की, “केवल पुरुष।”
स्ज़ारो ने फलों से अपनी नज़रें हटाकर मुझे एक बेहद अजीब नज़र से देखा, जिससे मुझे असहज महसूस होने लगा।
"क्या आप सचमुच रगल के फल की तुलना मानव पुरुष जननांगों से कर रहे हैं?" उसने अविश्वास से पूछा।
वाह! आपने तो सही संबंध ढूंढ ही लिया। तो, साफ तौर पर समानता है!
मेरी आवाज में थोड़ा बचाव का भाव था, हालांकि मैं हंसने की इच्छा को दबा रही थी।

"ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि मुझे पुरुषों में ऐसे कोई अन्य 'अंडकोष' नहीं दिखते जो महिलाओं में न हों," स्ज़ारो ने तर्क दिया। "आपकी शरीर रचना विज्ञान की किताबों में यह नहीं दिखाया गया है कि वे नीले होते हैं, न ही यह कि पुरुषों के इतने लंबे और पतले लिंग होते हैं।"

“हाँ, यह सच है,” मैंने शर्मिंदगी के बावजूद हँसी रोकने की कोशिश करते हुए कहा। “लेकिन ब्लू बॉल्स का मतलब है कि पुरुष उत्तेजित तो है लेकिन स्खलन नहीं कर सकता। तुम्हें उन्हें मालिश करके लिंग को सख्त करते देखना ताकि वह स्खलन कर सके, मेरे लिए असहनीय था।”

"तुम विक्षिप्त हो," उसने मेरी ओर ऐसे देखते हुए कहा मानो मुझ पर दो सिर उग आए हों।

मैंने शरमाते हुए हल्की सी हंसी हंसी।

— इसमें कुछ भी नहीं है। सेक्स से जुड़े चुटकुलों के मामले में इंसान बेहद बेवकूफ हो सकते हैं।

वह कुछ पल के लिए मेरी ओर देखता रहा, मानो वह व्याकुल हो।

“यह कोई यौन अंग नहीं है। यह एक फल है जिससे अत्यधिक पौष्टिक गूदा निकलता है,” उन्होंने अंत में कहा। “यह आपको पर्याप्त पोषण प्रदान कर सकता है और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकता है।”

"ठीक है," मैंने गंभीर होते हुए कहा। "मैं तुम्हारे रुगल पेस्ट का थोड़ा सा स्वाद चखूँगा। लेकिन अब तुम्हारे लिए कोई बॉल मसाज नहीं।"

मुझे नहीं पता था कि मुझे उसे इस तरह चिढ़ाने में इतना बचकाना आनंद क्यों आ रहा था। मुझे बस इस बात की राहत थी कि भले ही उसे समझ नहीं आ रहा था कि मुझे यह इतना हास्यास्पद क्यों लग रहा है, लेकिन स्थिति उसे मज़ेदार लगने लगी थी। लेकिन जब मैंने अंडकोषों को सहलाना शुरू किया और खुलते हुए तने के नीचे अपना मुंह खोला, तो स्ज़ारो का चेहरा बदल गया। भले ही उसने मुझे याद दिलाया था कि रुगल फल होते हैं, लेकिन अब वह उन्हें केवल फल के रूप में नहीं देख सकता था। मैंने उसके लिए उन्हें बिगाड़ दिया था... और मुझे इसका ज़रा भी अफ़सोस नहीं था।

लेकिन, चाहे मुझ पर जो भी शरारत सवार हो गई हो, जब वह सफेद पदार्थ मेरी जीभ पर पड़ा और सबसे दिव्य, मलाईदार, मीठा और नींबू जैसा स्वाद मेरी स्वाद कलियों पर छा गया, तो मेरे गले से निकली वह आह अनचाही थी। अपने आप ही, मेरे हाथ उन गोलियों को बेतहाशा निचोड़ने लगे, जैसे आखिरी बूंद तक निचोड़ रहे हों। मुझे हल्की-सी आवाज में स्ज़ारो की हंसी सुनाई दी, पर मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। जब रूगल्स की पहली जोड़ी खत्म हो गई, तो मैं अपने दुखी पति की संतुष्ट मुस्कान के नीचे दूसरी जोड़ी पर चली गई। चौथी जोड़ी आधी खत्म होने पर मुझे रुकना पड़ा। मेरी एनर्जी बार की तरह, यह मलाईदार पदार्थ भी बहुत पेट भरने वाला था। फिर भी, मैंने बड़ी अनिच्छा से रुकना पड़ा।

"मैंने तुमसे कहा था ना कि यह अच्छा है," स्ज़ारो ने अपनी छाती फुलाते हुए कहा।

"और आप सही थे," मैंने होंठ चाटते हुए कहा। "लेकिन आपको कैसे पता? मुझे लगा था कि ओर्डोसियन लोग सिर्फ मांस खाते हैं?"

— यह सच है, लेकिन रुगल पेस्ट ऐसे व्यक्ति को दिया जाता है जो इतना बीमार हो कि सामान्य रूप से खाना न खा सके या ठोस भोजन न पचा सके। और जैसा कि पहले बताया गया है, यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है।

फिर उन्होंने कायापलट की प्रक्रिया से गुजर रहे छोटे स्कोगास के प्यूपा की ओर इशारा किया।

— एक बार जब वे बाहर निकलते हैं, तो उनके द्वारा छोड़े गए खोल भी खाने योग्य होते हैं। उनमें अद्भुत पुनर्जीवन क्षमता होती है। संयुक्त ग्रह संगठन की दवा कंपनियां इन्हें हासिल करने के लिए विशेष रूप से उत्सुक हैं। इससे वे एक ऐसी क्रीम बना सकते हैं जो जले हुए पीड़ितों की त्वचा को फिर से उगा सकती है और कुछ प्रजातियों के अंगों को भी पुनर्जीवित कर सकती है।

"वाह! यह तो बहुत बढ़िया है! लेकिन जब सारे अंडे फूट जाएंगे तो उन्हें कैसे निकालेंगे?" मैंने पूछा। "यह जगह प्रतिबंधित क्षेत्र का हिस्सा है। क्या बचाव दल के सदस्यों को यहाँ आने की अनुमति है?"

“नहीं,” उन्होंने दृढ़ता से कहा, स्पष्ट रूप से यह बताते हुए कि इस अभयारण्य में किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं है। “कटाई करने वाली टीमों को केवल वहीं जाने की विशेष अनुमति है जहाँ किसी स्किनर को मारा गया हो, ताकि कोई बर्बादी न हो। वे मिनटों में आते-जाते हैं। दो सप्ताह में, हम खाली कोकून इकट्ठा करने के लिए लौटेंगे और उन्हें उन अन्य चीजों में मिला देंगे जो हम यूपीओ को देते हैं।”

मुझे उम्मीद है कि वे इसके लिए आपको भुगतान करेंगे।

"नहीं। क्यों?" स्ज़ारो ने मुस्कुराते हुए पूछा। "जैसा कि मैंने तुम्हें बताया था, मेरी पत्नी, हमारे पास यहाँ पैसे नहीं हैं। हमें इसकी ज़रूरत नहीं है।"

लेकिन आप अपनी खुद की तकनीक के विकास को गति देने के लिए नई प्रौद्योगिकियां हासिल कर सकते हैं, संभवतः अपना खुद का अंतरिक्ष यान बना सकते हैं और तारों की यात्रा कर सकते हैं, मैंने तर्क दिया।

“ऑर्डोसियन ट्रांगोर नहीं छोड़ेंगे,” स्ज़ारो ने गंभीर चेहरे से कहा। “हम इस ग्रह से बंधे हैं, और यह ग्रह हमसे। हमें इससे परे की दुनियाओं की खोज करने की कोई इच्छा नहीं है। जब तक परग्रही यहाँ के जीवन के संतुलन को खतरा नहीं पहुँचाते, हम उन्हें वह सब कुछ देने के लिए तैयार हैं जो अन्यथा व्यर्थ हो जाता, लेकिन केवल तभी जब वे इसका उपयोग अच्छे कार्यों के लिए करें। जिस क्षण वे हमारी संधि तोड़ेंगे, हम उनके प्रति दयालु नहीं रहेंगे।”

उसकी आवाज की कठोरता और उसकी आंखों में दिख रही निर्मम चमक ने मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा कर दी।

"लेकिन अब इसके बारे में बस इतना ही," उसने नरमी से कहा। "हमें कुछ खोजबीन करनी है। सेरेना, मेरी पीठ पर बैठ जाओ, और हम चल पड़ते हैं।"

— क्या मुझे अपना बैग ले जाना चाहिए?

"आपको इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। हम जल्द ही वापस आ जाएंगे, और यह इलाका सुरक्षित है," उसने जवाब दिया।

मैं खुशी-खुशी उसकी पीठ पर चढ़ गया, और वह मुझे अपनी पीठ पर बिठाकर उस छिपी हुई घाटी से निकलकर पश्चिम की ओर जंगल में चला गया। उसके बाद कई घंटों तक, स्ज़ारो ने मुझे अनगिनत अजूबे दिखाए—ऐसे पेड़-पौधे और जानवर जिनके अस्तित्व की मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

समय-समय पर, वह कुछ ठीक करने और संकट में फंसे किसी जीव की मदद करने के लिए रुक जाता था, जैसे गिरे हुए पक्षी के बच्चे को वापस उसके घोंसले में रखना या बम्बी की माँ के परग्रही रूप को उसके बच्चे को घुमाने में मदद करना। उसने एक पेड़ से कुछ विशाल पत्तियाँ भी काटीं, जिसका नाम मुझे याद नहीं है, क्योंकि वे नीचे मौजूद बेर की झाड़ियों को रोशनी से रोक रही थीं, जिससे झाड़ियों में दौड़ने वाले जीवों को भोजन नहीं मिल पा रहा था।

जब तक हम छिपी हुई घाटी में वापस लौटे, दोपहर ढलने लगी थी। फिर भी, मैं हमेशा के लिए वहीं रहना चाहता था। जब वे स्किनर्स की तरह जनसंख्या नियंत्रण अभियान नहीं चला रहे होते थे, तब ऑर्डोसियन शिकारी वही करते थे जो आज स्ज़ारो और मैंने किया था: उनके ग्रह पर जाकर उनसे निपटने के लिए जासूसी मिशन पर जाते थे। मैं आसानी से खुद को हमेशा के लिए यही करते हुए देख सकता था।

जब मैं स्ज़ारो की पीठ से उतरा, तो उसने कहा, "हम आज रात यहीं घाटी में या गुफा में बिताएंगे। चुनाव तुम्हारा है।"

मैंने पूछा, "क्या हमें भी दूसरों के साथ नहीं शामिल हो जाना चाहिए?"

"इसकी कोई ज़रूरत नहीं है। सब कुछ उनके नियंत्रण में है। हम कल तुलमा में उनसे मिलेंगे और मैं आपको अपने माता-पिता, अपने दूसरे भाई और अपनी बहनों से मिलवाऊंगा," स्ज़ारो ने मुस्कुराते हुए कहा।

मेरे पेट में अजीब सी हलचल होने लगी। हालाँकि मुझे उसके परिवार के बारे में जानने की उत्सुकता थी, लेकिन मैं उसके माता-पिता से मिलने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी।

“चिंता मत करो, मेरी पत्नी। सब ठीक हो जाएगा,” उसने दिलासा देते हुए कहा। “अभी के लिए, चलो नदी में नहा लेते हैं? यह शावर तो नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि तुम्हें अक्सर नहाना अच्छा लगता है।”

"क्या आप यह कहना चाह रहे हैं कि मुझसे बदबू आ रही है?" मैंने बनावटी गुस्से से उसकी ओर देखते हुए पूछा।

वह हँसा, मेरी ओर जीभ लहराई और अपना सिर हिलाया।

तुम्हारी खुशबू मुझे आज भी उतनी ही मनमोहक लगती है जितनी पहले लगती थी। आओ।

जब उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया, तो मुझे लगा कि वह दिन भर की तरह बस मेरा हाथ थामना चाहता है, लेकिन इसके बजाय उसने मुझे अपनी ओर खींच लिया और गले लगा लिया। मैं चौंक गई और सहज ही अपनी बाहों को उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट लिया। हमारी आँखें मिलीं, और उसने मुझे फिर से वही कोमल नज़र से देखा, जिसने मुझे पूरी तरह से बेचैन कर दिया। मुझे वह बहुत जल्दी पसंद आने लगा था।

मैंने उसे कभी अपना चेहरा मेरे चेहरे के करीब लाते हुए नहीं देखा। लेकिन जब हमारे होंठ मिले, तो मैंने भी सहर्ष सहमति दी। यह क्षण बहुत ही संक्षिप्त था। उसकी निगाहें मेरी निगाहों पर टिकी थीं, स्ज़ारो मुझे दुल्हन की तरह किनारे तक ले गया, घास पर धीरे-धीरे चलते हुए, मुझे कोमल हाथों से थामे हुए।

एक पल के लिए मुझे लगा कि वह मुझे बाहों में लिए और पूरे कपड़े पहनाए हुए ही पानी में उतर जाएगा। लेकिन वह एक बड़ी चट्टान के पास रुका और मुझे उठने में मदद की। उसने सावधानी से अपने बाजूबंद और अन्य सामान उतारे और उन्हें चट्टान पर रख दिया। मैंने अपने जूते और चमड़े का वेटसूट उतारा और उसके सामने स्पोर्ट्स ब्रा और ट्रेनिंग शॉर्ट्स में खड़ी हो गई। स्ज़ारो ने मुझे एक अजीब नज़र से देखा। उस पल, मैं उसके मन की बात समझने की पूरी कोशिश कर रही थी।

"मैं आपको थोड़ी निजता दूंगा," उन्होंने नरमी से कहा।

मेरे जवाब का इंतज़ार किए बिना, वह मुड़ा और पानी में उतरने से पहले लगभग सौ मीटर बाईं ओर चला गया। मैं भी सीधे पानी की ओर बढ़ा, अपने टॉप और बॉटम उतार दिए, जो मेरे अंडरवियर का भी काम कर रहे थे। मैं एकदम साफ़ पानी में उतरा और यह देखकर हैरान रह गया कि यह मेरी उम्मीद से कहीं कम ठंडा था। यह गुनगुना नहीं था, बस ठंडा था, शायद 12 से 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास। मैंने अपने कपड़ों को जितना हो सके अच्छे से धोया, जितना हो सके पानी निचोड़ा, फिर उन्हें पास के एक पेड़ की नीची शाखा पर टांग दिया।

मुझे लगा कि जब मैं नग्न अवस्था में इधर-उधर घूम रही थी, तो शायद स्ज़ारो मुझे दूर से देख रहा था। इस विचार ने मुझे उत्तेजित कर दिया। उस क्षण मैंने अपनी भावनाओं पर कोई सवाल नहीं उठाया। जब मैं पानी की ओर वापस जा रही थी, तो मैंने उसकी ओर देखा। स्ज़ारो तैर रहा था, डॉल्फ़िन की तरह पानी से शानदार छलांग लगा रहा था। जब मैं आराम से खुद को धो रही थी, तब भी मेरी निगाहें उसकी कलाबाज़ी भरी तैराकी से हटी नहीं।

मुझे याद नहीं कि मैं उसकी ओर तैरना कब शुरू किया। जब वह अचानक रुका, मुड़ा और मेरी ओर देखा, तब मुझे एहसास हुआ कि हम दोनों के बीच सिर्फ़ दस मीटर की दूरी थी। पानी में खेलते समय उसने अपना सिर ढक लिया था, शायद खुद को ज़्यादा सुव्यवस्थित बनाने के लिए। लेकिन उसने उसे फिर से खोल दिया और मेरी ओर तैरते हुए—या यूँ कहें कि पानी पर सरकते हुए—पूरी तरह फैला लिया। वह अपने हाथों का इस्तेमाल नहीं कर रहा था, जिन्हें उसने अपने बगल में ढीला छोड़ रखा था, और अपनी पूंछ से खुद को आगे बढ़ा रहा था।

मुझे बेहद आश्चर्य हुआ कि वह सीधे मेरी ओर आने के बजाय, मेरे चारों ओर चक्कर लगाने लगा, ठीक वैसे ही जैसे कोई शार्क अपने शिकार को घेरती है, और हर चक्कर के साथ उसका दायरा छोटा होता जा रहा था। अंत में वह मुझसे कुछ सेंटीमीटर दूर रुक गया, लेकिन मुझे छुए बिना।

"तुम नग्न हो, सेरेना," उसने कहा, उसकी आवाज़ मेरी याद से कहीं अधिक गहरी थी और उसके साथ आने वाला हल्का कंपन सामान्य से कहीं अधिक स्पष्ट था।

मैं मानता हूँ, हाँ।
"क्या आप अपनी निजता का त्याग कर रहे हैं?" उसने जोर देकर कहा।
- वास्तव में।
एक हाथ ऊपर उठाकर, दूसरे हाथ से खुद को संभाले हुए, मैंने उसके हुड की बाईं भीतरी दीवार को सहलाया। वह काँप उठा, और उसकी आँखों की पुतलियाँ फैल गईं। साल्हा ने मुझे बताया था कि मोर की पूंछ की तरह, ऑर्डोसियन का हुड यौन चयन का प्रतीक होता है और अन्य बातों के अलावा, मादाओं को आकर्षित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हुड जितना चौड़ा होता है, भौंहों की हड्डी जितनी मोटी होती है, और उसके चारों ओर जितने अधिक छल्ले होते हैं, नर उतना ही आकर्षक होता है। स्ज़ारो मुझे लुभाने के लिए अपनी "मोर की पूंछ" दिखा रहा था।
मैंने अपनी बाहें उसकी गर्दन के चारों ओर लपेट लीं और उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया। उसके गले से निकली हल्की सी गुर्राहट, उसकी कठोर देह के स्पर्श से मेरी नंगी त्वचा पर निकली कोमल आह से गूंज उठी। उसकी पूंछ की कोमल खुरदरी सतह, जो हमें पानी पर तैरता रखने के लिए इधर-उधर हिल रही थी, मेरी जांघों के बीच गूंज उठी। उसके हाथ मेरी पीठ पर घूम रहे थे, एक हाथ मेरे नितंबों पर था जबकि दूसरा मेरी गर्दन के पिछले हिस्से को सहला रहा था। मैंने अपना चेहरा ऊपर उठाया, उस चुंबन की उम्मीद में जो मुझे कुछ ही क्षणों में मिलने वाला था।
मैंने खुद को उससे सटा लिया। और पहली बार, स्ज़ारो के होंठ खुले और उसने चुंबन को और गहरा कर दिया। मुझे इस पल का डर था, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसकी सरीसृप जैसी जीभ पर मेरी क्या प्रतिक्रिया होगी। सच कहूँ तो, पहले तो यह अजीब लगा, क्योंकि यह पतली और लंबी थी। इसलिए, मैंने कोशिश करना छोड़ दिया और उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसकी गुर्राहट ने उसकी सहमति जता दी, और जल्द ही हमारी जीभें एक साथ नाचने लगीं। जैसे ही उसके हाथों ने अपना स्पर्श फिर से शुरू किया, मेरे हाथों ने भी। मुझे राहत मिली जब उसने अपने पंख अपनी बाहों में समेट लिए, और मैं उसके अलग-अलग शल्कों के कोमल लेकिन दृढ़ एहसास में डूब गई, उसके कंधों पर सबसे मोटे और चौड़े शल्कों से लेकर उसकी छाती और बाहों पर छोटे, चमकदार शल्कों तक।
चुंबन तोड़ते हुए, स्ज़ारो के होंठ मेरे जबड़े की रूपरेखा को छूते हुए मेरी गर्दन तक पहुँचे, और उसने मुझे पीछे खींच लिया ताकि उसका मुँह मेरी त्वचा पर अपना सफ़र जारी रख सके। मैंने सहज ही अपने पैर उसकी कमर के चारों ओर लपेट लिए, और मेरे हाथों ने उसकी मज़बूत बाहों को जकड़ लिया। इस नई स्थिति में, हमें स्थिर रखने के लिए उसके कूल्हों के हिलने से उसकी कमर और मेरी जांघों के बीच एक बेहद कामुक घर्षण पैदा हुआ। मेरे पैरों में दौड़ती बिजली की चिंगारियाँ और मेरे एक निप्पल को चूसते हुए उसके मुँह की जलती हुई गर्मी से मैं फिर से कराह उठी।
देखते ही देखते, मेरी भीतरी दीवारें वासना से सिकुड़ गईं। जब उसने मुझे उठाया और मेरे मुंह की मांग की, तो मुझे लगा कि वह अपना लिंग मुझ पर थोप देगा और मुझे भेद देगा, लेकिन उसने बस अपना दाहिना हाथ

मेरे नितंबों के पीछे सरकाया और मेरी योनि को सहलाने लगा। मेरी भगशेफ इतनी उत्तेजित थी कि उसके हल्के से स्पर्श से ही मैं उसके मुंह पर ज़ोर से कराह उठी। स्ज़ारो ने मुझे और कसकर गले लगाया, चुंबन तोड़ा और मेरी ओर तीव्र निगाहों से देखने लगा। उसकी उंगलियों की मेरे भगशेफ पर हरकतें झिझक भरी थीं। मदहोश होकर मैं समझ गई कि यह उसके लिए अपरिचित था और शायद वह मेरे स्पर्श पर मेरी प्रतिक्रियाओं का अध्ययन कर रहा था ताकि मुझे बेहतर ढंग से समझ सके।

मैं उसे दोबारा चूमने के लिए झुकी, लेकिन उसने अपना सिर पीछे खींच लिया और मुझे देखता रहा। होंठ खुले हुए थे, मेरी सांसें तेज़ चल रही थीं और मेरे अंदर धीरे-धीरे आनंद उमड़ रहा था। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और उसके बढ़ते हुए नियंत्रित स्पर्श के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। चरम सुख की अनुभूति होते ही मैंने चीखते हुए अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया और मेरे नाखून स्ज़ारो की बाहों में गड़ गए। उसने फिर से मधुर स्वर में मेरे होंठों को अधिकारपूर्ण चुंबन से दबा दिया, और मैं उसके ऊपर कांपती रही।

बिना रुके, वह पीछे की ओर झुकता गया, यहाँ तक कि वह पानी में पीठ के बल लेट गया और मैं उसके ऊपर थी। स्ज़ारो की हुड, जो उसने खींच रखी थी, लगभग एक तैरने वाले उपकरण की तरह काम कर रही थी, और वह नदी में फिर से तैरने लगा। वह तुरंत किनारे पर नहीं लौटा और पानी में चक्कर लगाता रहा, जबकि उसके हाथ मुझे सहला रहे थे। मैंने उसके चेहरे और गर्दन को चूमा, और पानी हमारी गर्म त्वचा को छू रहा था।

जब स्ज़ारो ने हमें घुमाकर खड़े होने से पहले ही मुझे एहसास दिलाया कि वह आखिरकार किनारे की ओर बढ़ गया है। मेरे पैर अभी भी उसकी कमर से लिपटे हुए थे, और मैंने अपने पति को मुझे पानी से कुछ कदम दूर नरम काई के बिस्तर तक ले जाने दिया। उसने मुझे उस पर लिटा दिया, लेकिन मेरे साथ लेटने के बजाय, वह आश्चर्य से मुझे निहारने लगा, उसकी निगाहें मुख्य रूप से मेरे पैरों पर टिकी हुई थीं। मुझे आश्चर्य हुआ कि मुझे शर्मिंदगी या असहजता महसूस नहीं हुई, लेकिन भला मैं कैसे असहज हो सकती थी जब वह मुझे ऐसे देख रहा था मानो मैं ब्रह्मांड की सबसे खूबसूरत महिला हूँ?

वह नीचे झुका और मेरे पैरों से शुरू करते हुए, अपनी उंगलियों से मेरी टांगों को सहलाने लगा, उसके होंठ भी उसी राह पर चलते रहे। जैसे ही वह मेरे घुटनों तक पहुँचा और अपने गाल की कोमल त्वचा को मेरी दाहिनी जांघ से रगड़ा, मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मेरे सीने पर मानो एक भारीपन छा गया, जिससे मैं मुश्किल से साँस ले पा रही थी, क्योंकि उसका चेहरा मेरी जांघों के ऊपरी हिस्से के करीब आ रहा था। उसके चौड़े कंधों ने मेरी टांगों को फैला दिया और वह उनके बीच में आ गया।

स्ज़ारो ने अपनी जीभ लपकाई, और उसके गले से एक भूखी सी आह निकली, फिर उसका अंगूठा धीरे से मेरी योनि को सहलाने लगा। वह मेरी भगशेफ पर कुछ देर रुका रहा, मानो उसे उसमें आनंद आ रहा हो। फिर उसकी गर्म साँसें मेरी योनि पर फैल गईं, और उसके बाद उसके मुँह की जलती हुई नमी मुझ पर छा गई। एक दबी हुई सिसकी के साथ, मैंने अपनी गर्दन झुकाई और अपना सिर पीछे की ओर झुका दिया। एक हाथ से मैंने अपने निप्पल को चुटकी से दबाया, जबकि दूसरे हाथ की हथेली से स्ज़ारो की भगशेफ की कोमल त्वचा को सहलाया।

उसने धीरे-धीरे समय लिया, मेरी हर प्रतिक्रिया को परखते हुए, महसूस करते हुए, परखते हुए, जब उसकी उंगलियाँ, जीभ और मुँह मुझ पर स्पर्श कर रहे थे। मेरे भीतर आनंद धीरे-धीरे बढ़ता गया और मेरे होंठों से लगातार आहें निकलती रहीं, मेरी त्वचा अंदर धधकती आग से काँप रही थी। उस आनंदमय खुमारी में, मैंने उसकी पूंछ का सिरा अपने चेहरे के पास आते देखा, उसकी खाल हटकर उसका सिर दिखाई दिया। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, मैं उसके उसे सहलाने का इंतज़ार कर रही थी, ठीक वैसे ही जैसे उसने हमारी शादी के दौरान किया था।

उसी क्षण, उसने अपनी जीभ मेरे भीतर डाल दी। मेरे पूरे शरीर में तीव्र गर्मी फैल गई, और चरम सुख की तीव्रता से मेरी आँखों के सामने एक चकाचौंध कर देने वाली रोशनी फूट पड़ी। उसके बाद के कुछ मिनटों में क्या हुआ, मैं बता नहीं सकती। मैं उस आनंद में पूरी तरह खोई हुई थी। जब मैं होश में आई—मेरा शरीर अभी भी परमानंद की आखिरी लहरों से कांप रहा था—तो स्ज़ारो मेरे ऊपर लेटा हुआ था, गर्व, वासना और अधिकार भाव से मेरे चेहरे को निहार रहा था।

मुझे उसकी इच्छा समझने में थोड़ा समय लगा। मैंने अपनी बाहें उसकी गर्दन के पीछे सरका दीं और अपने पैर चौड़े कर लिए, ताकि वह मेरे बीच आराम से बैठ सके। उसकी खड़ी पुतलियाँ फैल गईं और उसके होंठ खुल गए, जिससे मुझे उसके नुकीले दाँतों की झलक मिली। फिर मैंने उसकी जांघों के नीचे की त्वचा को अलग होते हुए महसूस किया, उसका कठोर, पहले से चिकना किया हुआ अंग मेरे शरीर से सटा हुआ था। वह एक बार फिर रुका, उसकी आँखें मेरी आँखों में झपक रही थीं। मैंने सिर हिलाकर अपनी सहमति स्पष्ट कर दी।

स्ज़ारो मुस्कुराया और मेरे शरीर से रगड़ने लगा। उसके लिंग के सिरे हर बार मेरी भगशेफ को सहलाते ही मेरे शरीर में एक ज़ोरदार सिहरन दौड़ गई। कुछ देर ऐसा करने के बाद उसने अपना सिर नीचे झुकाया और मेरे होंठों को चूमते हुए मेरे अंदर प्रवेश करने लगा। हे भगवान! वह कितना विशाल था!

हालांकि उसने मुझे उत्तेजित कर दिया था, और उसके पहले से ही चिकनाई लगाने के बावजूद, मेरा शरीर उसका विरोध करने की कोशिश कर रहा था। स्ज़ारो ने चुंबन को बस इतनी देर के लिए तोड़ा कि अपने नुकीले दांत मेरी गर्दन में गड़ा सके और थोड़ा सा अपना लकवाग्रस्त करने वाला ज़हर मेरे अंदर डाल सके। यह थोड़ी सी मात्रा थी, बस इतनी कि मेरी मांसपेशियां शिथिल हो जाएं और मुझे थोड़ी राहत महसूस हो। कुछ सेकंड बाद, मेरा शरीर उसके आगे झुक गया और उसने उसे स्वीकार कर लिया। स्ज़ारो ने मेरे मुंह से निकली कामुक आह को निगल लिया, उसकी जीभ मेरे मुंह में घुस गई और उसका लिंग मेरे अंदर हिलने लगा।

उसके नुकीले कांटों को देखने के बाद से मैंने जो भी कल्पनाएँ पाल रखी थीं, वास्तविकता ने उन्हें पूरी तरह चकनाचूर कर दिया। जब स्ज़ारो ने अपने कांटों को नियंत्रित करना शुरू किया, उन्हें प्रवेश द्वार पर सिकोड़कर निकास द्वार पर फैलाना शुरू किया, तो मुझे लगा जैसे मैं पागल हो जाऊँगा। हर हरकत के साथ, मेरे पेट में आग का गोला फूट पड़ा, मेरी नसों में तरल लपटें दौड़ती हुई मुझे अंदर से भस्म कर रही थीं।

मैं उसकी खाल को नोंचते हुए और आनंद से चीखते हुए उसके नीचे छटपटा रही थी, जैसे-जैसे वह अपनी गति बढ़ाता गया। हर धक्का, गहरा, मजबूत, तेज, मुझे संवेदनाओं के भंवर में ले जा रहा था। स्ज़ारो ने मुझे एक और चरम सुख दिया, फिर अपनी बाहों को मेरे घुटनों के पीछे सरकाते हुए मुझे उसके लिए और भी खोल दिया। इस बार, वह संयमित, सलीकेदार प्रेमी जिसने मुझे आसमान के तारे दिखा दिए थे, आखिरकार अपना नियंत्रण खो बैठा और अपनी ही वासना के आगे आत्मसमर्पण कर दिया।

जब वह मुझ पर ज़ोर-ज़ोर से वार कर रहा था, तो मेरा सिर इधर-उधर लुढ़क रहा था, हर धक्के से मेरे शरीर में बिजली की चिंगारियाँ दौड़ रही थीं। यह इंद्रियों का अतिभार था। मेरा पूरा शरीर तीव्र संवेदनाओं के बवंडर में बदल गया था। उसके अजीबोगरीब अंग से लेकर मेरी नंगी त्वचा पर उसकी खुरदरी त्वचा के कोमल घर्षण तक, और मेरे कानों में उसकी आहों की गड़गड़ाहट तक, मेरी दुनिया बस यही थी कि स्ज़ारो मुझसे कुछ माँग रहा था... मुझे नष्ट कर रहा था।

जब मुझे अगली चरम सुख की अनुभूति हुई, तो मुझे लगा जैसे मेरा दिमाग चकनाचूर हो जाएगा। स्ज़ारो अपनी ही खुशी में दहाड़ उठा, उसका वीर्य मेरे चोटिल अंदरूनी अंगों में ज़ोरदार धारों की तरह बह निकला। उसकी बाहें मुझे लगभग दर्द भरे आलिंगन में जकड़ गईं, मानो मुझे वास्तविकता में बनाए रख रही हों। वह तब तक मेरे अंदर हिलता रहा जब तक उसका सारा वीर्य बाहर नहीं निकल गया। उसने श्रद्धापूर्वक मेरे चेहरे को चूमा, और ऑर्डोसियन भाषा में कुछ शब्द बुदबुदाए जो मुझे समझ नहीं आए। अंत में, उसने हमें पलट दिया, मुझे अपने ऊपर लिटाया और अधिकारपूर्वक अपनी बाहों और पूंछ को मेरे कांपते शरीर के चारों ओर लपेट लिया।

अध्याय 12

बड़ी अनिच्छा से मैंने अपनी साथी को कपड़े पहनते देखा, उसके बाल सुबह के स्नान से अभी भी गीले थे। समुद्र तट पर पहली बार प्रेम करने के बाद, मैंने रात में चार बार और सुबह एक बार उसे पुकारा था। फिर भी, मुझे उसकी बहुत याद आ रही थी।

मैंने उसे बाहर सुलाने की योजना नहीं बनाई थी, और बिल्कुल भी नहीं। हालाँकि ट्रांगोर के इस हिस्से में रातें कभी ठंडी नहीं होतीं, लेकिन दिन की तुलना में रातें काफ़ी ठंडी थीं। सेरेना के पास हमारी तरह शल्कों की प्राकृतिक सुरक्षा नहीं थी। इसके अलावा, उसके विपरीत, हम ठंडे रक्त वाले जीव थे। इसका मतलब था कि हमारे शरीर आसपास के तापमान के अनुकूल ढल सकते थे, जबकि उसका शरीर एक स्थिर तापमान बनाए रखने की कोशिश करता था। सौभाग्य से, उसे इससे कोई परेशानी या असुविधा नहीं हुई।

कपड़े पहनने के बाद, सेरेना ने रगल्स खाए। जब से उसने इनकी तुलना पुरुष जननांगों से की थी, तब से मैं इन फलों को पहले की नज़र से नहीं देख पाता था। और उसने इस बात का पूरा ध्यान रखा। अभी मेरी साथी कामुक भाव से फलों को मसल रही थी, अपनी जीभ की नोक से फ़नल के छेद को छू रही थी, मानो गूदा निकलने से ठीक पहले उसे चाटना चाहती हो। इस पूरे समय उसकी नज़रें मुझसे हटी नहीं।

मेरी रिसर्च से मुझे पता था कि पुरुषों को अच्छा लगता है जब उनकी पार्टनर उनका लिंग अपने मुंह में लेती हैं। सेरेना ने मेरे लिए ऐसा नहीं किया, हालांकि पिछली रात किसी समय वह ऐसा करना चाहती थी। लेकिन उसके अंदर जाने की ज़रूरत बहुत ज़्यादा थी। वह बहुत गर्म और कोमल थी। और जब मैंने उसे अपने अंदर लिया तो उसने जो आवाज़ें निकालीं, जिस तरह उसका शरीर मेरे नीचे कांप रहा था...?

हे भगवान! इसके बारे में सोचते ही मुझे चक्कर आने लगे।

मुझे नहीं पता था कि उसने कल रात खुद को मेरे हवाले क्यों कर दिया था, और इससे मैं बहुत डर गया था। गुफा में बिताई रात के बाद कुछ बदल गया था। हमारे बीच का रिश्ता और मजबूत हो गया था। फिर भी, मुझे यकीन नहीं था कि सेरेना ने छह महीने पूरे होने के बाद जाने की अपनी योजना छोड़ दी होगी।

मैं उसे कभी जाने नहीं दे सकता था।

और मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि वह ऐसा न करे। पिछली रात मेरी साथी के मेरे साथ संबंध बनाने का एकमात्र कारण वासना नहीं था। उसने हमारे बीच का जुड़ाव महसूस किया था। उसकी आँखों में मेरे लिए सच्चा स्नेह झलक रहा था। मैं उस लौ को तब तक हवा दूँगा जब तक वह एक भयंकर आग न बन जाए।

सेरेना को आखिरी बार प्यार से चूमने के बाद, मैंने उसे वापस डगास पर बिठाया, जो चरते हुए थोड़ा भटक गया था। कम से कम मुझे इस बात से थोड़ी तसल्ली मिली कि मेरी साथी मेरे साथ चिपकी हुई थी और हम दोनों ड्रायशान पर सवार थे। तुलमा तक का लंबा सफर पलक झपकते ही बीत गया।

हमारे कुशल शिकारियों की बदौलत उत्तर-पश्चिम में मौजूद खतरे टल गए थे। क्राडा के ग्रैंड हंट्समैन के रूप में, मंधा और रास्कियर को यह ज़िम्मेदारी सौंपकर मैं अपने कर्तव्य में विफल रहा था। लेकिन ये दोनों पुरुष

मेरी साथी के साथ समय बिताने की ज़रूरत को समझते थे। किसी भी रिश्ते की शुरुआत के शुरुआती दिन ही उसकी नींव की मज़बूती तय करते हैं। मैं चाहता था कि मेरा रिश्ता अटूट हो।

हालांकि, मैंने खुद को यह नरमी सिर्फ इसलिए बरती क्योंकि मुझे अपने भाई और दोस्त पर पूरा भरोसा था। मंधा की मेरे कंप्यूटर पर मिली ताज़ा रिपोर्ट से पता चला कि स्किनर के सभी बचे हुए समूह अब फेडरेशन के शिकारियों की पहुंच वाले इलाकों में मौजूद हैं। ताज़ा स्कैन के मुताबिक, उन्हें एक हफ्ते में, ज़्यादा से ज़्यादा दस दिनों में खत्म कर दिया जाना चाहिए। मैं उनके जाने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। उनकी मौजूदगी मेरी साथी को यह याद दिलाती रहती थी कि उसने मुझे अपनी मर्ज़ी से नहीं चुना था।

एक दिन पहले, उसने मेरे साथ इस क्षेत्र का भ्रमण करने और वन्यजीवों की देखभाल करने का आनंद लिया था। मैं चाहता था कि यह सेरेना की रोज़मर्रा की दिनचर्या बन जाए। मैं चाहता था कि वह इस दुनिया के अनगिनत अजूबों को और अधिक खोजे, जब तक कि यह उसकी अपनी इच्छा का जीवन न बन जाए, न कि वह जीवन जो उस पर थोपा गया हो।

जैसे ही मेरे पैतृक गाँव तुलमा की आकृति नज़र आने लगी, मेरी साथी की कोमल सुगंध में भय और चिंता की हल्की सी तीखी झलक दिखाई देने लगी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह मेरे माता-पिता से मिलने को लेकर इतनी चिंतित क्यों थी।

मुख्य चौक पर बड़ी संख्या में कबीले के लोगों ने हमारा स्वागत किया, जिनमें मेरा परिवार और क्राडा के शिकारी भी शामिल थे। मैंने चौक के पहले पत्थर से ठीक पहले डागास को रोका, गाड़ी से उतरा और सेरेना को भी उतरने में मदद की। वह घबराई हुई सी अपने गुंथे हुए बालों में हाथ फेर रही थी और अपनी शिकार की वर्दी ठीक कर रही थी। जैसे ही मैं अपनी पत्नी को चौक के केंद्र में ले गया, जहाँ तुलमा के तीन बुज़ुर्ग देवी इशाया की मूर्ति के नीचे प्रतीक्षा कर रहे थे, इस दृश्य की बेचैन कर देने वाली परिचितता ने मुझे झकझोर दिया। जिन परिस्थितियों के कारण हम यहाँ आए थे, वे पूरी तरह से भिन्न थीं, फिर भी मेरी सेरेना को स्पष्ट रूप से लग रहा था कि उस पर एक बार फिर मुकदमा चल रहा है।

हमारे चारों ओर जमा सभी लोग उसे टकटकी लगाकर देख रहे थे। उनकी जिज्ञासा स्वाभाविक थी। जब मैंने पहली बार सेरेना को देखा था, तब मैं भी उतना ही उत्सुक था, हालांकि मेरे मन में उसके प्रति आकर्षण का भी कुछ अंश था। लेकिन तुलमा जनजाति का बाहरी लोगों, विशेषकर मनुष्यों से बहुत कम संपर्क था। जनजाति ने कभी किसी मानव स्त्री को साक्षात नहीं देखा था, सुनहरी त्वचा वाली स्त्री तो दूर की बात है, और विशेष रूप से शिकारी स्त्री को तो बिल्कुल नहीं। इसके अलावा, वह मास्टर हंटर की साथी थी, जिसे तुलमा की अधिकांश योग्य स्त्रीयाँ आकर्षित करने में असफल रही थीं।

जब मैं पत्नी और जीवन का उद्देश्य तलाशने के लिए गांव से निकला, तो कई लोगों को आश्चर्य हुआ कि किस तरह की स्त्री मुझे पसंद आएगी। किसी ने भी, यहां तक कि मैंने भी, यह कल्पना नहीं की थी कि वह मेरी सेरेना, मेरी खूबसूरत आशिना जैसी कोई होगी।

डीनों को सम्मानपूर्वक प्रणाम करने और अपने साथी से उनका परिचय कराने के बाद, मैंने अपने माता-पिता के पास जाने से पहले सभी का अभिवादन किया। मुझे बाद में पुराने दोस्तों से मिलने का समय मिल जाएगा।
— माँ, पिताजी, मैंने आदरपूर्वक कहा और बारी-बारी से अपना माथा उन दोनों के माथे से टिका दिया।
— "वापस स्वागत है, मेरे बेटे," मेरी माँ ने स्नेहपूर्वक कहा और फिर अपनी सुनहरी आँखों को सेरेना की ओर घुमाया।
— बेटा, मेरे पिता ने अभिवादन के तौर पर कहा और फिर अपना ध्यान मेरी पत्नी की ओर केंद्रित कर लिया।
मेरे पेट में बेचैनी सी घर कर गई। स्वाभाविक जिज्ञासा के अलावा, उनकी निगाहों में वह गर्माहट नहीं थी जिसकी मुझे आदत थी और जिसकी मुझे उनसे उस दिन उम्मीद थी जब मैं आखिरकार अपने जीवनसाथी को घर लेकर आई थी।
— ये सेरेना है, मेरी पार्टनर, मैंने धीरे से उसकी पीठ सहलाते हुए कहा।
मेरी माँ की आँखों में सूक्ष्म लेकिन स्पष्ट कठोरता और मेरे पिता की रीढ़ की हड्डी में आए खिंचाव ने मेरी सारी इंद्रियों को सतर्क कर दिया। मेरे माता-पिता सेरेना को पसंद नहीं करते थे। लेकिन क्यों? निश्चित रूप से, वे मेरे लिए एक शुद्ध ओर्डोसियन लड़की को प्राथमिकता देते, लेकिन मेरी खुशी उनके लिए ज़्यादा मायने रखती थी। मंधा ने उन्हें मेरी प्रेमिका के प्रति मेरे स्नेह के बारे में ज़रूर बताया होगा। मुझे इसका कारण जानना ही था, लेकिन अभी नहीं, उसके सामने नहीं।
— सेरेना, ये मेरे माता-पिता हैं, मेरी माँ एरास्ट्रा और मेरे पिता लेशु, मैंने उत्साह से कहा, मानो कुछ भी गलत नहीं हुआ हो।
"आपसे, एरास्ट्रा, और आपसे, लेशु, मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है," सेरेना ने घबराहट भरी हंसी के साथ कहा।
"आखिरकार हम तुमसे मिल ही गए, सेरेना," मेरे पिता ने अभिवादन में मुश्किल से अपना सिर झुकाते हुए कहा।
“हमने आपके बारे में बहुत कुछ सुना है,” मेरी माँ ने कहा। “मेरी बेटी सलहा और उस नन्हे बच्चे की जान बचाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारी बेचारी मंधा तो पूरी तरह टूट जाती।”
मैंने दांत भींचने की इच्छा को दबाया और बड़ी मुश्किल से गुस्से में फुफकारने से खुद को रोका। मेरे माता-पिता का मेरी ओर न देखना इस बात की पुष्टि करता था कि अपमान जानबूझकर किया गया था। मेरी माँ ने यह कहकर इस बात पर ज़ोर दिया कि मंधा की साथी उनकी बेटी सलहा है, जबकि मेरे माता-पिता दोनों मेरी साथी को उसके पहले नाम से ही पुकार रहे थे।
"मुझे धन्यवाद देने की कोई जरूरत नहीं है," सेरेना ने जवाब दिया। "मैंने जो किया वह बिल्कुल सही था।"
— हम्म, मेरी माँ ने तटस्थ स्वर में उत्तर दिया।
फिर मैंने अपनी प्रेमिका का परिचय अपने दूसरे भाई और बहनों से कराया, जो पास ही इंतज़ार कर रहे थे। कुछ देर बातचीत के बाद, मेरी दोनों बहनें यह कहकर चली गईं कि उन्हें अहाते में अपने काम पर लौटना है,

और मेरा छोटा भाई भी एक जासूसी मिशन पर जा रहा था। चूंकि मैं गाँव में कुछ दिन बिताने वाला था, इसलिए बाद में मिलने का समय मिल जाएगा।
मैंने देखा कि सेरेना मेरे पिता को चोरी-छिपे देख रही थी। मुझे लगा कि उनकी विशाल लंबाई उसे डरा रही थी। मेरी लंबाई और चौड़े कंधों के बावजूद, मेरे पिता मुझसे भी लंबे थे।
मैंने खुशमिजाज दिखने की कोशिश करते हुए कहा, "पिताजी, पिछली बार जब मैं आया था तब से आप और भी बड़े हो गए हैं।"
"यह सच है," मेरे पिता ने गर्व भरे भाव से कहा।
"और उसने अपने पंख झड़ने के बारे में लगातार शिकायत करके मुझे दो सप्ताह तक पागल कर दिया," माँ ने अप्रभावित दिखते हुए कहा।
सेरेना ने खुद को संभाला और फिर खांसने के बहाने अपनी हंसी छिपाने की कोशिश की।
मेरे पिता ने मेरी माँ की ओर मुड़कर देखा।
"यह वाकई बहुत भयानक था," उन्होंने बचाव करते हुए कहा। "ज़रा सोचिए, इतनी सारी पुरानी त्वचा उतरनी हो और फिर भी यह दयनीय चीज़ उतरने से इनकार कर दे।"
फिर वह मेरी ओर मुड़ा।
जब तुम मेरी उम्र के हो जाओगे, तब समझ जाओगे। तुम तो अभी से ही मुझसे लंबे हो, जितनी मैं तुम्हारी उम्र में था। जब तुम मेरी उम्र के हो जाओगे, तो मुझे लगता है कि तुम कम से कम तीन या चार सेंटीमीटर और लंबे और चौड़े हो जाओगे।
सेरेना की आंखें चौड़ी हो गईं और उसने अपना सिर मेरी तरफ घुमाया।
"क्या तुम अपने पिता से भी लंबे हो जाओगे?" उसने आश्चर्य से पूछा।
“हाँ, ऐसा होना काफी मुमकिन है,” मैंने गर्व से कहा। “तुम्हें क्या लगता है हम अपनी त्वचा क्यों बदलते हैं? ऑर्डोसियन जीवन भर बढ़ते रहते हैं, नर मादाओं से ज़्यादा तेज़ी से बढ़ते हैं। हमारी मौजूदा त्वचा हमारे लिए बहुत छोटी पड़ जाती है, इसलिए हम उसे उतार देते हैं और कुछ समय के लिए एक नई, ज़्यादा आरामदायक त्वचा पहन लेते हैं।”
मेरी साथी ने मुझे घूरकर देखा, फिर उसकी नज़र धीरे-धीरे मेरे शरीर पर घूमने लगी। उसके हावभाव से मुझे लगा कि वह कल्पना कर रही थी कि मेरा लिंग मेरे पिता के लिंग के बराबर है या नहीं। उसकी नज़र मेरी कमर पर पड़ी, एक पल के लिए वहीं ठहरी, फिर उसने अचानक ऊपर देखा। सेरेना के अति भावुक चेहरे पर भी उसकी अचानक शर्मिंदगी झलक रही थी। तब मुझे बिना किसी शक के समझ आ गया कि वह सोच रही थी कि क्या मेरे लिंग का आकार मेरे बाकी शरीर के अनुपात में बढ़ेगा।
बेशक वह ऐसा करेगी।
अपनी इच्छा से, मेरी जीभ लगभग उसी समय बाहर निकल आई जब मेरे माता-पिता की। मेरी बेचारी पत्नी को बहुत निराशा हुई, क्योंकि उन्होंने भी उसकी प्रतिक्रिया का कारण समझ लिया था। सेरेना की बढ़ती

उत्तेजना का स्वाद सीधे मेरे गुप्तांग में गूंज उठा, जिससे मुझे तुरंत वीर्यपात करने की इच्छा हुई। लेकिन मेरी पत्नी की मेरे प्रति शारीरिक प्रतिक्रिया को देखकर मेरे माता-पिता के चेहरे पर जो परेशान भाव थे, उन्होंने मेरा ध्यान आकर्षित किया।

उन्हें आश्चर्य है कि वह मेरी ओर आकर्षित है।

"काश तुम ऐसा न करते," सेरेना ने शर्मिंदगी से धीमी आवाज़ में कहा।

मुझे हंसी आ गई, उसके लिए सहानुभूति का भाव मन में उमड़ आया। मेरी गंध दूसरों को मेरे बारे में अनगिनत बातें बता देती थी, यह जीवन की सच्चाई थी। मैं बचपन से ही इसका अनुभव करती आई थी और दूसरों पर भी इसका प्रभाव डालती रही थी। उसके जैसी किसी के लिए, जिसने पहले कभी इसका अनुभव नहीं किया था, यह कितना उलझन भरा रहा होगा!

"क्या तुम कुछ देर रुकने वाले हो या बस यहाँ से गुजर रहे हो?" मेरी माँ ने पूछा।

“अगर आपको कोई आपत्ति न हो, तो मैं और मेरी पत्नी मंधा कुछ दिन आपके साथ बिताना चाहते हैं,” मैंने सावधानी से कहा। “सेरेना को यह जानने का मौका मिलेगा कि हम कहाँ पले-बढ़े और वह अपने नए परिवार को जान पाएगी। स्किनर्स के साथ स्थिति नियंत्रण में है। रास्कियर हमारे शिकारियों को क्राडा वापस ले आएगा ताकि गाँव में रक्षकों की संख्या कम न रहे।”

मेरे पार्टनर के प्रति उनके ठंडे रवैये को देखते हुए, मुझे उम्मीद थी कि मेरे माता-पिता इस मामले को उठाने में आनाकानी करेंगे, लेकिन मेरी माँ की खबर पर उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया ने मुझे तुरंत संदेह में डाल दिया। वह कुछ सोच रही थीं और हमारे प्रवास का इस्तेमाल अपनी योजनाओं को अंजाम देने के लिए कर रही थीं, चाहे वे कुछ भी हों। मुझे अपने माता-पिता के साथ अकेले में कुछ समय निकालकर उनके रवैये के बारे में उनसे बात करनी थी।

"तो फिर, मैं सेरेना को तुम्हारे पुराने कमरे में ले जाऊंगी, उसे घर घुमाऊंगी और उससे जान-पहचान बना लूंगी, इस बीच तुम अपने पिता से बात करो और अपने शिकारियों की वापसी का ख्याल रखो," मेरी माँ ने कठोर स्वर में कहा।

- अधिक...

मेरे पिता ने मुझे बीच में रोकते हुए कहा, "हमें बहुत कुछ चर्चा करनी है। महिलाओं को अपना काम करने दो।"

मेरा पेट चिंता से सिकुड़ गया और मैंने सेरेना की तरफ देखा। मैं उसे अपनी माँ के साथ तब तक अकेला नहीं छोड़ना चाहती थी जब तक मुझे उसके अजीब व्यवहार का कारण ठीक से समझ न आ जाए। मेरी माँ हमेशा से एक स्नेहशील, प्यार करने वाली और बहुत सहायक महिला रही हैं।

"कोई बात नहीं," सेरेना ने मेरे सीने पर हाथ फेरते हुए कहा। "यह मेरे लिए तुम्हारी माँ को तुम्हारे बचपन के सभी शर्मनाक राज़ बताने के लिए मनाने का मौका होगा।"

मेरी मां ने खुद को झटक दिया।

— इसमें कुछ दिनों से कहीं अधिक समय लगेगा। आओ, सेरेना।
मेरी नज़रें मेरी माँ से मिलीं जब उन्होंने मेरे साथी को अपने पीछे आने का इशारा किया। उन्होंने मेरी चेतावनी भरी नज़रों का सामना चुनौती भरे अंदाज़ में किया। मैंने उन्हें जाते हुए देखा, चिंता मुझे अंदर ही अंदर खा रही थी। मैंने मुड़कर अपने पिता को घूरकर देखा।
— क्या हो रहा है? तुमने और माँ ने मेरी पत्नी का अपमान क्यों किया? मैंने गुस्से से कहा।
“अपमानित?” मेरे पिता ने अपना सिर एक तरफ झुकाते हुए और मेरी ओर ऐसे देखते हुए पूछा जैसे मैं पागल हो गया हूँ। “क्या तुम्हें लगता है कि हमने उनका अपमान किया? बताओ, मेरे बेटे, क्या तुमने ध्यान दिया कि जब तुम दोनों वहाँ पहुँचे तो कबीले के लोग तुम्हें कैसे देख रहे थे?”
मैंने कंधा उचका दिया।
— एक ऐसी भद्दी जिज्ञासा के साथ जिसने मेरे साथी को असहज कर दिया।
"क्या तुमने यह सब बस जिज्ञासावश देखा? या तुमने बस इतना ही देखना चाहा?" उसने पलटवार किया, उसकी निगाहें मेरी निगाहों में उसी कठोर रवैये के साथ गड़ी हुई थीं, जैसा वह मेरे बचपन में तब दिखाता था जब मैं अपने प्रशिक्षण को गंभीरता से नहीं लेता था।
मुझे और क्या देखना चाहिए था?
"अफसोस," उसने ठंडी आवाज में कहा।
मैं ऐसे पीछे हट गई जैसे किसी ने पेट में ज़ोरदार मुक्का मारा हो। मेरे दिमाग में लाखों विचार उमड़ रहे थे, जैसे ही मैंने उस कबीले के लोगों की नज़रों को याद किया जिन्होंने मुझे और मेरी साथी को घूरा था। मेरी मुट्ठियाँ कस गईं, मेरे दाँत नीचे झुक गए और मेरे अंदर गुस्सा उमड़ने से मेरी ज़हर की ग्रंथियाँ फूल गईं। उन्होंने उसे जिज्ञासा और तिरस्कार से देखा था। उन्होंने मुझे निराशा और दया से देखा था।
"दया?" मैंने अपने पिता की ओर धमकी भरे लहजे में बढ़ते हुए फुफकारा। "किसलिए दया? क्योंकि मैंने एक विदेशी से शादी की?"
“मुझे अपने नुकीले दांत मत दिखाओ, स्ज़ारो कोटा,” मेरे पिता ने तीखे स्वर में कहा, उनकी प्रभावशाली फन और भी चौड़ी हो गई, जो प्रभुत्व का प्रतीक थी, और उनकी मांसपेशियां उनके शल्कों के नीचे उभर रही थीं। “मैं तुम्हारे मुंह से इन्हें नोंच कर निकाल दूंगा, ताकि तुम्हें कुछ सबक सिखा सकूं।”
मेरी ग्रंथियां फूली हुई थीं, फिर भी मैंने बड़ी मुश्किल से अपनी बात निगली, मुंह बंद किया और समर्पण भाव से सिर झुका लिया। मैंने इससे पहले कभी अपने पिता का अनादर नहीं किया था।
लेकिन मेरा कभी कोई ऐसा साथी भी नहीं था जिसका वह अपमान कर सके।
“हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुमने एक विदेशी को अपनी पत्नी चुना,” मेरे पिता ने अपनी बात जारी रखी, उनकी आवाज़ अभी भी कठोर थी लेकिन मेरे समर्पण को देखकर उनका गुस्सा शांत हो गया था। “लेकिन तुम स्ज़ारो कोटा हो, लेशु के पुत्र और क्राडा के मास्टर हंटर। तुलमा की आधी महिलाओं ने तुम्हारे

बच्चे को जन्म देने की उम्मीद की थी, या तो जीवनसाथी के रूप में या पत्नी के रूप में। तुमने उन सभी को ठुकराकर खुद को इस हास्यास्पद बंधन में बांध लिया!"

"यह कोई मज़ाक नहीं है!" मैंने चिल्लाकर कहा, इस बात की परवाह किए बिना कि हमारी बहस कौन सुन रहा है। "सेरेना और मैं देवी और क्राडा जनजाति के सामने एक साथ थे। मैं अपनी पत्नी के लिए सम्मान की मांग करता हूँ!"

— वह आपकी जीवनसाथी नहीं है। आपने देवी और क्राडा के सभी लोगों के सामने सेरेना के साथ अपना जीवन एक कर लिया था। उसने ऐसा नहीं किया।

मुझे लगा जैसे मेरे चेहरे का रंग उड़ गया हो जब मुझे आखिरकार बात समझ में आई।

हमने डीन क्राथी से इस मामले पर चर्चा की। वह सहमत हो गईं...

"बड़ी क्राथी मूर्ख है," मेरे पिता ने गुस्से से बीच में ही टोकते हुए कहा। "उसे और तुम्हारे गोद लिए कबीले को शायद यह स्वीकार्य लगा हो, लेकिन उसे पता होना चाहिए था कि दूसरे कबीले इसे स्वीकार नहीं करेंगे। यह खबर सभी गांवों में तेजी से फैल गई। और तुम्हें क्या लगता है कि सब लोग क्या कह रहे हैं?"

मेरे गले में उठ रही कड़वाहट को मैंने जैसे-तैसे निगल लिया। मुझे इस बात की परवाह नहीं थी कि दूसरे मेरे बारे में क्या सोचते हैं, लेकिन मैं यह स्वीकार नहीं कर सकती थी कि वे मेरे साथी के बारे में बुरा सोचते हैं या मेरी स्थिति मेरे परिवार के लिए शर्मिंदगी का कारण बनती है।

"मैं अपने इकलौते बेटे का अपमान नहीं होने दूंगा," मेरे पिता ने ठुड्डी ऊपर उठाते हुए कहा। "तुम्हारी माँ भी ऐसा नहीं होने देगी। मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि तुम्हारे जाने से पहले वह इस मामले को सुलझा लेंगी।"

मैंने कठोरता से सिर हिलाया।

अध्याय 13

मैंने एरास्त्रा के पीछे-पीछे उनके घर जाते हुए अपनी घबराहट को शांत करने की कोशिश की। क्राडा के विपरीत, तुलमा गाँव पहाड़ों से नहीं, बल्कि पानी से घिरा हुआ था। हमने एक चौड़े पुल को पार करके हीरे के आकार के द्वीप पर पहुँचे। अधिकांश घर पानी के किनारे बने हुए थे। मुख्य रूप से पत्थर और लकड़ी से निर्मित इन सभी घरों में विशाल परावर्तक खिड़कियाँ थीं जो बाहर के लोगों को अंदर रहने वालों की जासूसी करने से रोकती थीं।

स्ज़ारो के घर की तरह ही, उसके पिता का घर भी तुलमा जनजाति में उनकी प्रतिष्ठा को स्पष्ट रूप से दर्शाता था। यह भव्य और बाहर से बेहद अलंकृत था। इमारत के निर्माण में इस्तेमाल किए गए पत्थर और लकड़ी दोनों पर सूक्ष्म नक्काशी की गई थी। मैंने क्राडा में भी ऐसी ही नक्काशी देखी थी। लेकिन वहाँ भी, यहाँ की तरह, कुछ ही घरों में ऐसी नक्काशी थी। जीवन साथी अपने अग्रभाग पर नक्काशी नहीं करवाते थे; केवल विवाहित जोड़े ही ऐसा करते थे। सजावट की व्यापकता और जटिलता से पता चलता था कि एक विवाहित जोड़ा कितने समय से उस घर में रह रहा है। यह पुरुष द्वारा अपनी महिला को दिया गया सम्मान था। उनके वैवाहिक जीवन के प्रत्येक वर्ष, प्रत्येक बच्चे के जन्म और उनके परिवार से संबंधित प्रत्येक महत्वपूर्ण घटना के लिए, दीवार पर और अधिक सजावट की जाती थी।

मुझे पता था कि स्ज़ारो क्राडा में अपनी गुफा के अग्रभाग को तराशना शुरू करना चाहता था। साल्हा के अनुसार, सीमा के पास स्ज़ारो से मेरी पहली मुलाकात और फिर साल्हा और ईकू को बचाना, ये दोनों ही चीज़ें सबसे पहले शैलीबद्ध रूप में दिखाई देंगी। लेकिन इससे पहले कि मैं इस बारे में अपने विचारों में खो जाता, एरास्ट्रा ने घर का दरवाजा खोला और मुझे अंदर ले गई। अंदर की सुंदरता देखकर मैं दंग रह गया।

जैसा कि मुझे ऑर्डोसियन घर से उम्मीद थी, आरामदायक फर्नीचर न के बराबर थे। न सोफे, न कुर्सियाँ, न गद्देदार सतहें—ऐसा कुछ भी नहीं था जिसे बैठक या भोजन कक्ष कहा जा सके। फिर भी, जिस बड़े कमरे में हम दाखिल हुए, वह दोनों उद्देश्यों को पूरा करता था। एक तरफ, नक्काशीदार किनारों और टांगों वाली एक विशाल मेज, उतनी ही अलंकृत अलमारियों की एक श्रृंखला के सामने रखी थी। वहाँ कुछ बक्से रखे थे जो बोर्ड गेम जैसे दिखते थे। दूसरी तरफ, कई गोल गर्म तवे एक अर्धवृत्ताकार कॉफी टेबल के चारों ओर रखे थे। और उनके सामने दीवार पर एक विशाल स्क्रीन टंगी हुई थी।

लेकिन जिस चीज़ ने मुझे सचमुच मंत्रमुग्ध कर दिया, वह कमरे के दोनों सिरों पर रखी ऑर्डोसियन महिला की विशाल मूर्तियाँ थीं, जिनमें से प्रत्येक के चारों ओर बड़ी-बड़ी खिड़कियाँ थीं। वे लगभग स्तंभों की तरह लग रही थीं, उनके फन छत को छू रहे थे जबकि उनके भव्य चेहरे कमरे में नीचे की ओर देख रहे थे, केवल उनकी पूंछ के सिरे ही ज़मीन को छू रहे थे। फैली हुई भुजाओं के साथ, उन्होंने वे रिबन पकड़े हुए थे जिनके साथ महिलाओं ने हमारी शादी के दौरान नृत्य किया था। इस मूर्तिकला में, रिबन छत पर मोल्डिंग की तरह फैले हुए थे।

मैं अवाक रह गया और एरास्ट्रा के पीछे-पीछे चला, जो मुझे स्ज़ारो के पुराने कमरे में ले गई। वहाँ भी मैं चकित रह गया। जहाँ उसके अपने घर का कमरा बिल्कुल खाली था, वहीं इस कमरे की दीवारें हथियारों, हड्डियों, शल्कों, पौधों और सूखी शाखाओं से सजी हुई थीं, और हर एक को दीवार पर उकेरे गए पैटर्न से जोड़ा गया था। मुझे यह समझने में एक पल से भी कम समय लगा कि यह उसका शिकार का रिकॉर्ड था, जिसमें बच्चों के आकार के लकड़ी के प्रशिक्षण धनुष से लेकर एक ऐसे भयानक जीव की खोपड़ी तक शामिल थी जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था।

"अपने कर्तव्य के अनुसार, लेशु हमारे प्रत्येक बच्चे का इतिहास दर्ज करता है," एरास्ट्रा ने दीवार की ओर देखते हुए गर्व से कहा।

वह नक्काशीदार रास्ते के अंत में स्थित आखिरी वस्तु की ओर चली। वह पत्थर से बने भाले की नोक जैसी दिखती थी।

मेरे साथी ने इसे उस दिन की याद में बनवाया था जब स्ज़ारो, पथरीले पहाड़ों में बसे गाँव क्राडा के मास्टर हंटर बने थे। लेशु इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहते हैं। लेकिन चूंकि स्ज़ारो अपनी जीवनसाथी से संतान पैदा करने से इनकार करते हैं, इसलिए इस दीवार पर अगला निर्माण संभवतः उनके मिलन की याद में किया जाएगा।

गांव में आने के बाद से ही मेरे मन में जो बेचैनी घर कर गई थी, और जो स्जारो के माता-पिता से मिलने पर और भी तीव्र हो गई थी, वह थोड़ी और बढ़ गई।

"अगर वह इतना अधीर है, तो उसने अभी तक शुरू क्यों नहीं किया?" मैंने उसे चुनौती दी।

एरास्ट्रा मेरी ओर मुड़ी, उसकी सुनहरी आँखों में एक कठोर चमक थी और वह मुझे उत्तेजक ढंग से घूर रही थी।

— क्योंकि इसमें कुछ जोड़ने को नहीं है। स्ज़ारो एकजुट नहीं है।

मुझे कहीं न कहीं इसका अंदाज़ा था, लेकिन फिर भी यह मेरे लिए एक ज़ोरदार झटका था। मैंने दांत पीसकर गहरी सांस ली ताकि शांत रह सकूं। मैंने बिना पलक झपकाए उसकी आंखों में देखा, डरने से इनकार कर दिया।

"तुम सचमुच मुझसे प्यार नहीं करते, है ना?" मैंने तीखे स्वर में कहा।

“मैं तुमसे नफरत नहीं करती,” एरास्ट्रा ने सहजता से जवाब दिया। “या यूं कहें कि जब से मैं तुमसे मिली हूं, तब से मैंने तुमसे नफरत नहीं की है। लेकिन मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं तुम्हें पसंद करती हूं या नहीं।”

"क्या तुम मुझसे नफरत नहीं करते? फिर भी, जब से हम यहाँ आए हैं, तुम और बाकी सभी गाँव वाले मुझे तिरस्कार भरी नजरों से देखते रहे हो। और अब तुम हमारे रिश्ते को इस तरह खारिज करके स्ज़ारो और मेरा अपमान कर रहे हो जैसे कि वह कभी अस्तित्व में ही न हो," मैंने उसे सीधे-सीधे जवाब दिया।

"क्योंकि उसका कोई अस्तित्व ही नहीं है!" उसने फुफकारते हुए कहा और मेरी ओर चलने लगी।

यह खतरनाक था, लेकिन उसने एक सम्मानजनक दूरी बनाए रखी, हालांकि अगर उसने हमला करने का फैसला किया होता तो मैं बच नहीं पाता।
“हाँ, बिल्कुल,” मैंने लगभग चीखते हुए जवाब दिया। “सज़ारो और मेरा दो बार विवाह हुआ था। पहले मानवीय कानून के अनुसार, फिर एक विस्तृत ऑर्डोसियन अनुष्ठान के अनुसार। हम क्राडा के सभी लोगों और आपकी देवी के सामने एक हुए थे।”
"स्ज़ारो ने तुमसे विवाह कर लिया है। लेकिन तुमने उससे विवाह नहीं किया!" एरास्ट्रा गुस्से से चिल्लाई, उसके सुंदर चेहरे पर क्रोध के भाव उभर आए।
मैं पूरी तरह से भ्रमित होकर पीछे हट गया। मैंने अपने दिमाग में समारोह का जायजा लिया, यह समझने की कोशिश करते हुए कि मुझसे क्या छूट गया होगा।
— क्या... आपका क्या मतलब है? मैंने वो सब किया जो मुझे करने को कहा गया था। मैं घेरे के बीच में खड़ी थी, स्ज़ारो और मैंने एक-दूसरे को गले लगाया, महिलाएं हमारे चारों ओर नाच रही थीं, फिर बड़ों ने एक घेरा बनाया और हमने चुंबन किया। मुझे और क्या करना चाहिए था?
— स्ज़ारो ने तुम्हारे लिए नृत्य किया। क्या तुमने उसके लिए नृत्य किया?
मैंने भौंहें चढ़ाते हुए सिर हिलाया।
नहीं। सालहा ने मेरी जगह डांस किया क्योंकि मुझे डांस की कोरियोग्राफी नहीं आती थी।
"सलहा उसकी पत्नी नहीं है! वह उसे बांध नहीं सकती," एरास्त्रा बड़बड़ाई। "तुम अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य किसी दूसरी स्त्री से क्यों करवाओगे?"
"ठीक है, अब तुम मुझे चैन से रहने दोगे," मैंने गुस्से से कहा, मेरा धैर्य खत्म होने लगा था।
मैंने हाथ के इशारे से अपनी ओर संकेत किया।
— अगर आपको पता नहीं चला है, तो मैं ऑर्डोसियन नहीं हूँ। मुझे आपके रीति-रिवाजों के बारे में कुछ नहीं पता क्योंकि वे कहीं भी लिखित में नहीं हैं। मुझे ग्रेट सर्कल में जाने, बेंच पर बैठने और किसी के निर्देश का इंतज़ार करने के लिए कहा गया था। मुझे तो यह भी नहीं पता था कि वहाँ किसी तरह का नृत्य भी होता है। अगर यह इतना ज़रूरी था, तो किसी को मुझे बताना चाहिए था। मुझे मन पढ़ने की क्षमता न होने के लिए डाँटो मत!
मैंने गहरी सांस ली और धीरे-धीरे छोड़ी, आंखें बंद करके खुद पर काबू पाने की कोशिश की। अपनी झुंझलाहट को बाहर निकालना जितना राहत भरा था, उतना ही मुझे स्ज़ारो की मां पर चिल्लाने का पछतावा भी था। हमारी मौजूदा समस्याएं चाहे जो भी हों, वह मेरी सौतेली मां थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि मेरी इस हरकत से मामला और बिगड़ने के बजाय, एरास्ट्रा का गुस्सा कुछ हद तक शांत हो गया।
उसने अपने होंठ सिकोड़े और मुझे एक आशय भरी नजर से देखा, फिर रूखेपन से सिर हिलाया।
“आपने बिल्कुल सही बात कही है,” एरास्ट्रा ने स्वीकार किया। “और एल्डर क्राथी को मेरे बेटे पर यह अपमान आने देने के लिए मेरे क्रोध का सामना करना पड़ेगा। आप पहले से ही गाँव में थे। वे समारोह को कुछ दिनों के

लिए टाल सकते थे ताकि आप बैंड बजाना सीख सकें और विवाह समारोह ठीक से संपन्न हो सके। नृत्य-प्रक्रिया का एकदम सही होना ज़रूरी नहीं है।"
— रुको! एक पल रुको! "इस अपमान" से तुम्हारा क्या मतलब है? मैंने पूछा।
एरास्ट्रा ने मेरी ओर घूरकर देखा। इस बार, क्रोध की जगह दर्द और शर्म ने ले ली।
— आपने उसके लिए नृत्य नहीं किया, इस बात ने पूरी दुनिया को बता दिया कि आप एक संयुक्त जीवनसाथी होने के सभी लाभों का आनंद लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन आप बदले में कुछ करने के लिए तैयार नहीं हैं क्योंकि आप उसे अपने योग्य नहीं समझती हैं।
मैं स्तब्ध रह गई और अविश्वास भरी निगाहों से उसे देखते हुए अपने मुंह को हाथ से ढक लिया।
"मेरा बेटा यहाँ और हर उस गाँव में सबसे ज़्यादा पसंद किया जाने वाला लड़का था जहाँ वह जाता था। लेकिन कोई भी स्त्री उसकी पसंद की नहीं रही," एरास्ट्रा ने दुख भरी आवाज़ में कहा। "और अब यह अफवाह फैल रही है कि उसने एक विदेशी को चुना और वही नाकामयाब साबित हुआ। वह उपहास का पात्र बन गया है।"
"यह सब बकवास है!" मैंने गुस्से से कहा। "अगर उन्हें पता था कि दूसरी जनजातियाँ इस तरह प्रतिक्रिया करेंगी, तो एल्डर क्राथी और स्ज़ारो ने ऐसा होने क्यों दिया?"
"क्योंकि क्राडा अपने तौर-तरीकों में 'प्रगतिशील' होने और लगातार बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढलने पर गर्व करता है," एरास्ट्रा ने चिढ़ते हुए हाथ हिलाकर बात को टाल दिया। "इसीलिए आपके संघ के साथ हमारी अधिकांश बातचीत उन्हीं के द्वारा हुई है। लेकिन वे भूल जाते हैं कि वे अलग-थलग नहीं रहते। अन्य जनजातियाँ अभी भी पुरानी परंपराओं का पालन करती हैं, और जो कुछ भी होता है उसके परिणाम होते हैं।"
— ठीक है, बहुत बढ़िया। लेकिन बीती बातों पर पछताने से कुछ नहीं बदलेगा, मैंने गुस्से से कहा, यह सोचकर कि कोई भी स्ज़ारो का मज़ाक उड़ा सकता है, खासकर संचार की गलती के कारण तो बिल्कुल नहीं।
मैं बाहर जाकर उन सभी बेवकूफों की पूंछ में अपना एक तीर मारना चाहता था जो मेरे आदमी को तिरछी नजरों से देख रहे थे।
- हम इसे कैसे ठीक करते हैं?
"तुम्हें उसके लिए नृत्य करना होगा," एरास्ट्रा ने जोश से कहा।
— बहुत खूब। चलो चलते हैं, मैंने कहा।
एरास्ट्रा पीछे हट गई और सदमे से उसकी आंखें चौड़ी हो गईं।
— तुम... तुम ऐसा करने वाले हो?
"बिल्कुल!" मैंने जवाब दिया, मानो यह स्पष्ट हो—क्योंकि यह स्पष्ट ही था। आपको इस पर संदेह क्यों होगा? स्ज़ारो ने मेरी जान बचाई और हमेशा मेरे प्रति बहुत अच्छा व्यवहार किया है। मैं किसी को भी उसे अपमानित करने का कारण नहीं बनने दूँगा। वह इसके लायक नहीं है।
एरास्ट्रा का चेहरा नरम पड़ गया और उसकी आँखों से कृतज्ञता के आँसू बहने लगे।

"तुम्हें उससे स्नेह है," उसने अपनी आवाज में थोड़ी हैरानी के साथ कहा।
मेरा चेहरा खुशी से खिल उठा।
— वह एक अच्छा आदमी है। खैर, एक अच्छा पुरुष है।
"धन्यवाद, मेरी बेटी," एरास्ट्रा ने उत्तर दिया। "हमें उस पर बहुत गर्व है।"
आखिरकार जब उसने मुझे अपनी बेटी के रूप में पहचान लिया, तो मैं बहुत भावुक हो गई। मैं अपनी माँ के बहुत करीब नहीं थी, लेकिन फिर भी मैं उससे प्यार करती थी और उसे बहुत याद करती थी।
"तो अब हम क्या करें? क्या आप मुझे नृत्य की नृत्यकला सिखा सकते हैं?" मैंने झिझकते हुए पूछा।
“नृत्य की लय ज़रूरी नहीं है,” एरास्ट्रा ने सहजता से कहा। “ज़रूरी तो पट्टियाँ हैं। आप जैसे चाहें नाच सकते हैं। वैसे भी, आपका शरीर हमारी लय के अनुकूल नहीं है। ज़रूरी यह है कि आप पट्टियों को कैसे हिलाते हैं। और इसके लिए भी कोई खास आकार या पैटर्न बनाने की ज़रूरत नहीं है। बस यही जटिलता आपके बंधन के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, और यही सहजता आपके मिलन की खुशी और सफलता को व्यक्त करती है। आप ही वह बंधन हैं जो आपके परिवार को जोड़ता है। पट्टियाँ तो बस आपका ही एक हिस्सा हैं। आइए, मैं आपको दिखाती हूँ।”
हम वापस बैठक कक्ष में आए जहाँ उसने एक अलंकृत लकड़ी का बक्सा शेल्फ से निकाला। उसमें करीने से तह किए हुए दो रिबन थे जिन्हें वह पट्टियाँ कहती थी। उसने एक पट्टी निकाली और मुझे दे दी।
“ये मेरी यूनियन बैंड हैं,” एरास्ट्रा ने भावुक होकर कहा। “जब तक हम आपके लिए एक जोड़ी खास तौर पर बनवा रहे हैं, आप इनसे अभ्यास कर सकते हैं। इसमें बस कुछ ही घंटे लगेंगे और ये कल नृत्य प्रदर्शन के लिए समय पर तैयार हो जाएंगी।”
मैंने उस एक पट्टी का वजन देखकर भौंहें सिकोड़ीं जो उसने मुझे दी थी।
मैंने घबराते हुए कहा, "यह बहुत भारी है। इसका वज़न कम से कम पाँच किलो है। इतने भारी कपड़े को दोनों हाथों में लेकर मैं कुछ सेकंड से ज़्यादा नाच नहीं पाऊँगी। मैं बहुत जल्दी थक जाऊँगी।"
एरास्ट्रा अवाक रह गई। उसने एक पल के लिए मेरी बाहों को देखा, मानो वह मेरी शिकार की वर्दी के नीचे से मेरी मांसपेशियों को देख पा रही हो, फिर उसने मुझे दोबारा घूरकर देखा, उसके दिमाग में विचारों का प्रवाह चल रहा था।
“पट्टियाँ जिस कपड़े से बनी हैं, वह असल में काफी हल्का है। दर्जी उस पर एक पदार्थ लगाता है जिससे वह भारी हो जाता है और मुड़ने से बच जाता है,” एरास्ट्रा ने सोच-समझकर कहा। “हम उससे आपकी पट्टी को हल्का बनाने के लिए कह सकते हैं, लेकिन इससे शायद वह ठीक से काम न करे।”
मैंने अपने निचले होंठ को काट लिया।
मैंने सावधानी से कहा, "कोई दूसरा विकल्प हो सकता है।"
एरास्ट्रा ने उत्सुकता से अपना सिर झुकाया।

“कुछ साल पहले, मैंने रिबन डांस का अभ्यास किया था, जिसके लिए मैंने बहुत मेहनत की थी। उस समय, मैं ओलंपिक खेलों नामक एक वैश्विक खेल प्रतियोगिता में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नर्तकों में शुमार थी। इस नृत्य में एक रिबन का इस्तेमाल होता है... इस तरह की एक पट्टी, लेकिन पतली और एक छड़ी से बंधी हुई,” मैंने घबराते हुए कहा। “अगर नृत्य की लय मायने नहीं रखती, बल्कि सिर्फ़ रिबन को संभालने का तरीका मायने रखता है, तो क्या मैं वो कर सकती हूँ? चूंकि हमें मेरे लिए रिबन की एक जोड़ी बनानी है, तो शायद हम मेरे लिए रिबन की छड़ी ही बना दें?”

एरास्ट्रा हिचकिचाई और अनिश्चित भाव से मेरी ओर देखने लगी।

"और इस नृत्य में बैंड की जटिल गतिविधियाँ शामिल हैं?" उसने पूछा।

मैंने ज़ोर से सिर हिलाया।

हां। क्या आपके पास कोई टैबलेट है जो मैं उधार ले सकूँ? मुझे ऑनलाइन तस्वीरें ढूंढने में आसानी होगी।

दरअसल, मुझे टैबलेट देने के कुछ ही क्षण बाद, मुझे तुरंत कुछ तस्वीरें और वीडियो मिल गए, जिनसे मेरी सास को तुरंत तसल्ली हो गई।

"ये पट्टियों की तुलना में काफी संकरे हैं, लेकिन यह एक स्वीकार्य समझौता लगता है," एरास्ट्रा ने कहा। "क्या आपको माप पता हैं?"

"हां," मैंने जवाब दिया, मेरे अंदर उत्साह उमड़ रहा था।

मुझे रिदमिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में भाग लिए सात साल से ज़्यादा हो गए थे—या यूँ कहूँ कि मैंने इसकी ट्रेनिंग भी नहीं की थी। लेकिन मैं अब भी कभी-कभार मज़े के लिए इसे करती थी, और नियमित योग ध्यान ने मुझे फिट और लचीला बनाए रखा था। मैं इसे आत्मविश्वास के साथ कर सकती थी। मेरे मन में एक बार फिर दर्शकों के सामने प्रदर्शन करने की तीव्र इच्छा भी थी।

एरास्ट्रा मुझे दर्जी के पास ले गई, जिसका ठंडा स्वभाव मेरी सौतेली माँ द्वारा हमारे आने का उद्देश्य बताने पर तुरंत नरम पड़ गया। वह शुरू में पट्टियों के बजाय रिबन की छड़ी मांगने पर चौंक गई। एक पल के लिए मुझे चिंता हुई कि उनकी परंपरा से फिर से हटना न केवल नृत्य के उद्देश्य को ही कमजोर कर देगा, बल्कि स्ज़ारो से मेरी शादी को लेकर ऑर्डोसियनों को और भी नाराज़ कर देगा। हालांकि, उसे जिम्नास्ट की तस्वीरें दिखाने पर वह पूरी तरह शांत हो गई।

"क्या आप उस पतली पट्टी को उन तस्वीरों की तरह घुमा सकते हैं?" उसने पूछा।

मैंने गर्व से जवाब दिया, "और भी ज़्यादा।" "लेकिन तभी जब मेरे पास एक अच्छी रिबन वाली छड़ी हो।"

उसके चेहरे पर प्रशंसा का भाव देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। लेकिन एरास्ट्रा को गर्व से अपना सिर उठाते देख मैं और भी भावुक हो गया। उसी क्षण, मुझे पता चल गया कि मैं इस मंडल को अपना पूरा जीवन समर्पित कर दूंगा, न केवल स्ज़ारो का सम्मान वापस दिलाने के लिए, बल्कि इस गलतफहमी के कारण मेरी सौतेली माँ और उसके परिवार को हुए अपमान का बदला लेने के लिए भी।

"तो फिर वो एक यादगार नृत्य होगा," दर्जी ने कहा। "मैं अभी इस पर काम शुरू कर देती हूँ। आपको अंतिम परिणाम बहुत पसंद आएगा।"

मैंने उस महिला को धन्यवाद दिया और एरास्ट्रा को मुझे वापस बाहर ले जाने दिया। फिर उसने मुझे गाँव घुमाया और मुझे कुछ खाने के लिए आंगन में रोका। जब हम उसके घर लौटे, तो वह मुझे पीछे की ओर, उस छत पर ले गई जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था। नज़ारा इतना मनमोहक था कि मैं दंग रह गई। हालाँकि मुझे अभी भी स्ज़ारो के घर के पीछे छिपी घाटी ज़्यादा पसंद थी, लेकिन यह नज़ारा भी अद्भुत था।

कम से कम बीस मीटर लंबा और दस मीटर चौड़ा पत्थर का चबूतरा मानो समुद्र में तैर रहा हो। इसका किनारा पानी में डुबकी लगाने के लिए डाइविंग बोर्ड का काम करता था। बगल में एक छोटा सा रैंप था जिससे ओर्डोसियन लोग वापस बाहर निकल सकते थे। बाईं ओर के कोने में, आकस्मिक गिरने से बचाने के लिए उठे किनारों वाला एक गोलाकार छेद था जिसमें झींगा जैसे कई जीव फंसे हुए थे। कुछ मीटर की दूरी पर एक मेज थी, जिस पर, मुझे आश्चर्य हुआ, एक गद्देदार बेंच भी थी, जो किसी इंसान के बैठने के लिए एकदम सही थी। और उसके बगल में, खाना पकाने का एक पत्थर था। तब मुझे एहसास हुआ कि मंधा ने हमारे आने से पहले ही अपने माता-पिता को मेरी विशेष ज़रूरतों के बारे में बता दिया था।

लेकिन पानी से उछलती हुई उस विशाल मछली ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। दूर से देखने पर वे डॉल्फिन और बेट्टा मछली के मिश्रण जैसी लग रही थीं।

“बाद में, अगर तुम चाहो तो स्ज़ारो तुम्हें उनके साथ तैराकी के लिए ले जाएगा,” एरास्ट्रा ने दोस्ताना लहजे में कहा और खाना पकाने का पत्थर मेज पर रख दिया। “लेकिन अभी खा लो। मैं नहीं चाहती कि मेरा बेटा मुझ पर अपने दोस्त को भूखा रखने का आरोप लगाए।”

मैं मेज पर बैठ गया और अपने फल और सब्जियां खाने लगा, जबकि एरास्ट्रा ने मेरे लिए झींगे छीले और उन्हें पत्थर पर पकने के लिए रख दिया। जब स्ज़ारो और उसके पिता आखिरकार घर लौटे, तो उसकी माँ ने मुझे अपने बचपन की सारी शर्मनाक कहानियाँ सुनाईं।

अध्याय 14

मैं घेरे के किनारे घबराकर खड़ी थी, मेरे पूर्वजों के रक्तपत्थर से जड़े सोने के हार के अलावा मेरा पूरा शरीर नग्न था, क्योंकि मेरे सारे आभूषण क्राडा में ही रह गए थे। तुलमा के सभी लोग मेरे पीछे इस असामान्य समारोह के लिए बैठे थे, जिसका उद्देश्य मेरे आंशिक मिलन को पूरा करना था। हमारे मूल समारोह में सेरेना को नृत्य के दौरान बैठाने के विचार से मैं बहुत परेशान थी, लेकिन मुझे पता था कि उसमें रस्सियों को थामने की शारीरिक शक्ति नहीं है।

मैंने खुद को यकीन दिला दिया था कि अगर वह नृत्य न भी करती, तो भी हमारे रिश्ते पर कोई सवाल नहीं उठता। यह जानकर कि बाकी सभी कबीलों ने उसे ठुकरा दिया था, मुझे ऐसा लगा जैसे किसी ने मुझे तेजाब की बौछार कर दी हो। सेरेना मेरी साथी थी। नदी किनारे हमारा मिलन इस बात की पुष्टि करता था कि मेरे लिए कोई दूसरी स्त्री कभी नहीं होगी। इसलिए, मैं अपनी माँ का बहुत आभारी था कि उन्होंने यह सब शुरू किया। इससे यह संदेह पूरी तरह दूर हो गया कि मेरी सेरेना ने पहले ही समारोह में मुझे अपना बनाना चाहा था।

हालाँकि उस शाम हम पूरी रस्म नहीं निभाने वाले थे, फिर भी सेरेना और मैंने पहले ही स्नान कर लिया था। तुलमा में हमारे पहले दिन सेरेना की खुशी की चीख याद करके मेरा दिल भर आया, जब मैंने उसे वह निजी स्नानघर और शौचालय दिखाया जो मंधा और मेरे पिता ने हमारे आने से पहले उसके लिए तैयार किया था। यह एक अस्थायी व्यवस्था थी, जिसे कामचलाऊ तरीके से जल्दी से बनाया गया था। लेकिन भविष्य में, मेरा इरादा था कि मैं हर जनजाति से एक स्थायी शौचालय बनवाने का अनुरोध करूँ, ताकि जब भी मैं और मेरी साथी उनसे मिलने जाएँ तो हम उसका इस्तेमाल कर सकें।

न तो कोई नर्तक घेरा बनाकर खड़ा था, न ही कोई पुरुष ढोल बजा रहा था, और न ही कोई योद्धा आज रात मुझे चुनौती देने वाला था। लेकिन हमारे तीनों बुजुर्ग देवी के चरणों में बने चबूतरे पर खड़े थे, और उस घेरे को देख रहे थे जिसे आज शाम के लिए पत्थर के फर्श को नरम बनाने के लिए एक पतली कालीन से ढका गया था।

मेरी साथी की कोमल आकृति जब ग्रैंड सर्कल के बाईं ओर से केंद्र की ओर बढ़ी तो मेरा दिल खुशी से उछल पड़ा और दर्शकों में सन्नाटा छा गया। उसने जो पहना था, उसे मैं उसका अंडरवियर कहने लगा था। असल में वह एक स्पोर्ट्स ब्रा और वर्कआउट शॉर्ट्स थे। दोनों काले रंग के थे और उसकी खूबसूरत त्वचा का बहुत कम हिस्सा ही दिख रहा था। काश वह अक्सर इतने हल्के कपड़े पहनती। मुझे आश्चर्य हुआ कि सेरेना नंगे पैर थी, सिवाय उसके टखनों और पैर की उंगलियों पर लिपटे किसी काले कपड़े के। उसके हाथ में एक पतली रिबन थी, जो एक छड़ी पर बंधी थी।

वह मेरे सामने घुटनों के बल बैठ गई, उसकी निगाहें मुझ पर टिकी थीं। हमारे बीच एक खामोश जुड़ाव हो गया। उसकी आँखों में दिख रहे आत्मविश्वास ने मेरे अंदर पनप रही बेचैनी को कुछ हद तक शांत कर दिया।

सेरेना मुस्कुराई, फिर मंधा की ओर देखा। मेरे साथी ने धीरे से सिर हिलाया, जिससे मेरे भाई को उसके द्वारा चुने गए विदेशी संगीत को शुरू करने का संकेत मिल गया।
सेरेना ने सिर झुकाया, अपना माथा चटाई पर टिकाया और दोनों बाहें आगे की ओर फैला दीं। कुछ और सेकंड तक सन्नाटा छाया रहा और मैंने अपनी सांस रोक ली। फिर हमारे चारों ओर एक शांत धुन की मधुर ध्वनि गूंजी। झुकी हुई मुद्रा में ही सेरेना ने छड़ी को ज़मीन से थोड़ा ऊपर हिलाना शुरू किया। जैसे ही उसकी दूसरी बाँह खूबसूरती से लहराई, छड़ी उसके सामने तेज़ी से सरकती हुई प्रतीत हुई। अचानक वह सीधी खड़ी हो गई और अपने चारों ओर रिबन को बड़े-बड़े स्ट्रोक में घुमाने लगी, उसके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान खिल उठी।
भीड़ में विस्मय की सामूहिक आह उठी। हमारे बैंड इतने बड़े और भारी थे कि मेरी साथी के रिबन की जटिल और तीव्र गतियों को संभालना असंभव था। और, अंधेरे में, रिबन का चमकीला, हल्का नीला कपड़ा ऐसा आभास दे रहा था मानो सर्प की आत्मा उसके चारों ओर आनंदमय नृत्य कर रही हो।
रिबन की गति को रोके बिना, सेरेना ने अपना खाली हाथ पीछे की ओर धकेला, अपने पंजों पर खड़ी हुई और बैकफ्लिप किया, अपने हाथ को लीवर की तरह इस्तेमाल करते हुए खड़ी हो गई। फिर वह घेरे के चारों ओर दौड़ने लगी, नृत्य के करतब, छलांगें और असंभव कलाबाजियां करने लगी—जिनमें से कुछ को देखकर मुझे डर लगा कि कहीं वह खुद को चोट न पहुँचा ले—और उसका रिबन सबसे मनमोहक अरबी डिज़ाइन बनाता रहा। उसे एक पैर के पंजे पर खड़े होकर घूमते देखना मुझे बहुत प्रभावित कर गया। लेकिन उसे अपना संतुलन खोए बिना दूसरे पैर को इस तरह उठाते देखना कि उसकी उंगलियां आसमान की ओर इशारा कर रही थीं, और साथ ही अपने रिबन को इतनी तेज़ी से घुमाते देखना, मुझे अवाक कर गया। मैं भावनाओं से अभिभूत हो गया, एक अवर्णनीय गर्व मेरे दिल में भर गया।
और फिर विपत्ति आ पड़ी...
कई बार घूमने के बाद सेरेना ने अपनी छड़ी फेंक दी, जिसे देखकर मैं भयभीत हो गया। मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा और खून खौल उठा, मेरे पीछे से डर की चीखें सुनाई देने लगीं। ऐसा लगा जैसे समय थम गया हो, सेरेना ने कुछ कलाबाज़ियाँ और एक चक्कर लगाया, फिर आँख बंद करके छड़ी पकड़ी और रिबन से और भी करतब दिखाने लगी।
"उसने उसे पकड़ लिया..." मैंने स्तब्ध और अविश्वास से बुदबुदाया।
जैसे ही मेरे होंठों से ये शब्द निकले, मेरे पीछे एक सामूहिक गर्जना गूंजी, जिसके बाद मेरी साथी के सम्मान में अनगिनत कैस्काबेला की आवाज़ें सुनाई दीं। सेरेना का मनमोहक प्रदर्शन देखकर मैं कमजोर महसूस कर रहा था। वह संगीत की धुन पर तेज़ी से आगे बढ़ रही थी, जो और भी तीव्र और नाटकीय हो गया था। मेरी साथी ने दो बार फिर रिबन उछाला, और हर बार ज़मीन पर गिरने से पहले ही उसने उसे पकड़ लिया। दोनों बार उसे देखने की भी ज़रूरत नहीं पड़ी—उसका दिल जानता था कि रिबन कहाँ है।

चाहे कितनी भी चुनौतियाँ सामने आ जाएँ, चाहे कोई भी या कुछ भी हमें अलग करने की कोशिश करे, वह हमेशा हमारा साथ देगी और हमारे रिश्ते को हमारे साझा भविष्य की ओर आगे बढ़ाती रहेगी।
जैसे ही संगीत धीमा होने लगा, सेरेना घेरे के केंद्र में लौट आई और मुझे अपने साथ आने का इशारा किया। मेरा दिल गर्व और अनगिनत भावनाओं से भर उठा, जैसे ही मैं उसकी ओर बढ़ा। मेरी साथी ने मेरे चारों ओर कुछ चक्कर लगाए, उसका रिबन जटिल पैटर्न में लहरा रहा था, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि मुझे सही तरीके से अपना बना लिया गया है और बांध लिया गया है। संगीत बंद हो गया और मेरी साथी मेरे ठीक सामने प्रकट हुई। मैंने उसे अपनी बाहों में भर लिया और उसके होंठों को अधिकारपूर्ण चुंबन से चूम लिया, मेरी पूंछ उसके चारों ओर लिपट गई।
मुझे मुश्किल से ही कैस्काबेलास की झंकार सुनाई दे रही थी जो हमारा स्वागत कर रही थी, और न ही उन बुजुर्गों की आवाज़ें जो हमें घेरे हुए, हाथ जोड़े आशीर्वाद दे रहे थे। जब वे चले गए, तो मैं अपने कबीले के लोगों की बधाई और आलिंगन के लिए नहीं रुका। मुझे बस वही दिखाई दे रहा था, जो मेरे लिए मायने रखता था, वह थी मेरी बाहों में सुंदर देवी। मेरी निगाहें सेरेना पर टिकी थीं, मैंने उसे उठाया, और उसने अपने पैर मेरी कमर के चारों ओर लपेट लिए। बिना कुछ कहे, मैं उसे भीड़ की जयजयकार के बीच अपने माता-पिता के घर ले गया।
ऐसा लगा जैसे सदियों का समय बीत गया हो, आखिरकार हम घर में दाखिल हुए और मैं सेरेना को सीधे अपने कमरे में ले गया। दरवाज़ा पूरी तरह बंद होने से पहले ही मैं उसके कपड़े उतारने लगा था, मानो उन्हें फाड़ ही रहा था। एक दिन पहले, सेरेना मेरे साथ संबंध बनाने को लेकर शर्मिंदा थी, क्योंकि उसे डर था कि मेरे माता-पिता और भाई-बहन हमें सुन लेंगे। दीवारों के साउंडप्रूफ होने के आश्वासन के बावजूद, उसने ज़िद की थी कि हम छुपकर रहें। उसे खुश करने के लिए, मैंने उसकी बात मान ली थी। आज रात, मुझे परवाह नहीं थी कि फेडरेशन स्पेस स्टेशन तक हमारी आवाज़ सुनाई दे। मैं पूरी तरह से तैयार, अपनी देवी को पाने के लिए बेताब था।
हालांकि मेरे माता-पिता एक दिन पहले सेरेना के लिए एक अस्थायी गद्दा लाए थे, फिर भी वह मेरे ऊपर सोई थी। लेकिन हमने पहले गद्दे पर ही प्रेम किया था, जैसा कि हम अब भी करते हैं, ताकि उसे कठोर फर्श से बचाया जा सके।
मैंने उसका टॉप ज़मीन पर फेंक दिया और उसके होंठों को बेतहाशा चूम लिया। सेरेना को गद्दे पर लिटाते ही मेरी जीभ उसके मुँह में घुस गई। इस तरह पहली बार चूमना बहुत अजीब था। मुझे यकीन नहीं था कि मैं कभी उसकी जीभ के अनोखे आकार और बनावट, या हमारे नुकीले दाँतों की जगह उसके मुँह में मौजूद चपटे दाँतों की कतारों की आदत डाल पाऊँगा। लेकिन अब, मैं उसे चूमना बंद नहीं कर पा रहा था। मैं उससे कभी नहीं थकता था, बस।
और उसी क्षण, एक अलग ही स्वाद ने मुझे अपनी ओर खींच लिया और मेरी रगों में वासना की ज्वाला उमड़ पड़ी। अनिच्छा से चुंबन तोड़ते हुए, मैंने अपने होंठों को उसकी गर्दन से होते हुए उसके स्तन तक ले गया।

खुद को रोक न पाने के कारण, मैं उसके स्तन के उभरे हुए भाग पर रुक गया, अपनी जीभ से उसके निप्पल के गहरे भूरे घेरे को सहलाने के बाद, मैंने उसके निप्पल को चूस लिया। मुझे उसकी त्वचा का हल्का नमकीन स्वाद बहुत अच्छा लगा, जो उसकी पहले की मेहनत से आया था।

हालांकि मेरी साथी ने मेरे साथ और करीब आने के लिए अपने स्तन ऊपर उठा लिए और मुझे रोकने के लिए मेरे सिर के पीछे हाथ रख दिया, फिर भी मैं अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहा। जब मैंने सेरेना की नाभि को हल्के से चूमा तो उसका पेट कांप उठा। मैंने अपनी उंगलियों को उसके शॉर्ट्स के कमरबंद में फंसाकर उसे नीचे खींच लिया और साथ ही उसकी कमर के नाजुक हिस्से को चाटने और चूसने लगा। उसके शरीर में एक सिहरन दौड़ गई, जिससे मुझे संतुष्टि का एहसास हुआ। मुझे अपनी साथी की मेरे स्पर्श के प्रति प्रतिक्रिया बहुत अच्छी लग रही थी।

जब मैंने उसका निचला वस्त्र हटाया, तो मेरी एकमात्र निराशा यह थी कि उसकी योनि के आसपास छोटे-छोटे घुंघराले बाल नहीं थे। मेरे शोध से पता चला था कि मनुष्यों में ये बाल वहाँ और बगल में होते हैं। कुछ लोगों के तो ये बाल पैरों पर और शरीर के लगभग हर हिस्से पर होते हैं—विशेषकर पुरुषों में। लेकिन सेरेना ने मुझे बताया था कि उसके पैरों पर कभी बाल नहीं आए थे—जो उसकी जाति की महिलाओं में असामान्य नहीं था —और उसने अपनी बगल और जननांगों के आसपास के बालों को स्थायी रूप से हटा दिया था ताकि उसे अब इस बारे में चिंता न करनी पड़े। यह अफ़सोस की बात थी। मैं यह जानना चाहता था कि क्या वे बाल उसके लंबे बालों की तरह रेशमी थे।

मुझे बेहद आश्चर्य हुआ, जैसे ही मैं अपनी भूख मिटाने ही वाला था, सेरेना ने अपना हाथ मेरे माथे पर रखा और मुझे धक्का देकर दूर कर दिया। मैंने अपना सिर उठाया और उसे सवालिया निगाहों से देखा।

"लेट जाओ," उसने कहा, उसकी सुनहरी आँखें इच्छा से काली पड़ गई थीं।

- पर मेरी चाह थी...

— ओह, तुम कर लोगे। लेट जाओ। मुझ पर भरोसा करो।

मैं असमंजस में था, मैंने विरोध करने के बारे में सोचा लेकिन फिर भी बात मान ली।

"बाहर निकालो," उसने मुझे आदेश दिया।

- अधिक...

“बहस बंद करो,” सेरेना ने भौंहें चढ़ाते हुए बीच में ही टोक दिया। “मैं भी तुम्हें चखना चाहती हूँ। हम दोनों एक साथ ऐसा कर सकते हैं।”

मेरी आँखें चौड़ी हो गईं और मेरे श्रोणि क्षेत्र में एक आग का गोला फूट पड़ा, जिससे मैं कामुकता से कराह उठा। मैंने मानव मैथुन के बारे में पहली बार शोध करने के बाद से ही इसके बारे में कल्पना की थी। जैसे ही मेरी साथी ने अपने गुप्तांग को मेरे चेहरे के साथ सावधानीपूर्वक संरेखित किया, मैं लगभग दर्द भरी कराह के साथ बाहर निकला। बिना किसी भूमिका के, मैं सीधे काम पर लग गया और अपनी जीभ उसके अंदर डाल

दी। सेरेना कांप उठी, और मैंने उसे वहीं रोके रखने के लिए दोनों हाथों से उसके नितंबों के मांसल उभार को पकड़ लिया, जबकि मैं उसे आनंदित कर रहा था।

लेकिन यह जल्द ही चुनौतीपूर्ण साबित हुआ जब मेरी साथी के कोमल हाथों ने मेरे लिंग को थाम लिया और मुझे सहलाना शुरू कर दिया। उसकी जीभ की नम गर्माहट मेरे लिंग को चाट रही थी, उसके सिरे को छेड़ रही थी और उसके ऊपरी भाग के चारों ओर घूम रही थी, जिससे मेरे पेट में जैसे आग सी लग गई और मैं कराह उठा। जब उसने आखिरकार मुझे अपने मुंह में लिया, तो मैं लगभग स्खलित हो गया। सेरेना का हाथ मेरे लिंग के निचले हिस्से को दबा रहा था और सहला रहा था, ठीक उसी तरह जैसे उसका सिर मेरे ऊपर हिल रहा था। मेरे पेट की मांसपेशियां दर्द से सिकुड़ गईं क्योंकि मैं खुद को रोकने की कोशिश कर रहा था। मुझे अपनी साथी के साथ ही संतुष्टि मिल सकती थी।

अपनी प्रेमिका की जांघों के बीच हाथ डालकर, मैंने उसकी क्लिटोरिस को सहलाया और साथ ही अपनी जीभ की गति और बल को बढ़ाते हुए उसे प्यार से तृप्त किया। मेरा ध्यान विशेष रूप से उसके भीतर मौजूद नसों के उस छोटे से गुच्छे पर केंद्रित था जो उसे पल भर में चरम सुख तक पहुंचा देता था। फिर भी, मुझे डर था कि कहीं मैं हार न मान लूँ, इसलिए मैंने अपना लिंग सेरेना के कान के पास उठाया, उसे फैलाया और संभोग की वह ध्वनि निकाली जो एक शक्तिशाली कामोत्तेजक का काम करती थी।

कुछ ही पलों में, मेरी साथी आनंद से चीख उठी और अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया। इस क्षणिक विराम ने मुझे कुछ हद तक नियंत्रण वापस पाने का अवसर दिया। जैसे ही वह आनंद की लहरों पर सवार हुई, मैं उसके नीचे से हट गया, उसे चारों हाथों-पैरों पर पकड़े हुए ही मैं उसके पीछे आ गया। यह भी कुछ ऐसा था जिसकी मैंने कल्पना की थी। इस तरह से ओर्डोसियन महिलाओं के साथ मिलन करना असंभव था। मैं अपनी साथी में समा गया, उसके कसकर आलिंगन की जलती हुई गर्मी मुझे चारों ओर से घेर रही थी।

मैं खुशी से सीटी बजाने लगा, मेरी उंगलियाँ उत्तेजना से फड़क रही थीं। मैंने अपनी इच्छा को दबा लिया, ताकि मेरी साथी को मेरे आकार के अनुसार ढलने का समय मिल सके, और मैं धीरे-धीरे उसके अंदर प्रवेश कर रहा था। अपनी प्रेमिका को इस तरह थामे रखना, जब वह मेरे वश में थी, एक जंगली और आदिम एहसास था। सेरेना कराह उठी, उसकी पीठ झुक गई और वह मेरे आंदोलनों के साथ ताल मिलाते हुए आगे-पीछे हिलने लगी। एक हाथ से उसकी कमर पकड़े हुए, मैंने दूसरे हाथ से उसकी पीठ सहलाई, और अपने नाखूनों से उसकी त्वचा को धीरे से खरोंचा।

सेरेना ने एक दबी हुई चीख निकाली और कंधे के ऊपर से मेरी तरफ देखा। उसकी आँखों में जो वासना भरी नज़र थी, वो सीधे मेरे गुप्तांगों तक पहुँच गई। उसने अपने होंठों को इतनी कामुकता से चाटा कि उसके मुँह से मुझे जो आनंद मिला था, वो याद मेरे गुप्तांगों पर छा गई। मेरे अंदर कुछ टूट गया। दोनों हाथों से उसकी कमर पकड़कर, मेरे नाखून उसकी कोमल त्वचा में थोड़ा ज़्यादा धंस गए, और मैं उस पर ज़ोर-ज़ोर से वार करने लगा। सेरेना ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और आनंद से चीख पड़ी।

सहज ही, मैं आगे झुका, अपना एक हाथ उसकी छाती पर रखा और उसे उठाते हुए लगातार ज़ोर-ज़ोर से उसके अंदर धक्के मारता रहा। घुटनों के बल बैठी, पीठ मेरी छाती से सटी, सेरेना मेरी तरफ मुड़ी। मैंने उसके होंठों को एक जोशीले चुंबन से चूम लिया। मेरा दूसरा हाथ उसकी क्लिटोरिस तक पहुँचा और मैंने अपनी क्लिटोरिस की नोक को उसके अंदर हिला दिया।

मेरी साथी को तुरंत चरम सुख प्राप्त हो गया। मैंने उसकी चरम सुख की चीख को दबा लिया और आनंद की लहरों से कांपते हुए उसे और कसकर गले लगा लिया। हमेशा की तरह, जब भी उसे चरम सुख प्राप्त होता था, उसकी भीतरी दीवारें मेरे लिंग के चारों ओर सिकुड़ जाती थीं, मानो मुझे भी चरम सुख प्राप्त करने के लिए मजबूर कर रही हों। मैंने खुद को रोका और अपनी क्रिया जारी रखी जब तक कि मेरी साथी उस आनंदमय अवस्था से बाहर नहीं आ गई।

मैंने उसे बस इतनी देर के लिए छोड़ा कि उसे गद्दे पर पीठ के बल लिटा सकूँ, फिर से उसके अंदर गहराई तक उतर गया। इस बार, मेरी निगाहें उस औरत के खूबसूरत चेहरे से ज़रा भी नहीं हटीं, जब मैं उस पर ज़ोर-ज़ोर से वार कर रहा था। हे भगवान! मैं सेरेना को निहारते-निहारते कभी नहीं थक सकता था, उसका चेहरा परम आनंद से भर उठता था, जिस तरह वह मेरे नीचे मचलती थी—हर धक्के के साथ उसकी कमर मेरी कमर से मिलती थी, उसकी गहरी आवाज़ मुझे प्रोत्साहित करती थी, मेरा नाम गाती थी और मुझसे विनती करती थी कि मैं उसे और गहराई से, और ज़ोर से लूँ...

मुझे उसके चरम सुख का अंदाज़ा नहीं था। यह इतनी अचानक आया कि मैं ज्वार की लहर में बह गया। मैं दहाड़ा, मेरा वीर्य इतनी ज़ोर से मेरी पत्नी के भीतर प्रवाहित हुआ कि मैं स्तब्ध रह गया। मेरी कमर में आग सी लग गई थी। हर बार वीर्य का प्रवाह मेरे भीतर से निकलने वाले तरल परमानंद की एक और खुराक जैसा था। मेरा इरादा अपनी साथी के साथ संभोग करने का नहीं था। लेकिन मेरे लिंग का अगला भाग फूल गया, जिससे मेरा वीर्य सेरेना के अंदर ही रुक गया और गर्भधारण की संभावना बढ़ गई। उसी समय, मैंने महसूस किया कि मेरे शरीर में मौजूद प्रजनन हार्मोन खाली हो गए, जिससे मेरे शरीर में एक और सुखद सिहरन दौड़ गई क्योंकि तरल पदार्थ मेरी योनि में प्रवाहित हो रहा था। हार्मोन सेरेना के हार्मोन स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे ताकि गर्भधारण में मदद मिल सके। फिलहाल यह एक व्यर्थ प्रयास था। मेरी योनि प्रजनन काल में नहीं थी - उसकी गंध ने मुझे यही बताया था।

हालांकि यह जानबूझकर नहीं था, फिर भी मैं उस जुड़ाव में डूब गया। मैंने हम दोनों को पलट दिया और कांपती हुई अपनी साथी को अपनी बाहों में भर लिया। मुझे उसे इस तरह महसूस करना कितना अच्छा लग रहा था, उसका शरीर पसीने से तर था, उस आनंद से धड़क रहा था जो मैंने उसे दिया था, मुझसे ऐसे लिपटा हुआ था मानो वह चाहती हो कि हम और भी करीब आ जाएं, एक शरीर और आत्मा में विलीन हो जाएं। वह इतनी नाज़ुक, इतनी संवेदनशील और अपने समर्पण में इतनी आश्वस्त लग रही थी।

जब उसने संतुष्टि भरी आह भरी और अपना सिर मेरी छाती पर टिकाया, तो मैंने उसके नम बालों को धीरे से सहलाया। मैंने उसे और कसकर गले लगा लिया, मेरा दिल स्नेह और आशा से भर गया क्योंकि मेरी पत्नी की छवि, जिसका पेट हमारे बच्चे से फूला हुआ था, मेरे मन में कौंध गई।
मैंने अपनी आंखें बंद कीं और एक स्वप्निल मुस्कान के साथ सो गई।

अध्याय 15

हमने तुलमा में अपना प्रवास दो दिन और बढ़ा दिया। अगर मेरी मर्ज़ी चलती, तो शायद हम और भी ज़्यादा दिन रुकते। लेशु और एरास्त्रा बेहद मज़ेदार थे। पहले तो मुझे लगा कि सालों से उनके रिश्ते में खटास आ गई है, क्योंकि वह हमेशा उसकी हर बात पर नुक्ताचीनी करती रहती थी और उसकी किसी न किसी हरकत की आलोचना करती रहती थी, जैसे कि उसके केंचुली उतारने के बारे में। लेकिन फिर मुझे समझ आया कि यह उनके बीच एक खेल था। जब उसके पास शिकायत करने के लिए कुछ नहीं होता था, तो वह जानबूझकर कुछ ऐसा करता था जिससे उसे चिढ़ा सके। कई बार मैंने उनमें से किसी एक को अपनी बेकाबू हंसी छुपाने की कोशिश करते हुए देखा।

लेकिन जब वे ऊब नहीं रहे होते थे, तो वे बेहद प्यारे अंदाज़ में एक-दूसरे से लिपट जाते थे। उन्हें उस तरह देखकर मेरा भी मन करता था। जब मैं नहाने गई और देखा कि वह विशाल नर एरास्ट्रा के सिर, पीठ और पूंछ पर मौजूद खुरदुरे पत्थरों से धीरे-धीरे उसकी खाल साफ़ कर रहा है, तो मेरा दिल पिघल गया।

यह जानकर कि स्ज़ारो बड़ा होकर अपने पिता के बराबर या उनसे भी लंबा होगा, मुझ पर गहरा असर पड़ा। एक दंभी पुरुष का अपनी प्रेमिका के लिए एक बड़े प्यारे से टेडी बियर में बदल जाना, यह दृश्य मुझे बेहद लुभाता था। स्ज़ारो के भाई-बहन भी बहुत मज़ेदार थे, लेकिन उनकी माँ से मेरा सच्चा जुड़ाव था।

मुझे बेहद आश्चर्य हुआ कि मेरी डांस रिबन रातोंरात लोकप्रिय हो गई। बेचारी दर्जी के पास ऑर्डर्स की बाढ़ आ गई—ओरडोसिया की महिलाएं उन्हें अपनी बैंड की तरह जोड़े में चाहती थीं। कुछ महिलाओं को रिबन के साथ अभ्यास करते देखकर मेरा दिल खुश हो गया।

घर लौटना सुखद और दुखद दोनों था, लेकिन एरास्ट्रा ने मुझसे वादा करवाया कि मैं अक्सर वापस आऊँगी। क्राडा के मास्टर हंटर होने के नाते, स्ज़ारो अब और अनुपस्थित नहीं रह सकता था। एल्डर क्राथी ने उसे केवल इसलिए अकेला छोड़ा था क्योंकि मैंने कहा था कि यह हमारा हनीमून है, जो यहाँ था ही नहीं।

जब हम वापस लौटे, तो इरको ने हमारी अनुपस्थिति में जो काम किया था, उसे देखकर मैं लगभग हैरान रह गया। घर के सामने का रसोईघर किसी आलीशान घर के बाहरी रसोईघर जैसा लग रहा था, जिसमें सिंक और रेफ्रिजरेटर यूनिट भी लगी हुई थी। मुख्य कमरे के अंदर का भोजन कक्ष तो बिल्डर को दिए गए मेरे सुझाव से भी कहीं अधिक सुंदर था। मेरा बिस्तर बेहद शानदार था, और गद्दा ऐसा लग रहा था मानो बादलों पर सो रहा हो। इसने मुझे स्ज़ारो में सोने के बारे में दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया। लगभग...

इसका यह मतलब नहीं था कि इसका इस्तेमाल शरारती खेल खेलने के लिए नहीं किया जाएगा।

लेकिन जिस चीज़ ने मुझे सचमुच हैरान कर दिया, वह था वह बाथरूम जिसे मेरे प्यारे पति ने मेरी पीठ पीछे चुपके से बनवाया था। साझा वॉशरूम में मेरे टॉयलेट और शॉवर के लिए जगह ढूंढते समय इरको ने उस बेहद आलीशान बाथरूम पर मेरी प्रतिक्रिया देखी थी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसने इसे स्ज़ारो को दिखाया था और उन दोनों ने मिलकर यह सब किया था। मैं गुस्सा नहीं हो सकती थी। मैं उससे बहुत प्यार

करती थी। यह अद्भुत से भी बढ़कर था। स्ज़ारो का मुझे एक अच्छा जीवन देने और मुझे खुश रखने का दृढ़ संकल्प मुझे बहुत प्रभावित कर गया।

मुझे उम्मीद थी कि अपने पति को उस औरत के लिए अपना घर बदलते देख मुझे अपराधबोध सताएगा, जिसके बारे में उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह रुकेगी। लेकिन मुझे ऐसा कुछ महसूस नहीं हुआ। अवचेतन रूप से, मैं पहले से ही जानती थी कि ट्रांगोर छोड़ने की—सारो छोड़ने की—संभावनाएँ हर गुजरते दिन के साथ कम होती जा रही थीं। मैं इस नागा से बेतहाशा प्यार करने लगी थी। लेकिन मैं इस दुनिया से, इन लोगों से, इस जीवनशैली से भी प्यार करने लगी थी...

अगले बारह दिन शांतिपूर्वक बीत गए। चूंकि संवेदनशील क्षेत्रों के पास स्किनर का कोई और आक्रमण नहीं हुआ था, इसलिए हमने फेडरेशन के शिकारियों को वह काम पूरा करने दिया जिसके लिए उन्हें यहाँ लाया गया था। ज़्यादा से ज़्यादा दो या तीन दिनों में वे अपना सामान समेटकर चले जाएंगे। मेरे दिल में दुख की कोई जकड़न नहीं थी, न ही कोई चिंता या दुर्भाग्य का एहसास मुझे घेर रहा था। बस शांति थी। पिछले दो हफ्तों में, मैं ऑर्डोसियन शिकारियों की दिनचर्या का आदी हो गया था, जो टोही अभियानों पर जाते थे और स्थानीय वनस्पतियों और जीवों की देखभाल करते थे। हमेशा कुछ न कुछ करने को होता था, कुछ नया खोजने को मिलता था।

मैंने अपना खाना तैयार कर लिया और हमेशा की तरह, टैरेस पर मेज़ लगाने चली गई। स्ज़ारो देर से आया। वह आमतौर पर मेरे बगल में बैठता था, मेरा साथ देता था, क्योंकि वह जानता था कि खाना खाना इंसानों के लिए एक सामाजिक गतिविधि है। और भले ही वह मेरे साथ खाना न खा सके, फिर भी वह मुझे जुड़ाव का एहसास दिलाना चाहता था।

जैसे ही ये ख्याल मेरे मन में आया, सामने का दरवाजा खुला और स्ज़ारो एक बड़ा कटोरा लेकर अंदर आया। उसने मुझे एक मिनट रुकने का इशारा किया और रसोई में चला गया। मैं वहीं रुका रहा, मेरी जिज्ञासा बढ़ती जा रही थी। वो एक थाली भरकर मांस के टुकड़े लेकर छत पर आया। उसने उसे मेरे सामने मेज पर रख दिया। मुझे ये समझने में थोड़ा समय लगा कि ये कच्चा मांस था... फर और पंजे समेत। मेरी आँखें चौड़ी हो गईं और मैंने सवालिया निगाहों से स्ज़ारो को देखा।

“मेरा सारा सामान खत्म हो गया है,” उन्होंने मुझे बैठने का इशारा करते हुए समझाया। “अब से मैं तुम्हारे साथ खाना खाऊंगा।”

मैंने अविश्वास से उसकी बेस्वाद खाने की थाली को देखा। फिर मैंने उसकी मुस्कुराती हुई शक्ल पर एक नज़र डाली और फिर से पिघल गई। क्या गजब का इंसान है, और उसके अनगिनत नेक काम!

"आपकी दयालुता तो देखिए। लेकिन लगता नहीं कि यह खाना आपके लिए काफी है," मैंने चिंता से कहा।

“मेरे लिए एक दिन के लिए इतना काफी होगा, शायद उससे भी कम,” स्ज़ारो ने कंधे उचकाते हुए कहा। “लेकिन मैं सावधानी बरतना पसंद करता हूँ। काफी समय हो गया है जब मैंने इतना खाना खाया है जिससे मैं कम से कम कुछ हफ्तों तक जीवित रह सकूँ।”

मैंने स्नेहपूर्वक कहा, "तुम सचमुच बहुत अच्छे हो।"
"मुझे पता है," उसने घमंडी लहजे में कहा।
मैंने उसे देखते हुए हिचकी ली और मुंह बनाया।
मैं अपने कहे हुए शब्दों को वापस लेता हूँ।
"तुम ऐसा नहीं कर सकते। तुमने पहले ही कह दिया है और तुम्हारा मतलब सचमुच यही था," उसने एक उद्दंड मुस्कान के साथ जवाब दिया, जिसे देखकर मेरा मन किया कि मैं उसके सिर पर कुछ फेंक दूं।
उस पल, मैंने लेशु का वो रूप देखा जो वो बनने वाला था और मैं और भी पिघल गया। वो एक कांटा लाया था – जिसे मैं जानता था कि ओर्डोसियन लोग इस्तेमाल नहीं करते थे – और उसने मांस का एक टुकड़ा उसमें चुभोकर अपने मुंह में ठूंस लिया।
उसने चबाया नहीं।
इससे मुझे थोड़ा सदमा लगा, लेकिन उतना नहीं जितना मुझे डर था। हालांकि, जब वह टुकड़ा निगला तो उसके गले में ज़रा भी सूजन नहीं आई। अगर सूजन नहीं भी आती, तब भी सांप दर्द से तड़पते हुए लग रहे थे, उनके चेहरे भोजन को अंदर जाने देने के लिए हद से ज़्यादा खिंचे हुए थे।
"तुमने इसे मेरे लिए छोटे-छोटे टुकड़ों में काट दिया," मैंने धीरे से कहा, आखिरकार मुझे समझ आ गया कि उसने क्या किया था।
स्ज़ारो मुस्कुराया लेकिन कुछ और सेकंड तक चुप रहा जब तक कि उसने उस टुकड़े को पूरी तरह से निगल नहीं लिया।
“आम तौर पर, मैं उस जीव को पूरा निगल जाता,” उसने स्वीकार किया। “लेकिन मुझे यकीन है कि उसे खाने की कोशिश करते समय आपको यह नजारा देखने में मजा नहीं आता।”
शर्मिंदगी से मेरे गाल लाल हो गए और मैं कुर्सी पर थोड़ा हिल गया।
मैंने थोड़ा बचाव करते हुए कहा, "आपके लोग इसी तरह काम करते हैं। शुरू में मुझे थोड़ी परेशानी होगी, लेकिन मुझे इसकी आदत हो जाएगी।"
“जब एक आसान विकल्प मौजूद है जिससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो क्यों परेशान होना?” उसने पूछा।
“चाहे मैं कई छोटे टुकड़े खाऊं या एक बड़ा, मुझे लगभग उतना ही समय लगेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि एक मामले में मैं आपका साथ दे सकता हूं और आपसे बातचीत कर सकता हूं, जबकि दूसरे में मैं पूरे भोजन के दौरान लगभग निष्क्रिय हो जाता हूं।”
मैंने उसकी तरफ मुंह बनाया, जिससे वह हंसने लगा।
"जब आप इसे इस तरह पेश करते हैं, तो बहस करना मुश्किल हो जाता है," मैंने बुदबुदाया।
वह मुस्कुराया, एक और टुकड़ा उठाया—इस पर रोएँ थे—और उसे अपने मुँह में ठूँस लिया। शुक्र है, मुझे उल्टी जैसा महसूस नहीं हुआ। मुझे इसकी आदत पड़ने में थोड़ा और समय लगेगा। मैंने अपने खाने के कुछ और निवाले लिए ही थे कि अचानक मुझे सलहा के साथ हुई बातचीत याद आ गई।

"तो... तुमने अब तक जो टुकड़े खाए हैं उनमें हड्डियाँ थीं, और इसमें फर है," मैंने सोच-समझकर कहा। "सांप हड्डियाँ तो पचा सकते हैं, लेकिन फर, पंख, सींग या केराटिन युक्त कोई भी चीज़ नहीं। क्या तुम इस फर को किसी तरह का 'बालों का गोला' बनाकर थूक दोगे?"
स्ज़ारो हँस पड़ा, शायद मेरे चेहरे के भाव देखकर। मैंने अपने चेहरे पर कोई भाव न दिखाने की कोशिश की थी, लेकिन...
"दरअसल, मैंने जो पहला टुकड़ा खाया उसमें हड्डियां और दांत थे और दूसरे में फर, हड्डियां और पंजे थे," स्ज़ारो ने मुस्कुराते हुए कहा।
मैं भय से उसे घूर रही थी, मेरी दाहिनी आँख फड़क रही थी। स्ज़ारो ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और ज़ोर से हँस पड़ा। उसकी हँसी गहरी और ज़ोरदार थी, हँसी से उसके कंधे हिल रहे थे। अगर हालात कुछ और होते, तो मैं उसके अच्छे रूप और दबंग अंदाज़ पर मुग्ध हो जाती, लेकिन मैं सदमे में कुछ ज़्यादा ही डूबी हुई थी।
“हाँ, मैं अपने शरीर से फर और पंजे हटाने के लिए एक तरह का ‘रूई का गोला’ थूकने वाला हूँ। लेकिन चिंता मत करो, मैं तुम्हें यह तमाशा नहीं दिखाऊँगा,” उसने अपनी बात जारी रखी, उसकी आँखों में अभी भी शरारत झलक रही थी। “और नहीं, यह अगले ही पल नहीं होगा। इस प्रक्रिया के पूरा होने में तुम्हें कुछ घंटे इंतजार करना पड़ेगा।”
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "मैं समझ गया। तुम इसमें कुछ ज्यादा ही मजा ले रहे हो।"
— जी हाँ, मेरे साथी। जी हाँ, उसने बिना किसी पछतावे के अपना अपराध स्वीकार कर लिया।
हालांकि इसकी कुछ रीति-रिवाज और जैविक क्रियाएं मुझे चौंका देती थीं, लेकिन संस्कृति के सदमे से उबरने के बाद मैं उनसे उबर गई। लेकिन मुझे अच्छा लगता था कि मैं स्ज़ारो से इस बारे में बात कर सकती थी और उसे मेरी अनैच्छिक प्रतिक्रियाओं से बुरा नहीं लगता था। मेरा बेवकूफी भरा चेहरा बहुत भावुक और कूटनीतिक रूप से अक्षम था।
बातचीत करते हुए हमने खाना खत्म किया। हालाँकि मुझे उसका खाना बिल्कुल भी पसंद नहीं आया, फिर भी मुझे उसके साथ खाना खाने का मौका मिलना बहुत अच्छा लगा, बजाय इसके कि वह सिर्फ मुझे खाना खिलाता रहे। एक बार फिर, स्ज़ारो की निरंतर दयालुता ने मेरे दिल को छू लिया।
हमेशा की तरह, मेरे प्यारे पति ने गंदे बर्तन धोने के लिए उठाए। अंदर जाने से पहले, उन्होंने मुझे चूमने के लिए झुके। मैं पीछे हट गई और उन्हें रोकने के लिए अपना हाथ उनकी छाती पर रख दिया।
“नहीं! बिलकुल नहीं!” मैंने उसके अचंभित चेहरे को देखकर कहा। “तुम मुझे उस मुँह से नहीं चूम सकती, खासकर उन अजीब चीजों के बाद जो अभी-अभी तुम्हारे मुँह में गई हैं। पहले जाओ और मेरा माउथवॉश इस्तेमाल करो, फिर मैं दोबारा सोचूँगी।”
स्ज़ारो की आंखें इतनी उभरी हुई थीं कि ऐसा लग रहा था मानो वे उसके सिर से बाहर निकल जाएंगी।

"क्या?" वह अचंभित होकर बोला। "तुम तो लगातार मरे हुए जीव खाते हो और तुम्हें मुझे चूमने में कभी कोई दिक्कत नहीं हुई।"
"ये बिल्कुल भी एक जैसी चीज़ नहीं है," मैंने हैरानी से कहा कि वो दोनों की तुलना कर रहा था। "तुमने अभी-अभी दांत, फर और पंजे खाए हैं!"
— तकनीकी तौर पर, मैंने उन्हें उनके मांस समेत निगल लिया। और तुमने तो एक क्लेज़ी के नितंब और पैर खा लिए। ये बेहतर कैसे हुआ?
मैंने बहस करते हुए कहा, "इसे हैम और शैंक्स कहते हैं। और यह पका हुआ होता है, जिससे सारी हानिकारक चीजें खत्म हो जाती हैं।"
"ये तो बस जानवर के नितंबों और पैरों का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फैंसी शब्द हैं," स्ज़ारो ने हठीले भाव से कहा।
— मुझे परवाह नहीं है। मैं अब भी उस तरह से उसके होंठों को नहीं चूमती, मैंने उतने ही जिद्दी अंदाज में कहा।
स्ज़ारो ने झुंझलाहट से कांपते हुए फुफकारा, मुझे ऐसे देखा जैसे मुझे अपनी गोद में बिठाकर थप्पड़ मारना चाहता हो, फिर जल्दी से घर के अंदर चला गया। मुझे उसकी नज़र से उत्तेजना भी हुई और उसकी झुंझलाहट देखकर मज़ा भी आया। मैं उसके पीछे बाथरूम में गई, जहाँ वह काउंटर पर गंदे बर्तन रखे हुए था और बड़ी सावधानी से माउथवॉश का इस्तेमाल कर रहा था। लगभग तीस सेकंड बाद उसने माउथवॉश थूक दिया और मुझे ऐसी नज़र से देखा जैसे कह रहा हो, "अब संतुष्ट हो?"
मैंने अपने निचले होंठ को चबाया, हिचकिचाई, फिर शर्मिंदा होकर अपना सिर हिलाया।
— पूरी तरह से सुनिश्चित होने के लिए एक और बार कर लें।
जब उसने झुंझलाहट भरे लम्हे के साथ मेरी बात मानी, तो उसके गले से निकली तेज़, कांपती हुई फुफकार सुनकर मैं ज़ोर से हंस पड़ी। मैं सचमुच हंसते-हंसते दम घुटने लगी थी, मेरी आंखों से आंसू बह रहे थे, जबकि वह गुस्से से मुझे घूर रहा था और माउथवॉश इस्तेमाल करते समय उसके गाल ऊपर-नीचे हो रहे थे। उसके चिड़चिड़े व्यवहार के बावजूद, उसकी आंखों में शरारत की झलक साफ दिख रही थी, चाहे वह कितनी भी हल्की क्यों न हो।
हाँ, मैं निश्चित रूप से अपने भविष्य के लेशु को देख सकता हूँ।
जब उसने उसे थूक दिया, पानी से अपना मुंह धोया और फिर मुझे अपनी बाहों में भरने के लिए आगे बढ़ा, तो मैंने विरोध नहीं किया।
"अब मुझे मना करना बंद करो, महिला," उसने बड़बड़ाते हुए कहा।
मुझे चूम लो, मेरी जान। तुम इसके लायक हो।
और उसने मुझे चूमा।

~

अगले दिन, प्रथम शिकार का अंतिम दिन होने के कारण, मैं और ऑर्डोसियन लोग भागते हुए स्किनर्स द्वारा किए गए नुकसान का आकलन और मरम्मत करने के लिए अनुमत शिकार क्षेत्रों में गए। यह मेरे लिए एक ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। एक पेशेवर शिकारी के रूप में अपने पाँच वर्षों में, मैंने कभी भी स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को ऐसे अतिक्रमणों से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए समय नहीं निकाला था, विशेषकर तब जब जंगली, विशालकाय जानवर उन क्षेत्रों में घुस जाते थे जहाँ वे सामान्यतः नहीं जाते थे।
बेशक, मैंने कुचली हुई वनस्पतियों और गिरे हुए पेड़ों को देखा था। लेकिन मैंने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया था कि ट्रांगोर में जिस तरह के भीषण जंगली जानवरों के उत्पात के दौरान, पैरों तले कुचली गई वनस्पति मुख्य रूप से जड़ों और बेरों से बनी होती है, जो कई छोटे जीवों के भोजन का मुख्य स्रोत होती हैं।
मुझे यह एहसास नहीं था कि लड़ाइयों और गिरे हुए पेड़ों के कारण कभी-कभी उनमें रहने वाले जीवों के बिल भूमिगत रूप से ढह जाते हैं। कुछ जीव तो खोदकर बाहर निकलने में कामयाब हो जाते हैं, लेकिन जो प्रजातियाँ दूसरों द्वारा छोड़े गए बिलों पर कब्जा कर रही थीं, वे फंस जाती हैं और दम घुटने या भूख से मर जाती हैं।
हमें संकट में फंसी ऐसी दो प्रजातियाँ मिलीं: एक चूहा प्रजाति का था, दूसरा छिपकली प्रजाति का। चूहे बेहद कमजोर थे, लेकिन जीवित थे। हमने उन्हें फीडिंग सिरिंज की मदद से रुगल पेस्ट खिलाया। चूंकि उन्हें ठीक होने में कुछ दिन लगेंगे, इसलिए हमने उनके बिल में खाना छोड़ दिया। छिपकलियों की हालत इतनी अच्छी नहीं थी। उनके दोनों माता-पिता मर चुके थे, माँ तो अंडों को से रही थी। हमने अंडों को लिया और उन्हें ड्रेयशन ट्रांसपोर्टर पर लगे इनक्यूबेटरों में से एक में रख दिया। एट्रियम गार्डियन अंडों के फूटने तक उनकी देखभाल करेंगे, और फिर उन्हें जंगल में छोड़ दिया जाएगा।
दूर से आती हुई एक स्किनर की दहाड़ ने हमारा ध्यान खींचा। स्ज़ारो ने मुझे अपना स्टील्थ शील्ड सक्रिय करने को कहा और खुद अपने प्राकृतिक छलावरण का इस्तेमाल करते हुए, अपने शरीर की खाल का रंग बदलकर अपने आसपास के वातावरण में घुलमिल गया। मैं उसकी पीठ पर चढ़ गया और वह मुझे उस जानवर की ओर ले गया। बाकी शिकारी भी छलावरण में थे और चुपचाप हमारे पीछे-पीछे चल रहे थे।
हमारे स्कैनर्स से पता चला कि फेडरेशन का एक शिकारी पहले से ही इस काम को संभाल रहा था। मुझे पता चला था कि ऑर्डोसियन शुरू से ही हमारी जासूसी कर रहे थे। हालांकि, मुझे यह एहसास नहीं था कि उन्होंने फेडरेशन से पहले शिकार अभियान से कुछ शिकारियों को बर्खास्त करने के लिए कहा था, क्योंकि वे स्किनर्स को मारने के लिए क्रूर तरीके अपनाते थे। ऑर्डोसियन इन जानवरों की अतिरिक्त आबादी को खत्म करना चाहते थे ताकि एक स्वस्थ संतुलन बना रहे, लेकिन वे उन्हें अनावश्यक रूप से कष्ट न दें।
हम ठीक समय पर पहुँचे और लड़ाई के साक्षी बने। मानव शिकारी, डोनोवन क्रेग को देखकर मेरी आँखें फटी रह गईं। शिकार के दौरान कई सालों तक हमारी अच्छी दोस्ती हो गई थी। मैंने उसे पहले कभी शिकार

करते नहीं देखा था। शिकारी एक-दूसरे के पेशेवर रहस्यों को बड़ी सावधानी से छिपाते हैं। आखिर हम प्रतिद्वंद्वी थे। मुझे उस पर नज़र रखने में लगभग अपराधबोध महसूस हुआ... लगभग।

मुझे आश्चर्य हुआ कि वह जेटपैक का इस्तेमाल करके उस राक्षस के चारों ओर उड़ रहा था, उसकी लंबी गर्दन की पहुँच से ठीक परे। उसने चार छोटे गोले छोड़े जो स्किनर के सिर के चारों ओर मंडराने लगे और उनसे एक शक्तिशाली सफेद रोशनी निकली, जिससे उस प्राणी की असंख्य आँखें चौंधिया गईं। उसके चेहरे के सामने वाले गोले से एक भयानक गुर्राहट निकली। स्किनर ने तुरंत अपने खंजर जैसे जबड़ों से उसे छीनने की कोशिश की, और अंधाधुंध अपने दरांती जैसे हाथों को लहराया। चारों गोलों ने एक और तेज रोशनी छोड़ी ताकि वह अंधा बना रहे, जबकि डोनोवन चुपके से उस प्राणी के पीछे मंडरा रहा था, जो उस विचलित करने वाली गुर्राहट पर इतना ध्यान केंद्रित था कि उसे पता ही नहीं चल रहा था कि क्या हो रहा है।

वाह, ये तो बहुत ही चतुराई भरा काम है!

उसने स्किनर के पैरों पर एक अजीब हथियार तान दिया। जानवर के आगे और पीछे के दोनों पैरों पर लेज़र का निशान दिखाई दिया। जब उसने गोली चलाई, तो चार सफेद गोले निकले, और हर गोला अपने निशान पर जा गिरा। जैसे ही वे आपस में टकराए, सफेद पदार्थ पैर के चारों ओर लिपट गया और फिर तुरंत उसी तरफ के दूसरे गोले से जुड़कर बीच के पैरों को जकड़ लिया। दोनों तरफ के चारों पैर एक गुलदस्ते की तरह आपस में गुंथ गए, जिससे स्किनर पेट के बल गिर पड़ा। वह गुस्से में चिल्लाया और बंधनों से छूटने की व्यर्थ कोशिश करता रहा।

डोनोवन उस प्राणी का सामना करने के लिए उड़कर उसके चारों ओर गया। उसने एक मौखिक आदेश दिया, और गोले-गोलों ने रिपर के सिर के निचले हिस्से पर प्रकाश की किरणें छोड़ीं। पहले तो मुझे यह देखकर हैरानी हुई, लेकिन फिर मुझे समझ आया कि वे छोटे ट्रैक्टर बीम की तरह काम कर रहे थे, जो चीखते हुए भी प्राणी के सिर को स्थिर रखे हुए थे। इससे डोनोवन को उसके गले के पिछले हिस्से पर मौजूद कमज़ोर जगह को सटीक निशाना बनाने का मौका मिल गया। कुछ ही सेकंड में लड़ाई खत्म हो गई।

"धिक्कार है," मैंने बुदबुदाया। "इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि उसे इतने सारे परफेक्ट स्कोर मिलते हैं।"

"इसे बहुत अच्छे से अंजाम दिया गया है," स्ज़ारो ने सम्मान से भरी आवाज में धीरे से कहा।

मैंने पूछा, "क्या मैं उनसे एक मिनट बात कर सकता हूँ?" "वे मेरे पुराने दोस्त हैं।"

मैंने यह कहने से परहेज किया कि शायद यह उसे दोबारा देखने का मेरा आखिरी मौका हो।

स्ज़ारो ने अपने कंधे के ऊपर से मेरी तरफ देखा और फिर सिर हिलाया।

"धन्यवाद," मैंने धीरे से कहा जब उसने मुझे बाहर निकलने दिया।

मैंने उसके गाल पर चुंबन किया और फिर डोनोवन की ओर बढ़ा, जो बीकन से अपने शिकार को पकड़ने में व्यस्त था। मैंने इतनी आवाज़ की कि उसे मेरे आने का आभास हो गया। सतर्क होकर उसने अपना सिर उठाया और आवाज़ के स्रोत की तलाश करने लगा। मैंने अपना स्टील्थ शील्ड निष्क्रिय कर दिया। उसका आश्चर्य अविश्वास में बदल गया, और फिर खुशी में।

— अरे लड़की! तुम यहाँ क्या कर रही हो? तुम बहुत खूबसूरत लग रही हो! उसने उठते हुए कहा।
मैं ठीक हूँ। मैं ओर्डोसियन लोगों के साथ हूँ। मैं वन रक्षक का काम कर रहा हूँ। वे लोग थोड़ा पीछे इंतज़ार कर रहे हैं।
मैंने सिर हिलाकर स्किनर की ओर इशारा किया।
शाबाश! इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि तुम्हें इतने अच्छे अंक मिल रहे हैं।
डोनोवन गुस्से में है।
— उसने बनावटी निराशा के साथ कहा, "वह महिला जो इतनी आगे निकल चुकी है कि किसी के पास भी उसे पकड़ने और भव्य पुरस्कार जीतने का जरा सा भी मौका नहीं है।"
मैं हंस रहा हूँ।
"यह सच है, लेकिन असल में मैं बड़ा पुरस्कार नहीं लेने वाला," मैंने उसके सामने रुकते हुए कहा। "मैंने फेडरेशन को पहले ही बता दिया है कि यह पुरस्कार दूसरे स्थान पर आने वाले को दिया जाए।"
अरे यार, तुमने ऐसा क्यों किया? ये तो पाँच मिलियन क्रेडिट हो गए!
“सच कहूँ तो, सिर्फ़ दुश्मनों को मारकर मुझे जो क्रेडिट मिलते हैं, वो मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा हैं,” मैंने कंधे उचकाते हुए कहा। “वैसे भी, ये नाइंसाफ़ी होगी। ऑर्डोसियन्स के बिना, मुझे कभी भी परफेक्ट किल्स के लिए इतने सारे बोनस नहीं मिलते, या यूँ कहें कि इतने सारे किल्स नहीं होते। बाकी सब लोग ये सब खुद कमाते हैं। आप लोग इसके ज़्यादा हकदार हैं।”
"आपकी बहुत मेहरबानी है," डोनोवन ने धीरे से कहा। "लेकिन फिर भी, आप हमेशा से ही एक उच्च कोटि की महिला रही हैं।"
मैं मुस्कुराता हूं।
वह फिर से गंभीर हो गया और उसकी आँखों में चिंता झलकने लगी।
— कैसी हो सेरेना? खबर सुनकर सब लोग बहुत हैरान रह गए। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि उन्होंने अपने ही एक साथी की जान बचाने के लिए तुम्हें फांसी देने की ठान ली।
मुझे बेचैनी महसूस हो रही थी, इसलिए मैं अपने पैरों पर इधर-उधर हिलने लगा।
— मामला पेचीदा है। वे मुझे चोट नहीं पहुँचाना चाहते थे, ठीक इसी वजह से। लेकिन आप जानते हैं कि अगर मैं वहाँ से निकल जाता तो क्या मिसाल कायम हो जाती। लोग इस स्थिति का फायदा उठाकर तरह-तरह के घिनौने काम करने की कोशिश करते।
उसने धीरे से सिर हिलाया, उसकी एक भौंह माथे पर उभर आई।
हां, मैं समझती हूं। लेकिन फिर भी आपके लिए यह बहुत बुरा है। मतलब, हमें राहत मिली है कि उन्हें कोई वैकल्पिक समाधान मिल गया है, लेकिन क्या आप ठीक हैं? क्या वे आपके साथ अच्छा व्यवहार कर रहे हैं?
“बहुत बढ़िया। वे मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते हैं, और मुझे यहाँ का जीवन बहुत पसंद है। सच में,” मैंने ज़ोर देकर कहा जब उसने मुझे संदेह भरी नज़रों से देखा। “आप जानते हैं कि मैं हमेशा से किसी बड़े

पार्क में पार्क रेंजर बनना चाहता था। अभी तो पूरी दुनिया ही मेरा खेल का मैदान है, जहाँ मैंने अब तक के सबसे अद्भुत जीव-जंतु देखे हैं।"

"मुझे यही उम्मीद थी," उन्होंने स्वीकार किया। "उनकी जीव-जंतुओं की विविधता वाकई अद्भुत है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि फेडरेशन और यूपीओ ऑर्डोसियनों का विश्वास जीतने के लिए जी-तोड़ कोशिश कर रहे हैं। दवा कंपनियों के एक प्रतिनिधि ने हमें उन सभी दवाओं और उपचारों की सूची दी है जो वे केवल स्किनर्स से प्राप्त कर सकेंगे। यह वाकई चौंकाने वाला है।"

मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "आपको इसका अंदाज़ा भी नहीं है।" मेरे पति स्ज़ारो मुझे एक ऐसा जीव दिखा रहे थे जिसके खाली प्यूपा के खोल का इस्तेमाल गंभीर रूप से जली त्वचा को ठीक करने वाली क्रीम बनाने में किया जा सकता है।

डोनोवन के चेहरे पर चिंता के भाव उभर आए, जिससे मेरी सारी इंद्रियां तुरंत सतर्क हो गईं।

मैंने पूछा, "यह क्या है?"

डोनोवन अपने पैरों पर थोड़ा हिलने लगा।

सुनो, शायद कुछ भी न हो, लेकिन अगर तुम टोही मिशन पर हो, तो शायद तुम्हें दक्षिण-पश्चिम की ओर जाना चाहिए।

आगे बोलने से पहले वह थोड़ा हिचकिचाया।

— मैं कल यहाँ आया था। स्किनर प्रजाति के शिकारी अब कम ही देखने को मिलते हैं, इसलिए यहाँ बहुत सारे प्रतियोगी मौजूद थे। इसीलिए मैंने आज इस क्षेत्र में आने का फैसला किया। लेकिन यहाँ रहते हुए मुझे एक शिकारी का बाजूबंद मिला।

"बाजू पर पट्टी? उससे कोई बांह जुड़ी ही नहीं थी?" मैंने अचंभित होकर पूछा।

"न तो हाथ थे और न ही खून," डोनोवन ने जवाब दिया। "यह महज़ संयोग था कि मुझे यह मिल गया। मैंने इसे अपने एक घायल जानवर के साथ छोड़ दिया था ताकि बचाव दल इसे उठा ले और इसके मालिक को ढूंढकर बचा सके। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि यह गलती से वहीं गिर गया होगा जहाँ मुझे यह मिला।"

मैंने कहा, "क्या आपको लगता है कि इसके मालिक ने जानबूझकर इसे इसलिए हटा दिया ताकि फेडरेशन इसकी गतिविधियों पर नज़र न रख सके?"

डोनोवन ने सिर हिलाया।

— जब मैं कल रात बेस कैंप लौटा, तो सब लोग वहीं थे। मुझे मालिक की पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन मुझे कुछ संदेह है।

- ओह ?

उन्होंने कहा, "चूंकि ये शिकार के आखिरी दिन हैं, इसलिए हर कोई ज्यादा से ज्यादा अंक हासिल करने के लिए लंबे समय तक मेहनत कर रहा है। बैरन, थोल्या और जोमौग को छोड़कर बाकी सभी के स्कोर में कल रात काफी बढ़ोतरी हुई।"

मेरा दिल बैठ गया।
मैंने दांत पीसते हुए कहा, "बेशक, बैरन ही है। जब भी कोई समस्या होती है, वह हमेशा शामिल होता है। लेकिन बाकी दो का क्या? क्या कोई और बाजूबंद भी गुम हुए थे?"
डोनोवन ने अपना सिर हिलाया।
मुझे तो बस वही एक मिला। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बाकी दोनों ने अपने सामान को बेहतर तरीके से नहीं छिपाया होगा और बेस पर लौटने से पहले उसे हासिल नहीं कर लिया होगा।
"वह कहाँ छिपा हुआ था?" मैंने तनाव भरी आवाज़ में पूछा, मेरे मन में बेचैनी छा गई थी।
— रुकिए, मैं आपके कार्ड में विवरण स्थानांतरित कर देता हूँ।
कुछ क्षण बाद, मेरे आर्मबैंड से पुष्टि की बीप की आवाज आई।
धन्यवाद। आपसे दोबारा मिलकर बहुत अच्छा लगा। कृपया सभी को मेरा प्रणाम कहिएगा और अपना ख्याल रखिएगा।
"आप भी," उन्होंने हल्की मुस्कान के साथ कहा।
मैंने अलविदा कहते हुए सिर हिलाया और उस ओर तेज़ी से बढ़ा जहाँ ऑर्डोसियन मेरा इंतज़ार कर रहे थे। मेरे पहुँचने से बहुत पहले ही स्ज़ारो ने अपना भेस उतार दिया था।
मैंने सावधानी से कहा, "मुझे लगता है कि हमारे सामने एक समस्या है।"
"हमने सुना," स्ज़ारो ने कहा, फिर उसने अपना सिर पीछे की ओर हिलाते हुए कहा, "अंदर आ जाओ, मेरी पत्नी।"
मैंने उनकी बात मान ली। जब वह मुझे अपने घोड़े पर बिठाकर उस जगह ले जा रहे थे जहाँ हमने अपने ड्रायशन छोड़े थे, तो मैं सोच रही थी कि उन्होंने हमारी बातचीत क्यों सुनी होगी। खैर, तकनीकी रूप से कहें तो, उन्होंने नहीं सुनी थी। उनकी सुनने की शक्ति इतनी अच्छी थी कि वे हमारे इतने करीब थे कि बिना किसी प्रयास के हमारी बातें सुन सकते थे। मैं यही मानना चाहती थी कि बस यही बात थी, न कि अविश्वास के कारण वे हम पर जासूसी करना चाहते थे।
जब हम अपने घोड़ों पर सवार हुए, तो शिकारियों में से एक बचाए गए जानवरों और अंडों के साथ ड्रायशन ट्रांसपोर्टर को वापस गाँव ले आया, और हम बाकी लोग डोनोवन द्वारा बताए गए निर्देशांकों की ओर पूरी गति से चल पड़े। स्ज़ारो ने अपने आदेश के साथ आसपास के गाँवों को संदेश भेजा था ताकि वे आस-पास के निषिद्ध क्षेत्रों की खोज शुरू कर सकें और किसी भी प्रकार के उल्लंघन के संकेत ढूंढ सकें।
निर्धारित निर्देशांकों तक पहुँचने से बीस मिनट पहले, मेरे सीने में दर्द होने लगा जब ऊपर एक संकटकालीन फ्लेयर की बैंगनी रोशनी चमकने लगी। एक के बाद एक दूसरी फ्लेयर दिखाई दी: यह ऑर्डोसियन संकेत था कि हर बाहरी व्यक्ति तुरंत अपने जंगल छोड़कर बेस कैंप लौट जाए। जो भी ऐसा नहीं करेगा, उसे देखते ही मार दिया जाएगा। यह वही संकेत था जिसका सभी शिकारी और फेडरेशन को डर था: इस बात की पुष्टि कि किसी ने बहुत बड़ी गलती कर दी है।

फिर हमें खबर मिली। खेनाडे का एक ठिकाना लगभग पूरी तरह नष्ट हो चुका था। ये जीव एक छोटे ग्रिफिन के परग्रही रूप थे, जिनका शरीर फेनेक लोमड़ी जैसा, सिर कुछ-कुछ उल्लू जैसा और पंखों का एक बड़ा जोड़ा था। ये ट्रांगोर के उन गिने-चुने जीवों में से थे जिन पर ऑर्डोसियनों के कैस्केबेल की मधुर झंकार का कोई असर नहीं होता था। अपने छोटे आकार के बावजूद, खतरा महसूस होने पर ये गंभीर नुकसान पहुंचा सकते थे। इनके नुकीले पंजे और तेजाब से हमला करने की मूर्खता करने वाले किसी भी व्यक्ति का सफाया हो सकता था, खासकर प्रजनन के मौसम में।

हमारे पहुँचने पर, सिज़्सा जनजाति के शिकारी पहले से ही भोजन की भीख माँग रहे असंख्य अनाथों की देखभाल में व्यस्त थे। अनगिनत वयस्क खेनाडेयों के शवों को देखकर मेरी आँखों में आँसू आ गए, जिन्होंने अपने ठिकाने की रक्षा के अलावा कुछ नहीं किया था।

"मुझे समझ नहीं आ रहा," मैंने चारों ओर देखते हुए बुदबुदाया। "इन सभी के शरीर पर विस्फोट से जलने के निशान हैं, लेकिन कोई घाव नहीं, कोई अंग नहीं निकाला गया। और सभी युवा अभी भी यहीं हैं। यह निरर्थक नरसंहार क्यों?"

"इसी वजह से," स्ज़ारो ने गुस्से से फुफकारते हुए गुफा की पूरी दीवार पर फैली बेलों की शाखाओं की ओर इशारा किया, जिनमें से कुछ तो गुफा के अंदर भी घुस गई थीं।

मुझे यह समझने में थोड़ा समय लगा कि लताएँ इस त्रासदी से किस प्रकार संबंधित थीं। ऊपरी भाग, जो हममें से सबसे लंबे व्यक्ति की भी पहुँच से बाहर था, चमकीले लाल फूलों से ढका हुआ था जिनकी पंखुड़ियाँ पीले किनारों वाली थीं और मुझे कार्नेशन की याद दिलाती थीं, जबकि नीचे एक भी फूल दिखाई नहीं दे रहा था।

"नहीं!" मैंने अविश्वास से स्ज़ारो की ओर देखते हुए धीरे से कहा। "उन्होंने कुछ फूल पाने के लिए उन जानवरों को मार डाला?"

“ये फूल नहीं हैं, बल्कि मशरूम हैं जिन्हें खेनाद लोग खाते हैं,” उसने दांत पीसते हुए जवाब दिया। “विदेशी लोग इसे अत्रीमत कहते हैं।”

मेरे चेहरे का रंग उड़ गया। एट्रीमैट एक शक्तिशाली दर्द निवारक दवा थी जो केवल डॉक्टर के पर्चे पर ही मिलती थी। पिछले दो वर्षों में, नशे की लत न लगने और कोई दुष्प्रभाव न होने के कारण यह एक बेहद लोकप्रिय नशीली दवा बन गई थी। इसकी खेती करना बेहद मुश्किल था और इसके लिए विशेष परिस्थितियों की आवश्यकता होती थी, इसलिए इसके व्यापार पर कड़ा नियंत्रण था। लूटे गए क्षेत्र के आकार को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि इस काम को करने वाला बदमाश काले बाजार में लाखों क्रेडिट कमा रहा होगा।

कुछ ही समय बाद, हमें पता चला कि अलग-अलग प्रजातियों वाले दो अन्य स्थलों को भी अपवित्र किया गया था। उनमें से एक में, आधी आबादी का वध कर दिया गया था और उनके कुछ अंग निकाल लिए गए थे। दूसरा एक छोटी, छिपी हुई घाटी थी, जो उस घाटी जैसी ही थी जहाँ स्ज़ारो और मैंने पहली बार प्रेम किया था। जब मुझे पता चला कि उस कमीने ने नन्हे स्कोगास को उनके कोकून से निकालकर उनके खोल चुरा लिए थे

और उन्हें अधमरा मरने के लिए छोड़ दिया था, तो मेरे अंदर क्रोध का सैलाब उमड़ पड़ा। केवल दो या तीन दिनों में, वे अपने आप अपने खोल से बाहर आ जाते।
जैसे ही पड़ोसी गांवों के संरक्षक बचे हुए जीवों की जिम्मेदारी लेने के लिए तबाह हुए स्थलों पर पहुंचे, शिकारी और मैं अपने ड्रायशन पर सवार होकर फेडरेशन बेस कैंप की ओर तेजी से बढ़े।

अध्याय 16

मेरा खून गुस्से से खौल उठा। उनकी हिम्मत कैसे हुई? और किसलिए? कर्ज़? मुझे विदेशियों की वह सनक कभी समझ नहीं आई थी कि वे आराम से जीने और अपने परिवार की स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ज़रूरी धन से कहीं ज़्यादा धन इकट्ठा करने के लिए इतने बेताब क्यों रहते हैं। लेकिन लालच के नाम पर निर्दोष प्राणियों का यह नरसंहार?

भले ही उन्होंने दावा किया हो कि वे अपने लोगों के लिए औषधीय उत्पाद उपलब्ध कराना चाहते थे, लेकिन किसी भी तरह से किसी अन्य प्रजाति के लाभ के लिए किसी गैर-खतरनाक प्रजाति की अंधाधुंध हत्या करना उचित नहीं था। स्किनर्स एक वैश्विक खतरा थे जिन्हें नियंत्रित करना आवश्यक था। खेनाडेस, स्कोगास और वारोलास किसी के लिए कोई खतरा नहीं थे। वे तो बस प्रजनन के मौसम में शांतिपूर्वक अपने बच्चों की देखभाल करना चाहते थे।

दूर से, फेडरेशन के बचाव शटल विभिन्न सभा स्थलों से शिकारियों को उठा रहे थे। मैं चाहता था कि जब मैं अपना क्रोध प्रकट करूँ, तो वे सभी वहाँ मौजूद हों। सेरेना के मुझे अपने साथी शिकारियों में से एक या अधिक को मारते हुए देखने के विचार से मुझे जो बेचैनी हो रही थी, उसे दबाने की मैंने कोशिश की। लेकिन वह भी मेरे गुस्से में थी। अभी भी, मैं अपने नीचे उसके शरीर में बढ़ते क्रोध को महसूस कर सकता था और जब डागास हमें एलियंस के अड्डे की ओर ले जा रहा था, तो मैं उस क्रोध का स्वाद अपनी जीभ पर चख सकता था।

मेरी तरह, उसे भी खून चाहिए था।

चूंकि क्राडा ने ही मुख्य रूप से हमारे ग्रह पर शिकार करने के लिए फेडरेशन से अनुमति प्राप्त की थी, और गाँव के मास्टर हंटर होने के नाते, इस अत्याचार का न्याय करना और उचित दंड देना मेरा कर्तव्य था। मुझसे अधिक शक्तिशाली कोई शिकारी शायद यह ज़िम्मेदारी ले लेता और मुझे पद छोड़ने के लिए कहता, लेकिन ऐसा गुण केवल मेरे पिता को ही प्राप्त था। हालाँकि खबर शायद उन तक पहुँच चुकी थी, लेकिन तुलमा इतनी दूर था कि वे समय पर नहीं पहुँच सके।

फेडरेशन बेस कैंप से 600 मीटर आगे आखिरी पेड़ को पार करते ही, मुझे आखिरकार आस-पास के गांवों से आए शिकारियों की संख्या का स्पष्ट नजारा मिला जो हमारे साथ शामिल हो गए थे। हमारे ड्रायशन घोड़ों के खुरों की गड़गड़ाहट गूंज रही थी और हम एक जानलेवा लहर की तरह बेस की ओर बढ़ पड़े।

डागास के पूरी तरह रुकने से पहले ही मैं उससे उतर गया, फिर सेरेना को भी नीचे उतरने में मदद की। मैंने अपनी पीठ से लटकते भाले को अलग किया और उसे मजबूती से पकड़ते हुए आगे बढ़ा। मंधा और रास्कियर मेरे साथ-साथ चल रहे थे, और सेरेना और बाकी लड़ाके मेरे पीछे-पीछे आ रहे थे। हमारे पहुँचने से बहुत पहले ही बेस के जहाज हैंगर के बड़े दरवाजे खुलने लगे थे।

हैंगर के प्रवेश द्वार पर एक बेहद घबराया हुआ एडोसिट हमारा इंतजार कर रहा था। नर के बाल - लताओं जैसे - तनाव से मुरझाए हुए प्रतीत हो रहे थे, और उन पर उगने वाले फूल भी वैसे ही थे।

“मेरा नाम ब्रॉन क्लफलेन है, मैं फेडरेशन का मास्टर हंटर हूँ,” उस पुरुष ने कहा। “हमें आपकी भयानक खोज के बारे में जानकारी मिली है। हम...”
मैंने फुफकारते हुए उसे टोकते हुए कहा, "मुझे दोषियों को पकड़ना है।"
“हमें नहीं पता कि वे कौन हैं,” ब्रॉन ने परेशान और लगभग गिड़गिड़ाते हुए लहजे में कहा। “हमारे पास सिर्फ एक ही संभावित संदिग्ध है। लेकिन हमने सभी के कमरों और गाड़ियों की तलाशी ली है और हमें कुछ नहीं मिला है।”
मैं उसके पास से गुज़रकर उस हैंगर में दाखिल हुआ जहाँ अजनबी लोग जमा थे। कमरे में डर का माहौल था, जो हर चेहरे पर साफ दिख रहा था। मुझे आश्चर्य हुआ कि उनमें से किसी के पास हथियार नहीं थे। एक बार फिर, मैं समझ सकता था कि फेडरेशन ने उन्हें हथियार रखने का आदेश क्यों दिया होगा, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।
लेकिन इससे उनकी जान नहीं बच जाएगी।
"मास्टर हंटर!" ब्रॉन चिल्लाया और मेरे पीछे भागा। "कृपया, आइए इसे शांतिपूर्वक सुलझा लें। यहाँ अधिकांश लोग निर्दोष हैं और आपके नियमों का सम्मान करते हैं।"
मैंने उसे नजरअंदाज कर दिया, मेरी निगाहें कमरे में चारों ओर घूमती रहीं जब तक कि वह उस व्यक्ति पर नहीं टिक गईं जिसकी मुझे तलाश थी।
— ज़मोरियन, आगे बढ़ो! मैंने चिल्लाकर कहा।
उसके आसपास के लोग ऐसे तितर-बितर हो गए मानो उसे अचानक कोई अत्यधिक संक्रामक बीमारी हो गई हो।
"मैं निर्दोष हूँ!" वह चारों मुट्ठियों से अपनी छाती पीटते हुए चिल्लाया। "उस मनहूस औरत के साथ हुई घटना की वजह से वे मुझे बलि का बकरा बनाने की कोशिश कर रहे हैं!"
"तुमने अपना आर्मबैंड छिपा लिया था ताकि हम तुम्हारी घुसपैठ का पता न लगा सकें," मैंने फुफकारते हुए कहा और थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ते हुए धमकी भरे लहजे में उसकी ओर बढ़ा।
“मैंने इसे छिपाया नहीं था! यह चोरी हो गया था,” ज़मोरियन ने गुस्से से कहा। “शिकार पर जाने से पहले मैंने हमेशा की तरह अपना आर्मबैंड पहना था। कुछ घंटों बाद मुझे एहसास हुआ कि यह मेरा असली आर्मबैंड नहीं था, क्योंकि मेरे स्कैनर की कोई भी सेटिंग काम नहीं कर रही थी। फिर मैंने इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, और मास्टर हंटर ने मुझे बताया कि यह उनके रडार पर दक्षिण-पश्चिम में दिखाई दिया, जहाँ मैं था वहाँ से स्पीडर से कम से कम दो घंटे की दूरी पर। जब तक मैं वहाँ पहुँचा, इसे किसी और ने ले लिया था, और एक्सट्रैक्टर इसे वापस बेस पर ले आए थे।”
ब्रॉन ने सावधानी से कहा, "उन्होंने मुझसे संपर्क करके बताया कि उनकी आर्मबैंड बदल दी गई है।"
— और आपको कैसे पता कि उसने धोखा खाने का दावा करने के लिए जानबूझकर गलत दस्तावेज़ का इस्तेमाल नहीं किया? मैंने चुनौती दी।

“मुझे नहीं पता,” मास्टर हंटर ने स्वीकार किया। “लेकिन मैं यह भी साबित नहीं कर सकता कि उसने यह किया है। जब तक दोषी साबित न हो जाए, आरोपी निर्दोष होता है। यह सब परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर निर्भर करता है।”
"तो मुझे अपराधी ढूंढकर दिखाओ, वरना हम मान लेंगे कि तुम सब मिलकर उसे बचाने की साजिश रच रहे हो और तुम्हें भी हमारे प्रकोप का सामना करना पड़ेगा," मैंने गुर्राते हुए कहा।
मेरे इस बयान पर आक्रोश भरी चीखें सुनाई दीं, और वहां मौजूद कई लोग ज़मोरियन से कबूलनामा करने के लिए चिल्लाने लगे।
"तुम ऐसा नहीं कर सकते!" ब्रॉन ने हैरानी से कहा।
मैं कर सकता हूँ और मैं करूँगा।
— स्ज़ारो... मेरे पीछे से मेरे साथी की मधुर आवाज आई।
मैंने उसकी ओर सिर घुमाया। वह सावधानी से पास आई और मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई।
मुझे उस ज़मोरियन से कोई हमदर्दी नहीं है, लेकिन मास्टर ब्रॉन सही कह रहे हैं। जब तक दोषी साबित न हो जाए, आरोपी निर्दोष होता है। मैं इस कमरे में मौजूद आधे से ज़्यादा शिकारियों को जानता हूँ, और वे ईमानदार और नेक लोग हैं जो उन घिनौने लोगों के अपराधों के लिए सज़ा पाने के लायक नहीं हैं। भले ही मुझे लगता है कि बैरन ये अत्याचार करने में सक्षम है, लेकिन हमें सबूत चाहिए।
"और आप इस सबूत को खोजने का क्या तरीका सुझाते हैं, मेरे साथी?" मैंने गुस्से पर काबू पाने की कोशिश करते हुए पूछा।
“अगर उन्हें अपने क्वार्टर या निजी शटल में कुछ नहीं मिला, तो इसका मतलब है कि उन्होंने अपना लूटा हुआ सामान वापस लाने के लिए एक गुप्त शटल का इस्तेमाल किया,” उन्होंने समझाया। “ऐसा लगता है कि वारोला और स्कोगा परिवार का कल नरसंहार हुआ था। खेनाडे परिवार पर आज सुबह हमला हुआ। इसका मतलब है कि शटल अभी भी वहीं है। या तो वे सारा सामान उसके कार्गो बे में जमा कर रहे हैं, या शटल नियमित रूप से अंतरिक्ष बंदरगाह पर जाकर अपना माल अपने साथी के जहाज पर उतार रही है।”
सेरेना ने मास्टर हंटर की ओर रुख किया।
“अगर आपने अभी तक नहीं किया है, तो बंदरगाह पर मौजूद जहाजों की सूची देख लें कि क्या सतह पर कोई गतिविधि हुई है,” मेरी पत्नी ने कहा। “लेकिन मुझे लगता है कि आपको कुछ नहीं मिलेगा। अगर मेरा अनुमान सही है, तो वे इतने चालाक हैं कि ऐसा नहीं करेंगे, और बेचारे बैरन को सचमुच फंसाया जा रहा है।”
"इसका मतलब यह होगा कि शटल अभी भी ट्रांगोर पर ही है," मैंने अपनी साथी की बात समझते हुए कहा।
"हां," सेरेना ने एक तीखी मुस्कान के साथ कहा। "अगर हम इन स्थलों के पास प्रतिबंधित क्षेत्र की सीमा के साथ अवशिष्ट ऊर्जा संकेतों की जांच करें, तो शायद हम उनका पता लगा सकें।"
मास्टर हंटर ने फेडरेशन के एक कर्मचारी की ओर देखा और सिर हिलाया, जिसका मतलब मैंने तुरंत काम शुरू करने का संकेत समझा। मैं उन तकनीकी विवरणों से परिचित नहीं था जिनका मेरी पत्नी ने जिक्र किया

था, लेकिन मुझे मूल विचार समझ आ गया था। यह सोचकर मेरा हृदय कृतज्ञता और गर्व से भर गया कि वह इसका उपयोग न्याय दिलाने में हमारी मदद करने के लिए कर सकती है।
मैं एकदम स्थिर हो गया, अचानक मेरे मन में एक विचार आया।
“एक और तरीका है जो आप आजमा सकते हैं,” मैंने मास्टर हंटर से कहा और ज़मोरियन को घूरकर देखा। “अपराधी ने खेनाड्स के ठिकाने के आसपास बड़ी मात्रा में एट्रीमैट इकट्ठा किया था। वह बीजाणुओं से ढका हुआ होगा। भले ही उसने खुद को साफ कर लिया हो या सुरक्षात्मक कपड़े पहने हों, फिर भी उसके कपड़ों, उसकी गाड़ी और उसके संपर्क में आने वाली किसी भी चीज़ पर इसके निशान रह जाएंगे।”
— "ब्रायना, टार्न, जाओ बायरोन्ज़ियिक के कमरे और स्पीडर में बीजाणुओं की तलाश करो," मास्टर ब्रॉन ने आदेश दिया।
जिस घबराहट की मैंने आशंका की थी, उसके बजाय ज़मोरियन की चुनौती भरी मुस्कान ने मेरे मन में संदेह की पहली झलक पैदा कर दी, जब फेडरेशन के दो कर्मचारी कमरे से बाहर चले गए। मेरी साथी के चेहरे पर दिख रहे परेशान भाव ने पुष्टि कर दी कि उसने भी यह बात नोटिस कर ली थी।
— कृपया थोल्या और जोमौग के कमरों और गाड़ियों की भी जांच करें, सेरेना ने अचानक कहा।
मुझे भीड़ में से उन दो नर प्राणियों को पहचानने में थोड़ा समय लगा जिनका नाम उसने लिया था। उनके चेहरों पर अंकित सदमे और भय के भाव अपराधबोध और घबराहट को स्पष्ट रूप से दर्शा रहे थे—यही प्रतिक्रिया मुझे ज़मोरियन से अपेक्षित थी। वे रोएँदार, दो पैरों वाले जीव थे जो मुझे कुछ हद तक बिल्लियों की याद दिलाते थे।
"थोल्या और जोमौग?" मास्टर ब्रॉन ने उलझन में पूछा। बाकी सभी की तरह, उनके निजी ट्रैकर्स ने उन्हें पूरे दिन जंगल में घूमते हुए दिखाया था।
सेरेना ने जवाब दिया, "वे कहीं और मंडराते हुए आपके रडार को धोखा देने के लिए अपने आर्मबैंड को पहले से प्रोग्राम किए गए गुप्त ड्रोन से जोड़ सकते थे।"
"जैसा कि कोई और भी कर सकता था," प्रतिवादियों में से एक ने तर्क दिया।
— कल सेरेना के खिलाफ सभी खिलाड़ियों ने खूब अंक बनाए। लेकिन आपके और जोमौग के स्कोर में कोई खास फर्क नहीं पड़ा। आप इसे कैसे समझाएंगे?
"बदकिस्मती!" जोमौग ने अपने साथी की जगह जवाब दिया। "स्किनर आबादी लगभग खत्म हो चुकी है। हर कोई उन्हीं का पीछा कर रहा है। हम बस..."
मैंने तीखे स्वर में कहा, "बहस बंद करो। अगर तुमने कुछ गलत नहीं किया है, तो तुम्हें डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। लेकिन अगर तुमने किया है, तो मुझे यकीन है कि तुम्हारी प्यारी सी खाल कीटाणुओं से ढकी होगी।"
— इसकी पुष्टि करना आसान है, मास्टर ब्रॉन ने कहा।
उसने फेडरेशन के एक कर्मचारी से संपर्क किया, जिसने उसे एक हैंडहेल्ड स्कैनर दिया। वह सबसे पहले ज़मोरियन के पास पहुँचा, जिसने अपनी बाहें फैलाकर मुझे उत्तेजक नज़रों से देखा। मास्टर हंटर के बोलने से

पहले ही, इस व्यक्ति के बारे में मेरे मन में बची-खुची शंकाएँ दूर हो गईं। वह इतना भरोसेमंद था कि दोषी हो ही नहीं सकता था।
"साफ़ है," मास्टर हंटर ने पुष्टि की और फिर बाकी दोनों की ओर मुड़ गए।
उन्होंने अपनी बहस फिर से शुरू की और मास्टर ब्रॉन से दूर चले गए। एक इंसान और एक अन्य एडोसिट ने जोमौग नाम के व्यक्ति की बांहें पकड़ लीं, जो तुरंत खुद को छुड़ाने के लिए छटपटाने लगा। मास्टर ब्रॉन ने जोमौग के सामने अपना स्कैनर मुश्किल से उठाया ही था कि वह सक्रिय हो गया।
जोमौग चिल्लाया, "मैं शरण के अधिकार का आह्वान करता हूँ। मैं शरण मांगता हूँ! दया करो! दया करो!"
थोल्या भागने की कोशिश कर रही थी, लेकिन रास्कियर और मंधा ने - पहले से ही उसकी आशंका को भांपते हुए - उसे पकड़ लिया और उसका चेहरा ज़मीन पर दबा दिया। दोनों ने अपनी-अपनी पूंछ उसके एक पैर के चारों ओर लपेट ली और उसकी एक मुड़ी हुई बांह को उसकी पीठ के पीछे पकड़ लिया। मैंने उसकी दया की गुहार अनसुनी कर दी।
“ट्रांगोर में शरण का कोई अधिकार नहीं है। यहाँ केवल ओर्डोसियन कानून लागू होता है। और मैं ही उसका रक्षक और जल्लाद हूँ,” मैंने फुफकारते हुए कहा, मेरे नुकीले दांत नीचे की ओर धंस गए और मैं जोमौग की ओर बढ़ा। “उसे रिहा कर दो।”
मनुष्य और एडोसिट ने मेरी बात मान ली। बाकी सभी शिकारी हट गए और हमारे चारों ओर एक घेरा बना लिया। जोमौग भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मैं उससे कहीं ज़्यादा तेज़ था। जैसे ही मैंने उसका हाथ पकड़ा, जोमौग घूम गया और अपने नुकीले पंजों से मेरे चेहरे पर वार किया। मैं पीछे और बगल की ओर झुक गया, मेरी रीढ़ की हड्डियों की अधिकता के कारण मैं आसानी से और बिना संतुलन खोए तीखे कोण बना सका। अपनी गति का इस्तेमाल करते हुए, मैं घूम गया और जिस हाथ को मैंने अभी भी पकड़ रखा था, उसे तोड़ दिया। वह दर्द से चीख उठा और मेरी छाती पर कोहनी मारने की कोशिश की। मैंने उसे अपनी हथेली से रोका, दूसरे हाथ से उसका गला पकड़ा और उसके चेहरे पर तेजाब थूक दिया।
उसकी दर्द भरी चीखें और जलते हुए मांस की तीखी गंध ने मेरी रक्तपिपासा को और भड़का दिया। मैंने उसका वह हाथ पकड़ा जिससे उसने अपना पिघलता हुआ चेहरा ढका था और उसकी कोहनी भी तोड़ दी। मैं यह जोखिम नहीं उठा सकता था कि जब वह आगे आने वाले खतरे से खुद को छुड़ाने की कोशिश करे तो वह अपने पंजों से मुझ पर हमला कर दे। मैंने उसे अपने हाथ के पिछले हिस्से से इतनी ज़ोर से थप्पड़ मारा कि उसका जबड़ा अपनी जगह से हट गया और वह ज़मीन पर गिर पड़ा। जोमौग की दर्द भरी कराहों को अनसुना करते हुए, मैं उसके ऊपर झुक गया और धीरे-धीरे अपनी तीन मीटर लंबी पूंछ उसके शरीर के चारों ओर लपेट ली।
और फिर मैंने दबाया।
मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मेरी पकड़ में उसकी हर हड्डी टूट रही हो। इस पूरे समय मेरी निगाहें थोल्या से नहीं हटीं, जो इस दृश्य को भयावहता से देख रही थी। जोमौग के मुंह, नाक और कानों से खून बह रहा था,

फिर वह पूरी तरह शांत हो गया। मैंने अपनी पूंछ उसके क्षत-विक्षत शरीर से छुड़ाई और थोल्या की ओर कदम बढ़ाया।
"मैं तुमसे लड़ना नहीं चाहती! मैं तुमसे नहीं लड़ूंगी!" थोल्या ने गिड़गिड़ाते हुए कहा।
मैंने गुर्राते हुए कहा, "तुम या तो लड़ सकते हो या फिर तुम्हें उस कीड़े की तरह मौत की सजा दी जाएगी जैसे तुम हो। दोनों ही सूरत में तुम्हारी मौत तय है।"
"मैं नहीं लड़ूंगा! तुम मुझे लड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकते!" वह चिल्लाया।
— जैसा आप चाहें, मैंने उत्तर दिया।
मैंने अपने भाई को देखा, फिर रास्कियर को। शब्द व्यर्थ थे। उन्होंने उसे बांहों से उठा लिया, उनकी पूंछें अभी भी उसकी जंजीरों से बंधी टांगों को पकड़े हुए थीं। मैंने जहर का गोला बनाया और थोल्या की गर्दन के पीछे पहुंचकर अपने पंजे उसके मांस में गाड़ दिए। जैसे ही उसने चीखने के लिए मुंह खोला, मैंने गोला उसके गले में थूक दिया। वह लगभग घुट गया और उसकी चीख रुक गई। उसने सहज रूप से निगल लिया, फिर खांसा और एक चीख निकाली, तभी रास्कियर और मंधा दोनों ने उसे छोड़ दिया। मैं मुड़ा और हम प्रवेश द्वार की ओर चल पड़े।
"तुमने मेरे साथ क्या किया है?" थोल्या ने डरी हुई आवाज में पूछा।
मेरी पूंछ की झनझनाहट ही उसकी एकमात्र प्रतिक्रिया थी। कुछ ही सेकंड में, वह दर्द से कराहने लगा, ज़मीन पर तड़पने लगा और उसके शरीर के गंजे हिस्सों पर काली नसें उभर आईं। तेज़ ऐंठन से वह कांपने लगा, जिससे उसका सिर ज़मीन पर ज़ोर से टकराने लगा और उसके मुंह के चारों ओर झाग बन गया। फिर वह शांत हो गया। मैंने अपने कास्काबेल को हिलाना बंद कर दिया—ज़हर ने अपना काम कर दिया था और अब इसके प्रभाव को बढ़ाने के लिए इसकी आवश्यकता नहीं थी।
मैंने कमरे में छाए सन्नाटे को कुछ पल के लिए महसूस किया, और वहां मौजूद सभी शिकारियों पर अपनी निगाहें घुमाईं ताकि उन्हें समझ आ जाए कि अगर किसी ने भी दोबारा इस तरह से हमारे ग्रह को अपवित्र करने की हिम्मत की तो उसका क्या अंजाम होगा। फिर मैं उनके मास्टर हंटर की ओर मुड़ा।
मैंने कठोर स्वर में कहा, "पहला शिकार समाप्त हो गया है। आप सभी को सूर्यास्त से पहले यहाँ से चले जाना चाहिए।"
लेकिन आप ऐसा नहीं कर सकते...
"पहला शिकार खत्म हुआ!" मैंने दांत पीसते हुए चिल्लाया। "रात होने से पहले यहां से चले जाओ वरना अंजाम भुगतना पड़ेगा। और मुझे वो शटल ढूंढकर दो।"
मैंने सेरेना की ओर देखा, उसकी आँखों में शायद जो खौफ दिखेगा, उसके लिए खुद को तैयार करते हुए। लेकिन मुझे उसकी आँखों में निंदा का भाव नहीं दिखा, बल्कि बदला लेने की संतुष्टि की एक झलक दिखी।
मेरी आशिना... मेरी देवी...

मैंने सेरेना की ओर हाथ बढ़ाया। उसने बिना किसी झिझक के मेरा हाथ थाम लिया और मेरे पीछे-पीछे हैंगर से बाहर आ गई, हमारे पीछे-पीछे संयुक्त कबीलों के शिकारी भी आ रहे थे।

अध्याय 17

यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि दो नाज़राल, थोल्या और जोमौग को फांसी दिए जाने से जनता में भारी आक्रोश फैल गया। उनकी सरकार द्वारा मुआवजे की मांग करने पर उन्हें संयुक्त ग्रह संगठन से भारी जुर्माना और फेडरेशन के आयोजनों में भाग लेने वाले उनके सभी शिकारियों पर पांच साल का प्रतिबंध ही मिला। चूंकि फेडरेशन ही सबसे प्रतिष्ठित और लाभदायक शिकार का आयोजन करता था, इसलिए यह उसके नागरिकों के लिए एक बड़ा झटका था। ये अनुशासनात्मक उपाय तब किए गए जब पायलट ने स्वीकार किया कि उसके दल को उनके नेताओं द्वारा अंगों और खोलों को प्राप्त करने का काम सौंपा गया था। एट्रीमैट थोल्या और जोमौग की खुद को समृद्ध करने की निजी परियोजना थी।

मेरे सुझाव पर अमल करते हुए, वे इस्तेमाल किए गए शटल के निशान का पता लगाने में कामयाब रहे थे। संकटकालीन फ्लेयर्स दागे जाने के बाद, शटल ने अंतरिक्ष स्टेशन पर जल्दबाजी में वापसी की, और उसके पायलट ने अपने सारे लूटे हुए सामान के साथ नाज़रल्स के जहाज पर सवार होकर भागने की कोशिश की। लेकिन सौभाग्य से मास्टर हंटर ब्रॉन ने दूरदर्शिता दिखाते हुए सब कुछ सुलझने तक अंतरिक्ष स्टेशन से किसी भी तरह के प्रस्थान पर रोक लगा दी थी। पायलट और उसका सामान सिज़्सा जनजाति को सौंप दिया गया। मैं यह सोचना भी नहीं चाहता था कि उनका क्या हुआ होगा। लेकिन कम से कम जो एट्रीमैट उन्हें मिला, उससे अनाथ खेनाडेस का भरण-पोषण हो गया। वयस्कों में से केवल दो मादा और एक नर ही जीवित बचे। वे बुरी तरह घायल थे, लेकिन स्कोगास के बेहतरीन कवच की मदद से, संरक्षकों को उम्मीद थी कि वे इतने ठीक हो जाएंगे कि मार्गदर्शन की जरूरत वाले अनगिनत बच्चों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक बन सकें।

मुझे बड़ी राहत मिली कि स्ज़ारो के उस फरमान से, जिसमें फेडरेशन को तुरंत चले जाने का आदेश दिया गया था, उनसे सारे संबंध नहीं टूटे। अपने गुस्से के बावजूद, मेरे पति ने वास्तव में उन्हें उनकी सुरक्षा के लिए ही भेजा था। खबर पहुँचने पर कबीलों में जो गुस्सा था, उसे देखकर लगता है कि अगर किसी ऑर्डोसियन का किसी अजनबी से आमना-सामना हो जाता, तो हालात बहुत बिगड़ सकते थे। जब सब शांत हो गए, तो उन्होंने माना कि ट्रांगोर आए लगभग सौ शिकारियों में से केवल दो ने ही उनके कानूनों का सबसे घिनौने तरीके से उल्लंघन किया था, और एक ने तो मानो तबाही को दावत दी थी।

मुझे बहुत खुशी हुई जब कायोग वोल्न ने मुझसे संपर्क किया, न कि यूपीओ या फेडरेशन की ओर से हस्तक्षेप करने के लिए, बल्कि स्ज़ारो के नरसंहार करने की इच्छा के समय स्थिति को शांत करने के लिए धन्यवाद देने और यह पूछने के लिए कि मैं कैसा हूँ।

यूपीओ के साथ बातचीत जारी रहेगी, लेकिन भविष्य में किसी भी प्रकार के शिकार के बारे में विस्तार से चर्चा करनी होगी।

हालांकि, इन दिनों फेडरेशन मेरी सबसे छोटी चिंता थी। मैं ऑर्डोसियन लोगों के फ्लू के तमाशे को अपनी आँखों से देख रहा था। स्ज़ारो की त्वचा उतरने लगी थी। उसका दयनीय चेहरा किसी भी बेशर्म पिल्ले को शर्मिंदा कर देता। घर की एक भी दीवार उसकी खुजलीदार फुंसी से नहीं बची थी। चूंकि खूब सारा तरल

पदार्थ पीने से पुरानी त्वचा उतरने में मदद मिलती है, इसलिए स्ज़ारो लीटर-लीटर पानी पीता था, जिसका मतलब था कि उसे लगातार पेशाब भी करना पड़ता था। इस दौरान, उसने घर के बाथरूम की अहमियत समझी, खासकर इसलिए क्योंकि इरको ने अपनी असीम बुद्धिमत्ता से मेरे शौचालय के बगल में स्ज़ारो के लिए एक नाली भी लगा दी थी।

जब खुजली असहनीय हो गई, तो हमने उस शानदार जकूज़ी टब में डुबकी लगाई जिसे इरको ने अलग शॉवर के बगल में ही बनवाया था। ऊंचे चबूतरे पर बने इस टब से हमें बाहर छिपी घाटी का मनमोहक दृश्य दिखाई दे रहा था। जब मैं स्ज़ारो को गले लगा रही थी और एक पत्थर से उसकी खाल साफ़ कर रही थी, तो वह इतनी मोहक गुर्राहट कर रहा था कि मेरे अंदर की स्त्रीत्व की भावनाएँ उत्तेजित हो उठीं।

एक हफ्ते बाद, जब वह उठा तो उसने देखा कि उसकी बाईं बांह की पुरानी त्वचा उतर रही है। उसकी बेकाबू खुशी देखकर मैं इतना हँसा कि मेरा पेशाब निकल ही गया। उसी शाम, उसकी दाहिनी बांह की त्वचा भी उतर गई। हालाँकि मुझे उसे चिढ़ाने में मज़ा आ रहा था, फिर भी मुझे उस पर तरस आया। वह सचमुच असहज दिख रहा था। लेकिन उसके नीचे की नई त्वचा बेहद खूबसूरत थी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैंने उसकी पुरानी त्वचा को चमकदार पाया था। तुलना में, उसकी पुरानी त्वचा तो फीकी और बेजान थी।

आज हमारी छुट्टी थी। हालाँकि ओर्डोसियन लोग सात दिन की कैलेंडर का पालन करते हैं, लेकिन सप्ताहांत जैसी कोई आधिकारिक छुट्टी नहीं होती थी। आप जब चाहें छुट्टी ले सकते थे। आम तौर पर, लोग लगातार तीन या चार दिन काम करते थे, फिर एक या दो दिन की छुट्टी लेते थे। अधिकांश गतिविधियों का समन्वय दूसरों के साथ किया जाता था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अपने-अपने क्षेत्रों में ज़रूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा कोई न कोई उपलब्ध रहे। स्ज़ारो ने सुबह मंधा के साथ बिताई जबकि मैं साल्हा, छोटी ईकू और गाँव की अन्य महिलाओं और बच्चों के साथ तैरने गई।

उनमें से कुछ ने मुझे अजीब निगाहों से देखा जिन्हें मैं समझ नहीं पाई। जब मैंने सलहा से पूछा कि क्या समस्या है, तो उसने बस इतना कहा कि मुझसे अच्छी खुशबू आ रही है, मैं सेहतमंद महसूस कर रही हूँ। भला ऐसा क्यों न हो, जब मैं ट्रांगोर में सबसे सेहतमंद जीवन जी रही थी?

जब मैं वापस लौटा तो स्ज़ारो पहले से ही घर पर था।

"घाटी में सैर के लिए तैयार हैं!" मैंने खुशी से कहा और उसकी ओर अकड़ते हुए चलने लगी।

उसकी मुस्कुराहट गायब हो गई, और उसके चेहरे पर एक क्रूर भाव आ गया, जिससे मैं वहीं रुक गया। उसने मेरी ओर कुछ बार अपनी जीभ झटक दी, और एक गहरी, लंबी गुर्राहट उसके गले से निकली, जैसे ही वह धमकी भरे अंदाज़ में मेरी ओर बढ़ा।

— स्ज़ारो? मैंने सावधानी से कहा, मुझे नहीं पता था कि मैं उत्साहित था या डरा हुआ।

"तुम पक चुके हो," उसने दांत पीसते हुए कहा।

— Quoi ?

"तुम कामुक हो रही हो..." उसने कहा और मुझे अपनी बाहों में खींच लिया, फिर मेरे होंठों को एक जोशीले चुंबन से चूम लिया।

हाँ... लगता है अभी मेरा ओव्यूलेशन हो रहा था। इसीलिए तो महिलाओं को मेरी खुशबू अच्छी लग रही थी... सेहतमंद। स्ज़ारो और मैंने बच्चों के बारे में बात नहीं की थी। सच कहूँ तो, मुझे इसका कोई मतलब नहीं दिखता था, पहली बात तो यह कि जब तक हम यह पक्का नहीं कर लेते कि मैं यहीं रहूँगी, तब तक इस बारे में सोचना भी ठीक नहीं था, और दूसरी बात यह कि मुझे सच में नहीं लगता था कि हम इस मामले में एक-दूसरे के अनुकूल हैं। खैर, मैंने गर्भनिरोधक इम्प्लांट लगवा लिया था, शायद अगर हम मेरी सोच से ज़्यादा अनुकूल हों। लेकिन अब मुझे समझ आ रहा था कि हमें इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए, कम से कम इसलिए कि उसे पता चल जाए कि अभी गर्भधारण संभव नहीं है और उसे धोखा महसूस न हो।

लेकिन स्ज़ारो के उन बेकाबू हाथों ने, जो लगभग मेरे कपड़े फाड़ रहे थे, मेरे उन गंभीर विचारों को दूर भगा दिया और मुझे वर्तमान क्षण में वापस ला दिया। मैंने अपनी बाहें ऊपर उठाईं ताकि वह मेरा टॉप उतार सके। टॉप उतरते ही स्ज़ारो ने मुझे गलियारे की दीवार से सटा दिया। उसका मुंह मेरे एक स्तन पर जा लगा और उसके हाथ मुझे निर्वस्त्र करने लगे। स्ज़ारो को स्कर्ट बहुत पसंद थीं; उसे लगता था कि बिना मुझे निर्वस्त्र किए मेरे गुप्तांगों तक जल्दी पहुँचने के लिए स्कर्ट बहुत सुविधाजनक होती हैं।

उसने मुझे स्कर्ट उतारने का मौका ही नहीं दिया। जैसे ही मैंने ऐसा करने के लिए एक पैर उठाया, वह मेरे सामने झुक गया, उस पैर को अपने कंधे पर रखा और अपना चेहरा मेरी जांघों के बीच दबा दिया। मैं कराह उठी और उसके हुड की खाल को सहलाने लगी, जैसे ही वह मुझे चूमने लगा। स्ज़ारो इस काम में माहिर हो चुका था, उसकी अद्भुत जीभ मेरे अंदर इस तरह घुस रही थी कि मैं बेकाबू हो रही थी, और उसकी उंगलियां मुझे चरम सुख के कगार पर ले जा रही थीं।

मैं गिरने ही वाला था कि तभी स्ज़ारो अचानक गुस्से से गुर्राते हुए मुझसे दूर हट गया। मेरा संतुलन बिगड़ गया और मैं पीठ के बल गिर पड़ा, दर्द से हल्की सी चीख निकली। स्तब्ध और असमंजस में, मैं अविश्वास से देखता रहा कि स्ज़ारो अपनी पीठ सामने वाली दीवार से टिकाकर इधर-उधर हिलते हुए खुद को खुजला रहा था। सदमे से लेकर अविश्वास तक, कई भावनाएँ एक के बाद एक मुझमें उमड़ पड़ीं। लेकिन खुद को खुजलाते हुए उसके चेहरे पर जो आनंदमय भाव था, उसने मेरा दिल जीत लिया। मैं ज़ोर से हंस पड़ा, और अपने दाहिने नितंब में हो रहे हल्के दर्द को तुरंत भूल गया, जहाँ मैं गिरा था।

खुजली शांत होने पर भी स्ज़ारो ने मुझे ज़मीन पर बैठे देखा। उसकी शर्मिंदगी भरी शक्ल देखकर मुझे हल्की सी हंसी आ गई। उसने मुझे गोद में उठाया और हमारे बेडरूम में ले गया। लेकिन मैंने उसे बिस्तर पर नहीं लिटाया। इसके बजाय, मैंने उसे ज़मीन पर लेट जाने को कहा ताकि अगर उसे कभी फिर से तेज़ खुजली हो तो वह अपनी पीठ को खुरदरी सतह पर खुजला सके।

भले ही मुझे चरम सुख नहीं मिला, पर इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। स्ज़ारो का जादुई लिंग मुझे पल भर में मदहोश कर देता। उसने मज़ाक नहीं किया था जब उसने कहा था कि एक बार मैं किसी ओर्डोसियन के साथ

संबंध बना लूँगी, तो इंसानी मर्दों में मेरी सारी दिलचस्पी खत्म हो जाएगी। मेरे पति ने मुझे हर दूसरे मर्द के लिए पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। उसके लिंग से उसने जो कुछ किया, वह अवर्णनीय था। बस यह सोचकर कि वह अपने नुकीले हिस्सों से मेरी अंदरूनी दीवारों की मालिश कैसे करता था, मेरे जी-स्पॉट को बार-बार सही जगह पर छूता था, मुझे तृप्त होने की तीव्र इच्छा होती थी। यह सोचकर ही मुझे डर लगता था कि एक नुकीले लिंग ने मुझे डरा दिया था। मैं कितनी अज्ञानी थी... और मुझे अपने पति को ओरल सेक्स देना और उसे मेरे लिए मदहोश होते देखना बहुत अच्छा लगता था। उसके लुब्रिकेंट में शहद का हल्का सा स्वाद होना भी अच्छा लगता था।

लेकिन फिलहाल, मैं उसके शुरू किए काम को पूरा करने के लिए बहुत बेचैन थी, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे नहीं पता था कि खुजली होने से पहले हमारे पास कितना समय बचा है, कहीं वह मुझे दूर न धकेल दे। जैसे ही वह पीठ के बल लेटा, मैं उसके ऊपर बैठ गई और उसके गुप्तांग के आसपास की त्वचा को खुजलाने लगी ताकि वह उत्तेजित हो जाए। उसने बिना किसी झिझक के ऐसा किया और जब मैंने अपना हाथ उसके गुप्तांग पर रखकर उसे थोड़ा सहलाया और फिर खुद को उस पर चढ़ा लिया, तो वह खुशी से सीटी बजाने लगा।

हे भगवान! मुझे इससे कभी तृप्ति नहीं मिलती थी। सिर्फ़ उसके मेरे भीतर होने का अद्भुत एहसास ही नहीं, बल्कि हर बार जब हम प्रेम करते थे, तो उसकी निगाहें भी मुझे व्याकुल कर देती थीं। स्ज़ारो मुझसे प्यार करने लगा था। और मैं भी इस बात से इनकार नहीं कर सकती थी कि मैं भी उस पर मोहित थी। मैंने हमेशा खुद को सेक्स के मामले में काफी सीधा-सादा समझा था, लेकिन उसके साथ, मुझे अलग-अलग पोज़ आज़माना बहुत पसंद था। स्ज़ारो को यह बहुत अच्छा लगता था क्योंकि अगर उसकी शादी किसी ओर्डोसियन महिला से हुई होती, तो वह ऐसा कभी नहीं कर पाता।

लेकिन हमेशा की तरह, उसने जल्दी ही हमारे मिलन पर नियंत्रण कर लिया, भले ही मैं ऊपर थी। उसने अपने हाथ मेरे नितंबों के नीचे डाले और मुझे इतनी आसानी से उठा लिया जैसे मेरा कोई वज़न ही न हो और मेरे अंदर हिलने लगा। मैंने सहारा लेने के लिए अपनी हथेलियों को उसकी मांसल छाती पर दबाया और एक दबी हुई आह के साथ अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया क्योंकि उसका जादुई लिंग मुझे आग की तरह जला रहा था। हर धक्के, हर कूल्हे की हरकत से मेरी आँखें मानो पीछे की ओर घूम रही थीं।

मुझे अचानक चरम सुख का अनुभव हुआ। मैं चीख पड़ी और पूरी तरह बेसुध होकर उसके ऊपर गिर पड़ी। बिना रुके, स्ज़ारो ने एक हाथ से मुझे कसकर पकड़ लिया और दूसरे हाथ से मेरी गर्दन के पिछले हिस्से के बालों को पकड़कर मुझे ज़ोरदार चुंबन दिया। हमारी जीभें आपस में उलझ गईं और वह नीचे से मुझमें ज़ोर-ज़ोर से धक्के देने लगा, पहला चरम सुख खत्म होते ही दूसरा चरम सुख उमड़ने लगा।

फिर मैं आनंद से दोबारा चीख पड़ी, और स्ज़ारो ने भी अपनी आवाज़ मेरी आवाज़ में मिला दी जब उसका वीर्य मेरे भीतर समा गया। उसने लगभग दर्द भरी आवाज़ में मेरा नाम बुदबुदाया, उसके बाद ऑर्डोसियन भाषा के कुछ शब्द कहे जो मुझे समझ नहीं आए। फिर भी, उन शब्दों ने मुझे अभिभूत कर दिया। मेरे दिल में,

मुझे पता था कि उसने मुझसे कहा था कि वह मुझसे प्यार करता है। लेकिन अभी उसका काम खत्म नहीं हुआ था। उसने मुझे दो बार और चरम सुख दिलाया, एक बार अपने कामोत्तेजक खड़खड़े के प्रभाव से। हर बार, उसने मुझे अपने वीर्य से भर दिया। आखिरी बार, जैसे ही उसने आखिरी बूंद छोड़ी, उसका लिंग मेरे अंदर फूलने लगा।

स्ज़ारो अक्सर मेरे साथ संभोग करते समय ऐसा करता था। अपने लिंग को ढकने वाले सिरों को नियंत्रित करने के अलावा, मेरा पति घर्षण बढ़ाने के लिए अपने लिंग के शीर्ष भाग को चौड़ा कर सकता था। आमतौर पर, वह ऐसा तब करता था जब वह लिंग को बाहर निकालता था, जिससे मेरे संवेदनशील अंग को थोड़ा अतिरिक्त झटका लगता था, और प्रवेश करते समय वह इसे संकुचित कर लेता था।

लेकिन यह अलग था।

उसके लिंग का अगला भाग सूजता रहा, इतना नहीं कि दर्द हो, लेकिन इतना ज़रूर कि वह उसे बाहर नहीं निकाल पा रहा था। हम दोनों एक तरह से बंध चुके थे। मुझे पता था कि कुत्ते और भेड़िये जैसी प्रजातियाँ अक्सर अपने साथी से जुड़ जाती हैं, लेकिन मैंने कभी किसी सरीसृप प्रजाति में ऐसा होते नहीं सुना था।

अपना सिर उसकी छाती पर टिकाए, उसकी धड़कन को सामान्य लय में आते हुए सुनते हुए, मैं इस समस्या से निपटने के तरीके या क्या यह सही समय भी है, इस बारे में सोच रही थी। उसका बड़ा हाथ धीरे-धीरे मेरी पीठ सहला रहा था, जिससे ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो रहा था।

एक गहरी सांस लेकर मैंने अपना सिर ऊपर उठाया और सीधे उसकी आँखों में देखा। मेरी आँखों में देखते ही उसके चेहरे का सुस्त भाव गायब हो गया। उसके चेहरे पर वही ध्यानमग्न भाव आ गया जो गंभीर विषय पर चर्चा करते समय हमेशा रहता था।

मैंने शांत और तथ्यात्मक स्वर में कहा, "तुमने हमें एक साथ बांध दिया है।"

"यह गांठ नहीं है," स्ज़ारो ने धीरे से सुधार करते हुए कहा। "लेकिन हां, हम एक दूसरे से बंधे हुए हैं।"

मैंने पूछा, "क्यों?"

स्ज़ारो ने कुछ क्षणों तक मेरे चेहरे के भावों का अध्ययन किया, मानो वह जवाब देने से पहले मेरी मनस्थिति के बारे में कोई सुराग ढूंढ रहा हो।

"तुम्हें पता है क्यों," उसने बातचीत के लहजे में कहा। "इससे गर्भधारण की संभावना बढ़ जाती है। तुम उपजाऊ हो।"

मैंने घबराकर अपने होंठ गीले किए और इस बातचीत में देरी करने के लिए खुद को कोसने लगी। मुझे तो पहली बार शारीरिक संबंध बनाने के तुरंत बाद ही यह बात कर लेनी चाहिए थी।

मैंने सावधानी से कहा, "हमने बच्चे पैदा करने की संभावना पर चर्चा नहीं की है।"

उन्होंने स्वीकार किया, "हमने ऐसा नहीं किया।"

"सच कहूं तो, मुझे इस बातचीत की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, या कम से कम छह महीने की तय अवधि के बाद ट्रांगोर में रुकने या न रुकने का फैसला करने से पहले तो बिल्कुल भी नहीं," मैंने कहा, और उन शब्दों को कहने मात्र से ही मुझे अपराधबोध हो रहा था।

लेकिन हमें अपनी बात खुलकर कहनी पड़ी।

“पिछले एक महीने में हम अनगिनत बार शारीरिक संबंध बना चुके हैं,” स्ज़ारो ने तर्क दिया। “क्या पता, मेरा वीर्य पहले ही जड़ पकड़ चुका हो। हो सकता है तुम पहले से ही मेरी संतान को गर्भ में धारण कर रही हो। क्या यह इतना बुरा होगा?”

जब उसने ये शब्द कहे तो उसकी भावुक आवाज़ ने मेरा दिल तोड़ दिया। अपराधबोध की एक और लहर मेरे भीतर उमड़ पड़ी, और मैं उसके भ्रम को तोड़ने के लिए सबसे दयालु शब्दों की तलाश करने लगा। हमारे घनिष्ठ संबंध को देखते हुए, यह बातचीत करना और भी दर्दनाक था।

“नहीं, यह बुरा नहीं होगा,” मैंने मान लिया। “आप एक बेहतरीन इंसान हैं। लेकिन बच्चा एक आजीवन प्रतिबद्धता है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहती हूँ कि मेरे बच्चों का पिता वही व्यक्ति हो जिसके साथ मैं अपना शेष जीवन बिता सकूँ।”

उसने धीरे से सिर हिलाया, उसके चेहरे पर एक ऐसा भाव था जिसे समझना मुश्किल था।

"लेकिन आपको अभी भी यकीन नहीं है कि आप चाहते हैं कि वह पुरुष मैं ही होऊं," उसने सहज भाव से कहा।

“दरअसल, मैं चाहती हूँ कि वो लड़का तुम ही हो,” मैंने अपने ही शब्दों पर हैरान होते हुए, उनकी सच्चाई को महसूस करते हुए कहा। “मुझे बस यह पक्का करना है कि वो सच में तुम ही हो। इंसान आमतौर पर जीवन भर साथ रहने का फैसला करने से पहले कई महीनों, कभी-कभी तो सालों तक एक-दूसरे को पसंद करते हैं। मेरे लिए अभी ऐसा फैसला करना जल्दबाजी होगी। लेकिन मैं तुमसे बहुत, बहुत प्यार करती हूँ। भले ही हमारी सांस्कृतिक और शारीरिक भिन्नताओं के कारण कभी-कभी मुश्किलें आती हैं, फिर भी मुझे ट्रांगोर में रहना बहुत अच्छा लगता है।”

उसके चेहरे पर कोमलता का ऐसा भाव उभरा जिसने मेरी दुनिया को उलट-पुलट कर दिया।

“तो फिर इतनी चिंता क्यों करती हो, मेरी प्रियतमा? अगर मैं तुम्हें खुश रखूँ और तुम्हें यहाँ जीवन में आनंद मिले, तो बाकी सब कुछ अपने आप ठीक हो जाएगा,” स्ज़ारो ने अपनी उंगलियों से मेरे गाल को सहलाते हुए कहा। “जहाँ तक तुम्हारा सवाल है, मैं जीवन भर के लिए प्रतिबद्ध हूँ। एक बच्चा तुम्हारे लिए और हमारे बंधन के लिए मेरी भावनाओं का प्रतीक होगा। तुम वहीं हो जहाँ तुम्हें हमेशा होना चाहिए था। लेकिन चूंकि तुम और समय चाहती हो, मैं तुम्हारी इच्छा पूरी करूँगा। अगर तुम अभी तक गर्भवती नहीं हुई हो...”

"मैं गर्भवती नहीं हुई हूँ," मैंने धीरे से बीच में ही टोकते हुए कहा, अपराधबोध उभर रहा था। "मैं अभी गर्भवती नहीं हो सकती।"

स्ज़ारो ने भौंहें चढ़ाईं, उसके चेहरे पर उलझन का भाव था।

“मेरा मतलब है, सबसे पहले तो मुझे यह भी नहीं पता कि हम दोनों उस तरह से अनुकूल हैं या नहीं। हमारी प्रजातियाँ बहुत अलग हैं। मुझे नहीं लगता कि एक इंसान और एक ऑर्डोसियन की संतान हो सकती है। लेकिन अगर हो भी जाए, तो भी अभी मेरे लिए गर्भवती होना नामुमकिन है। ट्रांगोर आने से बहुत पहले, मैंने गर्भनिरोधक इम्प्लांट लगवाया था। यह अभी भी दो साल तक असरदार रहेगा। जब तक यह मेरी बांह में है, मैं गर्भधारण नहीं कर पाऊंगी। मेरी योजना थी कि अगर मैंने यहाँ रहने का फैसला किया, तो छह महीने बाद इसे निकलवा लूँगी।”

"मैं समझ गया," स्ज़ारो ने अपनी निराशा छिपाए बिना कहा।

मैंने अस्वस्थ महसूस करते हुए कहा, "मुझे खेद है। मैं..."

“माफी मत मांगो, मेरी साथी,” स्ज़ारो ने दिलासा देते हुए कहा। “मैं यह नहीं नकारूंगा कि इस खबर से मुझे दुख हुआ है। मैं तुम्हारे गर्भ में अपने बच्चे को देखने का सपना देखता हूं। तुमने अभी तक मुझे नहीं चुना है, लेकिन मैंने तुम्हें चुन लिया है। मुझे तुम्हारे सिवा कोई और नहीं चाहिए। हालांकि, तुमने समझदारी से काम लिया। यह मेरी गलती है कि मैंने तुमसे इस बारे में बात नहीं की। अगर हमारा बच्चा होता और तुम मुझे छोड़कर चली जातीं, तो मैं पूरी तरह टूट जाता और तुम दोनों को खो देता।”

— चलो मान लेते हैं कि हम दोनों को इस बारे में उसी क्षण बात कर लेनी चाहिए थी जब हमने शरारती लोगों की तरह व्यवहार करना शुरू किया था, मैंने राहत भरी सांस लेते हुए कहा।

यह मेरी उम्मीद से कहीं बेहतर रहा।

"ठीक है," स्ज़ारो ने धीरे से कहा। "आपकी ईमानदारी के लिए धन्यवाद। आप इसे गुप्त रख सकती थीं और मैं यही मान लेता कि हम एक-दूसरे के अनुकूल नहीं हैं या हम संतान उत्पन्न करने में सक्षम नहीं हैं।"

मैंने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "मैं हमारे बीच कोई झूठ नहीं चाहती। यह रिश्ता चाहे जैसा भी हो और चाहे जिस दिशा में भी जाए, यह ईमानदारी पर आधारित होगा।"

स्ज़ारो मुस्कुराया और उसने मुझे और कसकर गले लगा लिया।

“तो चलिए, मैं आपको यह बात ईमानदारी से बता देता हूँ,” उन्होंने कोमल मुस्कान के साथ कहा। “जब भी आप अपनी प्रजनन अवस्था में होंगी, मैं आपसे जुड़ा रहूँगा, भले ही यह व्यर्थ लगे। मुझे आपसे इतना करीब से जुड़ा रहना अच्छा लगता है। मुझे आपकी अनिश्चितताओं की भी चिंता नहीं है। आप मेरी आत्मीय साथी हैं। देवी ने आपको तारों से चुनकर मेरे पास भेजा है। आप मेरे लिए और इस दुनिया के लिए बनी हैं। मुझे विश्वास है कि आप अपने दिल में यह पहले से ही जानती हैं। लेकिन आप जितना समय चाहें, ले लें। जो होना है, उसे कोई नहीं बदल सकता।”

अध्याय 18

उस बातचीत के बाद, हालात बदल गए... सकारात्मक तरीके से। या यूँ कहें कि मैं बदल गई। स्ज़ारो पहले जैसा ही रहा: प्यार करने वाला, ख्याल रखने वाला और बहुत मददगार। मैंने हमारे बीच जो भी दीवारें खड़ी कर रखी थीं, उन्हें गिरा दिया।

जब हम ज़मीन पर एक-दूसरे से लिपटे हुए लेटे थे, तब मैं गहन आत्मनिरीक्षण और आत्मपरीक्षण में लीन हो गई। मुझे एहसास हुआ कि मैंने उसे कितना दूर रखा था। बेशक, मैं उनके साथ शिकार पर जाती थी, उसके साथ बिस्तर साझा करती थी और उसके साथ एक जोड़े की तरह व्यवहार करती थी, लेकिन मैंने कभी भी खुद को ऑर्डोसियन जीवन में पूरी तरह से नहीं डुबोया था, मैंने कभी भी खुद को उसके सामने नहीं खोला था, और मैंने कभी भी उसे अपने जीवन में शामिल नहीं होने दिया था।

यह एक रक्षात्मक तंत्र था, खुद को बचाने का एक रास्ता। उससे प्यार हो जाना बहुत आसान था, और कई मायनों में आदिम माने जाने वाले ग्रह पर स्थायी रूप से बसने के लिए अपनी जड़ों को उजाड़ने का विचार डरावना था। लेकिन बदलाव का डर, अज्ञात का डर ही मुझे रोके हुए था। अंततः, असली सवाल यह था कि क्या मैं यहाँ खुश थी, और इसका जवाब था, बिल्कुल हाँ। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह थी कि मुझे नहीं लगता था कि कोई दूसरी दुनिया या दूसरा आदमी मुझे यहाँ अब तक मिली खुशी से ज़्यादा खुश कर सकता है।

इस अहसास से मेरे कंधों से बहुत बड़ा बोझ उतर गया। स्ज़ारो सही था। भीतर ही भीतर, मुझे पहले से ही पता था कि मैं उसके साथ यहीं रहूंगी। मुझे बस यह सुनिश्चित करने के लिए थोड़ा समय चाहिए था कि मैं जल्दबाजी तो नहीं कर रही हूँ।

अपने माता-पिता को यह खुशखबरी देना इतना आसान नहीं था। अत्यधिक दूरी और ओर्डोसियन लोगों की अविकसित तकनीक के कारण, सीधे संचार के लिए एक विशेष व्यवस्था अस्थायी रूप से स्थापित करनी पड़ी। स्ज़ारो से गर्भावस्था के बारे में बातचीत के कुछ दिनों बाद, मेरी अपने माता-पिता से हर महीने की तरह फोन पर बात हुई। स्वाभाविक रूप से, उन्हें मेरी स्थिति के बारे में पता था और उन्होंने मुझे ट्रांगोर से निकालने के लिए अपने सभी उच्च स्तरीय संपर्कों का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे।

पांच दिन बाद, स्ज़ारो की पुरानी त्वचा आखिरकार एक टुकड़े में उतर गई। यह वाकई देखने लायक था। उसके चेहरे के भाव अनमोल थे। ऐसा लग रहा था मानो उसे उस पल चरम सुख का अनुभव हुआ हो। अपनी चमकदार नई त्वचा में इतराते हुए वह पहले से लंबा, चौड़ा और कहीं अधिक प्रभावशाली दिख रहा था। लेकिन मेरे माता-पिता की नाराज़गी का साया मेरे पति की राहत को देखने की खुशी पर भारी पड़ गया।

उसके बाद के हफ्तों में, मुझे अपने माता-पिता से संदेशों की बाढ़ सी आ गई, जिनमें उन्होंने मुझे वहाँ रहने के लाखों कारण बताए और इससे जुड़े सभी खतरों का जिक्र किया। मैंने आसानी से उनके अधिकांश तर्कों का

खंडन कर दिया, यह साबित करते हुए कि यही बात लगभग हर उस जगह पर लागू होगी जहाँ मैं बसने का फैसला करता, बशर्ते वह कोई मानव बस्ती न हो। फिर भी, उनके एक तर्क ने मुझे चिंतित कर दिया।

ट्रांगोर पहुंचने के दूसरे सप्ताह के दौरान, मुझे वह मेडिकल मॉड्यूल प्राप्त हुआ जिसका मैंने ऑर्डर दिया था। मुझे आश्चर्य हुआ कि कायोग के अनुरोध पर, यूपीओ ने इसे नि:शुल्क नवीनतम मॉडल में अपग्रेड कर दिया था। इसके स्टेसिस चैंबर डिज़ाइन के कारण, यह मशीन मुझे स्वयं निदान करने, उपचार सुझाने और देने, और काफी उन्नत शल्य चिकित्सा करने में सक्षम बनाती थी। यह प्रसव में भी सहायता कर सकती थी। सबसे खराब स्थिति में, यदि मैं किसी गंभीर स्थिति में पहुँच जाता जहाँ यह मेरा इलाज नहीं कर पाता, तो मॉड्यूल मुझे स्टेसिस में डाल देता और मेरे नामित आपातकालीन संपर्क को संकट संकेत भेजता ताकि वे आकर मेरी सहायता कर सकें।

इससे और इस तथ्य से कि ओर्डोसियन वैद्य तेइची ने मानव शरीर रचना विज्ञान और क्रिया विज्ञान का अध्ययन शुरू कर दिया था ताकि जरूरत पड़ने पर वह मेरा इलाज कर सके, मुझे बहुत मानसिक शांति मिली थी। लेकिन यह शांति ज्यादा देर तक नहीं टिकी।

ट्रांगोर में अपने तीसरे महीने से कुछ दिन पहले, मेरी रीढ़ की हड्डी और बाहों पर दाने निकल आए। मुझे हल्का लेकिन लगातार बुखार था, बार-बार पेट में ऐंठन होती थी और कुछ खास गंधों से मतली होने लगती थी। मेडिकल मॉड्यूल कारण का पता नहीं लगा सका। मैं गर्भवती नहीं थी। मुझे कोई एलर्जी नहीं थी। मुझे किसी भी तरह के वायरस या बैक्टीरिया से ज़हर या संक्रमण नहीं हुआ था। फिर भी, मॉड्यूल मुझे लगातार यह विरोधाभासी संदेश भेजता रहा कि मेरे शरीर पर हमला हो रहा है, लेकिन न तो कारण का पता लगा सका और न ही मुझ पर हमला करने वाले "बाहरी" तत्व को खत्म कर सका।

स्ज़ारो चिंता से व्याकुल था। फिर हमने कायोग से संपर्क किया ताकि यूपीओ के यात्रा करने वाले मानव चिकित्सकों में से एक मेरी जांच कर सके। चूंकि इसके लिए मुझे कुछ दिनों के लिए ग्रह छोड़ना पड़ता—जो उस समझौते का सीधा उल्लंघन था जिसके तहत मुझे पहले मृत्युदंड से बचाया गया था—इसलिए इसे सावधानी से करना आवश्यक था। मुझे संदेह था कि इन परिस्थितियों में एल्डर्स या कोई अन्य जनजाति मेरे अस्थायी प्रस्थान पर आपत्ति जताएगी, विशेष रूप से पिछले तीन महीनों में उनके साथ मेरे द्वारा विकसित किए गए मजबूत संबंधों को देखते हुए। लेकिन स्ज़ारो का यह कहना कि वह एल्डर्स और किसी भी विरोध की अवहेलना करेगा, भले ही इसका मतलब उसका निर्वासन हो, मेरे इलाज के लिए, मुझे बहुत प्रभावित किया। मुझे अपने ऑर्डोसियन से प्यार हो गया था। और तब से हर दिन इस बात की पुष्टि करता रहा जो वह शुरू से जानता था: मैं उसके लिए और वह मेरे लिए बना था।

लेकिन बुजुर्गों के साथ यह चर्चा अनावश्यक साबित हुई। चूंकि यूपीओ की दवा कंपनियों के साथ व्यापार समझौते बरकरार थे, इसलिए वे हर दो सप्ताह में एक दल भेजकर ऑर्डोसियनों द्वारा उनके लिए रखे या एकत्र किए गए सामान को इकट्ठा करते थे। चूंकि परसों सामान लेने का कार्यक्रम था, इसलिए कायोग ने सुझाव दिया कि इसके बजाय ट्रांगोर में एक चिकित्सा विशेषज्ञ को लाया जाए। फेडरेशन का बेस कैंप—जो

वास्तव में यूपीओ का था—में एक अत्याधुनिक चिकित्सा कक्ष था, ताकि अगर कोई शिकारी या यूपीओ का प्रतिनिधि स्थानीय, आक्रामक वन्यजीवों द्वारा गंभीर रूप से घायल हो जाए तो उसका इलाज किया जा सके। हमने इस अवसर का लाभ उठाया। स्ज़ारो को पूरा भरोसा था कि अगर हमने पहला रास्ता चुना होता तो इलाज के बाद मैं वापस आ जाऊंगी। लेकिन मेरे साथ न रहने का विचार उसे बिल्कुल पसंद नहीं था, खासकर इसलिए क्योंकि हमें यह नहीं पता था कि डॉक्टर मुझे कितने समय तक अस्पताल में रखेंगे, एक बार जब उन्हें (उम्मीद है) पता चल जाएगा कि मुझे क्या हुआ है।

हालांकि मुझे ट्रांगोर में घूमने के लिए अपनी तेज़ रफ़्तार गाड़ी इस्तेमाल करने का अधिकार वापस मिल गया था, फिर भी मैंने डागास में स्ज़ारो के साथ यात्रा की, क्योंकि मैं अपनी गाड़ी को खुद चलाने में खुद को सक्षम महसूस नहीं कर रहा था। मुझे खुशी हुई कि हमारा स्वागत एक महिला डॉक्टर अहमद ने किया। मुझे हमेशा से महिला डॉक्टरों के साथ ज़्यादा सहज महसूस होता था। और इस मामले में, चूंकि वह स्ज़ारो की मौजूदगी में मेरे कपड़े उतरवाकर, मुझे छूकर और हर संभव तरीके से मेरी जांच करने वाली थीं, इसलिए संभावित असहजता काफी हद तक टल गई।

और उसने मेरी पूरी तरह से परीक्षा ली।

उन्होंने मेरा खून लिया और हर तरह के नमूने लिए। मुझे अपने खान-पान और स्वच्छता से लेकर अपने मेडिकल इतिहास और यौन जीवन के बारे में विस्तार से पूछे गए कुछ बेहद निजी सवालों के जवाब देने पड़े, जिनसे मैं अब भी बहुत शर्मिंदा हूं।

जी हाँ, प्रिय डॉक्टर, मैंने अपने पति के अजीबोगरीब लिंग को कई बार चूसा है और निगल भी लिया है। इसका स्वाद शहद जैसा है, जिसमें नमक की हल्की सी महक है। क्या आप इसके बारे में और कुछ जानना चाहेंगे?

उफ़...

ठोस नतीजों का इंतज़ार, या मेरी हालत के कारण का ज़रा सा भी सुराग मिलने का इंतज़ार, मुझे बुरी तरह से परेशान कर रहा था। जब उसने स्ज़ारो पर भी टेस्ट करवाने को कहा, तो मैं लगभग आपा खो बैठी। आखिर चल क्या रहा था? अपनी चिंता ज़ाहिर होने के बावजूद, स्ज़ारो ने खुशी-खुशी मान लिया। वह मुझे ठीक करने के लिए कुछ भी करने को तैयार था।

कम से कम चार घंटे के इस तमाशे के बाद, डॉक्टर ने अपने निष्कर्षों पर चर्चा करने के लिए हमसे मुलाकात की। मैं उनके सामने वाली कुर्सी पर बैठ गई और स्ज़ारो मेरे बगल में अपनी पूंछ पर उस अजीब तरीके से बैठा रहा और मेरा हाथ पकड़े रहा।

डॉ. अहमद ने सावधानी से कहा, "अच्छी खबर यह है कि आप बीमार नहीं हैं। आपको ऐसी कोई बीमारी नहीं है जिसका इलाज कराना जरूरी हो।"

मैंने एक राहत की सांस ली।

"तो, यह एलर्जी की प्रतिक्रिया है?" मैंने पूछा।

डॉक्टर हिचकिचाया।

आप इसे इस तरह कह सकते हैं। समस्या आपके गर्भनिरोधक इम्प्लांट से उत्पन्न होती है। आपका शरीर प्रतिक्रिया कर रहा है - वास्तव में, वह प्रोजेस्टिन को अस्वीकार कर रहा है - जिसे यह नियमित रूप से आपके रक्तप्रवाह में छोड़ता है।
मैं पीछे हट गया और असमंजस भरे भाव से उसे घूरने लगा।
"क्या? यह बात समझ में नहीं आती," मैंने बहस की। "मैं इस इम्प्लांट का इस्तेमाल सालों से बिना किसी समस्या के कर रहा हूँ।"
"यह सच है," डॉक्टर ने स्वीकार किया। "लेकिन यह पहले की बात है।"
— तुम्हारा क्या मतलब है? तुम "पहले" शब्द का प्रयोग इस तरह क्यों करते हो? मैंने पूछा।
डॉक्टर ने मेरे चेहरे को गौर से देखा, अपने निचले होंठ को काटते हुए, स्पष्ट रूप से उन सही शब्दों की तलाश कर रही थी जिनसे वह मुझे वह चौंकाने वाली बात बता सके जो मुझे पता था कि जल्द ही सामने आने वाली है। उसने स्ज़ारो की ओर देखा, जो उसे ध्यान से देख रहा था, फिर मानो उसने कोई निर्णय ले लिया हो।
— डॉ. अहमद ने कहा, "आपके शरीर पर जो दाने आप समझ रहे हैं, वे वास्तव में उत्परिवर्तन हैं।"
— क्या?! मैंने हैरानी से कहा।
"किस तरह के उत्परिवर्तन?" स्ज़ारो ने फुफकारते हुए कहा।
डॉ. अहमद ने कोमल भाव से हथेलियों को उठाते हुए कहा, "आप दोनों शांत हो जाइए। इसमें कुछ भी नकारात्मक नहीं है। आप किसी राक्षस में नहीं बदल रहे हैं। आप बस खुद को ढाल रहे हैं।"
"मुझे किस चीज के अनुकूल होना पड़ रहा है?" मैंने घबराहट के कगार पर खड़े होकर पूछा।
— अपने पति को।
मैं एकदम जम गया और मेरा दिमाग एक पल के लिए काम करना बंद कर दिया। फिर मैंने स्ज़ारो की ओर देखा, जो उसी विस्मयकारी भाव से मुझे घूर रहा था।
“हम ओर्डोसियनों के बारे में बहुत कम जानते हैं। इसीलिए मैंने श्री कोटा पर परीक्षण किए,” डॉ. अहमद ने समझाया। “शुरू में मुझे लगा कि आपको अपने पति के साथ संभोग करने से एलर्जी या विषाक्त प्रतिक्रिया हो रही है। हालांकि आप दोनों के बीच संभोग संभव है, लेकिन ओर्डोसियन और मानव प्रजनन प्रणाली एक-दूसरे के अनुकूल नहीं हैं। वास्तव में, आपके सभी परीक्षणों में आपके शरीर में बाहरी डीएनए और हार्मोन की उच्च मात्रा पाई गई।”
— क्या मैं अपने साथी को दुख पहुंचा रहा हूँ? स्ज़ारो ने इतनी पीड़ा भरी आवाज़ और इतने भावुक भाव से पूछा कि मेरा दिल टूट गया।
“नहीं, श्रीमान कोटा। ऐसा बिल्कुल नहीं है,” डॉ. अहमद ने नरमी से कहा। “जैसा मैंने सोचा था, उसके विपरीत, आपका डीएनए और हार्मोन किसी बाहरी तत्व, वायरस या बैक्टीरिया की तरह व्यवहार नहीं कर रहे हैं। वे आपके शरीर का अभिन्न अंग बन गए हैं, सुश्री बेलो। आपके गर्भाशय की परत में बदलाव आया है, या यूं कहें कि बदलाव की प्रक्रिया चल रही है। आपका पूरा अंतःस्रावी तंत्र भी बदल रहा है। आपका शरीर गर्भ

धारण करने के लिए खुद को ढाल रहा है। और आपका गर्भनिरोधक इम्प्लांट इस प्रक्रिया में बाधा डाल रहा है।”

डॉक्टर को घूरते हुए मेरा खाली हाथ अपने पेट पर चला गया। शुरू से ही मुझे अंदर ही अंदर पता था कि स्ज़ारो और मैं इतने अलग हैं कि बच्चे पैदा नहीं कर सकते। लेकिन अब सब कुछ बदल गया। मैंने स्ज़ारो की तरफ देखा, जो मेरी तोंद को हैरानी और उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा था। मेरा गला सूख गया। उसने ऊपर देखा और हमारी आँखें मिलीं। शब्दों की ज़रूरत नहीं थी। उसकी आँखों ने हमारे लिए उसकी सारी उम्मीदें और सपने बयां कर दिए।

मैंने उससे अपनी नजरें हटाईं और खुद को मजबूर करके डॉक्टर की ओर मुड़ी।

"और उस लालिमा का क्या?" मैंने पूछा। "आपने कहा था कि वह दाने नहीं हैं।"

डॉक्टर ने अपना गला साफ किया और कुर्सी पर थोड़ा हिलते हुए शर्मिंदा होकर मेरी तरफ देखा।

आपको उन क्षेत्रों में मापदंड विकसित करने चाहिए।

क्या मेरा पूरा शरीर पपड़ियों से ढक जाएगा?!

“नहीं! बिलकुल नहीं। या यूँ कहें कि ऐसा सोचने का कोई कारण ही नहीं है,” डॉ. अहमद ने अपनी बात सुधारते हुए कहा। “ये बदलाव सिर्फ़ दिखावटी हैं और उन जगहों तक ही सीमित रहेंगे जहाँ आपको अभी लालिमा है जिसे आपने दाने समझ लिया था। यानी, आपकी गर्दन के आसपास, रीढ़ की हड्डी के साथ-साथ और कंधों के बाहरी हिस्से से लेकर आपकी बांह तक। अगर इनसे आपको परेशानी होती है, तो मुझे लगता है कि इन्हें सर्जरी से हटाया जा सकता है। लेकिन मैं इस बात की गारंटी नहीं दे सकता कि ये दोबारा नहीं आएंगे।”

— वाह, ठीक है, मैंने अभिभूत महसूस करते हुए कहा।

"क्या इसे पलटा जा सकता है?" स्ज़ारो ने पूछा।

ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे किसी ने मेरे पेट में मुक्का मार दिया हो। मैंने गुस्से से उसकी तरफ देखा। आखिर वो ऐसा क्यों पूछ रहा था? क्या उसने अपना मन बदल लिया था? अब जब ये हकीकत बन चुकी थी, तो क्या वो मेरे साथ बच्चे पैदा करने की अपनी इच्छा पर सवाल उठा रहा था?

“जी हां, यह संभव है,” डॉ. अहमद ने सावधानी से कहा। “मामला नाजुक है, लेकिन अभी भी समय है... बशर्ते हम तुरंत या अगले दो दिनों के भीतर इलाज शुरू कर दें। हालांकि, इसका मतलब यह होगा कि आप शारीरिक संबंध बनाने या मुख मैथुन के माध्यम से वीर्य और हार्मोन जैसे तरल पदार्थों का आदान-प्रदान नहीं कर पाएंगी। इसलिए आप यौन रूप से सक्रिय रह सकती हैं, लेकिन कंडोम का उपयोग करना होगा। सुश्री बेलो को हार्मोन थेरेपी भी करानी होगी।”

मुझे कमजोरी महसूस हो रही थी।

"धन्यवाद, डॉ. अहमद," मैंने कहा, और अभी भी स्ज़ारो को घूर रही थी, जिसने बिना पलक झपकाए मेरी ओर देखा। "क्या आप थोड़ी देर के लिए हमें अकेला छोड़ सकते हैं, कृपया?"

"जी हां, बिल्कुल," डॉक्टर ने जवाब दिया।
वह झट से खड़ी हुई और कमरे से ऐसे निकल गई जैसे उसे बहुत जल्दी हो। मैंने अपने बचे-खुचे संयम को भी त्याग दिया और अपने चेहरे पर अपने दुख को स्पष्ट रूप से प्रकट होने दिया।
मैंने पूछा, "तुमने ऐसा क्यों पूछा? क्या तुम मेरे साथ और बच्चे नहीं चाहते?"
“सेरेना बेलो, मैं तुमसे प्यार करता हूँ,” स्ज़ारो ने ज़ोर देकर कहा। “मैं अपना पूरा जीवन तुम्हारे साथ, अपने घर में ढेर सारे बच्चों के साथ बिताना चाहता हूँ। मैं अपने घर के प्रवेश द्वार के हर कोने को उन दशकों की यादों से भरना चाहता हूँ जो हम साथ मिलकर संजोएँगे। मैं अपने बच्चों के निजी कमरों की दीवारों को उनकी कहानियों से भरना चाहता हूँ जैसे-जैसे वे बड़े होते और खिलते जाएँगे। मैं तुम्हारे साथ ट्रांगोर के हर कोने में घूमना चाहता हूँ, तुम्हें इस दुनिया की सुंदरता दिखाना चाहता हूँ और तुम्हारी नज़रों से इसे फिर से खोजना चाहता हूँ। और मैं चाहता हूँ कि हमें यह सब इसलिए मिले क्योंकि तुमने मुझे चुना है, क्योंकि तुमने हमें और इस भविष्य को चुना है। इसलिए नहीं कि तुम किसी जैविक या हार्मोनल प्रतिक्रिया में फँसी हो।”
मेरा सीना कस गया और प्यार की एक लहर मुझ पर छा गई।
"क्या आप चाहते हैं कि मैं प्रक्रिया को उलट दूं?" मैंने पूछा, मेरी निगाहें उसकी निगाहों के बीच घूम रही थीं।
उन्होंने दृढ़ता से कहा, “मैं चाहता हूँ कि तुम वही करो जो तुम्हें अपने लिए सबसे अच्छा लगे। तुम जो भी फैसला लो, मैं तुम्हारा साथ दूंगा। तुम्हारा फैसला किसी मनमानी समय सीमा के दबाव में या तुम्हारे शरीर की कमजोरी के कारण नहीं होना चाहिए।”
— अगर मैं कहूँ कि मैं इसे पलटना नहीं चाहता तो क्या होगा?
स्ज़ारो के चेहरे पर एक तीव्र भाव उभर आया। उसने मुश्किल से सांस ली और मेरा हाथ और कसकर पकड़ लिया।
"मैं आपसे पूछूंगा कि क्यों," उसने धीमी आवाज़ में कहा।
"और अगर मैं तुमसे कहूँ कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं भी तुम्हें हमारे घर के प्रवेश द्वार को उन मूर्तियों से सजाते हुए देखना चाहती हूँ, जितनी तुम्हारे पिता ने एरास्ट्रा के लिए सजाई थीं?" मैंने भावुकता से भरी आँखों से पूछा।
— मैं आपको बताऊँगा कि इससे मैं ब्रह्मांड का सबसे खुश पुरुष बन जाता हूँ, उसने कहा और मुझे मेरी कुर्सी से खींचकर अपने ऊपर बिठा लिया।
"और अगर मैं तुमसे कहूँ कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं तुमसे बेइंतहा प्यार करती हूँ और मैं खुद को किसी और के साथ सोच भी नहीं सकती, क्योंकि तुमने मुझे बाकी सभी पुरुषों में दिलचस्पी खो दी है?" मैंने उसकी गर्दन में बाहें डालकर और अपना माथा उसके माथे से सटाते हुए पूछा।
"मैं तो यही कहूंगा कि मैंने तुमसे कहा था," उसने जवाब दिया और फिर मेरे होंठों को एक जोशीले चुंबन से चूम लिया।

उपसंहार

मेरी साथी ने उसी दिन डॉ. अहमद से अपना प्रत्यारोपण निकलवा लिया। हमने तय किया कि नियमित फॉलो-अप उचित रहेगा, क्योंकि यह एक ऑर्डोसियन और एक इंसान के बीच पहला दर्ज किया गया मिलन था। डॉक्टर ने हर दो महीने में व्यक्तिगत रूप से मिलने का वादा किया, लेकिन सेरेना उन्हें हर दो सप्ताह में अपने स्वयं के निदान भेजती थी, जो वह मेडिकल मॉड्यूल का उपयोग करके करती थी, जिसे हमारी अनूठी स्थिति को ध्यान में रखते हुए फिर से कॉन्फ़िगर किया गया था।

इंप्लांट हटाने के 48 घंटों के भीतर, मेरी साथी को हो रहे सभी नकारात्मक लक्षण गायब हो गए। दो सप्ताह बाद, मेरी महिला के हाथों और रीढ़ की हड्डी पर सुनहरे रंग के शानदार शल्क उग आए, जो मेरी कल्पना से भी कहीं अधिक सुंदर थे। कुछ बिखरे हुए शल्क उसके श्रोणि क्षेत्र की शोभा बढ़ा रहे थे। वे सूर्य की रोशनी में चमक रहे थे, जिससे वह मेरे लिए आशिना जैसी और भी अधिक सुंदर लग रही थी।

मैंने उससे आग्रह किया कि वह जितना हो सके बिना आस्तीन के कपड़े और पीठ खुली हुई पोशाकें पहने ताकि हर कोई हमारे बंधन की शानदार अभिव्यक्ति देख सके। उसे बेहद खुशी हुई, और मेरी साथी की शारीरिक शक्ति और सुनने की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

जब सेरेना ने पहली बार अपने माता-पिता को इन बदलावों और ट्रांगोर में स्थायी रूप से रहने के अपने फैसले के बारे में बताया, तो चीजें कुछ खास अच्छी नहीं रहीं। कुछ महीने बीत गए और उन्होंने उसके फोन या मैसेज का जवाब नहीं दिया। लेकिन आखिरकार, उन्होंने रिश्ते फिर से सुधार लिए। आखिर, वे परिवार थे।

हालाँकि सेरेना ने ड्रायशन की सवारी खुद ही सीख ली थी, फिर भी वह मुख्य रूप से मेरे साथ ही डागास (घोड़े) की सवारी करती थी, जिससे मुझे कोई आपत्ति नहीं थी। वह हमारी संस्कृति में पूरी तरह घुलमिल गई और उसके विकास में योगदान दिया। हालाँकि उसका अधिकांश समय शिकार के कामों में बीतता था—मेरे साथ प्रकृति की देखरेख और खोजबीन में जाना—वहीं उसने सलहा के साथ संरक्षक की भूमिका सीखने में भी काफी समय बिताया। और एल्डर क्राथी को उसे ओर्डोसियन लोगों की परंपराओं और इतिहास के बारे में सिखाने में बहुत आनंद आता था।

लेकिन सबसे बेहतरीन अनुभव ट्रांगोर की असंख्य जनजातियों के दर्शन से मिला। तुलमा से लौटने के बाद, सेरेना की नृत्य प्रतिभा की चर्चा तेज़ी से फैल गई। स्वाभाविक रूप से, हमारी जनजाति ने भी एक लाइव प्रदर्शन की मांग की। सेरेना ने हमारे दूसरे समारोह में किए गए नृत्य से अलग नृत्य प्रस्तुत किया, लेकिन वह उतना ही शानदार था। हालाँकि ओर्डोसियन लोग बहुत सामाजिक नहीं होते, फिर भी हमारी जनजाति के कलात्मक रूप से प्रतिभाशाली सदस्य हर दस से बारह दिनों में एक बार सर्कल में प्रदर्शन करते थे। सेरेना आधिकारिक तौर पर इस कार्यक्रम का हिस्सा बन गईं। उन्होंने न केवल रिबन से हमें मंत्रमुग्ध किया, बल्कि गुब्बारे और अजीबोगरीब आकार की छड़ियों, जिन्हें वह क्लब कहती थीं, से भी अद्भुत करतब दिखाए।

पहले तो, दूसरे कबीलों के कई शिकारी क्राडा में देखने आए। लेकिन चूंकि ज्यादातर ओर्डोसियन महिलाएं अपने गांवों से दूर नहीं जाती थीं, इसलिए उनमें से कई ने सेरेना को अपने पास बुलाने का अनुरोध किया। वैसे

भी, सभी को उसकी अद्भुत प्रतिभा को प्रत्यक्ष रूप से देखने देना ज्यादा आसान होता। इसलिए हमने यात्रा की और इन प्रदर्शनों का समय हमारी पहले से तय लंबी दूरी की टोही अभियानों की योजना के साथ मिलाया। छह महीने बीत गए। हालाँकि मुझे पहले से ही पता था कि सेरेना हमारे रिश्ते के प्रति पूरी तरह समर्पित थी, फिर भी जब यह रिश्ता आधिकारिक तौर पर समाप्त हुआ तो मुझे राहत मिली। अगले महीने, हमने फेडरेशन के एक और शिकार को मंजूरी दी, इस बार स्किनर्स से कहीं अधिक घातक और कपटी जीव के लिए। और भी कठोर चयन प्रक्रिया के साथ, फेडरेशन ने इस बार किसी भी अप्रिय घटना से बचने की उम्मीद की - और वे सफल भी हुए।

हंट के आखिरी दिन, सेरेना ने घोषणा की कि वह गर्भवती हैं।

आज भी मुझे समझ नहीं आता कि उस दिन दीवारें क्यों नहीं गिरीं, मैं खुशी से इतनी ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रही थी। कहने की ज़रूरत नहीं, मैंने अपनी ज़रूरत से ज़्यादा सुरक्षात्मकता से अपने साथी को पूरी तरह से परेशान कर दिया था। मेरी माँ मेरी बेटी और उसके आने वाले दूसरे पोते/पोती की देखभाल के लिए हमारे साथ रहने आ गईं। इससे स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ और बिगड़ भी गई। इन सब के बावजूद, सेरेना इस सहयोग के लिए आभारी थी। वह पहले मानव-ऑर्डोसियन संतान के साथ कुछ गलत होने की संभावना को लेकर जितना मानती थी, उससे कहीं ज़्यादा तनाव में थी।

मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई कि मेरी पत्नी ने स्वेच्छा से सभी खोजी अभियानों से अपना नाम वापस ले लिया, यहाँ तक कि गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में भी, जब डॉ. अहमद ने कहा था कि तकनीकी रूप से कोई खतरा नहीं है। इसके बजाय, मेरी पत्नी ने एक ऐसे प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जिसे वह काफी समय से संजोए हुए थी। उसने ट्रांगोर के पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं का एक विस्तृत विश्वकोश लिखना शुरू किया। तथ्यों और चित्रों के अलावा, उसने उनसे जुड़ी परंपराओं और लोककथाओं को भी शामिल किया, वे कहानियाँ जो उसने उन सभी गाँवों के बुजुर्गों से एकत्रित की थीं जहाँ हम गए थे। यद्यपि यह बाहरी लोगों के लिए था, यह हमारे अपने लोगों के लिए भी एक शैक्षिक संसाधन बन गया।

सेरेना को बड़ी हैरानी हुई जब दोपहर करीब 12 बजे, गर्भावस्था की घोषणा के ठीक छह महीने और आठ दिन बाद, उन्हें पहला प्रसव पीड़ा महसूस हुई। चौंतीस मिनट बाद, हमने अपनी नन्ही सेथे का दुनिया में स्वागत किया। चूंकि ऑर्डोसियन गर्भावस्थाएं आमतौर पर पांच महीने की होती हैं, इसलिए जब सेरेना की गर्भावस्था छह महीने पार कर गई, तो हमने सोचा कि यह इंसानी गर्भावस्था की तरह नौ महीने तक चलेगी। प्रसव पीड़ा शुरू होने से लेकर बच्चे के जन्म तक की गति को देखते हुए, उन्हें चिंता थी कि कहीं बच्चा समय से पहले पैदा न हो जाए या संकट में न हो।

लेकिन हमारा बेटा उम्मीद से कहीं ज्यादा उत्तम था।

मैं उसे निहारता रह गया। मैंने पहले कभी किसी ऑर्डोसियन को काले शल्कों के साथ नहीं देखा था। उसके शल्क ओब्सीडियन की तरह चमक रहे थे। चांदी के शल्कों ने उसके हुड के किनारे को ढका हुआ था, जबकि कुछ शल्क उसके कंधों पर भी थे। उसकी लंबी पूंछ, आकार और मोटाई दोनों में, उसे एक शिकारी के रूप

में दर्शाती थी और संकेत देती थी कि वह मेरे पिता जितना, या शायद उससे भी अधिक विशालकाय होगा। सेथे ने अपनी माँ को चांदी जैसी आँखों से देखा, जिनकी ऊर्ध्वाधर पुतलियाँ एक ऑर्डोसियन के लिए सामान्य से थोड़ी चौड़ी थीं। वह मुस्कुराया, उसके छोटे नुकीले दांत बाहर निकले हुए थे।

"वह शानदार है, मेरा साथी," मैंने भावुकता से गला भरते हुए कहा।

"हाँ, बिल्कुल," उसने सिर हिलाते हुए कहा, उसकी आँखों में आँसू भर आए। "वह अपने पिता की हूबहू प्रतिरूप है।"

उसने मेरी ओर मुड़कर देखा, उसकी आँखों में अपार प्रेम झलक रहा था।

जिस दिन कायोग ने मुझसे कहा कि मुझे फांसी से बचने के लिए एक ओर्डोसियन से शादी करनी होगी, मुझे लगा कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई। मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि यह वास्तव में एक परी कथा की शुरुआत थी। मेरी जान बचाने और उस समय मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद, जब मैं इतनी अंधी थी कि अपनी खुशी को अपने सामने ही नहीं देख पा रही थी।

“हमें मौका देने के लिए और मुझे वो परिवार देने के लिए धन्यवाद जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था लेकिन कभी सोचा भी नहीं था कि मुमकिन होगा,” मैंने अपनी उंगलियों से उसके गाल को सहलाते हुए जवाब दिया।

“मैं तुमसे प्यार करता हूँ, सेरेना।”

— मैं भी तुमसे प्यार करती हूँ, स्ज़ारो।

पंख

क्या आप मानसिक शक्तियों से संपन्न साहसी महिलाओं के साथ और भी रोमांचक अंतरतारकीय कारनामों का आनंद लेना चाहते हैं? तो मेरी 'Xi Warriors' श्रृंखला की पहली कड़ी, 'Doom' पर एक नज़र डालें!

SZARO & SERENA

SZARO & SERENA

SCOGA

ÉCORCHEUR

उसी लेखक द्वारा

अगर आपको मेरी किताब पसंद आई हो, तो कृपया अमेज़न और गुडरीड्स पर एक छोटी सी समीक्षा लिखने के लिए थोड़ा समय निकालें। यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है!

वेरेडिया क्रॉनिकल्स

नियति से पलायन

अंधा भाग्य

अमालिया का पालन-पोषण

भाग्य की अनिश्चितताएँ

भाग्य के हाथ

नियति को चुनौती देना

वारियर्स XI

कयामत

सैन्य टुकड़ी

काला कौआ

फटकार

अव्यवस्था

सुरक्षित

काटनेवाला

क्रोध

पीतल

एंटोन की कृपा

रविक की दया

क्राइगोर की आशा

कुहरा

ले मिस्टवॉकर

दुःस्वप्न

एजेंसी प्राइम

मैंने एक छिपकली जैसे आदमी से शादी की

मैंने एक नागा से शादी की

वालोस ऑफ सोनहाद्रा

बर्फ का शहर

बर्फ जेल

अन्य

कुबड़ा

क्रिसमस के लिए एक एलियन

अंग्रेजी में पुस्तकें

अंधेरी कहानियाँ

ब्लूबियर्ड का अभिशाप

अन्य

स्टील की तरह सच्चा

एलियन जागरण

हार्ट ऑफ़ स्टोन

डार्क स्वान

रेगिन के बारे में

यूएसए टुडे की बेस्टसेलर लेखिका रेगिन एबेल को भविष्यवादी, अलौकिक और काल्पनिक प्रेम कहानियां बेहद पसंद हैं। उनकी किताबों में हमेशा जादू का स्पर्श, अनोखे तत्व और एक भावुक युगल मौजूद होते हैं। उन्हें आकर्षक एलियन नायकों और बुद्धिमान, सशक्त नायिकाओं की रचना करना अच्छा लगता है, जो एक्शन, ट्विस्ट और रहस्य से भरी कहानियों के माध्यम से काल्पनिक दुनिया में रोमांच का सफर तय करते हैं।

लेखन को पूर्णकालिक रूप से अपनाने से पहले, रेगिन ने अपने अन्य शौक - संगीत और वीडियो गेम - में भी रुचि ली! फिल्मों और संगीत कार्यक्रमों की डबिंग में एक दशक तक साउंड इंजीनियर के रूप में काम करने के बाद, रेगिन गेम डिजाइनर बनीं और फिर वीडियो गेम में क्रिएटिव डायरेक्टर बनीं। इस करियर ने उन्हें उनके निवास देश कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका और फिर यूरोप और एशिया के विभिन्न देशों में पहुंचाया।

फेसबुक

साइट वेब

रेगिन के विद्रोही पाठक समूह

न्यूज़लेटर सदस्यता

बुकबब

वीरांगना

फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम बुकबब गुडरीड्स